ISSN– 2395-1699

निरयणं दृक्तुल्यञ्च केतकीपक्षसम्मतम्। नैसर्गिकं हि पञ्चाङ्गं भारते भासतां सदा॥

भारतीय शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य निरयण चित्रापक्षीय

नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग

राजा - शुक्र

मन्त्री - बुध

विक्रमसंवत् - २०७३

शकसंवत् - १९३८

कलिसंवत् - ५११७

ईसवीय सन्- २०१६-१७

प्रधानसम्पादक - प्रो. रामचन्द्रपाण्डेय

सम्पादक - प्रो. देवीप्रसादत्रिपाठी

प्रकाशक - नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, नई दिल्ली-१६



ज्योति:शास्त्रविचारणाचरणभागध्यायबोधोऽलसत्
प्रज्ञाऽज्ञानसुशिष्यचक्रविकिरद्- विज्ञान- पारम्परी।
स्वर्गङ्गामवगाहतेऽमलतनुर्हंसीव यस्य स्वतः
स्वर्यातः स सदा स्मृतामृतयशाः कल्याणदत्तो गुरुः॥

पुण्य स्मृति में समर्पित

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपति सम्मानित गोलोकवासी महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी का सम्पूर्ण जीवन केतकी ग्रहगणित के द्वारा पंचाग निर्माण और पंचांगों के परिमार्जन और शुद्धिकरण के लिए विभिन्न स्थानों में ज्योतिष के प्रत्यक्ष ज्ञान के निमित्त पाषाण वेधशालाओं के निर्माण में व्यतीत हुआ । आपने अपने जीवन का सर्वाधिक समय सभी भारतीय पंचांगों को दृक्सिद्ध बनाने में व्यतीत किया । आपके द्वारा अध्यापित और प्रशिक्षित ज्योतिष शास्त्र के अनेक अध्येता आज ज्योतिष जगत् में कार्यरत हैं। उत्तर भारत में एकमात्र शुद्ध केतकरीय पद्धति पर आधारित यह पंचाग भी मूल रूप में आपकी ही भावनाओं का प्रतिफल है। अतः इस पंचांग को कीर्तिशेष महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी की पुण्यस्मृति में समर्पित करते हुए संस्था अपार हर्ष का अनुभव कर रही है।

प्रधान सम्पादक

प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय

अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग, संकाय प्रमुख-सं.वि.ध.वि.संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

सम्पादक एवं गणितकर्त्ता

प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी (अवैतनिक)

अध्यक्ष- वास्तुशास्त्र विभाग, अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग,
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110016

सहायक सम्पादक

डॉ० मिनाक्षी मिश्र
(अवैतनिक)
सहा.आचार्या शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

डॉ० अशोक थपलियाल
(अवैतनिक)
सहा.आचार्य ज्योतिष विभाग
भोपाल परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,
नई दिल्ली-58

प्रकाशन सहायक

श्रीयोगेन्द्र शर्मा, श्रीदीपक वशिष्ठ, श्रीमृत्युञ्जय त्रिपाठी, श्रीरविन्द्र उनियाल, श्रीकन्हैया कुमार झा, श्रीअव्यक्त रैणा

प्रकाशक
नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई
200 कटवारिया सराय, नई दिल्ली-16

मुख्य कार्यालय
नैसर्गिक शोध संस्था
38 मानस नगर कालोनी, वाराणसी-5

प्रकाशन वर्ष - 2016 ई., **पुष्प** -द्वितीय **मूल्य** - रु. 45/-

पंचांग परिचय

अक्षांश 28°39° N, रेखांश 77°12°E, पलभा 06°33°

भारतवर्ष में सम्प्रति विभिन्न पद्धतियों से पंचांग निर्माण होता है। इनमें तिथ्यादि के मानों में विसंगति के कारण व्रत पर्वोत्सव में भी विसंगतियां दृष्टिगोचर होती हैं। इस विषय में ध्यातव्य है कि हमारे ऋषि-महर्षियों एवं आचार्यों ने सदैव ही दृक्तुल्य गणित का समर्थन किया है। ऋषि वसिष्ठ का कथन है कि -

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्॥

इसी प्रकार प्रसिद्ध आर्षग्रन्थ सूर्यसिद्धान्त कालभेदानुसार गणित में अन्तर को - **युगानां परिवर्तनेन कालभेदोऽत्र केवलः** कहकर दृक्तुल्यता का ही समर्थन करता है। यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
भवन्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

एवमेव भास्कराचार्य द्वितीय, आचार्य गणेश दैवज्ञ आदि प्रायः सभी सिद्धान्त ज्योतिष के महान आचार्य दृक्तुल्य गणित को ही विवाहादि संस्कारों तथा व्रतपर्वोत्सवादि कार्यों के लिए आवश्यक मानते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पंचांग दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकीय ग्रहगणितीय पद्धति पर दिल्ली के अक्षांश एवं रेखांश के अनुसार निर्मित है।

इस पंचांग में तिथि, नक्षत्र, योग और करण के आगे निर्दिष्ट घटी व पल तत्सम्बन्धी तिथ्यादि के सूर्योदय के बाद की स्थिति को वताता है। इसी प्रकार तिथि व नक्षत्र के घटी पल के आगे निर्दिष्ट घण्टा मिनट उसके समाप्ति काल को प्रदर्शित करता है। इस पंचांग में प्रयुक्त घण्टा व मिनट मान भारतीय स्टैण्डर्ड समय अर्थात् रेडियो टाइम के अनुसार दिये गये हैं। अतः इस पंचांग के समय को भारत में अपनी घडी के अनुरूप मिलाकर समय का अनुपालन कर सकते हैं। इस पंचांग में दिए गए मान यथासम्भव विशुद्ध देने के प्रयास किए गए हैं। फिर भी यान्त्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं। अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों पर ध्यान न देते हुए पंचांग के उपयोगी तथ्यों को ग्रहण करेंगे। यतः -

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समाददति सज्जनाः॥

\- सम्पादक

विषय सूची

मंगल वाक्

॥श्रीमन्महागणाधिपतये नमः॥

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।

दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते॥

सर्वविद्या की राजधानी के अधिष्ठाता एवं सभी विद्याओं के गुरु बाबा विश्वनाथ के अनुग्रह से नैसर्गिक शोध संस्था के प्रारम्भिक उद्देश्यों में से चिरप्रतीक्षित पंचांग प्रकाशन का संकल्प साकार हुआ। इस महनीय अवसर पर मैं संस्था से जुडे सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। पंचांग प्रकाशन की यह एक महत्वाकांक्षी योजना संस्था के चारों केन्द्रों से प्रारम्भ करने की थी, किन्तु संसाधनों के अभाव तथा अन्य अनेक व्यवधानों के कारण प्रकाशन प्रारम्भ नहीं हो सका था। आज से कुछ वर्ष पूर्व प्रवासी भारतीय जो ट्रिनीडाड एवं टुबैको के नागरिक हो चुके हैं, उनकी आस्था और जिज्ञासा को देखते हुए ट्रिनीडाड के अक्षांश से एक सम्पूर्ण पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन काशिका ट्रिनीडाड पंचांग के नाम से संस्था के वाराणसी केन्द्र से किया गया था। वहाँ के प्रधानमन्त्री के काशी आगमन पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्कालीन यशस्वी कुलपति प्रो.(डॉ.) हरिगौतम ने अपने आवास पर उन्हें उक्त पंचांग की प्रति समर्पित की थी। ट्रिनीडाड में भी प्रधनमन्त्री महोदय ने एक समारोह में उसका लोकार्पण किया था। दो वर्षों तक काशी से प्रकाशन करने के उपरान्त इसका प्रकाशन, कलेवर परिवर्तन के साथ ट्रिनीडाड से होने लगा। भारतीय विधि से यह प्रयोग भारत से बाहर किसी अन्य देश के लिए प्रथम बार किया गया था, जो सफल एवं प्रशंसित रहा है।

तत्पश्चात् विगत वर्षों से पुनः पंचांग प्रकाशन की योजना पर विचार विमर्श चल रहा था, किन्तु पूर्व संकल्प के अनुसार इसे संस्था के चारों केन्द्रों से एक साथ प्रारम्भ करने में अत्यधिक धन की आवश्यकता पड रही थी। अतः अर्थसंकट को देखते हुए इस कार्य को चरणबद्ध ढंग से करने का निश्चय किया गया। संस्था ने यह निर्णय लिया कि सर्वप्रथम इस पंचांग का शुभारम्भ देश की राजधानी से किया जाय। कुछ आवश्यक संस्कारों द्वारा अन्य केन्द्रों में भी इसी पंचांग का उपयोग तव तक किया जाय जव तक अन्य केन्द्रों से प्रकाशन प्रारम्भ न हो जाय। अतः सर्वसम्मति से इस पंचांग निर्माण का दायित्व दिल्ली केन्द्र के सचिव प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को दिया गया। प्रो. त्रिपाठी ने मनोयोग से इस कार्य को सम्पन्न किया। फलस्वरूप आज यह पंचांग अपने पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

भारतीय पद्धति से दृक्तुल्य पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन भी संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारतीय दैवज्ञों के सिद्धान्तों का सदैव मैं आदर करता रहा हूँ। इसीलिए आचार्यो के निर्देशानुसार सूर्यसिद्धान्त में अपेक्षित परिष्कारों के साथ उसी सिद्धान्त के अनुसरण का पक्षपाती रहा हूँ। मुझे प्रसन्नता है कि सूर्यसिद्धान्त के परिष्कार सम्बन्धी अनुसन्धान में कई युवा विद्वान कार्यरत हैं। इसी बीच भारतीय शुद्ध पंचांगों की आवश्यकता को देखते हुए आचार्य गणेशदैवज्ञ एवं आचार्य केतकर के मार्गो का अनुसरण करते हुए दृक् तुल्य पंचांग का प्रयास किया गया। आशा है कि पाठकगण इस प्रयास का स्वागत करेंगे। पाठकों की सन्तुष्टि ही संस्था के लिए रसायन होगी।

सर्व साधारण की सुविधा की दृष्टि से तिथि नक्षत्रादि के मान घटी पल के साथ साथ भारतीय मानक समयानुसार दिये गये हैं। दैनिक लग्नसारिणी भी मानक समयानुसार ही दी गई है। व्यावहारिक सरलता को ध्यान में रखते हुए अगले अंक से संस्था के अन्य केन्द्रों के अंक्षांशानुसार लग्न समाप्ति काल जानने के लिए एक पृथक् से सारिणी देने की योजना है। इस प्रकार समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन एवं संवर्धन भी किया जायेगा। संस्था न हानि न लाभ की दृष्टि से केवल भारतीय विद्याओं के प्रसार एवं संवर्धन हेतु कार्य करती है। व्यावहारिक दृष्टि से कुछ त्रुटियां भी सम्भव हैं। अतः प्रबुद्ध पाठकगण उनका मार्जन करते हुए संस्था को अवगत कराने का कष्ट करेंगे ताकि अग्रिम अंकों में उनका समुचित समाधान किया जा सके। सहयोग हेतु संस्था सदैव आभारी रहेगी।

मैं इस दुरूह तथा श्रमसाध्य कार्य के लिए प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने संस्था के लिए निःस्वार्थभाव से अपने व्यस्त क्षणों से समय निकाला तथा इस कार्य को पूर्णता तक पहुंचाया। साथ ही संस्था के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिनका सहयोग सदैव संस्था को सुलभ रहता है। अन्त में संस्था की ओर से आगामी भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें। नववर्ष देश एवं देशवासियों के लिए सभी प्रकार से सुख एवं सम्मान में वृद्धिकारक हो। जय भारत।

नववर्षं वर्षतु हर्षरसम्

शिवरात्रि, सं २०७२
नैसर्गिक शोध संस्था, वाराणसी

रामचन्द्रपाण्डेय
प्रधान सम्पादक

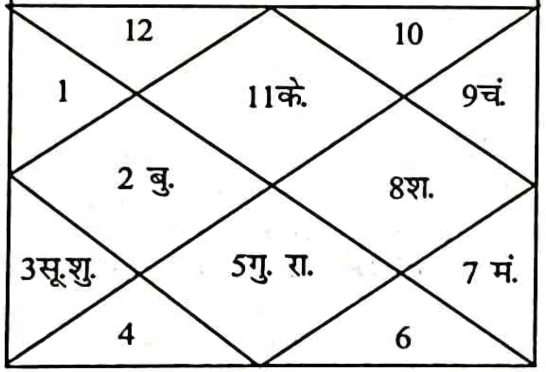
।।संवत्सरादिफलम्।।

।।श्रीमन्महागणाधिपतये नमः।।श्रीसरस्वत्यै नमः।।श्रीमहालक्ष्म्यै नमः।। **चैत्रप्रतिपदि कृत्यम्-** प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद्ध्वजारोपणम्। स्नानं मंगलमाचरेद् द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम्।। देवानां गुरुज्योतिषां च विभवालंकारवस्त्रादिभिः। सम्पूज्यो गणकः फलं च शृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम्।**संवत्सरादिफलश्रवणमाहात्म्यम्** - राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलम्। धान्येशात् कमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात्।। धर्मे बुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत्। सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी वर्षावली श्रूयताम्।।**अथ ब्रह्मायुर्निरूपणम्-** श्रीमद्भगवतो विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणो ब्राह्ममानेन परमायुः 100वर्षाणि अर्थात् 311040000000000सौरवर्षाणि। ब्रह्मणः जन्मादिगतसौरवर्षाणि 155521972949117, कल्पादितः गतसौरवर्षाणि 1972949117, सृष्ट्यादितः गतवर्षाणि 1955885117,अथ ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तविंशतिमहायुगानि व्यतीतानि। अष्टाविंशमहायुगस्य च कृतत्रेताद्वापराख्ययुगचरणत्रयं व्यतीतम्।**कृतयुगवर्णनम्-**कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमयामे श्रवणऽर्क्षे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। तस्य मानं 1728000सौरवर्षाणि। अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः मत्स्यकूर्मवाराहनृसिंहावताराः। तत्र पापम् 0 पुण्यम् 20। **त्रेतायुगवर्णनम्-** वैशाखशुक्लतृतीयायां द्वितीययामे रोहिणीनक्षत्रे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः तस्य मानं 1296000सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः वामनपरशुरामरामावताराः। तत्र पापम् 05 पुण्यम् 15। **द्वापरयुगवर्णनम्-** माघकृष्णामावस्यायां तृतीययामे धनिष्ठाऽर्क्षे वरीयानयोगे द्वापरयुगोत्पत्तिः। तस्यमानं 864000सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः श्रीकृष्णबलरामावतारौ। तत्र पापम्10 पुण्य 10 । **कलियुगवर्णनम्-** भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां निशीथे कृत्तिकाऽर्क्षे व्यतीपातयोगे कलयुगोत्पत्तिः। तस्य मानं 432000सौरवर्षाणि। अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः बुद्धावतारोऽभवत् । कलियुगस्य 821 वर्षावशेषकाले कल्क्यावतारो भविष्यति। सम्प्रति कलेः 5117 सौरवर्षाणि व्यतीतानि। भोग्यवर्षाणि 4268843वर्षाणि। तत्र पापम्15 पुण्यम्05। **संवत्सरफलम्** - तत्र गुरुमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये **सौम्य**नामसंवत्सरः। तत्र मेषार्कसमये गतमासादयः 00/10/39/21 भोग्यमासादयः 11/49/20/39। संकल्पादौ वर्षान्तं यावत् सौम्यसंवत्सरः एव प्रयोक्तव्यः। **तस्य फलम्** - सौम्याब्दे सुखिनो लोका बहुसस्यार्घ वृष्टिभिः। विवैरिणौ धराधीशा विप्राश्चाध्वरतत्पराः।। बृहत्संहितानुसारेण तु - शुभप्रदौ कीलकसौम्यसंज्ञौ।।इति। **गुरूदयाब्दफलम्-** गुरूदयाब्दनाम फाल्गुनाब्दः। **तस्य फलम्**-फाल्गुनाब्दे चोरभीतिः स्त्रीणां दौर्भाग्यता भृशम्। क्वचिद्वृष्टिः क्वचित् सस्यं क्वचिदीतिः क्वचित् सुखम्।। **वर्षाधिपतिः** - सौम्यदैवतयुगे पंचसंवत्सराणां मध्ये इदावत्सरः, तस्याधिपः चन्द्रः। **संवत्सरस्य राजा** - शुक्रः। **तस्य फलम्-** जलधान्यानि सर्वाणि स्थलधान्यानि यानि च। फलन्ति बहुधा भूमौ शुक्रे वर्षाधिपे सति।। **तस्य वाहनं** मण्डूकः। **नागनाम**-द्वादशनागानां अश्वतरनागेन्द्रः। **तस्य फलम्**- अवृष्टिः अकालश्च। **रोहिणीवासः**-पर्वते। **तस्य फलम्**- अवृष्टिः अकालश्च। **समयनिवासः**- कुम्भकारगृहे।वायुनाम- संवहः। **तस्य फलम्**- अल्पवृष्टिः। **तटित्संज्ञकविद्युत्** - चंचला।**तस्य फलम्**-सुभिक्षकृत्। **समुद्रनाम-** क्षारः। **तस्य फलम्** -सुवृष्टिः। **गर्जितानां मध्ये** - नीचः। **तस्य फलम्**- सुवृष्टिः। **अष्टभूवाहकशेषानां मध्ये**- पद्मकः। **तस्य फलम्**- पद्मके भूमिवाहे तु नागे स्यादुत्तमं फलम्। प्रजानां सुखमत्यन्तमारोग्यं जायते ध्रुवम्। **पशुपालकः**-गोपालः, **तस्य फलम्**- पशुवृद्धिस्सुभिक्षं च बहुसस्यार्घसम्पदः। बहुक्षीरप्रदा गावः गोपाले पशुनायके।। इति।। **अथ राजादिश्रवणमाहात्म्यम्** - यः शृणोति मधुशुक्लपक्षके वर्षनाथसचिवादिकं फलम्। प्राप्नुयाद्दुरितमुक्तविग्रहः चायुरर्थमतुलं यशस्सुखम्।। अस्मिन् वर्षे आकाशीयमन्त्रिपरिषदि **राजा**- शुक्रः, **मन्त्री** - बुधः, **अर्घेशः**- भौमः, **सस्येशः**- शनिः, **सेनाधिपः**- भौमः, **रसेशः**- चन्द्रः, **धान्येशः**- गुरुः, **नीरसेशः**-शनिः, **मेघेशश्च**- भौमः। अथ **राजा शुक्रफलम्** - समृद्धसस्या वसुधा सुवृष्टिर्गावो हि सम्पूर्णपयः प्रदाः स्युः। प्रियः प्रियाणां जनयन्ति तेषां कामोपचारैर्भृगुजेऽब्दनाथे।। **मन्त्रिबुध फलम्** -वायुना पीडिता मेघास्सर्वे पापरताः नराः। अमात्ये सोमपुत्रे तु जायते मध्यमं फलम्।। **अर्घेशभौमफलम्-** अर्घाधीशे भौमे भूपानां भूरि भीतिदं युद्धम्। कृषिपण्यगवां हानिर्लोहितधान्यार्घवृद्धिः स्यात्।। **सस्येशशनिफलम्-** तिलमाषकुलुत्थादिकृष्णधान्यानि यानि च। कृष्णभूमिसुफलिता सस्यपे तु शनैश्चरे। **सेनाधिपभौमफलम्-** आतंकपीडा

भुवि सस्यनाशो लोकास्समस्ता ज्वलिता भवन्ति। अत्यन्त- युद्धं क्षितिपालकानां कुजे च सेनाधिपतौ धरित्र्याम्।। **रसेशचन्द्रफलम्-** रसस्वामिनि सोमे तु रसाश्च फलितास्तथा। आनन्ददो राजवर्गो वृष्टिरभ्यधिका भवेत्।। **धान्येशगुरुफलम्-** सुवृष्टिस्सर्वसस्यानां सर्वसस्यसमृद्धयः। भवन्ति गावस्सुदुघा गुरौ धान्याधिपे सति।। **नीरसेशशनिफलम्-** अयः पिण्डस्य लोहस्य कृष्णवस्त्रादिवस्तूनाम्। अर्घवृद्धिः सदा लोके नीरसेशे शनैश्चरे।। **मेघेशभौमफलम्-** अतिवायुरनर्घश्च स्वल्पवर्षं तथा भुवि। रक्तसस्यानि जायन्ते भौमे मेघाधिपे सति। **अथ सूर्यस्यार्द्राऽर्क्षे प्रवेशविचारः-** प्रवेशकाले यदि रौद्रभस्य वृष्टिर्भवेदीतिरनर्घता च। शेषेसु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदा च।। विक्रमसंवत् 2073 शाके 1937 आषाढमासे कृष्णपक्षे द्वितीयायां तिथौ पूर्वाषाढानामचन्द्रऽर्क्षे ब्रह्मयोगे तैतिलकरणे भौमवासरे मार्तण्डमण्डलोदयादिष्टम् - 43/42 कुम्भलग्ने सूर्यस्यार्द्राऽर्क्षे प्रवेशः 21जून 2016 रात्रि 22:57 बजे।

अथ आर्द्राप्रवेशकालिकग्रहादिस्थितिवशात्फलविमर्शः

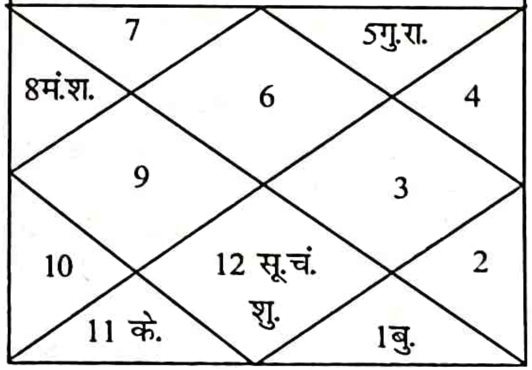
।।अथार्कस्यार्द्राप्रवेशकालिककुण्डली।।



द्वितीयातिथिफलम्- सस्यवृद्धिः।**भौमवारफलम्-** वृष्टिविनाशः। **पूर्वाषाढनक्षत्रफलम्-** वृष्टिः। **ब्रह्मयोगफलम्-**विनाशः। **कुम्भलग्नफलम्-** अर्घविनाशः।**तैतिलकरणफलम्-** वृष्टिः। **षण्मण्डलेषु पंचममण्डलफलम्-** आर्द्राप्रवेशे सूर्यस्य चन्द्रो ज्येष्ठादिपंचके । पंचमे मण्डले तिष्ठन् मध्यवृष्टिफलप्रदः।। **आर्द्राप्रवेशः रात्रौ तत्फलम्-** आर्द्रा च विशते रात्रौ जलाकीर्णं महीतलम्। **आर्द्राप्रवेशकालीनग्रहादि- स्थितिवशात्फलम्-** जलर्क्षे जलराशौ च जललग्ने जलांशके। आर्द्रा प्रवेशः स्याद्रात्रौ जलाकीर्णमही सदा।। अस्मिन् वर्षे आर्द्राप्रवेशकालिकलग्ने कुम्भराशौ केतुः राहुगुरुभ्यां सन्दृष्टः, अतः प्रायः मध्यमवृष्टिः, कुत्रचिदुत्तमा वृष्टिरपि सम्भाव्यते। केन्द्रे बुधगुर्वोः स्थितिः शुभवृष्टेः सम्भावनां जनयति। लग्नात्पंचमभावे शुक्रसूर्यौ स्थितौ वर्तेते, अतः शिक्षाक्षेत्रसम्बन्धिजनेभ्यः सम्मानप्राप्तेः लाभस्यापि अवसरः। सप्तमे राहुगुर्वोः संयुतिः स्त्रीणां सम्माने ह्रासं व्यापारे च ह्रास-वृद्धिं सूचयति।नवमे भौमस्य दशमे च शनैश्चरस्य स्थितिः राजनीतिक्षेत्रे आजीविकाक्षेत्रे व्यापारक्षेत्रे च संघर्षं सूचयति। एकादशे धनुराशौ चन्द्रः आर्थिकक्षेत्रे प्रगतिं संसूचयति। अस्मिन् वर्षे धान्यवस्त्रादिके च न्यूनार्घयोगः, शासकवगेभ्यः शस्त्राघातयोगश्च सम्भाव्यते।

अथ वर्षप्रवेशकालिकुण्डलीवशात्फलविमर्शः -

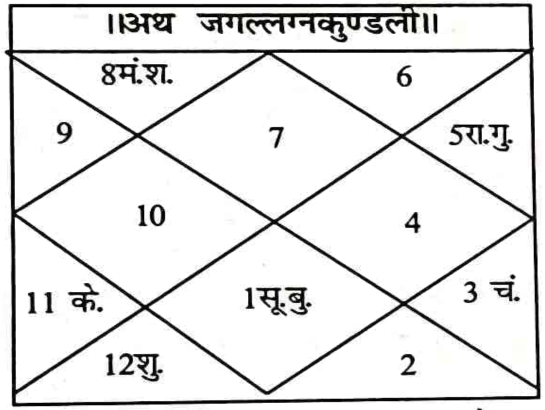
।।अथ वर्षप्रवेशकालिककुण्डली।।



2073 विक्रमसंवत्सरस्य शुभारम्भः कन्यालग्ने द्विस्वभावराशौ भविष्यति। वर्षराट् शुक्रः वर्षकुण्डल्यां गुरोः राशौ सप्तमभावे सूर्यचन्द्रमोभ्यां सह संस्थितोऽस्ति अतः स्त्रीणां सम्माने वृद्धिः व्यापारे च समृद्धिः सम्भाव्यते। अस्मिन् वर्षे शुक्रः वर्षेशः अतः अन्ताराष्ट्रियसम्बन्धेषु सौहार्दः व्यापारे च उन्नतिः भविष्यति। पराक्रमेशः भौमः स्वराशौ पराक्रमभावे एव शनैश्चरेण सह संस्थितः, येन पराक्रमे वृद्धिः भविष्यति। परन्तु सीमावर्तिक्षेत्रेषु

स्थितिनियन्त्रणे काठिन्यं भविष्यति। यदा कदा सीमाक्षेत्रे संघर्षस्य सम्भावना भवितुं शक्यते। सामाजिकधार्मिककार्येषु जनानां रुचिः भविष्यति। व्ययेशसूर्यस्य लाभेशचन्द्रेण भाग्येशशुक्रेण च सह केन्द्रे संस्थितिः अपि च द्वादशे गुरुराहवोः स्थितिः कृषिकार्ये मध्यमलाभं सूचयति। आतंकवादकारणेन अग्निभयेन च जनहानिरपि सम्भाव्यते।

अथ जगल्लग्नकुण्डलीवशात्फलविमर्शः -



जगल्लग्नकुण्डल्यानुसारं लग्ने तुलाराशिः, लग्नेशः शुक्रः षष्ठभावे अस्ति। अतः देशेषु आन्तरिककलहः नैकविधरोगेषु वैमनस्ये च वृद्धिः सम्भाव्यते।पंचमेशशनेः द्वितीयभावे वृश्चिकराशौ द्वितीयेशेन भौमेन सह संयुतिः सुरक्षोपायेषु वृद्धिं परन्तु प्राकृतिकापत्सु आतंकवादघटनासु च जनध नहानि योगमपि सूचयति। पंचमभावे गुरुराह्वोः दृष्टिः तकनीकिशिक्षायां शिक्षाक्षेत्रे च सकारात्मकवृद्धिं संसूचयति किन्तु देशे अराजकवातावरणमपि प्रकटयति। सप्तमभावे मेषराशौ बुधादित्ययोगोपरि गुरोः दृष्टिः धनधान्य-समृद्धिं नूतनयोजनानां क्रियान्वयने प्रगतिं च संसूचयति। अस्मिन् वर्षे सैन्यकर्मिणां, स्त्रीणां, विप्राणां बुद्धिजीविवर्गाणां च सम्माने वृद्धिः सम्भाव्यते।

अथ कूर्मचक्रविचारः- वर्षेस्मिन् शनिः वर्षारम्भतः 8जुलाई 2016पर्यन्तं ज्येष्ठानक्षत्रे, ततः परं वक्रीभूत्वा 18 सितम्बर 2016 पर्यन्तमनुराधानक्षत्रे संचरिष्यति। पुनः सः मार्गीभूत्वा 26 जनवरी 2017 पर्यन्तं ज्येष्ठानक्षत्रे ततः परं वर्षान्तं यावत् मूलनक्षत्रे संचरिष्यति। कूर्मचक्रानुसारेण अनुराधानक्षत्रं नैर्ऋत्यकोणस्थितकूर्मचरणे तथा च ज्येष्ठामूलनक्षत्रे पश्चिमदिशि स्थिते स्तः। नैर्ऋत्यकोणस्थितकूर्मचरणे शनिः निम्नश्लोकोक्तदेशानां कृते प्राकृतिक कोप-अतिवृष्टि-अनावृष्टि-युद्ध-राजनीतिकविप्ल्वादिकानां भयं जनयति -

नैर्ऋत्यां दिशि देशाः पह्लवकाम्बोजसिन्धुसौवीराः।
बडवामुखारवाम्बष्ठकपिलनारीमुखानर्ताः।।
फेणगिरियवनमार्गरकर्णप्रावेय पारशवशूद्राः।
बर्बरकिरातखण्डक्रव्यादाभीरचंचूकाः।
हेमगिरिसिन्धुकालकरैवतसुराष्टबादरद्रविडाः।
स्वात्याद्ये भत्रितये ज्ञेयश्च महार्ण- वोत्रैव।।

(बृहत्संहिता नक्षत्रकूर्मचक्र. श्लोक 17-19)।

कूर्मचक्रे पश्चिमदिशि संस्थिते शनैश्चरे निम्नश्लोकोक्तदेशानां कृते प्राकृतिकप्रकोप- अतिवृष्टि-अनावृष्टि-युद्ध-राजनीतिकविप्ल्वादिकानां भयं च भविष्यति-

अपरस्यां मणिवान् मेघवान् वनौघः क्षुरार्पणोस्तगिरिः।
अपरान्तकशान्तिकहैहयप्रशस्ताद्रिवोक्काणाः।
पंचनदरमठपारत- तारक्षितिजृंगवैश्यकनकशकाः।
निर्मर्यादा म्लेच्छा ये पश्चिमदिक् स्थितास्ते च।।

(बृहत्संहिता नक्षत्रकूर्मचक्र. श्लोक 20-21)।

अथ आयव्ययचक्रविचारः(अष्टोत्तरीमतेन)-

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	02	11	14	08	11	14	11	02	05	08	08	05
व्यय	08	14	11	11	05	11	14	08	14	08	08	14

आयैक्यम्- ९९, व्ययैक्यम्- १२६

अथायव्ययाभ्यां शुभाशुभफलज्ञानविधिः- आयं व्ययं समीकृत्य एकहीनं तु कारयेत्। अष्टभिश्च हरेद् भागं शेषांके फलमादिशेत्।। लाभः सौख्यं तथा क्लेशो रोगो लोकापवादनम्। सम्मानं विजयो हानिः कथितं पूर्वसूरिभिः।।

अथ गोचरवशाच्छनेः पादविचारः- जन्मांगरुद्रेषु (1,6,11)सुवर्णपादं द्विपंचनन्दैः (2,5,9)रजतस्य पादम्। त्रिसप्तदिक्ताम्रपदं (3,7,10)वदन्ति

वेदाष्टचार्कष्विह (4,8,12)लौहपादम्।। **शनेः पादफलम्**- लोहे वित्तविनाशः स्यात्सर्वसौख्यं च कांचने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत्।। अस्मिन् वर्षे शनि: 26 जनवरी 2017 (रात्रि 28:38)पर्यन्तं वृश्चिकराशौ संचरिष्यति। अतः **तुलावृश्चिकधनुराशियुक्तजातकाः शनेः सार्ध सप्ताब्देः (साढेसाती)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **मेषसिंहराशियुक्ताः जनाः सार्ध द्वयाब्देः (ढैया)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **फलविचारः**- मेषस्य सुवर्णपादः, वृषस्य ताम्रः;मिथुनस्य रजतः, कर्कस्य लौहः, सिंहस्य ताम्रः, कन्यायाः सुवर्णः, तुलायाः रजतः(स्थानं पादे), वृश्चिकस्य लौहः (स्थानं हृदि), धनोः ताम्रः(स्थानं शिरसि), मकरस्य रजतः, कुम्भस्य सुवर्णः, मीनस्य लौहपादः। तदनन्तरं 26 जनवरी 2017तः वर्षान्तं यावत् शनिः धनुराशौ संचरिष्यति। अतः **वृश्चिकधनुमकरराशि- युक्तजातकाः शनेः सार्ध सप्ताब्देः (साढेसाती)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **वृषकन्याराशियुक्ताः जनाः सार्ध द्वयाब्देः (ढैया)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **फलविचारः**- मेषस्य ताम्रपादः, वृषस्य रजतपादः;मिथुनस्य लौहपादः, कर्कस्य ताम्रपादः, सिंहस्य सुवर्णपादः, कन्यायाः रजतपादः, तुलायाः लौहपादः, वृश्चिकस्य ताम्रपादः (स्थानं पादे) , धनोः रजतपादः (स्थानं हृदि), मकरस्य सुवर्णः(स्थानं शिरसि), कुम्भस्य लौहपादः, मीनस्य सुवर्णपादः। **शनिशान्त्यर्थमुपायाः** - शनेः बीजमन्त्रादीनां जपः, शनिस्तोत्रस्य पाठः, अश्वत्थवृक्षस्य मूले तिलमाषादिमिश्रितजलदानं सायंकाले च दीपदानम्, महामृत्युंजयजपः, शिवोपासना, हनुमदुपासना, सुन्दरकाण्डादिकानां पाठः, पक्षिणां कृते अन्नादिदानम्, सदक्षिणां लौहपात्रस्य दानम्, दरिद्र-कुष्ठादिरोगार्तानां कृते भोजनवस्त्रादिदानम्, तुलादानम्, माषादिवस्तूनां दानम्, वृद्धजनानां परिचर्यादिकम्। भौतिकोपचारेषु शनिवासरे अमावस्यायां वा लौहमुद्रिकायाः धारणम्। **शनेः दानपदार्थाः**- नीलमणिः,सुवर्णः,लौहः,माषः,कुलथः,तैलम्, कृष्णवस्त्रम्, कस्तूरिका,कृष्णपुष्पम्, कृष्णांगमहिषः, उपानहौ च। **दानसमयः**- मध्याह्नकालः। **जपमन्त्रः**- ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः। **जपसंख्या**-23000। **बीजमन्त्रः** - ॐ शं शनैश्चराय नमः। **हवनसमिधा**- कुशा इति ज्ञेयम्। **शनिध्यानम्**- नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।

वार्षिकराशिफल संवत् २०७३, सन् २०१६-१७

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)

मेष राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष अल्प लाभ की स्थिति बनाये रखेगा। यदा कदा ही अकस्मात् धनप्राप्ति के अवसर मिलेंगे। समाज में सम्मान प्राप्ति, धन प्राप्ति, भूसम्पत्ति का लाभ, वाहनादि सुख, घर-परिवार में मांगलिक कार्य आदि शुभफलप्राप्ति की सम्भावना रहेगी परन्तु शनि के प्रभाव के कारण जीवन में अनिश्चितता एवं उथलपुथल का वातावरण रहेगा। उच्चपद वाले व्यक्तियों से सम्पर्क व लाभ प्राप्ति सम्भव है। पारिवारिक मनमुटाव की स्थिति आपको व्यथित करेगी। मानसिक चिन्ताएं बनी रहेंगी। 26 जनवरी 2017 तक शनि की ढैया के कारण यदा कदा स्वास्थ्य कष्ट जैसे शिरोवेदना, ज्वर, वातरोग आदि की सम्भावना बनती है। पति/पत्नी का स्वास्थ्य एवं आजीविका सम्बन्धी चिन्ताएं रह सकता है। किसी प्रियजन से विछोह कष्टकारी रहेगा। व्यवसायियों के लिए यह वर्ष सामान्य एवं कुछ लाभ देने वाला रहेगा। मनोरंजन क्षेत्र से जुड़े लोगो को अपमान एवं निन्दा की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। राजनीतिक व्यक्तियों के लिए यह वर्ष मानसिक चिन्ताओं को देने वाला रह सकता है परन्तु कुछ नये लाभ मिल सकते हैं। प्रशासनिक क्षेत्र से सम्बद्ध लोगों को स्थान परिवर्तन एवं कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। चिकित्सा, पत्रकारिता, तकनीकि, भवन निर्माण एवं इंजीनियरिंग से जुड़े व्यक्तियों के लिए यह वर्ष लाभ व उत्कर्ष देने वाला रहेगा। महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त किन्तु कुछ लाभप्रद रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष संघर्ष पूर्ण परन्तु नये अवसर देने वाला रहेगा। विद्याप्राप्ति में रुकावटें सम्भावित हैं परन्तु अन्त में सफलता के योग हैं। ज्येष्ठ, आषाढ, श्रावण एवं मार्गशीर्ष मास मेषराशि वाले जातकों के लिए कष्टकारी रह सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचने के लिए श्रीहनुमान जी की उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

वृष (इ उ ए ओ बा बी बू वे वो)

यह वर्ष आपके लिए सामान्यतः कम आर्थिक लाभ, सुख,

उन्नति, धनार्जन परन्तु मांगालिक कार्यों से परिपूर्ण रहने वाला है। वर्ष के उत्तरार्ध में शनि की ढैया के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। वायुविकार व हृदय जनित कष्ट की सम्भावना बन सकती है। वात एवं पित्तजनित रोगों की बहुलता रहेगी। पति/पत्नी का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है। न्यायालयादि से सम्बन्धित विवादों में सफलता मिल सकती है। धर्म के प्रति आस्था बढेगी। व्यवसायिक सफलताएं मिलेंगी। रोजगार के क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल हो सकते हैं। राजनीति, मनोरंजन, चिकित्सा, भूमि व भवन निर्माण, पत्रकारिता, सुरक्षा, प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों से जुडे व्यक्तियों के लिए वर्ष लाभ प्राप्ति का हो सकता है किन्तु विवाद व मानहानि की सम्भावना भी बन सकती है। शिक्षा जगत से जुडे हुए व्यक्तियों के लिए यह वर्ष सामान्य लाभ परन्तु स्थानपरिवर्तन कारक है। महिलावर्ग के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक थकावट वाला किन्तु कुछ पारिवारिक सुख देने वाला रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष प्राय: कठिन व विद्याभ्यास में परिश्रम वाला रहेगा। यदा कदा बाधाएं सम्भावित हैं। वैशाख, ज्येष्ठ, श्रावण, आश्विन तथा पौपमास वृपराशि वाले जातकों के लिए कष्टदायी हो सकते है। अशुभप्रभावों से बचाव हेतु श्रीगणेशाम्बिका की आराधना उत्तम रहेगी।

मिथुन (का की कु घ ङ छ के को हा)

मिथुन राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष प्राय: लाभकारी रहेगा। परिवार में शुभकार्य होंगे। अकस्मात् शुभकार्य होने से खर्च बढेगा। नवागन्तुक के आने से हर्ष रहेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ एवं उन्नति कुछ शिथिल रहेगी। आलोचकों के कारण मानसिक चिन्ताएं वनी रहेंगी। पारिवारिक असन्तोष व कलह से व्यथित रह सकते हैं। भ्रम की स्थिति एवं असामान्य घटनाक्रम से सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। स्वविवेक एवं बुद्धि से लिए गए निर्णय सकारात्मक रहेंगे। दूसरे का परामर्श भयावह रह सकता है। स्वास्थ्य प्राय: ठीक रहेगा। यदा कदा उदरविकार, शिरोवेदना से कष्ट मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को लाभ की सम्भावना बन रही है। राजनीति एवं धार्मिक संस्थाओं से जुडे व्यक्तियों को प्रतिष्ठा व लाभ मिल सकता है परन्तु यदा कदा जनता के असन्तोप का सामना भी करना पड सकता है। सरकारी सेवा, चिकित्सा, न्यायालय, मनोरंजन, तकनीकी, सुरक्षा व शिक्षा जगत से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष प्राय: लाभकारी रहेगा। प्राइवेट सेक्टर से जुडे लोगों को कुछ संघर्ष का सामना कर पड सकता है। महिला वर्ग के लिए यह वर्ष शुभ रहेगा। विद्यार्थियों को राजनीति के क्षेत्र में कदम बढाने का अवसर मिल सकता है। अध्ययन की दृष्टि से वर्ष सामन्यत: शुभ रहेगा। आपके लिए ज्येष्ठ, भाद्रपद, मार्गशीर्ष एवं पौप महिने प्राय: कष्टदायी हो सकते हैं। शुभफल की प्राप्ति एवं अशुभफलों के प्रभाव को कम करने हेतु दूर्वांकुरों से श्रीगणेश का पूजन श्रेयस्कर रहेगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

आपके लिए यह वर्ष शुभ, उन्नतिदायक, आपका प्रभाव बढाने वाला, धनवृद्धिदायक, मानवृद्धिकारक रहेगा परन्तु मित्रों व निकट सम्बन्धियों से कष्ट मिल सकता है। शत्रुओं द्वारा भी यदा कदा कार्य में विघ्नबाधाओं का योग भी बनता है। नेत्र एवं उदर में पीडा हो सकती है। धनागम के साथ साथ अपव्यय होने से आप दु:खी रहेंगे। कार्य क्षेत्र में किए गए परिश्रम का अपेक्षित परिणाम न मिलने से मन में कष्ट रहेगा। सहयोगियों से भी मतभेद की स्थिति बन सकती है। पति/पत्नी का स्वास्थ्य शिथिल रहने की सम्भावना है। सन्तति पक्ष से चिन्ता बनी रहेगी। यात्रा के योग वनते हैं। कर्मचारीवर्ग का अच्छा प्रभाव रहेगा। सरकारी कर्मचारियों में असन्तोप की भावना रहेगी। मनोरंजन, व्यापार, न्यायालय, चिकित्सा, कर्मकाण्ड, तकनीकि, सुरक्षा, भवन निर्माण एवं राजनीतिकवर्ग के जातकों के लिए यह वर्ष कुछ कठिनाईयों के साथ ही लाभ की भी सम्भावना वनाता है। राजनीति से जुडे लोगों को विशेष सतर्कता की आवश्यकता रहेगी। कुछ विवादों से छवि धूमिल हो सकती है। महिलाओं के लिए यह वर्ष शारीरिक कष्टयुक्त किन्तु कुछ रोजगार के क्षेत्र में संघर्पोपरान्त लाभ देने वाला रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए वर्ष असन्तोप का रह सकता है। मन की अस्थिरता व पढाई मे अरुचि रह सकती है। संगठन के कार्यों में रुचि रहेगी। आपके लिए वैशाख, आपाढ, भाद्रपद, कार्तिक एवं फाल्गुन मास किंचित् कष्टदायी रह सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव

हेतु आपको शिव एवं शक्ति की उपासना करनी चाहिए।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

सिंहराशि वाले जातकों के लिए वर्ष का पूर्वार्ध कष्टप्रद किन्तु उत्तरार्ध लाभप्रद रहेगा। यह वर्ष संघर्ष के साथ ही पराक्रम के अनुसार लाभप्रद रहेगा। सन्ततिपक्ष से चिन्ता बढेंगी। पति/पत्नी को उदरविकार या शल्य चिकित्सा के योग बन सकते हैं। परिवार में सुखद एवं मांगलिक अवसर बनेंगे। पति/पत्नी से सम्बन्ध मजबूत होंगे। प्रेमप्रसंगों में सफलता मिलेगी। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार में यदा कदा लाभ मिलेगा। पारिवारिक यात्रा के अवसर बनेंगे। शनि की ढैया के कारण वर्ष का पूर्वाध प्रायः संघर्षमय, स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूल, आर्थिक नुकसान, अपव्यय, व्यावसायिक अवनति, प्रिय जन से विछोह आदि कष्ट को देने वाला रहेगा। मानसिक चिन्ताएं बनी रहेंगी। चोट, उदररोग आदि की सम्भावना रहेगी। न्यायालयीय विवाद में असफलता सम्भावित है। सहकर्मियों से वाद विवाद सम्भावित है। पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। विरोधियों का प्राबल्य रहेगा। सरकारी सेवा, प्रशासनिक, चिकित्सा, इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों से जुडे व्यक्ति लाभान्वित एवं सम्मानित होंगे। राजनीतिजगत से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष संघर्षमय एवं कष्टदायी सम्भावित है। साथ ही परिवार के साथ असामान्य स्थिति बन सकती है।महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त किन्तु पारिवारिक जनों एवं मित्रों के सहयोग से सफलता देने वाला रहेगा। आप शिरोवेदना एवं त्वचा सम्वन्धित परेशानियों से परेशान रह सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए परिश्रम का समय रहेगा परन्तु अन्त में सफलता का योग भी है। इंजीनियरिंग के छात्रों को नये अवसर मिल सकते हैं। आपके लिए आषाढ, भाद्रपद, मार्गशीर्ष एवं माघ मास कष्टदायी रह सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु सूर्य की रोलीमिश्रितजलार्घ्य देकर उपासना करना श्रेयस्कर रहेगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपके लिए यह वर्ष अधिक परिश्रम के साथ उन्नतिप्रद रहेगा। निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होगी। समाज हित के कार्यों में संलग्न होने के कारण मान-सम्मान में बढेगा। मित्रों एवं पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ. होगी। साथ ही भौतिक सुख साधन बढेंगे। घर में मांगलिक कृत्य होंगे। अधिक यात्रा के अवसर बनेंगे। रोजगार के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। व्यवसाय में लाभ होगा। नौकरी पेशा लोगों को परिश्रम करने पर लाभ के साथ पदोन्नति सम्भावित है किन्तु स्वास्थ्य की दृष्टि से समय कुछ प्रतिकूल रहेगा। वायुविकार, उदर, मस्तिष्क, अस्थि, एलर्जी से सम्बन्धित रोगों की सम्भावना बनती है। पति/पत्नी का स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा। धनागम के साथ ही अपव्यय का योग भी बनता है। वर्ष का पूर्वाद्र्ध अधिक परिश्रम वाला होगा। उत्तरार्ध में शनि की ढैया के कारण आर्थिक, मानसिक एवं शारीरिक कष्ट सम्भावित है। व्यापार, मनोरंजन, चिकित्सा, भवननिर्माण, इंजीनियरिंग, न्यायालय, खेल एवं राजनीति से जुडे व्यक्तियों के लिए समय उत्कर्ष का रहेगा। कृषकवर्ग को कुछ नुकसान सम्भावित है। महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त रहेगा। सामान्यतः विद्यार्थियों के लिए समय परिश्रम युक्त एवं सफलता प्रद रहेगा। कन्या राशि वाले जातकों के लिए वैशाख, आषाढ, श्रावण, भाद्रपद एवं कार्तिक मास कष्टकर हो सकते हैं। अशुभप्रभावों को दूर करने के लिए गणेश एवं विष्णु उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

तुला राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष सामान्य एवं संघर्ष का रहेगा। मानसिक उलझनें एवं परिवार में सौमनस्यता की कमी से व्यथित रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा एवं आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार सम्भव है परन्तु शनि की साढे साती के प्रभाव के कारण प्रायः स्वास्थ्य कष्ट, मानसिक तनाव, भाईयों से कष्ट व अपमान, पति/पत्नी का स्वास्थ्य शिथिल या उससे कष्ट की सम्भावना, अनावश्यक भागदौड, असन्तोष, न्यायालय सम्बन्धी कार्यों में प्रगति का अभाव, वाहनादि से दुर्घटनादि भय बन सकते हैं। सन्ततिपक्ष से कष्टानुभव सम्भावित है। वर्ष का पूर्वाद्र्ध अच्छा रहेगा। शत्रुपक्ष से कार्यों में अनेक बाधाएं आ सकती हैं। उदरजन्यविकारों से प्रभावित हो सकते हैं। कार्यालय से जुडे कर्मचारियों को अधिक तनाव रह सकता है परन्तु उनके लिए कुछ लाभ की स्थिति भी बनेगी। व्यापार,

चिकित्सा, मनोरंजन, कर्मकाण्ड, इंजीनियरिंग, भवननिर्माण, पत्रकारिता आदि से सम्बन्धित व्यक्तियों को सामान्य लाभ एवं मानसम्मान मिलेगा। परन्तु राजनीति से जुडे लोगों के लिए समय प्राय: संघर्षपूर्ण एवं अनिश्चितताओं का रहेगा। मान-सम्मान एवं लाभ के क्षेत्र में हानि सम्भावित है। महिलाओं के लिए यह वर्ष कुछ लाभप्रद रहेगा। विद्यार्थियों के लिए भी समय प्राय: संघर्षमय एवं अशान्त रहेगा। आपके लिए चैत्र, श्रावण, आश्विन,मार्गशीर्ष एवं माघ मास विशेष कष्टदायी हो सकते हैं। माता दुर्गा की उपासना आपके लिए उत्तम रहेगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)

यह वर्ष आपके लिए प्राय: कष्टकारी रहेगा। लाभ की स्थिति में घटती बढती रहेगी। शनि की साढे साती का प्रभाव शारीरिक एवं मानसिक रूप से आपको व्यथित करेगा। आर्थिकस्थिति कमजोर रह सकती है। सन्तति पक्ष से कष्ट या असहयोग आपको चिन्तित करेगा। इस समय शत्रुओं की प्रबलता, सम्पत्तिविवाद, न्यायालयीय प्रपंच, पारिवारिक झगडे, सम्मान की कमी, रोजगार क्षेत्र में असफलता या हानि,पति/पत्नी का असहयोग, स्वयं अथवा पति/पत्नी का स्वास्थ्य शिथिल, वातरोगों की अधिकता, प्रिय जनों से विछोह, व्यवसाय में हानि, अनावश्यक यात्राएं, यात्रा में चोरी आदि का भय, जैसे कष्ट सम्भावित हैं। प्रेम प्रसंगों में सावधान रहें। किसी भी बडे प्रोजेक्ट में निवेश या लेन - देन अत्यन्त सावधानी से करें। वर्ष का उत्तरार्ध कुछ लाभप्रद एवं सन्तोषकारक रहेगा। नौकरीपेशा से जुडे लोग सुनियोजित विरोध के कारण परेशान रहेंगे। व्यापार, न्यायालय, इंजीनियरिंग, मनोरंजन, कर्मकाण्ड एवं राजनीति से जुडे लोगों के लिए भी समय संघर्ष परन्तु कुछ लाभ का रहेगा। नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं। शिक्षा, चिकित्सा एवं पत्रकारिता से जुडे लोगों के लिए समय कुछ प्रतिकूल रह सकता है। अनुचित निर्णय करने से मान प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त किन्तु पारिवारिक सुख देने वाला रहेगा।विद्यार्थियों के लिए पूर्वार्ध की अपेक्षा उत्तरार्ध का समय कुछ ठीक रह सकता है। परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। आपके लिए वैशाख, श्रावण, कार्तिक एवं फाल्गुन मास विशेषकष्टदायी रह सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचने हेतु हनुमदुपासना समुचित रहेगी। शनि के प्रीत्यर्थ तेल, लौह एवं काली वस्तुओं का दान करना चाहिए।

धनुराशि (ये यो भा भी भू ध फ ढ भे)

धनु राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष प्राय: सामान्य लाभ देने वाला रहेगा। परिवार में मांगलिक कृत्य होगें। पारिवारिक सौहार्दता रहेगी परन्तु शनि की साढे साती से प्रभावित होने के कारण मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य कुछ कष्टमय रह सकता है। कार्यों में रुकावट, शत्रुओं की प्रबलता, उदर एवं वातरोग सम्बन्धी कष्ट, आर्थिक क्षति, आजीविका के क्षेत्र में संघर्ष व असफलता, पति/पत्नी के स्वास्थ्य में कष्ट, दाम्पत्य जीवन में कलह, सन्तति कष्ट, दुर्घटनादि भय जैसे अशुभ फलों की प्राप्ति सम्भावित है। प्रेम प्रसंगों में असफलता मिल सकती है। व्यापार, नौकरी, चिकित्सा, न्यायालय, भवननिर्माण, इंजीनियरिंग, मनोरंजन जगत से जुडे लोग कुछ लाभप्रद स्थिति में रहेंगे। शिक्षा जगत से जुडे लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत रह सकते हैं। राजनीति एवं पत्रकारिता से जुडे व्यक्तियों के लिए भी समय प्रतिकूल रह सकता है। अन्तर्कलह, गुटबाजी के कारण आपके कार्यों का समुचित लाभ न मिलने से व्यथित रहे सकते हैं। महिलाओं के लिए यह वर्ष आर्थिक, मानसिक व शारीरिक कष्टयुक्त रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय परिश्रम का रहेगा। जिसका सार्थक परिणाम कुछ विलम्ब से मिल सकता है। आपके लिए आषाढ, भाद्रपद, कार्तिक एवं पौष मास विशेष कष्टदायी रह सकते हैं। शनि के प्रीति हेतु तेल, लौह एवं काली वस्तुओं का दान उत्तम रहेगा। भगवान विष्णु की उपासना एवं सुन्दर काण्ड का पाठ अशुभ प्रभावों को दूर करने में सहायक रहेगा।

मकरराशि (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)

आपके लिए यह वर्ष सामान्य किन्तु प्रसिद्धि दिलाने वाला रहेगा। वर्ष के पूर्वाद्र्ध में स्वास्थ्य प्राय: ठीक रहेगा। घर में मांगलिककृत्य होंगे। व्यवसाय मे सफलता के योग बनते हैं। न्यायालयीय कार्यों में भी लाभ मिलेगा। धार्मिकयात्राओं का योग बनेगा। सम्पत्ति, भूमि, वाहन आदि के क्रय का योग भी बनता है। पारिवारिक स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति

जीवन में कलह, सन्तति कष्ट, दुर्घटनादि भय, प्रेम प्रसंगों में असफलता जैसे अशुभ फलों की प्राप्ति सम्भावित है।मनोरंजन, व्यापार, चिकित्सा, राजनीति, पत्रकारिता, भवननिर्माण, शिक्षा आदि क्षेत्रों से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष सामान्य लाभ परन्तु मान सम्मान देने वाला रहेगा। महिलाओं के लिए यह वर्ष मानसिक व शारीरिक रूप से अच्छा रहेगा।विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष लाभप्रद व उन्नतिकारक रहेगा। आपके लिए चैत्र, श्रावण, आश्विन, मार्गशीर्ष एवं फाल्गुन मास कुछ कष्टदायी हो सकते हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु शिवजी एवं हनुमान जी की उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

कुम्भराशि (गु गे गो सा सी सू से सो दा)

कुम्भराशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष सामान्यसुख एवं लाभ देने वाला रहेगा। वाहन, भूमि, सम्पत्तिलाभ, व्यावसायिक उन्नति, न्यायालयीय कार्यों में सफलता, आर्थिकलाभ, रोजगार में लाभ एवं नये अवसर आदि मिलेंगे परन्तु मानसिकदृढता, धैर्य, पराक्रम एवं आत्मबल की कमी से आप अवसादग्रस्त भी रह सकते हैं। साथ ही वातादिरोगजन्य कष्ट, वैवाहिक जीवन में कटुता, पति/पत्नी को स्वास्थ्य कष्ट जैसी परेशानियों का योग भी बनता है। पर्यटन का योग बनता है किन्तु वाहन चलाने में सावधानी अपेक्षित है। वर्ष का पूर्वार्ध सामान्य रहेगा जबकि उत्तरार्ध सुखद व उपलब्धि देने वाला रहेगा। नौकरी पेशा वाले जातकों के लिए वर्ष उन्नति का है। व्यापार, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा, पत्रकारिता, भवननिर्माण, इंजीनियरिंग, सुरक्षा, कर्मकाण्ड, न्यायालय, राजनीति से जुडे व्यक्तियों के लिए यह वर्ष लाभ एवं अपने कार्यो के लिए सम्मान व उन्नति दे सकता है। महिला वर्ग के लिए भी यह वर्ष उन्नतिकारक एवं पारिवारिक सुख व सन्तोष देने वाला रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष परिश्रम एवं कम लाभदायी रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में किए गए प्रयास संघर्षोपरान्त ही सफल हो सकते हैं। आपके लिए चैत्र, ज्येष्ठ, श्रावण, कार्तिक एवं पौष मास नेष्ट हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु हनुमान जी की उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

मीनराशि (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

आपके लिए यह वर्ष सामान्य लाभ प्रद रहेगा। घर में मांगलिक कृत्य हो सकते है। धार्मिक क्रिया कलापों मं रुचि बढेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी परन्तु अपव्यय, व्ययाधिकता, शारीरिक एवं मानसिक कष्ट, पारिवारिक असन्तोष की स्थितियां आपको व्यथित कर सकती है। भोगोपभोग वस्तुओं की खरीदारी में रुचि रह सकती है। सन्तति पक्ष से अनुकूलता रहेगी। धार्मिक यात्रा के अवसर बनेंगे। अकस्मात् शत्रुपक्ष के प्रबल होने से कभी कभी कष्ट का अनुभव होगा। व्यापार एवं लघु उद्यमों से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष सामान्यतः लाभप्रद रहेगा। सरकारी सेवारत लोगों को लाभ, उन्नति एवं पारिवारिक सुख के योग बनते हैं। मनोरंजन, चिकित्सा, पत्रकारिता, इंजीनियरिंग, विज्ञान एवं राजनीति से जुडे लोगों के लिए यह वर्ष उपलब्धियों वाला रह सकता है। साथ ही पदोन्नति व विशेष अधिकार प्राप्त हो सकता है। न्यायालय, कर्मकाण्ड एवं शिक्षा जगत से जुडे व्यक्तियों को भी लाभ के साथ ही सम्मान प्राप्त होगा। महिलावर्ग के लिए भी यह वर्ष उन्नति, लाभ एवं अनेक सुख सुविधा से परिपूर्ण रहेगा परन्तु उदर एवं संक्रमण सम्बन्धित व्याधियों के कारण कठिनाई युक्त रह सकता है। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष सफलता देने वाला एवं आजीविका क्षेत्र में लाभ दिलाने वाला होगा। आपके लिए चैत्र, ज्येष्ठ, श्रावण, मार्गशीर्ष एवं माघ मास नेष्ट हैं। अशुभ प्रभावों से बचाव हेतु विष्णु की उपासना श्रेयस्कर रहेगी।

ग्रहाः राज्यं प्रयच्छन्ति ग्रहाः राज्यं हरन्ति च।
ग्रहाधीनं जगत्सर्वमिति मे निश्चिता मतिः।।

देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यहं
साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो
नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्।।

ग्रहण विवरण 2016-17

वि.सं. 2073(2015-16ई.) में समस्त विश्व में मात्र 2 ही सूर्यग्रहण दिखाई देंगे। इनमें से कोई भी सूर्यग्रहण भारत में दृश्य नहीं होंगा। इस वर्ष बुध के पारगमन की खगोलीय घटना पृथ्वी पर स्थित द्रष्टा के लिए दृश्यमान होगी। विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

1. बुध का पारगमन (09 मई 2016 ई.)- पृथिवी एवं सूर्य के बीच एक सरल रेखा में जव वुध आ जाता है तो पृथिवी पर स्थित द्रष्टा को सूर्यविम्व में अत्यल्प श्यामवर्ण का छिद्र सा दिखाई देता है अर्थात् सूर्यविम्व के सामने बुध के आने पर सूर्यविम्व का अत्यल्प भाग बुध से ढक जाता है। इस प्रकार सूर्यविम्व के सामने से वुध के निकलने की इस खगोलीय घटना को वुध का पारगमन कहते हैं। दिल्ली में यह घटना 09 मई 2016 ई. को अपराह्ण 16:41 से सूर्यास्त पर्यन्त तक दृश्यमान होगी। वुध के पारगमन का सूतकादि विचारणीय नहीं होता है।

2. सूर्य ग्रहण (01 सितम्बर 2016 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 01 सितम्बर 2016 ई. को अफ्रीका के दक्षिण-पश्चिमी भूभाग, मध्य अंटार्कटिका, अटलांटिक महासागर एवं हिन्द महासागर के कुछ क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 11:43 से 17:30 वजे के वीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा अत: इससे सम्वन्धित सूतकादि कृत्य भी विचारणीय नहीं होंगे।

3. सूर्य ग्रहण (26 फरवरी 2017 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 17 फरवरी 2017 ई. को दक्षिणी दक्षिण-अमेरिका, अंटार्कटिका, दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिणीप्रशान्त महासागर, दक्षिण-अफीका के पश्चिम आदि क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 17:41 से 23:06 वजे के वीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण इसके सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं हैं।

- सूर्य नक्षत्र प्रवेश -

नक्षत्र	दिनांक	समय
अश्विनी	13.04.2016	19:50
भरणी	27.04.2016	11:40
कृत्तिका	11.05.2016	05:51
रोहिणी	24.05.2016	26:05
मृगशिरा	07.06.2016	23:57
आर्द्रा	21.06.2016	22:57
पुनर्वसु	05.07.2016	22:30
पुष्य	19.07.2016	22:02
आश्लेपा	02.08.2016	20:55
मघा	16.08.2016	18:36
पू.फा.	30.08.2016	14:35
उ.फा.	13.09.2016	08:28
हस्त	26.09.2016	23:58
चित्रा	10.10.2016	12:59
स्वाती	23.10.2016	23:59
विशाखा	06.11.2016	07:38
अनुराधा	19.11.2016	13:39
ज्येष्ठा	02.12.2016	17:57
मूल	15.12.2016	20:57
पू.षा.	28.12.2016	23:11
उ.षा.	10.01.2017	25:09
श्रवण	23.01.2017	27:27
धनिष्ठा	05.02.2017	30:37
शतभिषा	19.02.2017	11:06
पू.भा.	04.03.2017	17:24
उ.भा.	17.03.2017	25:51

ग्रहों का राशिप्रवेशकाल विचार

2016-17 (भा.स्टै.समय में)

-सूर्य राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय	संक्रान्ति पुण्यकाल
मेष	13.04.2016	19:50	12:22 के बाद दिनभर
वृष	14.05.2016	16:44	10:20 से दिनभर
मिथुन	14.06.2016	23:20	12:20 से दिनभर
कर्क	16.07.2016	10:13	दिन में 10:13 तक
सिंह	16.08.2016	18:36	12:12 से 18:36 तक
कन्या	16.09.2016	18:35	12:15 से दिनभर
तुला	17.10.2016	06:33	प्रा.06:33 से 10:33तक
वृश्चिक	16.11.2016	06:20	दिन में 12:06 तक
धनु	15.12.2016	20:57	12:17 से दिनभर
मकर	14.01.2017	07:41	07:41 से दिनभर
कुम्भ	12.02.2017	20:39	12:39 से दिनभर
मीन	14.03.2017	17:30	11:06 से दिनभर

- मंगल राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
तुला(व.)	17.06.2016	27:00
वृश्चिक(मा.)	12.07.2016	09:08
धनु	17.09.2016	29:28
मकर	01.11.2016	06:40
कुम्भ	11.12.2016	17:28
मीन	20.01.2017	12:32
मेष	01.03.2017	25:26

- बुध राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
वृष	08.06.2016	14:16
मिथुन	27.06.2016	07:55
कर्क	11.07.2016	09:20
सिंह	27.07.2016	06:32
कन्या	19.08.2016	14:37
सिंह(व.)	09.09.2016	19:17
कन्या(मा.)	03.102016	19:10
तुला	21.10.2016	14:17
वृश्चिक	08.11.2016	24:24
धनु	28.11.2016	20:28
मकर	03.02.2017	13:26
कुम्भ	22.02.2017	19:12
मीन	10.03.2017	26:22
मेष	26.03.2017	30:10

- गुरु राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
कन्या	11.08.2016	28:52

- शुक्र राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
मेष	25.04.2016	10:51
वृष	19.05.2016	19:36
मिथुन	12.06.2016	29:22
कर्क	07.07.2016	15:10
सिंह	31.07.2016	24:44
कन्या	25.08.2016	11:11
तुला	18.09.2016	23:42
वृश्चिक	13.10.2016	15:01
धनु	07.11.2016	10:53
मकर	02.12.2016	17:18
कुम्भ	28.12.2016	26:13
मीन	27.01.2017	20:14

- शनि राशि प्रवेश -

राशि	दिनांक	समय
धनु	26.01.2017	28:38

विशेष - राहु वर्षभर सिंहराशि तथा केतु कुम्भ राशि में विचरण करेंगे।

विक्रम संवत् 2073 (ई०सन् 2016-17) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वासन्तिक नवरात्रारम्भ	08.04.2016	गंगोत्पत्ति	12.05.2016	शीतला अष्टमी	28.06.2016
मत्स्य जयन्ती	09.04.2016	चण्डिका पूजन	14.05.2016	सोमवती अमावस्या	04.07.2016
सौभाग्य गौरीव्रतम्	09.04.2016	बगुलामुखी जयन्ती	14.05.2016	गुप्त नवरात्रारम्भ	05.07.2016
विनायक चतुर्थी व्रतम्	10.04.2016	सीता जयन्ती	15.05.2016	श्री जगन्नाथ यात्रा	06.07.2016
श्री पंचमी	11.04.2016	नृसिंह जयन्ती	20.05.2016	स्कन्द पंचमी	09.07.2016
स्कन्द षष्ठी	12.04.2016	कूर्म जयन्ती	21.05.2016	कुमार षष्ठी	09.07.2016
वैशाखी	13.04.2016	बुद्ध पूर्णिमा	21.05.2016	महिषासुरमर्दिनी पूजा	12.07.2016
दुर्गाष्टमी व्रत	14.04.2016	सम्पद्गौरी व्रत	21.05.2016	गुप्त नवरात्र समाप्त	13.07.2016
रामनवमी	15.04.2016	भानू सप्तमी	29.05.2016	वासुदेव द्वादशी	16.07.2016
देवी विसर्जन	16.04.2016	शीतला अष्टमी	29.05.2016	जया पार्वतीव्रत	17.07.2016
धर्मराज दशमी	16.04.2016	वट सावित्रि व्रत	04.06.2016	गुरुपूर्णिमा	19.07.2016
वामन द्वादशी	18.04.2016	भावुका अमावस्या	05.06.2016	कोकिला व्रत	19.07.2016
महावीर जयन्ती	20.04.2016	शनैश्चर जयन्ती	05.06.2016	मधुश्रावणी	24.07.2016
कोकिला षष्ठी	28.04.2016	रम्भा तृतीया	07.06.2016	शीतला सप्तमी	26.07.2016
शीतला अष्टमी	30.04.2016	महाराणाप्रताप जयन्ती	07.06.2016	हरियाली अमावस्या	02.08.2016
शिवाजी जयन्ती	08.05.2016	उमा पूजन व्रत	08.06.2016	नाग पंचमी	07.08.2016
परशुराम जयन्ती	07.05.2016	गुरु अर्जुन देव शहीदी दिवस	08.06.2016	श्री कल्की जयन्ती	08.08.2016
रविन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती	08.05.2016	आरण्यक गौरी व्रत	10.06.2016	सूर्य पूजा	09.08.2016
अक्षय तृतीया	09.05.2016	स्कन्द षष्ठी	10.06.2016	श्री तुलसी दास जयन्ती	10.08.2016
गौरी पूजा	09.05.2016	विन्ध्यवासिनी पूजन	10.06.2016	कौमारी देवी पूजा	11.08.2016
बलराम जयन्ती	09.05.2016	गंगा दशहरा	14.06.2016	दधिव्रत	13.08.2016
आदिगुरु शंकराचार्य जयन्ती	11.05.2016	रामेश्वर प्रतिष्ठा	14.06.2016	दामोदर द्वादशी	15.08.2016
रामानुजाचार्य जयन्ती	12.05.2016	चम्पक द्वादशी	17.06.2016	स्वतन्त्रता दिवस	15.08.2016
चन्दन षष्ठी	12.05.2016	त्रिविक्रम द्वादशी	17.06.2016	रक्षा बन्धन	18.08.2016

विक्रम संवत् 2073 (ई०सन् 2016-17) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
कज्जली तृतीया	21.08.2016	नवमी का श्राद्ध	24.09.2016	धनवन्तरी जयन्ती	28.10.2016
ललही छठ	23.08.2016	मातृ नवमी	24.09.2016	धनतेरस	28.10.2016
हल षष्ठी	23.08.2016	दशमी का श्राद्ध	25.09.2016	नरक चतुर्दशी	28.10.2016
श्रीकृष्णजन्माष्टमी	25.08.2016	एकादशी का श्राद्ध	26.09.2016	यम तर्पण	29.10.2016
कुशेत्पाटिनी अमावस्या	01.09.2016	द्वादशी का श्राद्ध	27.09.2016	दीपावली	30.10.2016
हरितालिका तीज	04.09.2016	त्रयोदशी का श्राद्ध	28.09.2016	महालक्ष्मी पूजा	30.10.2016
शिक्षक दिवस	05.09.2016	चतुर्दशी का श्राद्ध	29.09.2016	अन्नकूट	31.10.2016
ऋषि पंचमी	06.09.2016	अमावस्या का श्राद्ध	30.09.2016	गोवर्धन पूजा	31.10.2016
सूर्य षष्ठी	07.09.2016	सर्व पितृ विसर्जन	30.09.2016	विश्वकर्मा पूजा	01.11.2016
नन्दा देवी पूजा	09.09.2016	शारदीय नवरात्रारम्भ	01.10.2016	भैयादूज, यमद्वितीया	01.11.2016
राधा अष्टमी	09.09.2016	कलश स्थापना	01.10.2016	सूर्यषष्ठी व्रत	06.11.2016
दूर्वा अष्टमी	09.09.2016	उपांगललिता व्रत	05.10.2016	अक्षय नवमी, कुष्माण्ड नवमी	09.11.2016
अदु:ख नवमी	10.09.2016	सरस्वती आवाहन	07.10.2016	हरिप्रबोधिनी एकादशी	11.11.2016
दशावतार व्रत	12.09.2016	महानिशा पूजा	08.10.2016	तुलसी विवाह	11.11.2016
शक्र द्वादशी	14.09.2016	महाष्टमी व्रत	09.10.2016	वैकुण्ठ चतुर्दशी	13.11.2016
अनन्तचतुर्दशी व्रत	15.09.2016	महानवमी व्रत	10.10.2016	विश्वनाथ स्थापना दिवस	13.11.2016
प्रतिपदा का श्राद्ध	17.09.2016	विजया दशमी	11.10.2016	बालदिवस, नेहरूजयन्ती	14.11.2016
द्वितीया का श्राद्ध	18.09.2016	शरद पूर्णिमा	15.10.2016	गुरु नानक जयन्ती	14.11.2016
तृतीया का श्राद्ध	19.09.2016	कार्तिक स्नान प्रारम्भ	16.10.2016	देव दीपावली	14.11.2016
चतुर्थी/पंचमी का श्राद्ध	20.09.2016	बाल्मीकी जयन्ती	16.10.2016	कार्तिकव्रत पारणा	15.11.2016
षष्ठी का श्राद्ध	21.09.2016	करवाचौथ व्रत	19.10.2016	कालभैरवाष्टमी	21.11.2016
सप्तमी का श्राद्ध	22.09.2016	अहोई अष्टमी	22.10.2016	रुक्मणी व्रत	21.11.2016
अष्टमी का श्राद्ध	23.09.2016	राधा अष्टमी	23.10.2016	अमावस्या स्नानादि	29.11.2016
जीवित पुत्रिका व्रत	23.09.2016	गोवत्स द्वादशी	26.10.2016	रुद्रव्रत	30.11.2016

विक्रम संवत् 2073 (ई०सन् 2016-17) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
रामविवाहोत्सव	04.12.2016	सूर्य पूजा (उडीसा)	19.01.2017	नृसिंह द्वादशी	09.03.2017
संहार षष्ठी	05.12.2016	नेताजी सुभाष जयन्ती	23.01.2017	गोविन्द द्वादशी	09.03.2017
मल्लार षष्ठी	05.12.2016	तिलद्वादशी	24.01.2017	कामदहन चतुर्दशी	11.03.2017
चम्पा षष्ठी	05.12.2016	गणतन्त्रदिवस	26.01.2017	होलिकादहन	12.03.2017
महानवमीव्रत	08.12.2016	गौरी तृतीया व्रत	30.01.2017	होलिकाष्टक समाप्ति	12.03.2017
गीता जयन्ती	10.12.2016	वसन्त पंचमी	01.02.2017	चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती	12.03.2017
अखण्ड द्वादशी	11.12.2016	सरस्वती पूजा	01.02.2017	होली (धुलण्डी)	13.03.2017
मत्स्य द्वादशी	11.12.2016	श्रीपंचमी	01.02.2017	होलिका भस्मधारण	13.03.2017
पाषाण चतुर्दशी	12.12.2016	मदनपंचमी	01.02.2017	वसन्तोत्सव	13.03.2017
श्रीदत्त जयन्ती	13.12.2016	रथसप्तमी	03.02.2017	रतिकाम महोत्सव	13.03.2017
अष्टका श्राद्ध	21.12.2016	अभोज्यार्कव्रत	03.02.2017	आम्रकलिका प्राशन	13.03.2017
पार्श्वनाथ जयन्ती	23.12.2016	भीमाष्टमी	04.02.2017	सन्त तुकाराम जयन्ती	14.03.2017
रूपद्वादशी	25.12.2016	नन्दिनीदेवी पूजन	05.02..2017	रंग पंचमी	17.03.2017
अमावस्या श्राद्ध	29.12.2016	भक्त पुण्डरीक उत्सव	06.02.2017	मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रा.	17.03.2017
पौषी अमावस्या	29.12.2016	सन्तान द्वादशी	08.02.2017	स्कन्ध षष्ठी	18.03.2017
कूर्मद्वादशी	09.01.2017	माघस्नान समाप्ति	10.02.2017	एकनाथ षष्ठी	18.03.2017
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12.01.2017	सन्त रैदास जयन्ती	10.02.2017	व्यष्टका श्राद्ध	19.03.2017
माघस्नानारम्भ	12.01.2017	स्वामी दयानन्द जयन्ती	21.02.2017	शीतलाष्टमी	20.03.2017
लोहड़ी	13.01.2017	महाशिवरात्रि व्रत	24.02.2017	अष्टकाश्राद्ध	20.03.2017
खिचडी संक्रान्ति	14.01.2017	ब्रह्म पूजा	26.02.2017	मेला नवचण्डी (मेरठ) समा.	20.03.2017
पोंगल(द.भा.)	14.01.2017	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	28.02.2017	अन्वष्टका श्राद्ध	21.03.2017
बिहू (आसाम)	14.01.2017	कामदा सप्तमी व्रत	04.03.2017	भौमवती अमावस्या	28.03..2017
माघी (हिमाचल)	14.01.2017	सीता पूजन	05.03.2017	मेला पेहवा(पृथुदक)	28.03.2017
तिल संक्रान्ति	14.01.2017	होलाष्टक प्रारम्भ	05.03.2017	विक्रम संवत् समाप्ति	28.03.2017

विक्रम संवत् 2073 (ई०सन् 2016-17) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

विनायक चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	10.04.2016
वैशाख	शुक्ल	10.05.2016
ज्येष्ठ	शुक्ल	08.06.2016
आषाढ	शुक्ल	07.07.2016
श्रावण	शुक्ल	06.08.2016
भाद्रपद	शुक्ल	05.09.2016
आश्विन	शुक्ल	04.10.2016
कार्तिक	शुक्ल	03.11.2016
मार्गशीर्ष	शुक्ल	03.12.2016
पौष	शुक्ल	01.01.2017
माघ	शुक्ल	31.01.2017
फाल्गुन	शुक्ल	02.03.2017

संकष्ट चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	25.04.2016
ज्येष्ठ	कृष्ण	25.05.2016
आषाढ	कृष्ण	23.06.2016
श्रावण	कृष्ण	23.07.2016
भाद्रपद	कृष्ण	21.08.2016
आश्विन	कृष्ण	19.09.2016
कार्तिक	कृष्ण	19.10.2016
मार्गशीर्ष	कृष्ण	17.11.2016
पौष	कृष्ण	17.12.2016
माघ	कृष्ण	15.01.2017
फाल्गुन	कृष्ण	14.02.2017
चैत्र	कृष्ण	16.03.2017

दुर्गाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	14.04.2016
वैशाख	शुक्ल	14.05.2016
ज्येष्ठ	शुक्ल	12.06.2016
आषाढ	शुक्ल	12.07.2016
श्रावण	शुक्ल	11.08.2016
भाद्रपद	शुक्ल	09.09.2016
आश्विन	शुक्ल	09.10.2016
कार्तिक	शुक्ल	08.11.2016
मार्गशीर्ष	शुक्ल	07.12.2016
पौष	शुक्ल	06.01.2017
माघ	शुक्ल	04.02.2017
फाल्गुन	शुक्ल	05.03.2017

कालाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	30.04.2016
ज्येष्ठ	कृष्ण	29.05.2016
आषाढ	कृष्ण	27.06.2016
श्रावण	कृष्ण	26.07.2016
भाद्रपद	कृष्ण	25.08.2016
आश्विन	कृष्ण	23.09.2016
कार्तिक	कृष्ण	22.10.2016
मार्गशीर्ष	कृष्ण	21.11.2016
पौष	कृष्ण	21.12.2016
माघ	कृष्ण	19.01.2017
फाल्गुन	कृष्ण	18.02.2017
चैत्र	कृष्ण	20.03.2017

मास शिवरात्रि व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	05.05.2016
ज्येष्ठ	कृष्ण	03.06.2016
आषाढ	कृष्ण	02.07.2016
श्रावण	कृष्ण	01.08.2016
भाद्रपद	कृष्ण	30.08.2016
आश्विन	कृष्ण	29.09.2016
कार्तिक	कृष्ण	28.10.2016
मार्गशीर्ष	कृष्ण	27.11.2016
पौष	कृष्ण	27.12.2016
माघ	कृष्ण	26.01.2017
फाल्गुन	कृष्ण	24.02.2017
चैत्र	कृष्ण	26.03.2017

एकादशी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	17.04.2016
वैशाख	कृष्ण	03.05.2016
वैशाख	शुक्ल	17.05.2016

विक्रम संवत् 2073 (ई०सन् 2016-17) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

मास	पक्ष	दिनांक
ज्येष्ठ	कृष्ण	01.06.2016
ज्येष्ठ	शुक्ल	16.06.2016
आषाढ	कृष्ण	30.06.2016
आषाढ	शुक्ल	15.07.2016
श्रावण	कृष्ण	30.07.2016
श्रावण	शुक्ल	14.08.2016
भाद्रपद	कृष्ण	28.08.2016
भाद्रपद	शुक्ल	13.09.2016
आश्विन	कृष्ण	26.09.2016
आश्विन	शुक्ल	12.10.2016
कार्तिक	कृष्ण	26.10.2016
कार्तिक	शुक्ल	11.11.2016
मार्गशीर्ष	कृष्ण	25.11.2016
मार्गशीर्ष	शुक्ल	10.12.2016
पौष	कृष्ण	24.12.2016
पौष	शुक्ल	08.01.2017
माघ	कृष्ण	23.01.2017
माघ	शुक्ल	07.02.2017
फाल्गुन	कृष्ण	22.02.2017
फाल्गुन	शुक्ल	08.03.2017
चैत्र	कृष्ण	24.03.2017

प्रदोष व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	19.04.2016
वैशाख	कृष्ण	04.05.2016

वैशाख	शुक्ल	19.05.2016
ज्येष्ठ	कृष्ण	02.06.2016
ज्येष्ठ	शुक्ल	17.06.2016
आषाढ	कृष्ण	02.07.2016
आषाढ	शुक्ल	17.07.2016
श्रावण	कृष्ण	31.07.2016
श्रावण	शुक्ल	15.08.2016
भाद्रपद	कृष्ण	29.08.2016
भाद्रपद	शुक्ल	14.09.2016
आश्विन	कृष्ण	28.09.2016
आश्विन	शुक्ल	13.10.2016
कार्तिक	कृष्ण	28.10.2016
कार्तिक	शुक्ल	12.11.2016
मार्गशीर्ष	कृष्ण	26.11.2016
मार्गशीर्ष	शुक्ल	11.12.2016
पौष	कृष्ण	26.12.2016
पौष	शुक्ल	10.01.2017
माघ	कृष्ण	25.01.2017
माघ	शुक्ल	08.02.2017
फाल्गुन	कृष्ण	24.02.2017
फाल्गुन	शुक्ल	10.03.2017
चैत्र	कृष्ण	25.03..2017

पूर्णिमा व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	21.04.2016
वैशाख	शुक्ल	21.05.2016

मास	पक्ष	दिनांक
ज्येष्ठ	शुक्ल	19.06.2016
आषाढ	शुक्ल	19.07.2016
श्रावण	शुक्ल	17.08.2016
भाद्रपद	शुक्ल	16.09.2016
आश्विन	शुक्ल	15.10.2016
कार्तिक	शुक्ल	14.11.2016
मार्गशीर्ष	शुक्ल	13.12.2016
पौष	शुक्ल	11.01.2017
माघ	शुक्ल	10.02.2017
फाल्गुन	शुक्ल	12.03.2017

सूर्यसंक्रान्ति पुण्यकाल

राशि	दिनांक	पुण्यकाल
मेष	13.04.2016	12:22 से
वृष	14.05.2016	10:20 से
मिथुन	14.06.2016	12:20 से
कर्क	16.07.2016	10:13 तक
सिंह	16.08.2016	12:12 से
कन्या	16.09.2016	12:15 से
तुला	17.10.2016	10:33 तक
वृश्चिक	15.11.2016	12:06 तक
धनु	15.12.2016	12:17 से
मकर	14.01.2017	07:41 से
कुम्भ	12.02.2017	12:39 से
मीन	14.03.2017	11:06 से

विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 8 अप्रैल से 22 अप्रैल 2016 ई. तक)

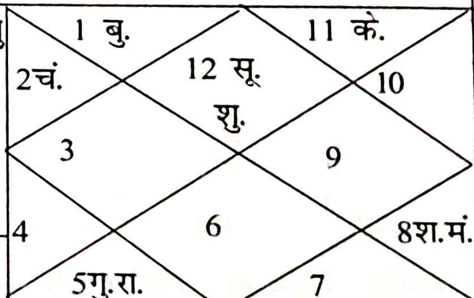
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, उत्तरगोल, वसन्त/ग्रीष्म ऋतु, केतकी अहर्गण- 1829, अयनांश 24/04/02

तिथि	वार	घ.प.		घ.मि		नक्षत्र	घ.प.		घ.मि.		योग	घ. प		करण	घ.प.		सू.उ		सू.अ.		दिनमान		स्प.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शुक्र	17	32	13	07	अश्वि	43	13	23	24	वैधृ.	11	28	बव	17	32	06	07	18	39	31	20	22	47	मेष	चै26	**अप्रै.8**	नववर्षारम्भ,कल्पादि,वसन्तनवरात्रारम्भ,**A**
02	शनि	08	16	09	24	भरणी	35	58	20	29	विष्कु	00	58	कौल.	08	16	06	06	18	39	31	24	22	31	वृष	27	**9**	मत्स्यजयन्ती, स्वायम्भुवमन्वादि:,
03		59	44	30	00						प्रीति	51	03												25:51			शिवदोलोत्सव:सौभाग्यगौरीव्रतम्
04	रवि	51	02	26	29	कृत्ति.	29	44	17	58	आयु.	41	03	वणि.	25	23	06	05	18	40	31	28	22	14	वृष	28	**10**	भद्रा 16:14से 26:29 तक, **B**
05	सोम	44	47	23	58	रोहिणी	24	52	16	00	सौभा.	32	59	बव	17	55	06	03	18	41	31	32	21	58	मिथु 27:21	29	**11**	श्रीपंचमी, श्वेतवाराहकल्पादि
06	भौम	40	24	22	12	मृग.	21	41	14	42	शोभ.	26	22	कौल.	12	35	06	02	18	41	31	36	21	42	मिथुन	30	**12**	स्कन्दषष्ठी, सूर्य षष्ठीव्रत (विहार)
07	बुध	38	01	21	13	आर्द्रा	20	22	14	10	अति.	21	19	गर	09	12	06	01	18	42	31	40	21	27	मिथुन	वै.1	**13**	भद्रा 21:13से,वैशाखी, सूर्य मेषराशि**C**
08	गुरु	37	38	21	03	पुन.	21	01	14	24	सुक.	17	51	विष्टि	07	49	06	00	18	42	31	44	21	12	कर्क 08:20	02	**14**	भद्रा 09:08तक,दुर्गाष्टमी,**D**
09	शुक्र	39	14	21	41	पुष्य	23	36	15	25	धृति	15	56	बाल.	08	26	05	59	18	43	31	48	20	57	कर्क	03	**15**	रामनवमी, नवरात्र समाप्त,
10	शनि	42	35	23	00	आश्ले	27	56	17	08	शूल	15	25	तैतिल	10	55	05	58	18	43	31	52	20	43	सिंह17:08	04	**16**	भद्रा 11:56 से भद्रा 24:52तक,**E**
11	रवि	47	18	24	52	मघा	33	42	19	26	गण्ड	16	04	वणि.	14	56	05	57	18	44	31	56	20	29	सिंह	05	**17**	कामदाएकादशी(समस्त), विष्णुदोलोत्सव
12	सोम	53	04	27	09	पू.फा.	40	32	22	08	वृद्धि	17	37	बव	20	11	05	56	18	44	32	00	20	16	कन्या 28:53	06	**18**	वामनद्वादशी, अनन्तपूजा, दमनोत्सव,
13	भौम	59	24	29	40	उ.फा.	48	00	25	07	ध्रुव	19	45	कौल.	26	14	05	55	18	45	32	04	20	03	कन्या	07	**19**	भद्रा 08:21से भद्रा 21:37 तक **F**
14	बुध	60	00	-	-	हस्त	55	45	28	12	व्या	22	11	गर	32	47	05	54	18	46	32	08	19	51	कन्या	08	**20**	शैवचतुर्दशी, श्रीमहावीरजयन्ती(जैन) **G**
14	गुरु	06	11	08	21	चित्रा	60	00	-	-	हर्षण	24	43	वणि.	06	11	05	53	18	46	32	12	19	39	तुला 17:44	09	**21**	पूर्णिमाव्रत, भद्रा 8:21 से 21:36 तक
15	शुक्र	12	30	10	52	चित्रा	03	34	07	17	वज्र	27	11	बव	12	30	05	52	18	47	32	16	19	27	तुला	10	**22**	स्नानदानादि पूर्णिमा, सत्यनारायणव्रत,**H**

A वि.स.2073प्रारम्भ,चन्द्रदर्शन, गुडी परवा। **B** विनायकचतुर्थी,दमनकचतुर्थी।**C** मे 19:50बजे, पुण्यकाल 12:22 के बाद दिनभर, आर्यभट्ट जयन्ती, सृष्ट्यादि सौरनववर्षारम्भ, उत्तर- गोलारम्भ, मनसादेवी मेला (हरिद्वार)1938 शकाब्द प्रारम्भ। अन्नपूर्णापरिक्रमा प्रारम्भ।**D** भवानीयात्रा, अन्नपूर्णा पूजा, अम्बेडकर जयन्ती, **E** धर्मराजदशमी, देवीविसर्जन **F** प्रदोषव्रत, अनंगत्रयोदशी, सायनसूर्य वृष में 21:24 बजे **G**नृसिंहदोलोत्सव,**H** हनुमानजयन्ती(दक्षिण भारत)। **वर्षादिकृत्य** -परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषत:। सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानत:।। मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्। अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये।।

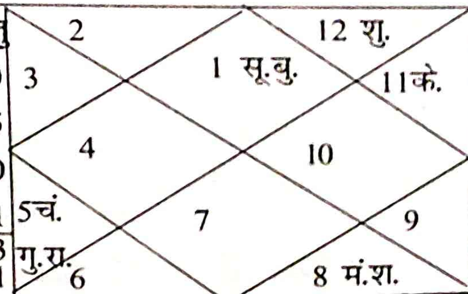
चैत्र शुक्ल 04 ,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 10.04.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	01	07	00	04	11	07	04	10
अं.	26	02	14	13	20	11	22	26	26
क.	29	33	30	15	23	14	05	12	12
वि.	44	19	06	53	07	50	21	45	45
गति	58 55	900 46	05 36	106 21	व5 12	74 05	वा 29	व3 11	व3 11



चैत्र शुक्ल 11 ,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 17.04.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	04	07	00	04	11	07	04	10
अं.	03	06	14	23	19	19	21	25	25
क.	20	25	50	08	51	52	52	50	50
वि.	57	50	05	07	03	51	24	31	31
गति	58 41	737 18	00 43	69 26	व4 05	74 02	व2 07	व3 11	व3 11



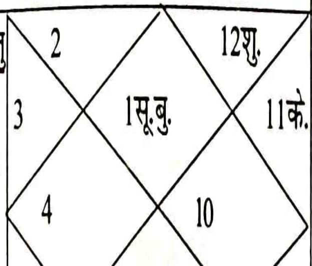
तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शनि	18	37	13	18	स्वाती	11	01	10	15	सिद्धि	29	28	कौल.	18	37	05	51	18	47	32	20	19	16	तुला	11	अ.23	वीरकुवरसिंह जयन्ती
02	रवि	24	21	15	35	विशा.	18	07	13	05	व्यती.	31	26	गर	24	21	05	50	18	48	32	24	19	06	वृश्चि06:22	12	24	भद्रा 28:36 से
03	सोम	29	31	17	37	अनु.	24	42	15	42	वरी.	32	57	विष्टि	29	31	05	49	18	49	32	28	18	56	वृश्चिक	13	25	भद्रा 17:37तक संकष्टहरचतुर्थीव्रत
04	भौम	33	52	19	21	ज्ये.	30	32	18	01	परि.	33	49	बव	01	42	05	48	18	49	32	31	18	47	धनु 18:01	14	26	
05	बुध	37	07	20	38	मूल	35	20	19	55	शिव	33	49	कौल.	05	29	05	47	18	50	32	35	18	38	धनु	15	27	
06	गुरु	39	04	21	24	पू.षा.	38	55	21	20	सिद्ध	32	50	गर	08	06	05	47	18	50	32	39	18	29	मकर	16	28	भद्रा 21:24 से,कोकिला षष्ठी
07	शुक्र	39	27	21	32	उ.षा.	40	58	22	09	साध्य	30	36	विष्टि	09	16	05	46	18	51	32	43	18	22	27:32	17	29	भद्रा 09:28 तक,
08	शनि	38	07	20	59	श्रवण	41	22	22	17	शुभ	27	03	बाल.	08	47	05	45	18	52	32	46	18	14	मकर	18	30	शीतलाष्टमी
09	रवि	34	59	19	43	धनि.	40	00	21	44	शुक्ल	22	05	तैतिल	06	33	05	44	18	52	32	50	18	08	मकर	19	मई01	पंचकप्रारम्भ10:01 से, श्रमदिवस
10	सोम	30	08	17	46	शत.	36	56	20	29	ब्रह्म	15	45	वणि.	02	33	05	43	18	53	32	53	18	02	कुम्भ	20	02	भद्रा 06:45 से भद्रा 17:46तक,
11	भौम	23	42	15	11	पू.भा.	32	16	18	37	ऐन्द्र वैधृति	08 59	08 24	बाल.	23	42	05	42	18	53	32	57	17	56	10:01 कुम्भ	21	03	वरूथिनी एकादशीव्रत (समस्त)बल्लभाचार्य जयन्ती,
12	बुध	15	55	12	04	उ.भा.	26	17	16	12	विष्कु	50	47	तैति.	15	55	05	42	18	54	33	00	17	51	मीन 13:05	22	04	प्रदोषव्रत
13 14	गुरु	07 57	12 57	08 28	34 52	रेवती	19	22	13	26	प्रीति	40	07	वणि.	07	12	05	41	18	55	33	04	17	47	मीन	23	05	भद्रा 08:34से18:43तक।मासशिवरात्रि पंचकसमाप्ति13:26पर,शब्बे मिराज(मु.)
30	शुक्र	48	42	25	09	अश्वि	11	57	10	27	आयु.	29	16	चतु.	23	19	05	40	18	55	33	07	17	43	मेष 13:26	24	06	कूर्मकल्पस्नान, अमावस्या स्नानादि

वैशाखे दानमाहात्म्यम्- ददाति यो हि मेषादौ सक्तूनम्बुघटान्वितान्। पितृनुद्दिश्य विप्रेभ्य: सर्वपापै: प्रमुच्यते।।

वैशाखे त्याज्यवस्तूनि- कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने।।

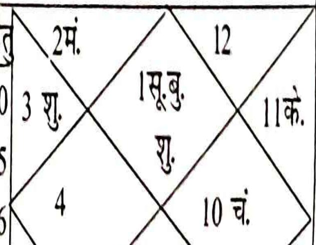
वैशाख कृष्ण 02,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 24.04.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	06	07	00	04	11	07	04	10
अं.	10	29	14	28	19	28	21	25	25
क.	10	43	34	35	27	30	35	28	28



वैशाख कृष्ण 09,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 01.05.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	09	07	00	04	00	07	04	10
अं.	16	27	13	29	19	07	21	25	25
क.	58	43	41	18	11	07	14	06	06



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 07 मई से 21 मई 2016 ई. तक)

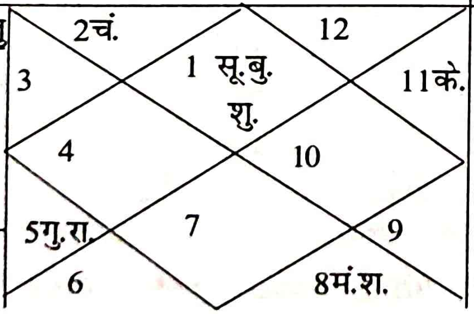
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु, केतकी अहर्गण- 1858, अयनांश 24/04/06

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शनि	39	02	21	16	भरणी कृत्ति.	04 57	31 32	07 28	28 40	सोभा.	18	37	किंस्तु	13	52	05	39	18	56	33	10	17	40	वृष 12:46	25	म.7	धर्मघटादिदान, शिवाजी जयन्ती
02	रवि	30	16	17	45	रोहिणी	50	28	25	50	शोभ. अति.	08 59	31 19	बाल.	04	39	05	39	18	56	33	14	17	37	वृष	26	08	चन्द्रदर्शन,परशुराम जयन्ती, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टेगौर जयन्ती
03	सोम	22	47	14	45	मृग.	45	20	23	46	सुक.	49	56	गर	22	47	05	38	18	57	33	17	17	35	मिथु 12:48	27	09	भद्रा 25:34 से,अक्षयतृतीया,गौरीपूजा**A**
04	भौम	16	56	12	23	आर्द्रा	42	02	22	26	धृति	43	12	विष्टि	16	56	05	37	18	58	33	20	17	33	मिथुन	28	10	भद्रा 12:23तक, विनायकचतुर्थी
05	बुध	12	57	10	47	पुन.	40	46	21	55	शूल	38	10	बाल.	12	57	05	37	18	58	33	23	17	32	कर्क 16:03	29	11	आदिगुरुशंकराचार्यजयन्ती,सूरदासजयन्ती
06	गुरु	11	04	10	02	पुष्य	41	42	22	16	गण्ड	34	55	तैति.	11	04	05	36	18	59	33	27	17	32	कर्क	30	12	श्रीरामानुजाचार्यजयन्ती,गंगोत्पत्ति,**B**
07	शुक्र	11	20	10	07	आश्ले	44	44	23	29	वृद्धि	33	23	वणि.	11	20	05	35	19	00	33	30	17	32	सिंह 23:29	31	13	भद्रा10:07से 22:34तक,
08	शनि	13	38	11	02	मघा	49	41	25	27	ध्रुव	33	22	बव	13	38	05	35	19	00	33	33	17	32	सिंह	ज्ये.1	14	सूर्य वृष राशि में 16:44 बजे, **C**
09	रवि	17	42	12	39	पू.फा.	56	11	28	02	व्या.	34	37	कौल.	17	42	05	34	19	01	33	36	17	34	सिंह	02	15	सीता जयन्ती,
10	सोम	23	08	14	49	उ.फा.	60	00	-	-	हर्ष	36	49	गर	23	08	05	34	19	01	33	38	17	35	कन्या 10:52	03	16	भद्रा 24:04 से
11	भौम	29	22	17	18	उ.फा.	04	33	07	22	वज्र	39	30	विष्टि	29	22	05	33	19	02	33	41	17	38	कन्या	04	17	भद्रा 17:18तक,मोहिनी-एकादशी **D**
12	बुध	35	55	19	54	हस्त	12	18	10	28	सिद्धि	42	20	बव	02	38	05	33	19	03	33	44	17	40	तुला 24:01	05	18	परशुरामद्वादशी, रुक्मिणीद्वादशी(बंगाल)
13	गुरु	42	19	22	28	चित्रा	20	04	13	33	व्यती.	45	00	कौल.	09	07	05	32	19	03	33	47	17	44	तुला	06	19	प्रदोषव्रत,
14	शुक्र	48	15	24	50	स्वाती	27	29	16	31	वरी.	47	16	गर	15	17	05	32	19	04	33	49	17	47	तुला	07	20	नृसिंहजयन्ती,भद्रा24:50से,सायनसूर्य **E**
15	शनि	53	28	26	54	विशा.	34	18	19	14	परिघ	48	58	विष्टि	20	52	05	31	19	04	33	52	17	52	वृश्चि 12:33	08	21	भद्रा 13:52तक, महावैशाखी, **F**

A लक्ष्मीनारायणपूजा, बलराम जयन्ती, त्रेतायुगादि, काशी में त्रिलोचन यात्रा, बदरी केदार यात्रा। **B** चन्दन षष्ठी **C** पुण्यकाल 10:20 से दिनभर, अपराजितादेवी पूजा,चण्डिकादेवीपूजा, दुर्गाष्टमी,बगलामुखी जयन्ती **D** व्रत समस्त **E** मिथुन में 20:30 बजे **F** बुद्धजयन्ती, कूर्मजयन्ती, बुद्धपूर्णिमा,पूर्णिमाव्रत, सम्पद्गौरीव्रत।

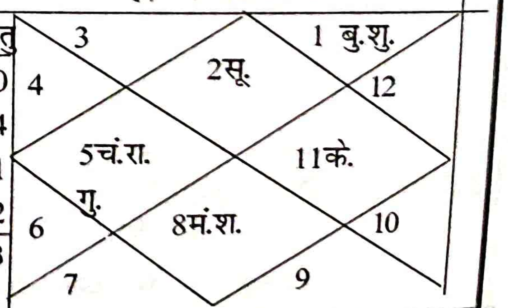
वैशाख शुक्ल 02,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 08.05.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	01	07	00	04	00	07	04	10
अं.	23	10	12	26	19	15	12	24	24
क.	45	37	12	17	05	44	12	43	43
वि.	31	26	43	20	29	56	43	47	47
गति	58 03	906 29	वा14 45	व34 30	व0 21	73 52	व3 39	व3 11	व3 11



वैशाख शुक्ल 09,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 15.05.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	04	07	00	04	00	07	04	10
अं.	00	15	10	22	19	24	20	24	24
क.	30	10	13	13	08	21	22	21	21
वि.	59	55	15	06	07	39	51	32	32
गति	57 53	735 52	वा18 39	व31 06	00 56	73 49	व4 01	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 22 मई से 05 जून 2016 ई. तक)

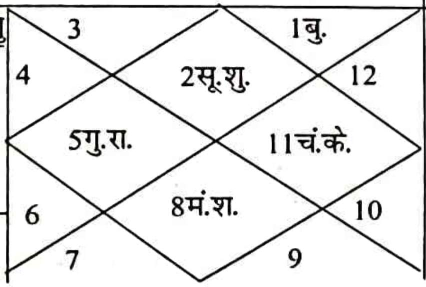
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म -ऋतु, केतकी अहर्गण- 1873, अयनांश 24/04/08

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	रवि	57	54	28	40	अनु.	40	24	21	40	शिव	50	04	बाल.	25	41	05	31	19	05	33	55	17	56	वृश्चिक	09	22	
02	सोम	60	00	-	-	ज्ये.	45	44	23	48	सिद्ध	50	32	तैति.	29	19	05	31	19	06	33	57	18	01	धनु 23:48	10	23	शब्बे वरात (मुस्लिम)
02	भौम	00	45	05	48	मूल	50	09	25	33	साध्य	50	14	गर	00	45	05	30	19	06	33	59	18	07	धनु	11	24	भद्रा 18:18 से
03	बुध	03	16	06	48	पू.षा.	53	37	26	56	शुभ	49	11	विष्टि	03	16	05	30	19	07	34	02	18	13	धनु	12	25	भद्रा 06:48 तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत
04	गुरु	04	46	07	24	उ.षा.	56	03	27	54	शुक्ल	47	16	बाल.	04	46	05	29	19	07	34	04	18	20	मक 09:10	13	26	मां आनन्दमयी जयन्ती
05	शुक्र	05	09	07	33	श्रवण	57	19	28	24	ब्रह्म	44	25	तैति.	05	09	05	29	19	08	34	06	18	27	मकर	14	27	
06	शनि	04	19	07	12	धनि.	57	17	28	23	ऐन्द्र	40	32	वणि.	04	19	05	29	19	08	34	08	18	34	कुंभ 16:24	15	28	पंचकप्रारम्भ16:24से,भद्रा 07:12से **A**
07	रवि	02	14	06	23	शत.	55	58	27	51	वैधृति	35	35	बाल.	02	14	!05	29	19	09	34	10	18	42	कुम्भ	16	29	शीतलाष्टमी, भानुसप्तमी, उत्कलप्रदेश में भौंरी,
08		58	48	29	00																							
09	सोम	55	20	27	36	पू.भा.	53	12	26	45	विष्कु	29	31	तैति.	27	04	05	28	19	09	34	12	18	50	मीन 21:02	17	30	
10	भौम	49	11	25	08	उ.भा.	49	08	25	07	प्रीति	22	22	वणि.	22	15	05	28	19	10	34	14	18	59	मीन	18	31	भद्रा 14:22 से भद्रा 25:08 तक
11	बुध	41	50	22	12	रेवती	43	51	23	00	आयु.	14	14	बव	15	30	05	28	19	10	34	16	19	08	मेष 23:00	19	जून01	पंचकसमाप्ति 23:00पर,अपरा **B**
12	गुरु	33	37	18	54	अश्वि.	37	39	20	31	सौभा.	05	18	कौल.	07	43	05	28	19	11	34	18	19	17	मेष	20	02	प्रदोष व्रत
											शोभ.	55	50															
13	शुक्र	24	53	15	24	भरणी	30	56	17	50	अति.	46	23	वणि.	24	53	05	27	19	11	34	19	19	26	वृष 23:10	21	03	भद्रा 15:24से भद्रा 25:39 तक, **C**
14	शनि	16	06	11	54	कृत्ति.	24	11	15	08	सुक.	36	20	शकु.	16	06	05	27	19	12	34	21	19	36	वृष	22	04	वटसावित्रीव्रत (अमावस्या पक्ष)
30	रवि	07	43	08	32	रोहिणी	17	53	12	36	धृति	26	49	नाग	07	43	05	27	19	12	34	22	19	46	मिथु 23:31	23	05	भावुका-अमावस्या, **D**

A भद्रा 18:48 तक, चण्डिकादेवीपूजा,श्रीक्षेत्र (पुरी)में भौंरी, **B** एकादशीव्रत (समस्त),भद्रकाली एकादशी **C** मासशिवरात्रि,सावित्री चतुर्दशी **D** स्नानदानादि अमावस्या, शनैश्चर जयन्ती। **अमायां वटसावित्रीव्रतम्** - अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती। त्रिरात्रोपोषिता नारी विधानेन प्रपूजयेत्

ज्येष्ठ कृष्ण 07,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 29.05.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	10	07	00	04	01	07	04	10
अं.	13	07	05	21	19	11	19	23	23
क.	58	30	26	39	39	34	23	37	37
वि.	33	44	06	11	33	19	15	02	02
गति	57	803	व20	26	03	73	व44	व3	व3
	34	14	51	07	22	46	24	11	11



ज्येष्ठ कृष्ण 30,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 05.06.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	01	07	00	04	01	07	04	11
अं.	20	18	03	26	20	20	18	23	23
क.	40	53	07	33	07	10	52	14	14
वि.	57	08	36	18	41	26	12	47	47
गति	57	895	वा18	53	04	73	व44	व3	व3
	26	21	40	38	21	43	27	11	11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 06 जून से 20 जून 2016 ई. तक)

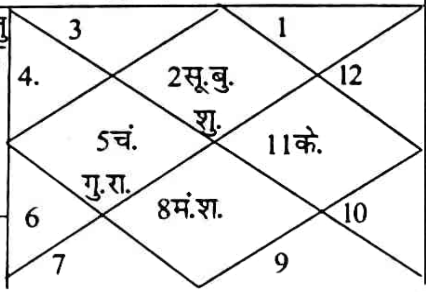
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तरगोल, ग्रीष्म/वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 1888, अयनांश 24/04/10

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01 02	सोम	00 52	07 26	05 26	30 25	मृग.	12	27	10	26	शूल	18	10	बव	00	07	05	27	19	13	34	24	19	57	मिथुन	24	06	चन्द्रदर्शन, करवीर व्रत, ईद उल फितर (मुस्लिम)
03	भौम	47	18	24	22	आर्द्रा	08	18	08	46	गण्ड	10	39	तैति	19	52	05	27	19	13	34	25	20	07	कर्क 26:00	25	07	रम्भा तृतीया व्रत, महाराणाप्रताप जयन्ती
04	बुध	44	08	23	06	पुन.	05	47	07	45	वृद्धि ध्रुव	04 59	31 57	वणि.	15	43	05	27	19	14	34	26	20	18	कर्क	26	08	भद्रा 11:44से23:06तक,उमापूजन व्रत, विनायक4व्रत,गुरु अर्जुनदेवशहीदीदिवस
05	गुरु	43	04	22	40	पुष्य	05	09	07	30	व्या.	55	17	बव	13	36	05	27	19	14	34	27	20	29	कर्क	27	09	महादेवविवाह(उडीसा),श्रुतपंचमी(जैन)
06	शुक्र	44	08	23	06	आश्ले	06	34	08	04	हर्ष	54	06	कौल.	13	36	05	27	19	14	34	28	20	41	सिंह 08:04	28	10	स्कन्दषष्ठी,आरण्यकगौरीव्रत,विन्ध्यवासिनीपूजन।
07	शनि	47	12	24	20	मघा	09	59	09	26	वज्र	54	30	गर	15	40	05	27	19	15	34	29	20	52	सिंह	29	11	भद्रा 24:20 से
08	रवि	51	58	26	14	पू.फा.	15	12	11	32	सिद्धि	56	08	विष्टि	19	35	05	27	19	15	34	30	21	04	कन्या 18:11	30	12	भद्रा 13:17 तक। दुर्गाष्टमी, **A**
09	सोम	58	00	28	39	उ.फा.	21	52	14	11	व्यती.	58	42	बाल.	24	59	05	27	19	16	34	31	21	16	कन्या	31	13	
10	भौम	60	00	-	-	हस्त	29	25	17	13	वरी.	60	00	तैति.	31	32	05	27	19	16	34	31	21	28	कन्या	आ.	14	सूर्य मिथुनराशिमें 23:20बजे,श्रीगंगा-**B**
10	बुध	05	04	07	28	चित्रा	37	16	20	21	वरी.	02	01	गर	05	04	05	27	19	16	34	32	21	40	तुला 06:47	02	15	भद्रा 20:43से,
11	गुरु	11	18	09	58	स्वाती	44	54	23	24	परि.	04	37	विष्टि	11	18	05	27	19	16	34	33	21	52	तुला	03	16	भद्रा09:58तक।निर्जला एकादशीव्रत **C**
12	शुक्र	16	58	12	14	विशा.	51	47	26	10	शिव	06	47	बाल.	16	58	05	27	19	17	34	33	22	04	वृश्कि 19:28	04	17	त्रिविक्रम द्वादशी,चम्पकद्वादशी,प्रदोषव्रत
13	शनि	21	45	14	09	अनु.	57	42	28	32	सिद्ध	08	19	तैति.	21	45	05	28	19	17	34	33	22	16	वृश्चिक	05	18	
14	रवि	25	27	15	38	ज्येष्ठा	60	00	-	-	साध्य	09	01	वणि.	25	27	05	28	19	17	34	34	22	28	वृश्चिक	06	19	भद्रा 15:38 से भद्रा 28:09तक, **D**
15	सोम	27	59	16	39	ज्येष्ठा	01	33	06	05	शुभ	08	51	बव	27	59	05	28	19	17	34	34	22	41	धनु 06:05	07	20	सत्यनारायणव्रत,वैवस्वतमन्वादि,ज्येष्ठीपूर्णिमा, कबीरजयन्ती,सायनसूर्य कर्कमें28:25बजे

A शुक्लादेवीपूजा,ब्रह्माणीदेवीपूजा,**B**दशहरा,गंगावतरण,रामेश्वरप्रतिष्ठा,संक्रान्तिपुण्यकाल12:20से दिनभर,**C**(समस्त),भीमसैनी एकादशी,**D**चम्पकचतुर्दशी,पूर्णिमा व्रत,वटसावित्री व्रत

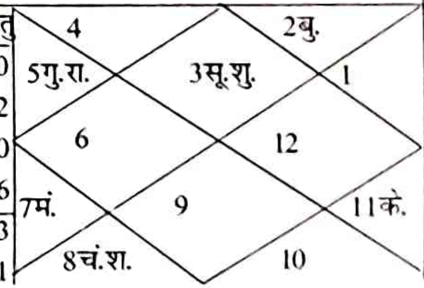
ज्येष्ठ शुक्ल 08,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 12.06.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	04	07	01	04	01	07	04	10
अं.	27	23	01	04	20	27	18	22	22
क.	22	32	11	25	43	32	25	55	55
वि.	38	48	53	49	29	46	41	42	42
गति	57 21	738 18	वा14 40	77 48	05 34	73 45	व44 22	व3 11	व3 11



ज्येष्ठ शुक्ल 14,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 19.06.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	07	06	01	04	02	07	04	10
अं.	04	17	29	14	21	07	17	22	22
क.	03	17	49	57	26	22	51	30	30
वि.	47	25	27	42	25	39	24	16	16
गति	57 17	732 24	व9 29	99 26	06 33	73 45	व44 12	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, आषाढ कृष्ण पक्ष (दिनांक 21 जून से 04 जुलाई 2016 ई. तक)

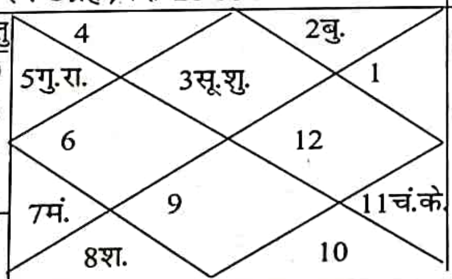
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु, केतकी अहर्गण- 1903, अयनांश 24/04/12

तिथि	वार	घ./प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ./प.	घ./मि	योग	घ./प.	करण	घ./प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टै.अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय में)
01	भौम	29 28	17 15	मूल	05 07	07 31	शुक्ल	07 51	कौल.	29 28	05 28	19 18	34 34	22 53	धनु	08	21	
02	बुध	29 55	17 26	पू.षा.	07 41	08 32	ब्रह्म	06 01	गर	29 55	05 28	19 18	34 34	23 05	मक 14:41	09	22	भद्रा 29:20 से
03	गुरु	29 25	17 14	उ.षा.	09 18	09 11	ऐन्द्र	03 25	विष्टि	29 25	05 28	19 18	34 33	23 17	मकर	10	23	भद्रा 17:14तक, संकष्टहरचतुर्थीव्रत
04	शुक्र	27 59	16 40	श्रवण	09 59	09 28	वैधृति विष्क.	00 06 56 47	बाल.	27 59	05 29	19 18	34 33	23 29	कुम्भ 21:26	11	24	पंचकप्रारम्भ 21:26 से,
05	शनि	25 42	15 45	धनि.	09 49	09 24	प्रीति	52 01	तैति.	25 42	05 29	19 18	34 33	23 41	कुम्भ	12	25	
06	रवि	22 31	14 29	शत.	08 47	09 00	आयु.	46 31	वणि.	22 31	05 29	19 18	34 32	23 53	मीन 26:25	13	26	भद्रा 14:29से 25:41तक
07	सोम	18 27	12 52	पू.भा.	06 51	08 14	सौभा.	40 18	बव	18 27	05 30	19 19	34 32	24 05	मीन	14	27	कालाष्टमी,
08	भौम	13 30	10 54	उ.भा.	04 04	07 07	शोभ.	33 22	कौल.	13 30	05 30	19 19	34 31	24 17	मीन	15	28	त्रिलोचनपूजा, शीतलाष्टमी,
09	बुध	07 45	08 36	रेवती अश्वि.	00 26 56 52	05 40 28 15	अति.	25 46	गर	07 45	05 30	19 19	34 31	24 28	मेष 05:40	16	29	पंचक समाप्ति 05:40 पर भद्रा 19:20 से
10 11	गुरु	01 19 54 58	06 03 27 29	भरणी	51 46	26 13	सुक.	17 40	विष्टि	01 19	05 31	19 19	34 30	24 39	मेष	17	30	भद्रा 06:03तक,योगिनी एकादशी (स्मार्त)
12	शुक्र	47 28	24 30	कृत्ति	46 22	24 04	धृति	09 13	कौल.	21 13	05 31	19 19	34 29	24 50	वृष 07:41	18	01	कूर्म जयन्ती,योगिनी एकादशी(वैष्णव)
13	शनि	40 05	21 33	रोहि.	41 02	21 56	शूल गण्ड	00 40 52 10	गर	13 46	05 31	19 19	34 28	25 01	वृष	19	02	भद्रा 21:33 से, शनि प्रदोषव्रत, मासशिवरात्रि
14	रवि	33 13	18 48	मृग.	36 11	20 00	वृद्धि	43 57	विष्टि	06 39	05 32	19 19	34 27	25 12	मिथु 08:58	20	03	भद्रा 08:31तक,
30	सोम	27 11	16 24	आर्द्रा	32 10	18 24	ध्रुव	36 33	चतु.	00 12	05 32	19 19	34 26	25 22	मिथुन	21	04	सोमवती अमावस्या

आषाढे प्रवर्षणविचारः- ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसतज्ज्ञैः।। येषु च भेष्वभिवृष्टे भूयस्तेष्वेव वर्षति प्रायः।।

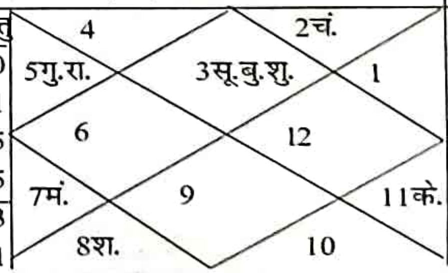
आषाढ कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 26.06.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	10	06	01	04	02	07	04	10
अं.	10	18	29	27	22	15	17	22	22
क.	44	01	06	48	15	58	23	08	08
वि.	32	01	12	00	59	54	10	00	00
गति	57 14	812 30	व3 39	119 47	07 28	73 44	व3 54	व3 11	व3 11



आषाढ कृष्ण 14, रविवार, औदयिकस्पष्टग्रह, दि. 03.07.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	01	06	02	04	02	07	04	10
अं.	17	27	29	12	23	24	16	21	21
क.	25	54	03	23	11	35	57	45	45
वि.	06	00	48	09	38	18	18	45	45
गति	57 13	872 04	02 09	129 16	08 18	73 46	व3 32	व3 11	व3 11



A योगिनी एकादशी (स्मार्त), **B** राशि में 17:11बजे, संक्रान्ति पुण्यकाल 12:22 के बाद दिनभर। **आषाढे प्रवर्षणलक्षणम्-** ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसतज्ज्ञैः।। येन धरित्री मुद्रा जनिता वा विन्दवस्तृणाग्रेषु। वृष्टेन तेन वाच्यं परिमाणं वारिणः प्रथमम्।। येषु च भेष्वभिवृष्टे

विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, आषाढ शुक्ल पक्ष (दिनांक 05 जुलाई से 19 जुलाई 2016 ई. तक)

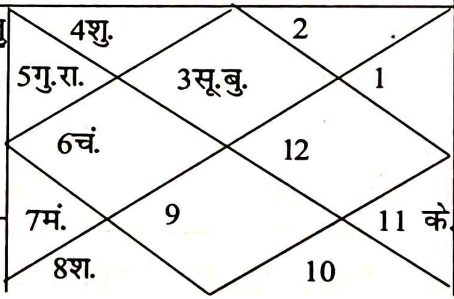
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु, केतकी अहर्गण- 1917, अयनांश 24/04/14

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	भौम	22	23	14	30	पुन.	29	25	17	18	व्या.	30	14	बव	22	23	05	32	19	19	34	25	25	32	कर्क 11:35	22	05	गुप्तनवरात्रारम्भ, कलशस्थापन,
02	बुध	19	04	13	10	पुष्य	28	09	16	48	हर्षण	25	12	कौल.	19	04	05	33	19	18	34	23	25	42	कर्क	23	06	श्रीजगन्नाथ रथयात्रा(पुरी),रथोत्सव
03	गुरु	17	26	12	32	आश्ले	28	35	16	59	वज्र	21	32	गर	17	26	05	33	19	18	34	22	25	51	सिंह 16:59	24	07	भद्रा 24:34से, विनायक चतुर्थी
04	शुक्र	17	39	12	37	मघा	30	52	17	54	सिद्धि	19	22	विष्टि	17	39	05	34	19	18	34	21	26	01	सिंह	25	08	भद्रा 12:37 तक
05	शनि	19	41	13	26	पू.फा.	34	56	19	32	व्यती.	18	38	बाल.	19	41	05	34	19	18	34	19	26	09	कन्या 26:07	26	09	स्कन्धपंचमी, कुमारषष्ठी,
06	रवि	23	27	14	57	उ.फा.	40	38	21	50	वरी.	19	14	तैति.	23	27	05	35	19	18	34	17	26	18	कन्या	27	10	विवस्वत्सप्तमी,महावीरगर्भकल्याणक(जैन)
07	सोम	28	34	17	00	हस्त	47	35	24	37	परि.	20	52	वणि.	28	34	05	35	19	18	34	16	26	26	कन्या	28	11	भद्रा 17:00से
08	भौम	34	37	19	26	चित्रा	55	20	27	44	शिव	23	16	विष्टि	01	36	05	36	19	17	34	14	26	33	तुला 14:11	29	12	भद्रा 06:13तक,महिषासुरमर्दिनीपूजा,**A**
09	बुध	41	00	22	00	स्वाती	60	00	-	-	सिद्ध	25	55	बाल.	07	49	05	36	19	17	34	12	26	41	तुला	30	13	गुप्तनवरात्रिसमाप्त,मेलाशरीकभवानी(कश्मीर)
10	गुरु	47	00	24	24	स्वाती	03	10	06	52	साध्य	28	20	तैति.	14	00	05	37	19	17	34	10	26	47	वृश्चि 26:57	31	14	रैवतमन्वादि, गिरिराजपूजा
11	शुक्र	52	05	26	27	विशा.	10	06	09	39	शुभ	30	09	वणि.	19	32	05	37	19	17	34	08	26	54	वृश्चिक	32	15	भद्रा 13:25से 26:27तक,देवशयन, **B**
12	शनि	55	50	27	57	अनु.	16	01	12	02	शुक्ल	30	59	बव	23	58	05	38	19	16	34	06	27	00	वृश्चिक	श्रा.1	16	सूर्य कर्कराशि में 10:13बजे, **C**
13	रवि	58	03	28	51	ज्ये.	20	36	13	53	ब्रहम	30	41	कौल.	26	56	05	38	19	16	34	04	27	05	धनु 13:53	02	17	प्रदोषव्रत, जयापार्वतीव्रत(गुजरात)
14	सोम	58	43	29	08	मूल	23	47	15	09	ऐन्द्र	29	14	गर	28	23	05	39	19	16	34	01	27	10	धनु	03	18	भद्रा 29:08से, शिवशयनोत्सव
15	भौम	58	01	28	52	पू.षा.	25	37	15	54	वैधृति	26	40	विष्टि	28	22	05	39	19	15	33	59	27	15	मकर 21:58	04	19	भद्रा 17:00 तक, गुरुपूर्णिमा, **D**

A खर्चिपूजा(त्रिपुरा), ऐन्द्रीदेवीपूजा। **B** हरिशयन एकादशीव्रत (समस्त),चातुर्मासव्रताारम्भ। **C**संक्रान्ति पुण्यकाल प्रातः 10:13 तक, वासुदेव द्वादशी **D**पूर्णिमाव्रत, आषाढीपूर्णिमा, कोकिलाव्रत, सत्यनारायणव्रत, अन्नादिदान, चाक्षुषमन्वादि, वायुपरीक्षण। **चातुर्मास्यव्रतविचारः** - आषाढे तु सिते पक्षे एकादश्यामुपोषितः। चातुर्मास्यव्रतं कुर्याद्यत्किंचिदखिलो नरः।। **आषाढीयोगे अष्टासु दिक्षु वातफलम्** - निष्पत्तिरग्निकोपो वृष्टिर्मन्दाथ मध्यमा श्रेष्ठा। बहुजलपवना पुष्टा शुभा च पूर्वादिभिः पवनैः।।

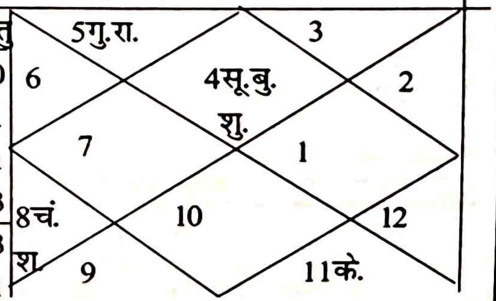
आषाढशुक्ल 06 ,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.07.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	05	06	02	04	03	07	04	10
अं.	24	01	29	27	24	03	16	21	21
क.	05	38	41	32	12	11	34	23	23
वि.	39	51	01	49	50	50	25	29	29
गति	57 12	739 45	07 40	128 30	09 04	73 46	व3 04	व3 11	व3 11



आषाढशुक्ल 13 ,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.07.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	07	07	03	04	03	07	04	10
अं.	00	25	00	11	25	11	16	21	21
क.	46	45	54	54	19	48	15	01	01
वि.	21	44	54	40	03	27	03	13	13
गति	57 15	740 00	12 41	118 10	09 44	73 47	व2 32	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 20 जुलाई से 02 अगस्त 2016 ई. तक)

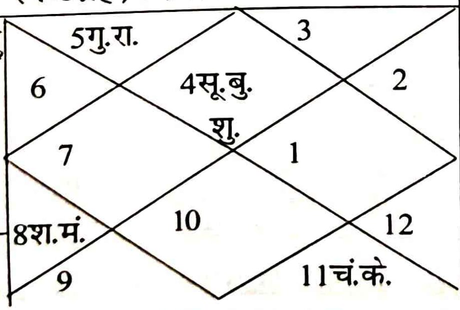
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु, केतकी अहर्गण- 1932, अयनांश 24/04/16

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	बुध	56	07	28	06	उ.षा.	26	13	16	09	विष्कु	23	08	बाल.	27	04	05	40	19	15	33	57	27	19	धनु	05	जु.20	मैथिलनववर्षारम्भ
02	गुरु	53	14	26	58	श्रवण	25	46	15	58	प्रीति	18	45	तैति.	24	40	05	40	19	14	33	54	27	22	कुम्भ 27:43	06	21	पंचकप्रारम्भ 27:43से,चातुर्मास्यद्वितीया,
03	शुक्र	49	37	25	32	धनि.	24	29	15	28	आयु.	13	43	वणि.	21	25	05	41	19	14	33	52	27	25	कुम्भ	07	22	भद्रा 14:15 से 25:32 तक, **A**
04	शनि	45	22	23	50	शत.	22	31	14	41	सौभा.	08	05	बव	17	29	05	41	19	13	33	49	27	27	कुम्भ	08	23	संकष्टहरचतुर्थी व्रत,
05	रवि	40	37	21	57	पू.भा.	19	59	13	41	शोभ.	02	00	कौल.	13	00	05	42	19	13	33	47	27	29	मीन 07:56	09	24	मधुश्रावणी पूजारम्भ (मिथिला) रविव्रत (जैन), नागपंचमी (बंगाल)
											अति.	55	31															
06	सोम	35	28	19	54	उ.भा.	16	59	12	30	सुक.	49	03	गर	08	03	05	43	19	12	33	44	27	31	मीन	10	25	श्रावणसोमवारव्रतारम्भ,भद्रा19:54से,
07	भौम	30	00	17	43	रेवती	13	37	11	10	धृति	41	52	विष्टि	02	44	05	43	19	12	33	41	27	32	मेष 11:10	11	26	पंचक समाप्ति 11:10 पर, भद्रा **B**
08	बुध	24	14	15	25	अश्वि.	09	57	09	42	शूल	34	28	कौल.	24	14	05	44	19	11	33	38	27	32	मेष	12	27	ऐन्द्रीदेवीपूजा, इन्द्रसावर्णि मन्वादि
09	गुरु	18	22	13	05	भरणी	06	07	08	11	गण्ड	27	01	गर	18	22	05	44	19	11	33	36	27	31	वृष 13:48	13	28	भद्रा 23:55से,
10	शुक्र	12	32	10	45	कृत्ति	02	16	06	39	वृद्धि	19	37	विष्टि	12	32	05	45	19	10	33	33	27	31	वृष	14	29	भद्रा 10:45 तक
						रोहि.	58	37	29	12																		
11	शनि	06	55	08	31	मृग.	54	57	27	44	ध्रुव	12	27	बाल.	06	55	05	45	19	10	33	30	27	29	मिथु 16:28	15	30	कामिका एकादशी व्रत (समस्त)
12	रवि	01	46	06	28	आर्द्रा	52	06	26	36	व्या.	05	40	तैति.	01	46	05	46	19	09	33	27	27	27	मिथुन	16	31	भद्रा 28:41 से, रविप्रदोषव्रत
13		57	18	28	41						हर्ष	59	29															
14	सोम	52	50	26	54	पुन.	50	11	25	51	वज्र	53	15	विष्टि	25	04	05	47	19	08	33	24	27	24	कर्क 20:02	17	01	भद्रा 15:48 तक, मासशिवरात्रिव्रत
30	भौम	50	14	25	53	पुष्य	49	22	25	32	सिद्धि	48	37	चतु.	21	32	05	47	19	08	33	20	27	21	कर्क	18	02	श्रावण(हरियाली)अमावस्या

A सायनसूर्य सिंह में 15:18 बजे, **B** 06:49 तक, शीतला सप्तमी, कालाष्टमी। **श्रावणादि में वर्जित** – श्रावणे वर्जयेच्छाकं दधि भाद्रपदे तथा। दुग्धमाश्वयुजे मासि कार्तिके द्विदलं त्यजेत्।।**श्रावणमासे सोमवासरव्रतम्**– सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथा विधिः। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशि भोजनम्।।

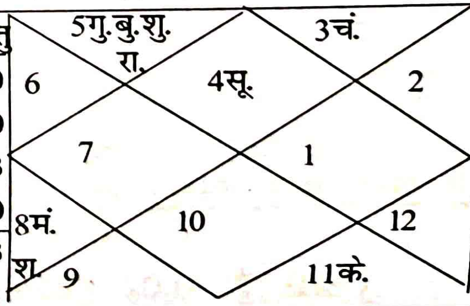
श्रावण कृष्ण 05,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.07.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	10	07	03	04	03	07	04	10
अं.	07	28	02	24	26	20	15	20	20
क.	27	42	41	51	29	25	59	38	38
वि.	23	57	40	30	45	06	36	57	57
गति	57 17	831 42	17 08	105 17	10 21	73 46	वा 57	व3 11	व3 11



श्रावण कृष्ण 12,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 31.07.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	02	07	04	04	04	07	04	10
अं.	15	21	05	07	27	00	15	20	20
क.	06	41	19	49	55	15	47	13	13
वि.	21	26	00	54	25	28	13	30	30
गति	57 24	835 07	21 32	91 06	10 58	73 45	वा 13	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 03 अगस्त से 18 अगस्त 2016 ई. तक)

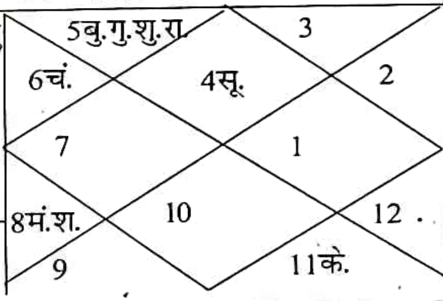
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु, केतकी अहर्गण- 1946, अयनांश 24/04/18

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	बुध	49	00	25	24	आश्ले	49	53	25	45	व्यती.	45	06	किंस्तु.	19	37	05	48	19	07	33	17	27	17	सिह 25:45	19	03	दोलोत्सवारम्भ
02	गुरु	49	15	25	30	मघा	51	51	26	33	वरी.	42	45	बाल.	19	08	05	48	19	06	33	14	27	13	सिंह	20	04	चन्द्रदर्शन, स्वामीकरपात्रीजयन्ती
03	शुक्र	51	02	26	14	पू.फा.	55	19	27	56	परि.	41	37	तैति.	20	09	05	49	19	05	33	11	27	08	सिंह	21	05	मधुश्रावणी, मधुश्रवा व्रत, स्वर्णगौरीव्रत
04	शनि	54	20	27	33	उ.फा.	60	00	-	-	शिव	41	39	वणि.	22	41	05	49	19	05	33	07	27	02	कन्या 10:33	22	06	भद्रा 14:4से 27:33तक, **A**
05	रवि	59	00	29	26	उ.फा.	01	27	06	25	सिद्ध	42	46	बव	26	40	05	50	19	04	33	04	26	56	कन्या	23	07	नागपंचमी, नागपूजा
06	सोम	60	00	-	-	हस्त	07	39	08	54	साध्य	44	46	कौल.	32	21	05	51	19	03	33	01	26	49	तुला 22:19	24	08	श्रीकल्किजयन्ती
06	भौम	05	41	08	07	चित्रा	14	46	11	45	शुभ	47	20	तैति.	05	41	05	51	19	02	32	57	26	42	तुला	25	09	सूर्य पूजा,
07	बुध	11	48	10	35	स्वाती	22	21	14	48	शुक्ल	50	03	वणि.	11	48	05	52	19	01	32	54	26	34	तुला	26	10	भद्रा 10:35से 23:48तक, **B**
08	गुरु	17	51	13	01	विशा.	29	48	17	47	ब्रहम	52	26	बव	17	51	05	52	19	01	32	50	26	25	वृश्चि 11:02	27	11	कौमारीदेवी पूजा, श्रीदुर्गाष्टमी
09	शुक्र	23	11	15	09	अनु.	36	28	20	28	ऐन्द्र	53	59	कौल.	23	11	05	53	19	00	32	47	26	16	वृश्चिक	28	12	
10	शनि	27	15	16	47	ज्ये.	41	52	22	38	वैधृति	54	20	गर	27	15	05	53	18	59	32	43	26	06	धनु 22:38	29	13	भद्रा 29:16 से, दधिव्रतारम्भ
11	रवि	29	41	17	46	मूल	45	37	24	09	विष्कु	53	16	विष्टि	29	41	05	54	18	58	32	39	25	56	धनु	30	14	भद्रा17:46तक,पवित्रा एकादशीव्रत **C**
12	सोम	30	21	18	03	पू.पा.	47	37	24	57	प्रीति	50	44	बाल.	30	21	05	54	18	57	32	36	25	45	धनु	31	15	भारतस्वतन्त्रता दिवस, बुद्धद्वादशी **D**
13	भौम	29	16	17	37	उ.पा.	47	54	25	04	आयु.	46	47	तैति.	29	16	05	55	18	56	32	32	25	34	मक 06:59	भा. 1	16	सूर्य सिंहराशि में 18:36 बजे, **E**
14	बुध	26	37	16	34	श्रवण	46	38	24	35	सौभा.	41	36	वणि.	26	37	05	56	18	55	32	28	25	22	मकर	02	17	भद्रा16:34से27:47तक,ऋग्वेदी-उपाकर्म,
15	गुरु	22	41	15	00	धनि.	44	09	23	35	शोभ.	35	26	बव	22	41	05	56	18	54	32	25	25	09	कुम्भ 12:05	03	18	पंचकप्रारम्भ 12:05 से, रक्षाबन्धन, **F**

A दूर्वागणपतिव्रत, विनायक चतुर्थीव्रत, वरदचतुर्थी **B** तुलसीदासजयन्ती, **C** (समस्त) **D** श्रावण सोमवार व्रत समाप्ति, दामोदरद्वादशी, सोमप्रदोषव्रत, **E** संक्रान्ति पुण्यकाल दिन में 12:12 से 18:36 तक **F** श्रावणीपूर्णिमा, यजुर्वेदी श्रावणी उपाकर्म, श्रीसत्यनारायणव्रत, हयग्रीवोत्पत्ति, दोलोत्सव समाप्ति, अमरनाथयात्रा समाप्त, संस्कृतदिवस। **रक्षासूत्रबन्धनमन्त्रः**:- येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वां प्रतिबध्नामि रक्षे माचल माचल॥

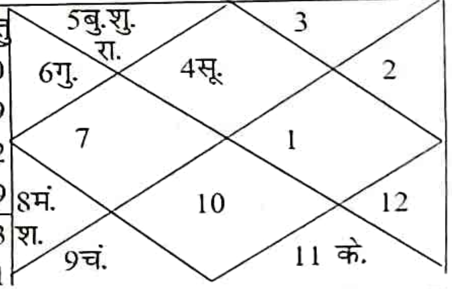
श्रावण शुक्ल 05, रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 07.08.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	05	07	04	04	04	07	04	10
अं.	20	09	07	16	29	07	15	19	19
क.	51	42	38	20	02	38	41	54	54
वि.	08	04	37	30	41	02	48	25	25
गति	57 29	737 43	24 26	80 36	11 22	73 43	व0 40	व3 11	व3 11



श्रावण शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 14.08.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	08	07	04	05	04	07	04	10
अं.	27	03	10	24	00	16	15	19	19
क.	34	54	41	49	23	14	39	32	32
वि.	10	57	53	52	59	06	51	09	09
गति	57 37	743 02	27 25	66 12	11 46	73 40	00 01	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 19 अगस्त से 01 सितम्बर 2016 ई. तक)

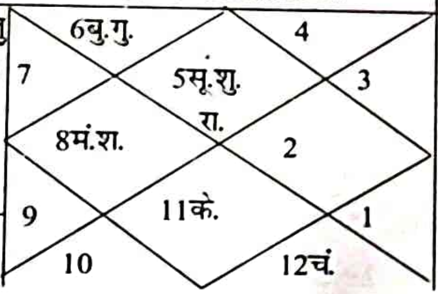
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा/शरद् ऋतु, केतकी अहर्गण- 1962, अयनांश 24/04/20

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शुक्र	17	43	13	02	शत.	40	43	22	13	अति.	28	30	कौल.	17	43	05	56	18	53	32	21	24	56	कुम्भ	04	19	अशून्यशयनव्रत,बृहत्तल्पाद्वितीया
02	शनि	12	01	10	45	पू.भा.	36	37	20	36	सुक.	21	01	गर	12	01	05	57	18	52	32	17	24	42	मीन 15:00	05	20	भद्रा 21:31से,
03	रवि	05	51	08	18	उ.भा.	32	10	18	49	धृति	13	13	विष्टि	05	51	05	58	18	51	32	13	24	28	मीन	06	21	भद्रा 08:18तक, कज्जली तृतीया,
04		59	28	29	45																							संकष्टहरचतुर्थीव्रत,बहुलाचतुर्थी,गोपपूजा
05	सोम	53	06	27	12	रेवती	27	35	17	00	शूल	05	15	कौल.	26	17	05	58	18	50	32	09	24	13	मेष 17:00	07	22	पंचकसमाप्ति 17:00 पर, सायन सूर्य
											गण्ड	57	19															कन्याराशि में 22:26 बजे
06	भौम	46	37	24	37	अश्वि	23	05	15	13	वृद्धि	49	23	गर	19	52	05	59	18	49	32	06	23	58	मेष	08	23	भद्रा 24:37से , हलषष्ठी, ललही छठ
07	बुध	40	31	22	11	भरणी	18	52	13	32	ध्रुव	41	44	विष्टि	13	34	05	59	18	48	32	02	23	43	वृष 19:10	09	24	भद्रा11:24तक,श्रीकृष्णजन्माष्टमी(स्मार्त)
08	गुरु	34	59	19	59	कृत्ति	15	06	12	02	व्या.	34	33	बाल.	07	45	06	00	18	47	31	58	23	26	वृष	10	25	दूर्वाष्टमी, श्रीकृष्णजन्माष्टमी(वैष्णव)A
09	शुक्र	30	08	18	03	रोहि.	11	57	10	47	हर्ष	27	56	तैति.	02	33	06	00	18	46	31	54	23	10	मिथु 22:18	11	26	भद्रा 29:15 से
10	शनि	26	05	16	26	मृग.	09	31	09	49	वज्र	21	58	विष्टि	26	05	06	01	18	45	31	50	22	53	मिथुन	12	27	भद्रा16:26 तक
11	रवि	22	57	15	12	आर्द्रा	07	58	09	12	सिद्धि	16	45	बाल.	22	57	06	01	18	44	31	46	22	35	कर्क 27:02	13	28	अजा एकादशी व्रत (समस्त)
12	सोम	20	50	14	21	पुन.	07	22	08	59	व्यती.	12	20	तैति.	20	50	06	02	18	43	31	42	22	17	कर्क	14	29	सोमप्रदोपव्रत, अघोर द्वादशीB
13	भौम	19	47	13	57	पुष्य	07	49	09	10	वरी.	08	45	वणि.	19	47	06	02	18	42	31	38	21	59	कर्क	15	30	भद्रा 13:57से 25:58तक,मासशिवरात्रि
14	बुध	19	52	13	59	आश्ले	09	22	09	47	परि.	06	03	शकु.	19	52	06	03	18	41	31	34	21	40	सिंह 09:47	16	31	
30	गुरु	21	05	14	29	मघा	12	02	10	52	शिव	04	15	नाग	21	05	06	03	18	39	31	30	21	21	सिंह	17	01	कुशोत्पाटिनी अमावस्या C

A गोकुलाष्टमी,कृष्णजयन्ती, संतज्ञानेश्वर जयन्ती, कौमारीपूजा,**B** पर्युषण पर्वारम्भ (जैन) **C**कुशोत्पाटनमन्त्रः -कुशाग्रे वसते रुद्रः कुशमध्ये तु केशवः।कुश मूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देह मेंदिनि। कुशोऽसि कुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मितः पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्।। पिठौरी अमावस्या, रुद्रसावर्णिमन्वादि।

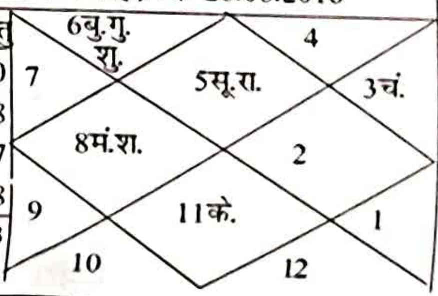
भाद्रपद कृष्ण 03,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 21.08.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	11	07	05	05	04	07	04	10
अं.	04	08	14	01	01	24	15	19	19
क.	18	59	04	18	47	49	42	09	09
वि.	11	59	18	03	55	42	39	53	53
गति	57	858	29	46	12	73	00	व3	व3
	45	02	59	13	08	35	42	11	11



भाद्रपद कृष्ण 11,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 28.08.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	02	07	05	05	05	07	04	10
अं.	11	18	17	04	03	03	15	18	18
क.	03	10	43	51	14	24	50	47	47
वि.	21	42	26	34	02	49	11	38	38
गति	57	822	32	16	12	73	01	व3	व3
	56	49	14	50	25	31	22	11	11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दिनांक 02 सितम्बर से 16 सितम्बर 2016 ई. तक)

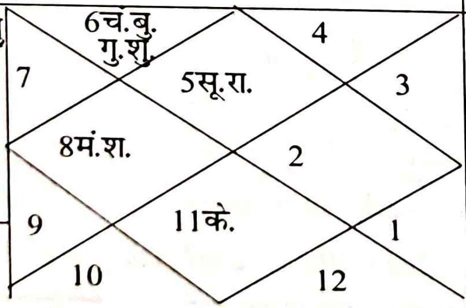
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, उत्तरगोल, शरद् ऋतु, केतकी अहर्गण- 1976, अयनांश 24/04/22

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शुक्र	23	28	15	27	पू.फा.	15	49	12	23	सिद्ध	03	21	बव	23	28	06	04	18	38	31	26	21	02	कन्या 18:52	18	02	चन्द्रदर्शन, शैवमौनव्रत
02	शनि	26	58	16	51	उ.फा.	20	41	14	20	साध्य	03	19	कौल.	26	58	06	04	18	37	31	22	20	42	कन्या	19	03	कल्कि जयन्ती (दक्षिण),
03	रवि	31	33	18	42	हस्त	26	36	16	43	शुभ	04	09	गर	31	33	06	05	18	36	31	17	20	22	कन्या	20	04	सुवर्णगौरीव्रत,हरितालिकातीज,गौरीतृतीया**A**
04	सोम	37	06	20	55	चित्रा	33	27	19	28	शुक्ल	05	43	वणि.	04	20	06	05	18	35	31	13	20	02	तुला 06:06	21	05	भद्रा 07:49से 20:55तक, **B**
05	भौम	43	16	23	24	स्वाती	40	55	22	27	ब्रह्म	07	51	बव	10	11	06	06	18	34	31	09	19	41	तुला	22	06	ऋषिपंचमी, नवा खायी(उडीसा)
06	बुध	49	44	26	00	विशा.	48	40	25	34	ऐन्द्र	10	18	कौल.	16	30	06	06	18	32	31	05	19	20	वृश्चि 18:47	23	07	सूर्यषष्ठी, स्कन्ददर्शन,
07	गुरु	55	54	28	28	अनु.	56	10	28	34	वैधृति	12	42	गर	22	49	06	07	18	31	31	01	18	59	वृश्चिक	24	08	भद्रा 28:28से,भानु/आमुक्ताभरण सप्तमी
08	शुक्र	60	00	-	-	ज्ये.	60	00	-	-	विष्कु.	14	37	विष्टि	28	03	06	07	18	30	30	57	18	38	वृश्चिक	25	09	भद्रा 17:21तक, नन्दादेवीपूजा, **C**
08	शनि	00	13	06	13	ज्ये.	01	55	06	54	प्रीति	15	36	बव	00	13	06	08	18	29	30	53	18	16	धनु 06:54	26	10	अदु:खनवमी
09	रवि	03	30	07	32	मूल	06	40	08	48	आयु.	15	22	कौल.	03	30	06	08	18	28	30	48	17	55	धनु	27	11	
10	सोम	04	59	08	08	पू.षा.	09	40	10	00	सौभा.	13	40	गर	04	59	06	09	18	26	30	44	17	33	मकर 16:06	28	12	भद्रा 20:02से दशावतारव्रत,क्षीरव्रतारम्भ
11	भौम	04	30	07	57	उ.षा.	10	44	10	26	शोभ.	10	23	विष्टि	04	30	06	09	18	25	30	40	17	11	मकर	29	13	भद्रा07:57तक,पद्माएकादशीव्रत(समस्त)**D**
12	बुध	02	08	07	01	श्रवण	09	58	10	08	अति.	05	37	बाल.	02	08	06	10	18	24	30	36	16	49	कुम्भ 21:39	30	14	पंचकप्रारम्भ21:39से शक्रद्वादशी,
13	गुरु	58	04	29	24						सुक.	59	30															कल्किद्वादशी, ओणम, प्रदोषव्रत
14	शुक्र	54	01	27	46	धनि.	07	29	09	09	धृति	53	30	गर	26	02	06	10	18	23	30	32	16	27	कुम्भ	31	15	भद्रा 27:46 से, अनन्तचतुर्दशीव्रत,
15	शनि	46	54	24	56	शत.	03	35	07	36	शूल	44	52	विष्टि	20	27	06	11	18	22	30	27	16	04	मीन 24:07	आ.	16	भद्रा 14:21 तक, श्रीसत्यनारायणव्रत,
						पू.भा.	58	37	29	38																01		स्नानदानादि पूर्णिमा, गणपतिविसर्जन **E**

A वराहजयन्ती, सामवेदी उपाकर्म, तामस मन्वादि, **B** विनायकचतुर्थी, कलंकचतुर्थी, विश्वकर्मापूजा, गणेशोत्सवारम्भ, शिक्षकदिवस। **C** राधाष्टमी दूर्वाष्टमी। **D** श्रवणद्वादशी,पार्श्वपरिवर्तन, डोलग्यारस **E** पूर्णिमाश्राद्ध, सूर्य कन्या राशि में 18:35बजे,संक्रान्ति पुण्यकाल 12: 15 से दिनभर।

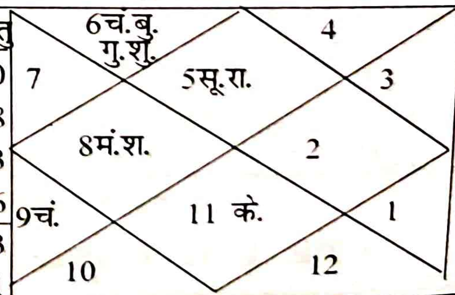
भाद्रपद शुक्ल 03 ,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 04.09.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	05	07	05	05	05	07	04	11
अं.	17	17	21	04	04	11	16	18	06
क.	49	55	37	08	41	59	02	25	58
वि.	46	37	08	34	55	21	25	22	11
गति	58	731	34	व25	12	73	02	व3	व3
	07	16	12	06	38	27	02	11	11



भाद्रपद शुक्ल 09 ,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 11.09.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	08	07	04	05	05	07	04	10
अं.	24	11	25	28	06	20	16	18	18
क.	37	57	43	32	11	33	19	03	03
वि.	34	35	33	59	09	16	11	06	06
गति	58	740	35	व60	12	73	02	व3	व3
	20	54	54	50	48	22	40	11	11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 17 सितम्बर से 30 सितम्बर 2016 ई. तक)

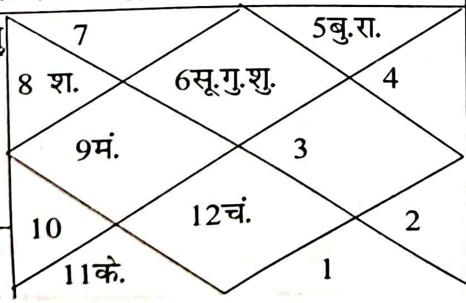
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिणगोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 1991, अयनांश 24/04/24

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शनि	38	59	21	46	उ.भा.	53	42	27	39	गण्ड	35	35	बाल.	12	56	06	11	18	20	30	23	15	42	मीन	02	**17**	महालयारम्भ, प्रतिपदा श्राद्ध, तर्पणारम्भ,
02	रवि	30	40	18	27	रेवती	47	10	25	03	वृद्धि	25	59	तैति.	04	50	06	11	18	19	30	19	15	20	मेष 25:03	03	**18**	पंचकसमाप्ति25:03पर,भद्रा28:48से **A**
03	सोम	22	21	15	08	अश्वि.	40	44	22	29	ध्रुव	16	22	विष्टि	22	21	06	12	18	18	30	15	14	57	मेष	04	**19**	भद्रा15:08 तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत, **B**
04	भौम	14	21	11	57	भरणी	34	43	20	05	व्या. हर्ष	07 58	00 08	बाल.	14	21	06	12	18	17	30	10	14	35	वृष 25:34	05	**20**	चतुर्थीश्राद्ध,भरणीश्राद्ध। पंचमीश्राद्ध,
05	बुध	07	00	09	01	कृत्ति	29	30	18	01	वज्र	49	12	तैति.	07	00	06	13	18	16	30	06	14	13	वृष	06	**21**	षष्ठीश्राद्ध,चन्द्रषष्ठी,
06 07	गुरु	00 53	32 59	06 27	26 49	रोहि.	25	19	16	21	सिद्धि	41	46	वणि.	00	32	06	13	18	14	30	02	13	51	मिथु 27:46	07	**22**	भद्रा 06:26से 17:07तक,सप्तमीश्राद्ध, सायन सूर्य तुला में 20:10 बजे।
08	शुक्र	49	49	26	09	मृग.	22	20	15	10	व्यती.	35	25	बाल.	21	54	06	14	18	13	29	58	13	29	मिथुन	08	**23**	अष्टमीश्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत **C**
09	शनि	47	08	25	05	आर्द्रा	20	43	14	31	वरी.	30	14	तैति.	18	28	06	14	18	12	29	53	13	07	मिथुन	09	**24**	नवमीश्राद्ध,मातृनवमी, **D**
10	रवि	45	53	24	36	पुन.	20	29	14	26	परि.	26	10	वणि.	16	30	06	15	18	11	29	49	12	45	कर्क 08:27	10	**25**	भद्रा 12:51से 24:36तक,दशमी श्राद्ध,
11	सोम	46	02	24	40	पुष्य	21	38	14	54	शिव	23	12	बव	15	58	06	15	18	09	29	45	12	24	कर्क	11	**26**	इन्दिरा एकादशीव्रत(समस्त), **E**
12	भौम	47	26	25	14	आश्ले	24	02	15	52	सिद्ध	21	14	कौल.	16	44	06	16	18	08	29	41	12	02	सिंह 15:52	12	**27**	द्वादशीश्राद्ध, यतिमहालय,
13	बुध	49	59	26	16	मघा	27	37	17	19	साध्य	20	11	गर	18	42	06	16	18	07	29	36	11	41	सिंह	13	**28**	भद्रा26:16से, त्रयोदशीश्राद्ध,प्रदोषव्रत **F**
14	गुरु	53	32	27	41	पू.फा.	32	12	19	09	शुभ	19	57	विष्टि	21	45	06	17	18	06	29	32	11	20	कन्या 25:42	14	**29**	भद्रा14:59तक, चतुर्दशीश्राद्ध, **G**
30	शुक्र	57	51	29	26	उ.फा.	37	37	21	20	शुक्ल	20	22	चतु.	25	41	06	17	18	05	29	28	11	00	कन्या	15	**30**	सर्वपितृविसर्जन, अमावस्या श्राद्ध

A अशून्यशयनव्रत,द्वितीयाश्राद्ध,कज्जली बहुला व्रत, बृहद्गौरीव्रत **B** तृतीयाश्राद्ध, **C** महालक्ष्मीव्रत **D** अहिनवमी, सौभाग्यवतीश्राद्ध, जीवित्पुत्रिकाव्रतपारणा। **E** एकादशीश्राद्ध। **F** मघा श्राद्ध, मघात्रयोदशी, गजच्छायाश्राद्ध। **G** शस्त्रहतमहालय, मासशिवरात्रि। **जीवित्पुत्रिकाव्रतम्** - इषे मास्यसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत्। पुत्रसौभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवित्पुत्रिका।।शालिवाहनराजस्य पुत्रो जीमूतवाहनः। तस्यां पूज्यः स नारीभिः पुत्रसौभाग्यलिप्सया।

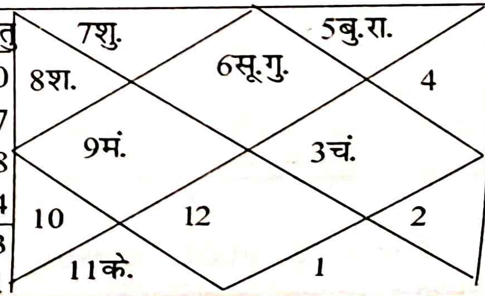
आश्विन कृष्ण 02,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.09.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	11	08	04	05	05	07	04	10
अं.	01	18	00	22	07	29	16	17	17
क.	26	24	01	05	41	06	40	40	40
वि.	52	38	07	34	20	32	19	50	50
गति	58 34	884 18	37 24	व41 21	12 56	73 17	03 17	व3 11	व3 11



आश्विन कृष्ण 10,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.09.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	02	08	04	05	06	07	04	10
अं.	08	28	04	21	09	07	17	17	17
क.	17	43	28	21	12	39	05	18	18
वि.	43	28	26	54	02	08	35	34	34
गति	58 46	809 30	38 44	22 22	12 58	73 10	03 51	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, आश्विन शुक्ल पक्ष (दिनांक 01 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2016 ई. तक)

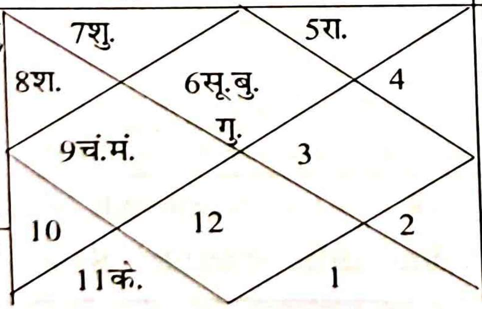
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2005, अयनांश 24/04/26

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शनि	60	00	-	-	हस्त	43	49	23	49	ब्रह्म	21	26	किंस्तु.	30	44	06	18	18	03	29	24	10	39	कन्या	16	अक्टू1	शारदीयनवरात्रारम्भ, कलशस्थापन
01	रवि	03	36	07	45	चित्रा	50	36	26	33	ऐन्द्र	22	59	बव	03	36	06	18	18	02	29	19	10	19	तुला 13:11	17	02	चन्द्रदर्शन, प्रीतिद्वितीया **A**
02	सोम	09	15	10	01	स्वाती	57	55	29	29	वैधृति	24	58	कौल.	09	15	06	19	18	01	29	15	10	00	तुला	18	03	
03	भौम	15	24	12	29	विशा.	60	00	-	-	विष्कु	27	17	गर	15	24	06	19	18	00	29	11	09	41	वृश्चि 25:52	19	04	भद्रा 25:46से, विनायक चतुर्थी
04	बुध	21	47	15	02	विशा.	05	49	08	39	प्रीति	29	45	विष्टि	21	47	06	20	17	59	29	07	09	22	वृश्चिक	20	05	भद्रा15:02तक,उपांगललितागौरीव्रत।
05	गुरु	28	02	17	33	अनु.	13	19	11	40	आयु.	32	02	बाल.	28	02	06	20	17	58	29	02	09	03	वृश्चिक	21	06	
06	शुक्र	33	41	19	49	ज्ये.	20	20	14	29	सौभा.	33	50	कौल.	00	52	06	21	17	56	28	58	08	45	धनु 14:29	22	07	सरस्वती आवाहन। तप:षष्ठी (उडीसा)
07	शनि	38	16	21	40	मूल	26	25	16	55	शोभ.	34	45	गर	05	59	06	22	17	55	28	54	08	28	धनु	23	08	भद्रा21:40से,महासप्तमी,महानिशापूजा**B**
08	रवि	41	17	22	52	पू.षा.	31	05	18	48	अति.	34	28	विष्टि	09	46	06	22	17	54	28	50	08	11	मकर 25:05	24	09	भद्रा 10:16तक, महाष्टमीव्रत, **C**
09	सोम	42	21	23	19	उ.षा.	33	58	19	57	सुक.	32	41	बाल.	11	49	06	23	17	53	28	46	07	54	मकर	25	10	महानवमीव्रत,सरस्वतीविसर्जन,बलिहोमादि,
10	भौम	41	18	22	54	श्रवण	34	50	20	19	धृति	29	16	तैति.	11	50	06	23	17	52	28	41	07	38	मकर	26	11	विजयदशमी,दशहरा, आयुधपूजा, **D**
11	बुध	38	07	21	39	धनि.	33	37	19	50	शूल	24	10	वणि.	09	43	06	24	17	51	28	37	07	22	कुंभ 08:04	27	12	पंचकप्रारम्भ 08:04से,भद्रा10:17से **E**
12	गुरु	32	54	19	34	शत.	30	25	18	34	गण्ड	17	27	बव	05	31	06	24	17	50	28	33	07	07	कुम्भ	28	13	गोद्वादशी,प्रदोषव्रत, पद्मनाभद्वादशी।
13	शुक्र	26	02	16	50	पू.भा.	25	33	16	38	वृद्धि	09	23	तैति.	26	02	06	25	17	49	28	29	06	53	मीन 11:07	29	14	
14	शनि	17	50	13	33	उ.भा.	19	18	14	09	ध्रुव व्या.	00 50	10 11	वणि.	17	50	06	26	17	48	28	25	06	39	मीन	30	15	भद्रा13:33से 23:45तक, कोजागरी **F**
15 01	रवि	08 59	48 22	09 30	57 11	रेवती	12	12	11	19	हर्ष	40	12	बव	08	48	06	26	17	47	28	21	06	26	मेष 11:19	31	16	पंचकसमाप्ति 11:19 पर,कार्तिकस्नान प्रारम्भ श्रीबाल्मीकि जयन्ती, **G**

A महात्मागांधी व लालबहादुरशास्त्री जयन्ती। **B** बलिदानादि देवीत्रिरात्रव्रतारम्भ। **C** दुर्गाष्टमी, **D** दशरथगौरीव्रत,सीमोल्लंघन, अपराजितापूजा, शमीपूजा, दुर्गाविसर्जन। **E** 21:39तक,पापांकुशा एकादशी(समस्त), भरतमिलाप **F** शरद पूर्णिमा, कौमुदीमहोत्सव, पूर्णिमाव्रत। **G** श्रीसत्यनारायण व्रत, ओलीसमाप्त (जैन)

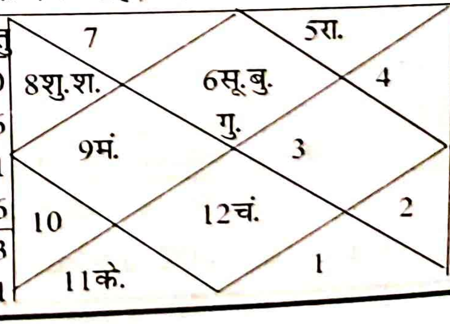
आश्विन शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.10.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	08	08	05	05	06	07	04	10
अं.	22	20	13	08	12	24	18	16	16
क.	04	18	47	40	13	42	07	34	34
वि.	22	14	37	44	22	09	30	02	02
गति	59 14	736 40	40 53	100 35	12 53	72 56	04 54	व3 11	व3 11



आश्विन शुक्ल 15, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.10.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	11	08	05	05	07	07	04	10
अं.	29	26	18	20	13	03	18	16	16
क.	00	56	37	47	43	12	43	11	11
वि.	13	55	28	54	08	21	32	46	46
गति	59 29	899 59	41 45	104 37	12 45	72 47	05 20	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 17 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2016 ई. तक)

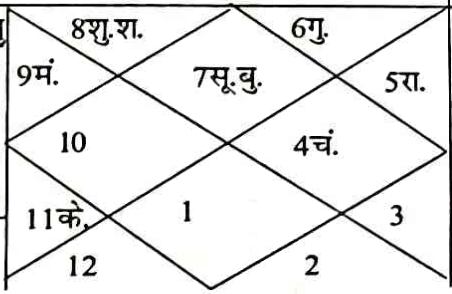
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद् / हेमन्त ऋतु, केतकी अहर्गण- 2021, अयनांश 24/04/29

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
02	सोम	50	04	26	28	अश्वि. भरणी	04 57	41 16	08 29	19 21	वज्र	29	07	तैति.	24	43	06	27	17	46	28	16	06	14	मेष	का. 01	17	अशून्यशयनव्रत,सूर्य तुलामें 06:33बजे, संकान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से10:33तक
03	भौम	40	36	22	42	कृत्ति	49	50	26	23	सिद्धि	18	26	वणि.	15	20	06	27	17	45	28	12	06	02	वृष 10:36	02	18	भद्रा 12:35 से 22:42तक,
04	बुध	32	13	19	21	रोहि.	43	27	23	51	व्यती. वरी.	08 59	26 21	बव	06	25	06	28	17	44	28	08	05	51	वृष	03	19	संकष्टहरचतुर्थीव्रत, करवाचौथ, करक चतुर्थी
05	गुरु	25	11	16	33	मृग.	38	29	21	52	परि.	50	07	तैति.	25	11	06	29	17	43	28	04	05	40	मिथु 10:52	04	20	
06	शुक्र	19	49	14	25	आर्द्रा	35	17	20	36	शिव	43	32	वणि.	19	49	06	29	19	42	28	00	05	30	मिथुन	05	21	भद्रा 14:25 से भद्रा 25:43तक
07	शनि	16	15	13	00	पुन.	33	56	20	04	सिद्ध	38	30	बव	16	15	06	30	17	41	27	56	05	21	कर्क 14:12	06	22	अहोई अष्टमी,सायन सूर्य वृश्चिक में**A**
08	रवि	14	32	12	19	पुष्य	34	26	20	17	साध्य	34	59	कौल.	14	32	06	31	17	40	27	52	05	13	कर्क	07	23	राधाष्टमी,कराष्टमी (महाराष्ट्र)
09	सोम	14	40	12	23	आश्ले	36	42	21	12	शुभ	32	51	गर	14	40	06	31	17	39	27	48	05	05	सिंह 21:12	08	24	भद्रा 24:46 से
10	भौम	16	29	13	08	मघा	40	34	22	45	शुक्ल	31	59	विष्टि	16	29	06	32	17	38	27	44	04	59	सिंह	09	25	भद्रा 13:08तक
11	बुध	19	44	14	26	पू.फा.	45	42	24	49	ब्रह्म	32	06	बाल.	19	44	06	33	17	37	27	40	04	53	सिंह	10	26	रम्भा एकादशी (समस्त), गोवत्सद्वादशी
12	गुरु	24	07	16	12	उ.फा.	51	48	27	17	ऐन्द्र	33	01	तैति.	24	07	06	33	17	36	27	36	04	47	कन्या 07:26	11	27	
13	शुक्र	29	21	18	18	हस्त	58	36	30	00	वैधृति	34	30	वणि.	29	21	06	34	17	35	27	32	04	43	कन्या	12	28	भद्रा 18:18 से, धन्वन्तरी जयन्ती, **B**
14	शनि	35	07	20	37	चित्रा	60	00	-	-	विष्क	36	21	विष्टि	02	14	06	35	17	34	27	28	04	39	तुला 19:32	13	29	भद्रा 07:28तक,यमतर्पण,प्रेतचतुर्दशी **C**
30	रवि	41	14	23	05	चित्रा	06	09	09	03	प्रीति	38	25	चतु.	08	10	06	36	17	34	27	25	04	36	तुला	14	30	दीपावली,महालक्ष्मीपूजा,उल्काभ्रमण, **D**

A 29:37 वजे **B** धनतेरस,धनत्रयोदशी, प्रदोषव्रत, कामेश्वरी जयन्ती, तिलतैलाभ्यंग,नरकचतुर्दशी, बहिर्दीपदान,मासशिवरात्रि। **C** हनुमान जयन्ती, माषपत्रभक्षण, । **D** पितृविसृजन, श्रीमहावीरनिर्वाण (जैन), केदारव्रत, अमावस्या स्नानादि, रात्रिशेष में दरिद्रा निस्सारण। **कार्तिके स्नानादिमहत्वम्** - कार्तिके सकलं मासं प्रात: स्नायी जितेन्द्रिय:। जपन् हविष्यभुक् शान्त: सर्वपापै: प्रमुच्यते।धात्रीच्छाया समाश्रित्य भुंक्ते योन्नं हि मानव:। ब्राह्मणान् भोजयित्वा तु वार्षिकं किल्विषं हरेत्।।

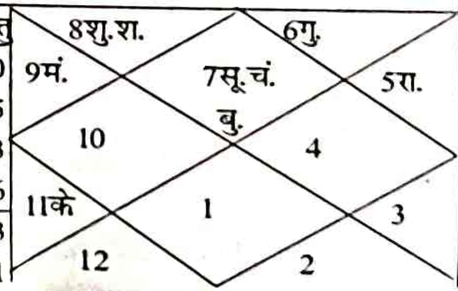
कार्तिक कृष्ण 08,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 23.10.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	03	08	06	05	07	07	04	10
अं.	05	08	23	02	15	12	19	15	15
क.	57	56	32	50	24	54	28	46	46
वि.	44	20	57	59	14	07	20	20	20
गति	59 43	807 55	42 31	101 49	12 33	72 38	05 44	व3 11	व3 11



कार्तिक कृष्ण 30,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 30.10.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	06	08	06	05	07	07	04	10
अं.	12	05	28	14	16	17	19	15	15
क.	56	26	33	28	14	44	52	33	33
वि.	55	32	18	34	00	21	01	36	36
गति	59 53	725 19	42 59	99 04	12 22	72 29	05 59	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 31 अक्टूबर से 14 नवम्बर 2016 ई. तक)

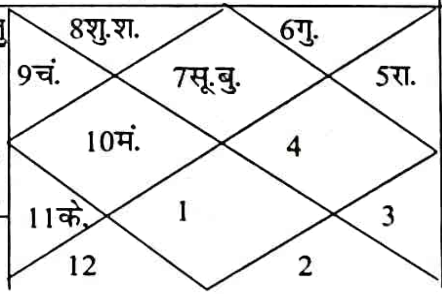
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2035, अयनांश 24/04/31

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	सोम	47	31	25	36	स्वाती	13	29	11	59	आयु.	40	37	किंस्तु	14	22	06	36	17	33	27	21	04	34	तुला	15	31	गोवर्धनपूजा,गोक्रीडा,मंगलमालिका, A
02	भौम	53	51	28	09	विशा.	20	54	14	58	सौभा.	42	50	बाल.	20	41	06	37	17	32	27	17	04	33	वृश्चि 08:13	16	नव01	यमपूजा, भैयादूज
03	बुध	59	54	30	36	अनु.	28	18	17	57	शोभ.	44	59	तैति.	26	58	06	38	17	31	27	13	04	33	वृश्चिक	17	02	त्रिलोचनगौरीव्रत,
04	गुरु	60	00	-	-	ज्ये.	35	26	20	49	अति.	46	51	वणि.	32	43	06	39	17	31	27	09	04	33	धनु 20:49	18	03	भद्रा19:44से,दूर्वागणपतिव्रत, नागचतुर्थी
04	शुक्र	05	32	08	53	मूल	42	04	23	29	सुक.	48	17	विष्टि	05	32	06	39	17	30	27	06	04	35	धनु	19	04	भद्रा 08:52 तक 24:09, B
05	शनि	10	25	10	50	पू.षा.	47	51	25	48	धृति	48	58	बाल.	10	25	06	40	17	29	27	02	04	37	धनु	20	05	सौभाग्यपंचमी, ज्ञानपंचमी(जैन)।
06	रवि	14	11	12	21	उ.षा.	52	22	27	37	शूल	48	35	तैति.	14	11	06	41	17	28	26	59	04	40	मकर 08:15	21	06	सूर्यषष्ठीव्रत(छठपूजा सायंकालिक अर्घ्य)C
07	सोम	16	28	13	16	श्रवण	55	18	28	49	गण्ड	46	55	वणि.	16	28	06	42	17	28	26	55	04	44	मकर	22	07	भद्रा13:16से 25:22तक,प्रतिहारिषष्ठी D
08	भौम	16	55	13	28	धनि.	56	19	29	14	वृद्धि	43	41	बव	16	55	06	42	17	27	26	52	04	48	कुम्भ 14:01	23	08	पंचकप्रारम्भ 14:01से दुर्गाष्टमी E
09	बुध	15	24	12	53	शत.	55	17	28	50	ध्रुव	38	48	कौल.	15	24	06	43	17	27	26	48	04	54	कुम्भ	24	09	अक्षयनवमी, कूष्माण्डनवमी, F
10	गुरु	11	49	11	27	पू.भा.	52	07	27	34	व्या.	32	14	गर	11	49	06	44	17	26	26	45	05	00	मीन 21:53	25	10	भद्रा 22:22 से,
11	शुक्र	06	19	09	16	उ.भा.	47	04	25	34	हर्ष.	24	08	विष्टि	06	19	06	45	17	25	26	41	05	07	मीन	26	11	भद्रा 09:16तक, हरिप्रबोधिनी एकादशी
12		59	09	30	25																							(समस्त),तुलसीविवाह,भीष्मपंचकव्रतारम्भ।
13	शनि	52	13	27	39	रेवती	40	25	22	55	वज्र	14	43	कौल.	25	41	06	46	17	25	26	38	05	16	मेष 22:55	27	12	पंचक समाप्ति 22:55पर,शनिप्रदोषव्रत,
14	रवि	42	12	23	39	अश्वि.	32	42	19	51	सिद्धि	04	21	गर	17	13	06	46	17	24	26	35	05	24	मेष	28	13	भद्रा 23:39से चातुर्मास समाप्ति
											व्यती.	53	27															वैकुण्ठचतुर्दशी, पाषाणचतुर्दशी, G
15	सोम	31	51	19	31	भरणी	24	29	16	35	वरी.	42	38	विष्टि	07	02	06	47	17	24	26	31	05	34	वृष 21:46	29	14	भद्रा 09:35तक,कार्तिकव्रतोद्यापन, H

A अन्नकूट,अखण्डदीपप्रारम्भ,बलिपूजा,सरदार पटेलजयन्ती। **B** प्रतिहारिषष्ठीव्रत संयम। **C** प्रतिहारिषष्ठीव्रत(सायंकालीन अर्घ्य)। **D** प्रात:कालिक अर्घ्य,सूर्यषष्ठी व्रतपारणा **E** गोपाष्टमी, कार्तवीर्योत्पत्ति। **F** सत्ययुगादि,विष्णुत्रिरात्रव्रत। **G** विश्वेश्वरप्रतिष्ठाव्रत,धात्रीपूजन। **H** त्रिपुरोत्सव,पुष्करमेला,देवदीपावली,सत्यनारायणव्रत,बालदिवस,तुलसी उद्यापन,गुरुनानकजयन्ती,पूर्णिमा व्रत।

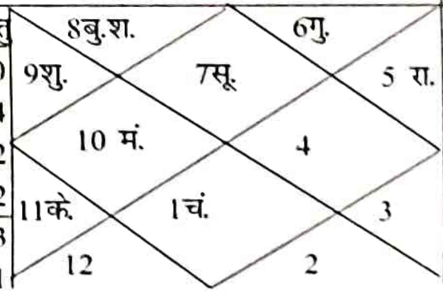
कार्तिक शुक्ल 06 ,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 06.11.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	08	09	06	05	07	07	04	10
अं.	19	29	03	25	18	28	20	15	15
क.	57	17	37	41	03	35	48	04	04
वि.	38	57	47	59	25	17	03	58	58
गति	60	775	43	94	11	72	06	व3	व3
	10	34	42	54	57	08	23	11	11



कार्तिक शुक्ल 14 ,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.11.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	00	09	07	05	08	07	04	10
अं.	26	05	08	06	19	06	21	14	14
क.	59	10	45	37	25	59	33	42	42
वि.	53	21	45	07	34	06	50	42	42
गति	60	898	44	92	11	71	06	व3	व3
	23	25	09	36	33	46	38	11	11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 15 नवम्बर से 29 नवम्बर 2016 ई. तक)

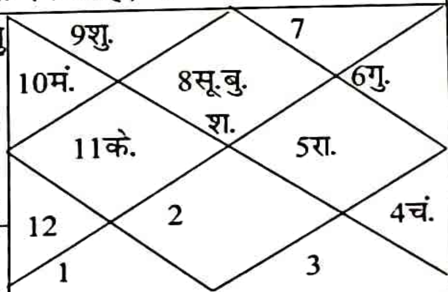
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2050, अयनांश 24/04/33

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	भौम	21	42	15	28	कृत्ति.	16	19	13	19	परिघ	31	09	कौल.	21	42	06	48	17	23	26	28	05	45	वृष	मा.1	15	कार्तिकव्रतपारणा,सूर्य वृश्चिकराशि में A
02	बुध	12	15	11	42	रोहि.	08	44	10	18	शिव	20	24	गर	12	15	06	49	17	23	26	25	05	56	मिथु 21:00	02	16	भद्रा 22:03से,संक्रान्तिपुण्यकाल B
03	गुरु	03	54	08	23	मृग.	02	11	07	42	सिद्ध	10	41	विष्टि	03	54	06	50	17	23	26	22	06	08	मिथुन	03	17	भद्रा 08:23तक, संकष्टहरचतुर्थीव्रत
04		57	02	29	39	आर्द्रा	57	05	29	40																		
05	शुक्र	50	01	26	50	पुन.	51	53	27	35	साध्य	02	14	कौल.	23	31	06	50	17	22	26	19	06	21	कर्क 22:06	04	18	
											शुभ	55	16															
06	शनि	46	55	25	37	पुष्य	50	27	27	02	शुक्ल	48	13	गर	18	28	06	51	17	22	26	16	06	35	कर्क	05	19	भद्रा 25:37से
07	रवि	46	00	25	16	आश्ले	51	09	27	19	ब्रह्म	44	39	विष्टि	16	27	06	52	17	22	26	13	06	50	सिंह 27:19	06	20	भद्रा 13:27तक, सावित्रीकल्प
08	सोम	47	16	25	47	मघा	53	59	28	28	ऐन्द्र	42	46	बाल.	16	38	06	53	17	21	26	10	07	05	सिंह	07	21	कालभैरवाष्टमी, रुक्मणीव्रत
09	भौम	50	25	27	04	पू.फा.	58	38	30	21	वैधृति	42	19	तैति.	18	51	06	54	17	21	26	08	07	21	सिंह	08	22	सायन सूर्य धनु में 27:13 बजे
10	बुध	55	08	28	57	उ.फा.	60	00	-	-	विष्क	43	02	वणि.	22	47	06	55	17	21	26	05	07	38	कन्या 13:06	09	23	भद्रा 16:01से भद्रा 28:57तक
11	गुरु	60	00	-	-	उ.फा.	06	02	09	20	प्रीति	44	38	बव	28	32	06	55	17	21	26	02	07	55	कन्या	10	24	गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस
11	शुक्र	01	56	07	42	हस्त	12	53	12	05	आयु.	46	47	बाल.	01	56	06	56	17	20	26	00	08	14	तुला 25:34	11	25	उत्पन्ना एकादशीव्रत(समस्त)
12	शनि	08	09	10	12	चित्रा	20	17	15	03	सौभा.	49	08	तैति.	08	09	06	57	17	20	25	57	08	33	तुला	12	26	शनिप्रदोषव्रत
13	रवि	14	37	12	48	स्वाती	27	52	18	06	शोभ.	51	29	वणि.	14	37	06	58	17	20	25	55	08	52	तुला	13	27	भद्रा 12:48से26:06तक, मासशिवरात्रि
14	सोम	21	01	15	23	विशा.	35	20	21	06	अति.	53	37	शकु.	21	01	06	59	17	20	25	53	09	13	वृश्चि 14:21	14	28	
30	भौम	27	09	17	51	अनु.	42	31	24	00	सक.	55	29	नाग	27	09	06	59	17	20	25	51	09	33	वृश्चिक	15	29	स्नानदानादि भौमवती अमावस्या,

A30:20 बजे। **B** सूर्योदय से 12:06 तक। **नवान्नभक्षणम्**-वृश्चिके पूर्वभागे तु नवान्नं शस्यते बुधैः। अपरे क्रियमाणे तु धनुष्येव कृतं भवेत्।। धनुषि यत्कृतं श्राद्धं मृगनेत्रासु रात्रिषु। पितरस्तन्न गृहणन्ति नवान्नामृतकांक्षिणः।।

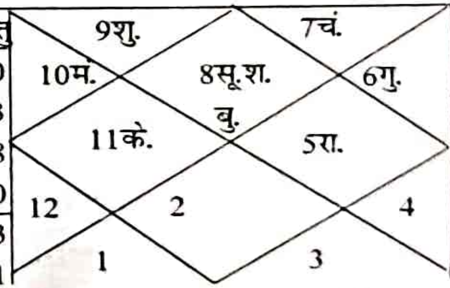
मार्गशीर्ष कृष्ण 07,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 20.11.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	03	09	07	05	08	07	04	10
अं.	04	18	13	17	20	15	22	14	14
क.	03	24	56	17	44	20	21	20	20
वि.	27	24	33	50	32	03	09	26	26
गति	60 33	815 47	44 31	90 40	11 04	71 20	06 50	व3 11	व3 11



मार्गशीर्ष कृष्ण 13,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.11.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	06	09	07	05	08	07	04	10
अं.	11	14	19	27	21	23	23	13	13
क.	08	29	09	43	59	37	09	58	58
वि.	14	52	38	37	47	25	36	10	10
गति	60 43	710 45	44 49	88 07	10 30	70 46	06 58	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दिनांक 30 नवम्बर से 13 दिसम्बर 2016 ई. तक)

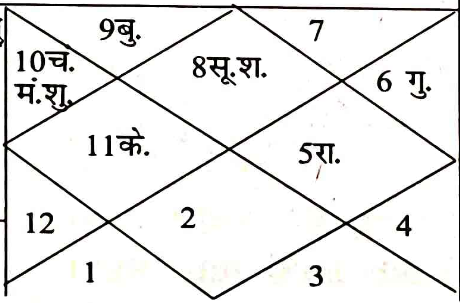
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2065, अयनांश 24/04/35

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टै.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	बुध	32	51	20	08	ज्ये.	49	16	26	42	धृति	56	56	किंस्तु.	00	01	07	00	17	20	25	48	09	55	धनु 26:42	16	30	रुद्रव्रत (पींडिया), प्रतिपद प्रदोष
02	गुरु	38	04	22	14	मूल	55	33	29	14	शूल	58	01	बाल.	05	27	07	01	17	20	25	46	10	17	धनु	17	दि.1	रम्भाव्रत, चन्द्रदर्शन
03	शुक्र	42	41	24	06	पू.षा.	60	00	–	–	गण्ड	58	36	तैति.	10	22	07	02	17	20	25	44	10	40	धनु	18	02	
04	शनि	46	26	25	37	पू.षा.	00	35	07	16	वृद्धि	58	29	वणि.	14	33	07	02	17	20	25	43	11	03	मकर 13:44	19	03	भद्रा 12:51 से 25:37तक,विनायक**A**
05	रवि	49	14	26	45	उ.षा.	05	14	09	08	ध्रुव	57	36	बव	17	50	07	03	17	20	25	41	11	27	मकर	20	04	रामविवाहोत्सव
06	सोम	50	43	27	21	श्रवण	08	48	10	35	व्या.	55	40	कौल.	19	59	07	04	17	20	25	39	11	51	कुम्भ 23:02	21	05	पंचकप्रारम्भ 23:02 से, संहारषष्ठी,**B**
07	भौम	50	39	27	20	धनि.	11	02	11	29	हर्ष	52	29	गर	20	41	07	05	17	20	25	38	12	16	कुम्भ	22	06	भद्रा 27:20से,नन्दासप्तमी, मित्रसप्तमी।
08	बुध	48	49	26	37	शत.	11	43	11	46	वज्र	47	55	विष्टि	19	44	07	05	17	20	25	36	12	41	मीन 29:29	23	07	भद्रा 14:59तककालभैरवाष्टमी,दुर्गाष्टमी
09	गुरु	45	07	25	09	पू.भा.	10	43	11	23	सिद्धि	41	51	बाल.	16	58	07	06	17	20	25	35	13	07	मीन	24	08	महानवमीव्रत,
10	शुक्र	39	34	22	56	उ.भा.	07	57	10	17	व्यती.	34	20	तैति.	12	21	07	07	17	20	25	33	13	33	मीन	25	09	
11	शनि	32	24	20	05	रेवती अश्वि.	03 57	33 49	08 30	32 15	वरी.	25	31	वणि.	05	59	07	07	17	21	25	32	14	00	मेष 08:32	26	10	पंचक समाप्ति 08:32पर, भद्रा 09:31 से 20:05तक, मोक्षदा एकादशी **C**
12	रवि	24	00	16	44	भरणी	52	12	28	01	परि.	15	42	बाल.	24	00	07	08	17	21	25	31	14	27	मेष	27	11	अखण्डद्वादशी,प्रदोषव्रत, मत्स्यद्वादशी
13	सोम	14	49	13	04	कृत्ति.	44	19	24	52	शिव सिद्ध	05 54	13 29	तैति.	14	49	07	09	17	21	25	30	14	54	वृष 09:14	28	12	पाषाणचतुर्दशी, हनुमद्व्रत
14 15	भौम	05 56	22 09	09 29	18 37	रोहि.	36	24	21	43	साध्य	43	49	वणि.	05	22	07	09	17	21	25	29	15	21	वृष	29	13	भद्रा09:18से19:28तक,पूर्णिमाव्रत,दत्तात्रेया उत्पत्ति,मार्गशीर्षपूर्णिमा,श्रीसत्यनारायणव्रत

A चतुर्थीव्रत **B** स्कन्दषष्ठी,मल्लारषष्ठी,चम्पाषष्ठी, सुब्रह्मण्यम षष्ठी **C** (समस्त), गीता जयन्ती, **अथसौरव्रतम्**-मार्गे मासि तथा माघे वैशाखाषाढयोरपि। शुक्लपक्षे व्रतं कुर्यात्सम्यग्देवस्य भास्वतः।। **नवान्नफलभक्षणम्** - हरियुगलेदितियुगले पूषायुगले विरंचियुगले च। करपंचकोत्तरेषु च नवान्नफलभक्षणं शस्तम्।।

मार्गशीर्ष शुक्ल 05,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.12.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	09	09	08	05	09	07	04	10
अं.	18	08	24	07	23	01	23	13	13
क.	14	55	24	38	10	50	58	35	35
वि.	06	14	28	28	44	15	48	54	54
गति	60 52	741 47	45 02	81 38	09 51	70 03	07 04	व3 11	व3 11



मार्गशीर्ष शुक्ल 12,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.12.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	00	09	08	05	09	07	04	10
अं.	25	13	29	16	24	09	24	13	13
क.	20	52	40	06	16	57	48	13	13
वि.	49	18	32	57	48	26	22	38	38
गति	60 59	882 10	45 11	63 27	09 06	69 11	07 05	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 14 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2016 ई. तक)

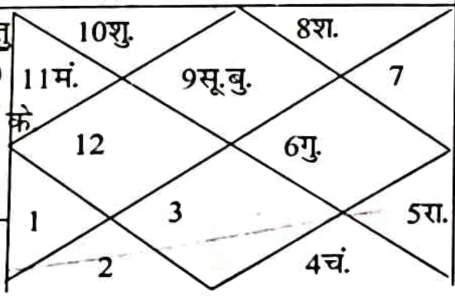
सौम्यसंवत्सर, दक्षिणायन/उत्तरायण, दक्षिणगोल, हेमन्त / शिशिरऋतु, केतकी अहर्गण- 2079, अयनांश 24/04/37

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	बुध	46	56	25	56	मृग.	29	03	18	47	शुभ	33	09	बाल.	21	33	07	10	17	22	25	28	15	49	मिथु 08:15	30	14	पूपाष्टक
02	गुरु	39	01	22	47	आर्द्रा	22	43	16	16	शुक्ल	23	48	तैति.	12	59	07	11	17	22	25	27	16	17	मिथुन	पौ.1	15	सूर्य धनुराशि में 20:57बजे से। A
03	शुक्र	32	45	20	17	पुन.	17	48	14	18	ब्रह्म	14	59	वणि.	05	53	07	11	17	22	25	27	16	45	कर्क 08:47	02	16	भद्रा 09:32से भद्रा 20:17तक,
04	शनि	28	24	18	33	पुष्य	14	37	13	02	ऐन्द्र	07	56	बव	00	35	07	12	17	23	25	26	17	14	कर्क	03	17	संकष्टहरचतुर्थीव्रत,
05	रवि	26	09	17	40	आश्ले	13	25	12	34	वैधृति	02	27	तैति.	26	09	07	12	17	23	25	26	17	42	सिंह 12:34	04	18	
											विष्कु	58	37															
06	सोम	26	02	17	38	मघा	14	17	12	56	प्रीति	56	25	वणि.	26	02	07	13	17	23	25	26	18	11	सिंह	05	19	भद्रा 17:38से भद्रा 30:02तक,
07	भौम	28	02	18	26	पू.फा.	17	12	14	06	आयु.	54	11	बव	28	02	07	13	17	24	25	25	18	40	कन्या 20:34	06	20	व्यष्टकाश्राद्ध,
08	बुध	31	55	20	00	उ.फा.	21	57	16	01	सौभा.	55	04	कौल.	31	55	07	14	17	24	25	25	19	09	कन्या	07	21	अष्टकाश्राद्ध, कालाष्टमी, बुधाष्टमी
09	गुरु	37	18	22	09	हस्त	28	13	18	31	शोभ.	56	55	तैति.	04	36	07	14	17	25	25	25	19	38	कन्या	08	22	अन्वष्टकाश्राद्ध,सायनसूर्य मकर में 16:36
10	शुक्र	43	44	24	44	चित्रा	35	31	21	27	अति.	59	23	वणि.	10	31	07	15	17	25	25	25	20	07	तुला 07:59	09	23	भद्रा11:31से24:44तक,पार्श्वनाथजयन्ती
11	शनि	50	53	27	29	स्वाती	43	17	24	34	सुक.	60	00	बव	17	09	07	15	17	26	25	26	20	36	तुला	10	24	सफला एकादशी (समस्त)
12	रवि	57	23	30	13	विशा.	51	05	27	41	सुक.	02	10	कौल.	23	59	07	16	17	26	25	26	21	05	वृश्चि 20:54	11	25	सुरूपा द्वादशी, क्रिसमस डे
13	सोम	60	00	-	-	अनु.	58	26	30	38	धृति	04	18	गर	30	17	07	16	17	27	25	26	21	34	वृश्चिक	12	26	सोमप्रदोषव्रत, (जोरमेला पंजाब)
13	भौम	03	11	08	33	ज्ये.	60	00	-	-	शूल	06	01	वणि.	03	11	07	17	17	28	25	27	22	03	वृश्चिक	13	27	भद्रा 08:33से 21:36तक,मासशिवरात्रि
14	बुध	08	26	10	39	ज्ये.	04	26	09	03	गण्ड	07	12	शकु.	08	26	07	17	17	28	25	28	22	32	धनु 09:03	14	28	बकुला अमावस्या
30	गुरु	12	52	12	26	मूल	10	05	11	19	वृद्धि	07	44	नाग	12	52	07	17	17	29	25	28	23	00	धनु	15	29	अमा श्राद्ध, पौषी अमावस्या।

Aसंक्रान्तिपुण्यकाल12:17से दिनभर। **दशतारकविचार** -पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण वर्षति।आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति।एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षे प्रयत्नत:।आर्द्रादिदशताराणां ज्ञात्वा गर्भं वदेत्फलम्।। **मेघगर्भपुष्टिविचार:**-वाताभ्रगर्जत्तडितोदकानि हिमप्रपात: करकावघात:।अकालसन्ध्या परिवेषणश्च नवप्रकारै: प्रभवन्ति गर्भा:।।

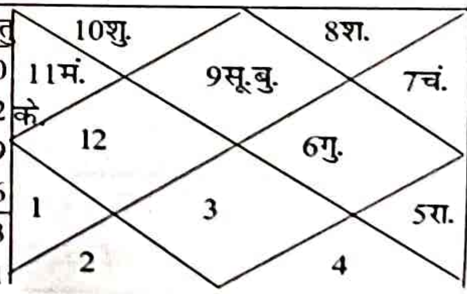
पौष कृष्ण 05,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 18.12.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	03	10	08	05	09	07	04	10
अं.	02	26	04	20	25	17	25	12	12
क.	28	55	57	52	17	57	37	51	51
वि.	12	30	23	11	23	38	54	22	22
गति	61	824	45	18	08	68	07	व3	व3
	04	13	17	52	17	06	04	11	11



पौष कृष्ण 12,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 25.12.2016

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	06	10	08	05	09	07	04	10
अं.	09	23	10	18	26	25	26	12	12
क.	36	15	14	03	11	49	26	29	29
वि.	03	56	37	00	50	09	59	06	06
गति	61	709	45	व57	07	66	06	व3	व3
	08	26	19	27	23	44	58	11	11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, पौष शुक्ल पक्ष (दिनांक 30 दिसम्बर 2016 से 12 जनवरी 2017 ई. तक)

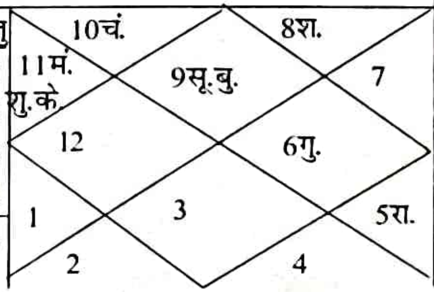
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2095, अयनांश 24/04/39

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शुक्र	16	23	13	51	पू.षा.	14	53	13	15	ध्रुव	07	37	बव	16	23	07	18	17	29	25	29	23	28	मकर 19:39	16	30	
02	शनि	19	05	14	56	उ.षा.	18	53	14	51	व्या.	06	51	कौल.	19	05	07	18	17	30	25	30	23	57	मकर	17	31	चन्द्रदर्शन
03	रवि	20	51	15	38	श्रवण	22	01	16	06	हर्ष	05	34	गर	20	51	07	18	17	31	25	31	24	24	कुंभ 28:32	18	ज.01	पंचकप्रारम्भ 28:32से,भद्रा 27:48से A
04	सोम	21	40	15	58	धनि.	24	13	16	59	वज्र	03	13	विष्टि	21	40	07	18	17	31	25	32	24	52	कुम्भ	19	02	भद्रा 15:58तक,
05	भौम	21	22	15	51	शत.	25	21	17	27	सिद्धि	00	13	बाल.	21	22	07	19	17	32	25	34	25	19	कुम्भ	20	03	
											व्यती.	56	21															
06	बुध	19	55	15	16	पू.भा.	25	22	17	27	वरी.	52	30	तैति.	19	55	07	19	17	33	25	35	25	46	मीन 11:27	21	04	अन्नरूपा षष्ठी (बंगाल)
07	गुरु	17	11	14	11	उ.भा.	24	07	16	57	परि.	46	38	वणि.	17	11	07	19	17	34	25	36	26	13	मीन	22	05	भद्रा14:11से 25:22 तक, B
08	शुक्र	13	07	12	34	रेवती	21	35	15	57	शिव	39	41	बव	13	07	07	19	17	34	25	38	26	39	मेष 15:57	23	06	पंचकसमाप्ति 15:57 पर
09	शनि	07	50	10	27	अश्वि.	17	50	14	27	सिद्ध	31	47	कौल.	07	50	07	19	17	35	25	39	27	05	मेष	24	07	साम्बदशमी, सूर्य पूजा(उडीसा)
10	रवि	01	29	07	54	भरणी	13	02	12	32	साध्य	23	04	गर	01	29	07	19	17	36	25	41	27	31	वृष 17:58	25	08	भद्रा 18:28से, भद्रा 29:03तक,
11		54	20	29	03																							पुत्रदा एकादशी(स्मार्त)
12	सोम	47	13	26	12	कृत्ति.	07	28	10	18	शुभ	13	48	बव	20	47	07	19	17	37	25	43	27	56	वृष	26	09	पुत्रदा एकादशी(वैष्णव)कूर्मद्वादशी,
13	भौम	39	02	22	56	रोहि.	01	31	07	55	शुक्ल	04	18	कौल.	13	08	07	19	17	37	25	45	28	20	मिथु 18:44	27	10	भौमप्रदोषव्रत
						मृग.	55	34	29	33	ब्रहम	54	52															
14	बुध	31	11	19	47	आर्द्रा	49	35	27	09	ऐन्द्र	45	24	गर	05	06	07	19	17	38	25	47	28	44	मिथुन	28	11	भद्रा19:47से 30:22तक, पूर्णिमाव्रत,
15	गुरु	24	05	16	57	पुन.	44	25	25	05	वैधृति	36	38	बव	24	05	07	19	17	39	25	49	29	08	कर्क 19:36	29	12	माघस्नानारम्भ,पौषी पूर्णिमाC

A विनायकचतुर्थी, आंग्ल नववर्ष 2017 प्रारम्भ **B** गुरु गोविन्दसिंह जयन्ती। **C** तूलपरीक्षा, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

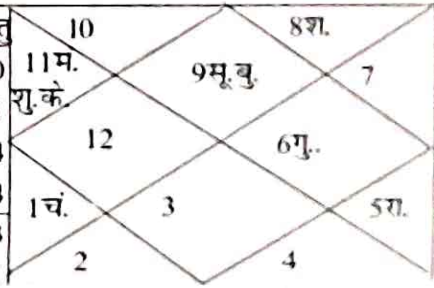
पौष शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 01.01.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	09	10	08	05	10	07	04	10
अं.	16	18	15	09	26	03	27	12	12
क.	44	42	31	00	59	29	15	06	06
वि.	08	09	50	07	34	52	15	50	50
गति	61 09	757 08	45 17	व74 45	06 24	65 03	06 50	व3 11	व3 11



पौष शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 08.01.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	00	10	08	05	10	07	04	10
अं.	23	23	20	04	27	10	28	11	11
क.	52	32	48	35	39	57	02	44	44
वि.	16	19	42	43	58	08	18	34	34
गति	61 09	863 08	45 13	व07 54	व 18	62 58	06 38	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 13 जनवरी से 27 जनवरी 2017 ई. तक)

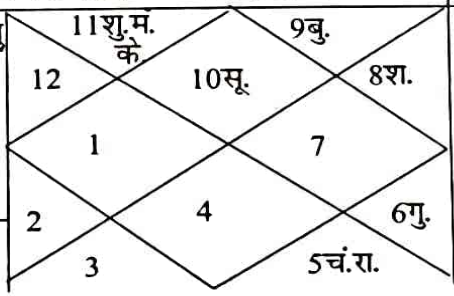
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2109, अयनांश 24/04/41

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शुक्र	18	07	14	34	पुष्य	40	29	23	31	विष्क्	28	55	कौल.	18	07	07	19	17	40	25	51	29	31	कर्क	30	13	लोहिडी (पंजाब), भोगी(दक्षिण भारत)
02	शनि	13	35	12	45	आश्ले	38	10	22	35	प्रीति	22	27	गर	13	35	07	19	17	41	25	53	29	53	सिंह 22:35	मा. 1	14	भद्रा 24:11से, सूर्य मकरराशि में **A**
03	रवि	10	43	11	36	मघा	37	35	22	21	आयु.	17	21	विष्टि	10	43	07	19	17	41	25	56	30	15	सिंह	02	15	भद्रा 11:36तक,गणेशसंकष्टहरचतुर्थीव्रत
04	सोम	09	41	11	11	पू.फा.	38	53	22	52	सौभा.	13	42	बाल.	09	41	07	19	17	42	25	58	30	36	कन्या 29:11	03	16	
05	भौम	10	36	11	33	उ.फा.	42	05	24	09	शोभ.	11	35	तैति.	10	36	07	19	17	43	26	01	30	57	कन्या	04	17	
06	बुध	13	24	12	40	हस्त	47	04	26	08	अति.	10	53	वणि.	13	24	07	19	17	44	26	03	31	17	कन्या	05	18	भद्रा 12:40 से 25:34 तक,
07	गुरु	17	53	14	27	चित्रा	53	34	28	44	सुक.	11	27	बव	17	53	07	18	17	45	26	06	31	36	तुला 15:26	06	19	व्यष्टकाश्राद्ध, भानुसप्तमी,सायन सूर्य **B**
08	शुक्र	23	40	16	46	स्वाती	60	00	-	-	धृति	12	59	कौल.	23	40	07	18	17	46	26	08	31	54	तुला	07	20	अष्टकाश्राद्ध,
09	शनि	30	14	19	23	स्वाती	01	51	08	02	शूल	15	08	गर	30	14	07	18	17	47	26	11	32	12	वृश्चि 28:19	08	21	अन्वष्टकाश्राद्ध
10	रवि	36	58	22	04	विशा.	09	29	11	05	गण्ड	17	28	वणि.	03	36	07	18	17	47	26	14	32	30	वृश्चिक	09	22	भद्रा08:44से22:04तक
11	सोम	43	11	24	33	अनु.	16	51	14	01	वृद्धि	19	30	बव	10	04	07	17	17	48	26	17	32	46	वृश्चिक	10	23	षट्तिला एकादशीव्रत(समस्त),नेताजी**C**
12	भौम	48	32	26	42	ज्ये.	23	33	16	52	ध्रुव	20	57	कौल.	15	52	07	17	17	49	26	20	33	02	धनु 16:52	11	24	तिलद्वादशी
13	बुध	52	38	28	20	मूल	29	12	18	57	व्या.	21	33	गर	20	35	07	17	17	50	26	23	33	17	धनु	12	25	भद्रा 28:20 से,प्रदोषव्रत,मेरु 13(जैन)
14	गुरु	55	24	29	26	पू.षा.	33	39	20	43	हर्ष	21	13	विष्टि	24	01	07	16	17	51	26	26	33	31	मकर 27:03	13	26	भद्रा16:53तक, 68वां गणतन्त्रदिवस,**D**
30	शुक्र	56	54	30	01	उ.षा.	36	54	22	01	वज्र	19	55	चतु.	26	09	07	16	17	52	26	29	33	44	मकर	14	27	मौनी अमावस्या, माघी अमावस्या

A 07:41बजे, संक्रान्तिपुण्यकाल प्रातः 07:41 से दिनभर तक, खिचडी संक्रान्ति, पोंगल (द.भारत), बिहू (आसाम), माघी (हि.प्र.), तिलसंक्रान्ति (मध्य भारत), खरमास समाप्ति। **B** कुम्भ में 27:15 बजे **C** सुभाष जयन्ती, **D** मासशिवरात्रि **माघे प्रातः स्नानफलम्**- यो माघमास्युषसि सूर्यकरान्विताभ्रे स्नानं समाचरति चारुनदीप्रवाहे। उद्धृत्य सप्तपुरुषान् पितृमातृवंशान् स्वर्गं प्रयात्यमरदेहधरो नरोऽसौ।। स्वर्गलोके चिरं वासो येषां मनसि वर्तते। यत्र क्वापि जले तैस्तु स्नातव्यं मृगभास्करे।। **चतुर्थ्यां गणेशोत्पत्तिः** - सर्वदेवमयः साक्षात्सर्वमंगलकारकः। माघकृष्णचतुर्थ्यान्तु प्रादुर्भूतो गणाधिपः।।

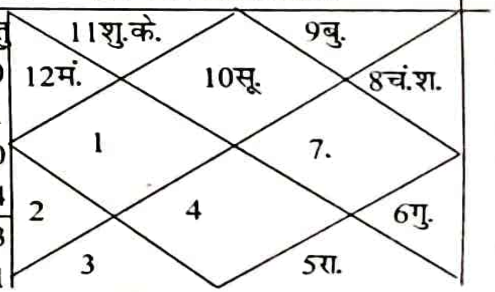
माघ कृष्ण 03,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 15.01.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	04	10	08	05	10	07	04	10
अं.	01	04	26	07	28	18	28	11	11
क.	00	43	04	22	12	07	47	22	22
वि.	10	55	54	48	29	23	42	19	19
गति	61 07	823 52	45 07	42 35	04 09	60 17	06 23	व3 11	व3 11



माघ कृष्ण 10,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 22.01.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	07	11	08	05	10	07	04	10
अं.	08	01	01	14	28	24	29	11	11
क.	07	27	20	09	36	56	31	00	00
वि.	41	45	10	15	34	02	06	04	04
गति	61 03	710 11	44 59	66 48	02 55	56 52	06 04	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 28 जनवरी से 10 फरवरी 2017 ई. तक)

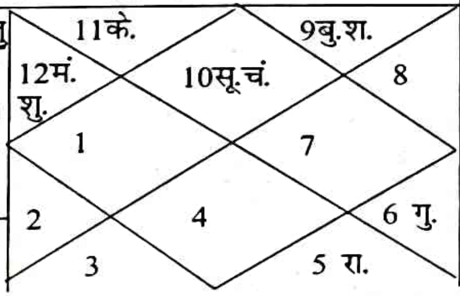
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2124, अयनांश 24/04/43

तिथि	वार	घ./प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ./प.	घ./मि	योग	घ./प.	करण	घ./प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टे अं	चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शनि	57 12	30 08	श्रवण	39 01	22 51	सिद्धि	17 42	किंस्तु.	27 03	07 15	17 53	26 32	33 57	मकर	15	28	गुप्त नवरात्रारम्भ
02	रवि	56 26	29 49	धनि.	40 05	23 17	व्यती.	14 40	बाल.	26 49	07 15	17 53	26 36	34 09	कुंभ 11:04	16	29	चन्द्रदर्शन, पंचक प्रारम्भ 11:04 से
03	सोम	54 41	29 06	शत.	40 10	23 18	वरी.	10 50	तैति.	25 33	07 14	17 54	26 39	34 20	कुम्भ	17	30	गुडलवणदान, सोपपद, गौरीतृतीयाव्रत A
04	भौम	52 05	28 03	पू.भा.	39 25	23 00	परि.	06 17	वणि.	23 23	07 14	17 55	26 42	34 30	मीन 17:05	18	31	भद्रा 16:35से भद्रा 28:03तक, B
05	बुध	48 40	26 41	उ.भा.	37 51	22 21	शिव सिद्ध	01 05 55 17	बव	20 22	07 13	17 56	26 46	34 40	मीन	19	01	वसन्तपंचमी, सरस्वतीपूजा, श्रीपंचमी, मदनपंचमी, लेखनीपूजा(बंगाल)
06	गुरु	44 28	25 00	रेवती	35 30	21 25	साध्य	49 27	कौल.	16 34	07 13	17 57	26 49	34 49	मेष 21:25	20	02	पंचकसमाप्ति 21:25पर,
07	शुक्र	39 40	23 04	अश्वि.	32 32	20 13	शुभ	42 26	गर	12 04	07 12	17 58	26 53	34 56	मेष	21	03	भद्रा23:04से, रथसप्तमी, C
08	शनि	34 17	20 54	भरणी	28 59	18 47	शुक्ल	35 00	विष्टि	06 58	07 12	17 58	26 56	35 03	वृष 24:23	22	04	भद्रा 09:59तक, भीमाष्टमी, दुर्गाष्टमी
09	रवि	28 31	18 35	कृत्ति.	25 01	17 11	ब्रहम	27 15	बाल.	01 24	07 11	17 59	27 00	35 10	वृष	23	05	नन्दिनीदेवीपूजा
10	सोम	22 30	16 10	रोहि.	20 49	15 30	ऐन्द्र	19 20	गर	22 30	07 10	18 00	27 04	35 15	मिथु 26:39	24	06	भद्रा26:58से,भक्तपुण्डरीकउत्सव(पण्ढरपुर)
11	भौम	16 31	13 46	मृग.	16 36	13 48	वैधृति	11 27	विष्टि	16 31	07 10	18 01	27 07	35 20	मिथुन	25	07	भद्रा 13:46 तक, जया (भैमी) D
12	बुध	10 46	11 27	आर्द्रा	12 36	12 11	विष्कु प्रीति	03 44 56 25	बाल.	10 46	07 09	18 02	27 11	35 23	कर्क 29:07	26	08	भीमद्वादशी, वराहद्वादशी, सोपपद, सन्तानद्वादशी, प्रदोषव्रत
13	गुरु	05 31	09 20	पुन.	09 05	10 46	आयु.	49 00	तैति.	05 31	07 08	18 03	27 15	35 26	कर्क	27	09	वराहकल्प,
14 15	शुक्र	00 59 57 28	07 31 30 07	पुष्य	06 19	09 39	सौभा.	42 51	वणि.	00 59	07 08	18 03	27 19	35 28	कर्क	28	10	भद्रा 07:31से 18:49तक, माघीपूर्णिमा, माघस्नानसमाप्त, संत रैदास जयन्ती

A महात्मा गांधी शहीद दिवस, **B** तिलचतुर्थी,कुन्दचतुर्थी,विनायकचतुर्थी। **C** अचलासप्तमी,सूर्यजयन्ती,अभोज्यार्कव्रत, आरोग्य सप्तमी। **D** एकादशीव्रत (समस्त)।

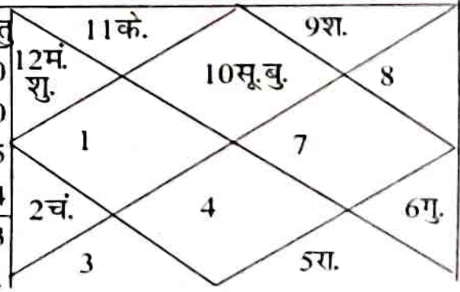
माघ शुक्ल 02,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 29.01.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	09	11	08	05	11	08	04	10
अं.	15	28	06	22	28	01	00	10	10
क.	14	00	34	48	51	16	12	37	37
वि.	34	22	13	09	50	49	05	49	49
गति	60 57	777 39	44 48	78 31	01 38	52 26	05 42	व3 11	व3 11



माघ शुक्ल 09,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 05.02.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	01	11	09	05	11	08	04	10
अं.	22	04	11	02	28	07	00	10	10
क.	20	04	46	28	57	01	50	15	15
वि.	38	16	54	57	57	14	19	34	34
गति	60 50	852 37	44 36	86 00	00 19	46 37	05 17	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 11 फरवरी से 26 फरवरी 2017 ई. तक)

सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर / वसन्त ऋतु, केतकी अहर्गण- 2138, अयनांश 24/04/45

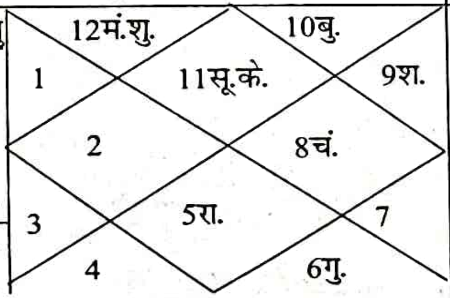
तिथि	वार	घ./प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ./प.	घ./मि	योग	घ./प.	करण	घ./प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	दिनमान	स्टे.अं.	चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	शनि	53 50	28 38	आश्ले	04 31	08 55	शोभ.	37 40	बाल.	25 39	07 07	18 04	27 23	35 30	सिंह 08:55	29	11	
02	रवि	52 44	28 12	मघा	03 56	08 40	अति.	33 34	तैति.	23 17	07 06	18 05	27 26	35 30	सिंह	फा.1	12	सूर्य कुम्भराशि में 20:39 बजे। **A**
03	सोम	53 15	28 23	पू.फा.	04 43	08 58	सुक.	30 41	वणि.	23 00	07 05	18 06	27 30	35 30	कन्या 15:12	02	13	भद्रा 16:18 से 28:23तक
04	भौम	55 23	29 13	उ.फा.	07 01	09 53	धृति	29 03	बव	24 19	07 05	18 06	27 34	35 29	कन्या	03	14	संकष्टहरचतुर्थीव्रत
05	बुध	59 11	30 44	हस्त	10 53	11 25	शूल	28 39	कौल.	27 17	07 04	18 07	27 38	35 27	तुला 24:28	04	15	
06	गुरु	60 00	- -	चित्रा	16 12	13 31	गण्ड	29 23	गर	32 28	07 03	18 08	27 42	35 24	तुला	05	16	
06	शुक्र	05 46	09 20	स्वाती	22 47	16 08	वृद्धि	31 03	वणि.	05 46	07 02	18 09	27 46	35 21	तुला	06	17	भद्रा 09:20से22:33तक
07	शनि	11 50	11 45	विशा.	30 11	19 05	ध्रुव	33 18	बव	11 50	07 01	18 09	27 50	35 17	वृश्चि 12:21	07	18	कालाष्टमी, व्यष्टकाश्राद्ध **B**
08	रवि	18 19	14 19	अनु.	37 52	22 09	व्या.	35 42	कौल.	18 19	07 00	18 10	27 54	35 12	वृश्चिक	08	19	अष्टकाश्राद्ध, जानकी जयन्ती, सीताष्टमी
09	सोम	24 36	16 49	ज्ये.	45 15	25 05	हर्ष	37 49	गर	24 36	06 59	18 11	27 58	35 06	धनु 25:05	09	20	भद्रा 29:54से, अन्वष्टकाश्राद्ध
10	भौम	30 02	18 59	मूल	51 41	27 38	वज्र	39 09	विष्टि	30 02	06 58	18 12	28 03	35 00	धनु	10	21	भद्रा18:59तक, स्वामीदयानन्दजयन्ती
11	बुध	34 09	20 37	पू.षा.	56 45	29 39	सिद्धि	39 25	बव.	02 06	06 57	18 12	28 07	34 53	धनु	11	22	विजया एकादशीव्रत (समस्त)
12	गुरु	36 42	21 37	उ.षा.	58 57	30 31	व्यती.	38 27	कौ	05 25	06 56	18 13	28 11	34 45	मकर 11:52	12	23	तिलद्वादशी, वंजुलीमहाद्वादशी
13	शुक्र	37 33	21 57	श्रवण	60 00	- -	वरी.	36 10	गर	07 08	06 56	18 14	28 15	34 37	मकर	13	24	भद्रा 21:57 से प्रदोषव्रत, **C**
14	शनि	36 48	21 37	श्रवण	00 38	07 10	परि.	32 39	विष्टि	07 11	06 55	18 14	28 19	34 28	कुंभ 19:13	14	25	पंचकप्रारम्भ19:13से,भद्रा 09:47तक**D**
30	रवि	34 34	20 43	धनि. शत.	00 54 59 53	07 15 30 51	शिव	27 59	चतु.	05 41	06 54	18 15	28 23	34 18	कुम्भ	15	26	फाल्गुनी अमावस्या, ब्रह्मपूजा

A संक्रान्ति पुण्यकाल दिन में 12:39 से दिनभर **B**सायनसूर्य मीन में 29:16बजे। **C** महाशिवरात्रिव्रत, वैद्यनाथ जयन्ती, **D** आरटन्तीचतुर्दशी

शिवरात्रि-माघफाल्गुनयोर्मध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी। दत्ते शिव: फलं यस्मात्तेन सर्वसुरासुरैः।। शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता।।

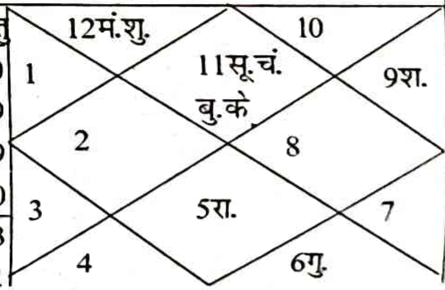
फाल्गुनकृष्ण 08,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 19.02.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	07	11	09	05	11	08	04	10
अं.	06	09	22	24	28	15	01	09	09
क.	29	10	07	06	42	51	56	31	31
वि.	39	51	23	55	20	05	59	05	05
गति	60 45	851 49	44 28	89 40	व2 21	28 47	04 17	व3 11	व3 11



फाल्गुनकृष्ण 30,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 26.02.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	10	11	10	05	11	08	04	10
अं.	13	06	27	06	28	18	02	09	09
क.	32	27	14	02	20	21	24	08	09
वि.	17	59	56	42	57	33	48	50	50
गति	60 20	796 36	43 51	105 17	व3 35	15 37	03 44	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 27 फरवरी से 12 मार्च 2017 ई. तक)

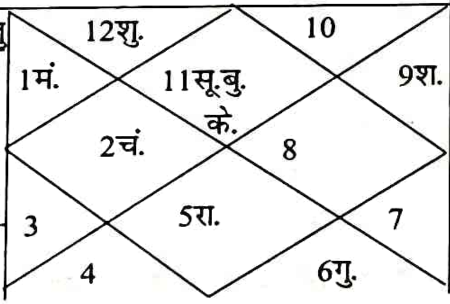
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2154, अयनांश 24/04/47

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि.		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	सोम	31	06	19	19	पू.भा.	57	46	29	59	सिद्ध	22	20	किंस्तु	02	50	06	53	18	16	28	28	34	08	मीन 24:12	16	27	
02	भौम	26	39	17	31	उ.भा.	55	37	29	06	साध्य	15	55	कौल.	26	39	06	52	18	16	28	32	33	57	मीन	17	28	स्वामीरामकृष्णपरमहंस जयन्ती,चन्द्रदर्शन
03	बुध	21	28	15	25	रेवती	51	46	27	33	शुभ	08	54	गर	21	28	06	50	18	17	28	36	33	45	मेष 27:33	18	मा.1	पंचकसमाप्ति 27:33पर,भद्रा 26:17 से
04	गुरु	15	50	13	09	अश्वि.	47	37	25	52	शुक्ल ब्रह्म	01 53	29 52	विष्टि	15	50	06	49	18	18	28	40	33	33	मेष	19	02	भद्रा 13:09तक, विनायकचतुर्थीव्रत, तिलचतुर्थी, पुत्रगणपतिव्रत
05	शुक्र	09	59	10	48	भरणी	43	21	24	08	ऐन्द्र	46	10	बाल.	09	59	06	48	18	18	28	44	33	21	वृष 29:43	20	03	
06 07	शनि	04 58	07 27	08 30	26 10	कृत्ति.	39	15	22	29	वैधृति	38	24	तैति.	04	07	06	47	18	19	28	49	33	07	वृष	21	04	भद्रा 30:10से,कामदासप्तमीव्रत
08	रवि	52	42	27	51	रोहि.	35	26	20	56	विष्क.	30	55	विष्टि	25	34	06	46	18	20	28	53	32	54	वृष	22	05	भद्रा 17:01तक,होलाष्टकप्रारम्भ **A**
09	सोम	47	44	25	50	मृग.	32	08	19	36	प्रीति	23	51	बाल.	20	13	06	45	18	20	28	57	32	40	मिथु 08:16	23	06	
10	भौम	43	25	24	06	आर्द्रा	29	23	18	29	आयु.	17	14	तैति.	15	34	06	44	18	21	29	02	32	25	मिथुन	24	07	अजितनाथ जयन्ती (जैन)
11	बुध	39	48	22	38	पुन.	27	20	17	39	सौभा.	11	10	वणि.	11	37	06	43	18	21	29	06	32	10	कर्क 11:51	25	08	भद्रा11:22से 22:38तक, रंगभरी **B**
12	गुरु	37	01	21	30	पुष्य	26	03	17	07	शोभ.	05	42	बव	08	25	06	42	18	22	29	10	31	54	कर्क	26	09	नृसिंहद्वादशी, गोविन्दद्वादशी,
13	शुक्र	35	05	20	42	आश्ले	25	35	16	54	अति. सुक.	00 56	52 46	कौल.	06	03	06	41	18	23	29	15	31	38	सिंह 16:54	27	10	प्रदोषव्रत,
14	शनि	34	03	20	16	मघा	26	00	17	03	धृति	52	33	गर	04	34	06	39	18	23	29	19	31	22	सिंह	28	11	भद्रा 20:16से, कामदहन चतुर्दशी
15	रवि	34	04	20	16	पू.फा.	27	25	17	36	शूल	50	02	विष्टि	04	03	06	38	18	24	29	23	31	06	कन्या 23:50	29	12	भद्रा08:16तक,पूर्णिमाव्रत,होलिकादहन**C**

A सीतापूजन, लक्ष्मीपूजन, दुर्गाष्टमी **B** एकादशी, आमलकी एकादशी व्रत (समस्त)। **C** प्रदोष में, होलाष्टकसमाप्त, चैतन्यमहाप्रभुजयन्ती, कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण।

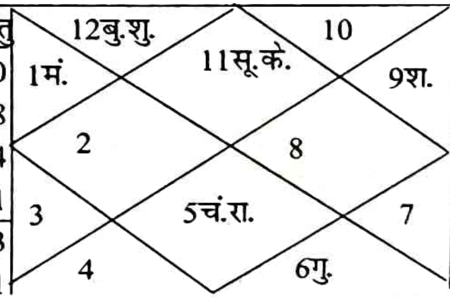
फाल्गुनशुक्ल 08,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.03.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	01	00	10	05	11	08	04	10
अं.	20	14	02	18	27	19	02	08	08
क.	33	54	20	48	51	07	48	46	46
वि.	51	08	32	24	08	26	31	36	36
गति	60 08	856 21	43 34	112 33	व4 45	व0 35	03 08	व3 11	व3 11



फाल्गुनशुक्ल 15,रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.03.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	04	00	11	05	11	08	04	10
अं.	27	20	07	02	27	17	03	08	08
क.	33	39	24	18	13	52	07	24	24
वि.	12	58	07	48	47	20	53	21	21
गति	59 54	787 32	43 16	117 47	व5 45	व18 20	02 30	व3 11	व3 11



विक्रमसंवत् 2073, शाके 1938, चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 13 मार्च से 28 मार्च 2017 ई. तक)

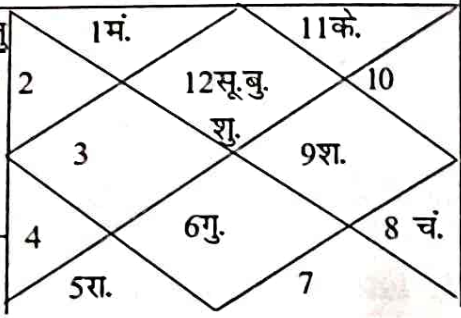
सौम्यसंवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2168, अयनांश 24/04/49

तिथि	वार	घ./प.		घ.मि.		नक्षत्र	घ./प.		घ./मि		योग	घ./प.		करण	घ./प.		सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टे.अं.		चन्द्रचार	प्रवि	दिनांक	विवरण(भारतीय मानक समय में)
01	सोम	35	10	20	41	उ.फा.	29	54	18	34	गण्ड	48	23	बाल.	04	37	06	37	18	24	29	27	30	49	कन्या	30	13	होली, वसन्तोत्सव, होलिका भस्मधारण
02	भौम	37	28	21	35	हस्त	33	31	20	00	वृद्धि	47	40	तैति.	06	19	06	36	18	25	29	32	30	31	कन्या	चै.1	14	सूर्य मीनराशि में 17:30 बजे, **A**
03	बुध	40	59	22	58	चित्रा	38	18	21	54	ध्रुव	47	54	वणि.	09	14	06	35	18	26	29	36	30	14	तुला 08:57	02	15	भद्रा 10:17से 22:58तक,
04	गुरु	45	43	24	51	स्वाती	44	16	24	16	व्या.	49	04	बव	13	21	06	34	18	26	29	40	29	56	तुला	03	16	संकष्टहरचतुर्थीव्रत
05	शुक्र	51	30	27	08	विशा.	51	14	27	02	हर्ष	51	00	कौल.	18	37	06	33	18	27	29	45	29	38	वृश्चि.20:21	04	17	रंगपंचमी
06	शनि	58	00	29	43	अनु.	58	53	30	04	वज्र	53	27	गर	24	45	06	31	18	27	29	49	29	20	वृश्चिक	05	18	भद्रा 29:43से,स्कन्दषष्ठी
07	रवि	60	00	-	-	ज्ये.	60	00	-	-	सिद्धि	56	03	विष्टि	31	23	06	30	18	28	29	53	29	01	वृश्चिक	06	19	भद्रा19:03तक,भानुसप्तमी,व्यष्टकाश्राद्ध
07	सोम	04	45	08	23	ज्ये.	06	48	09	12	व्यती.	58	19	बव	04	45	06	29	18	28	29	58	28	43	धनु 09:12	07	20	अष्टकाश्राद्ध, शीतलाष्टमी(वासोडा) **B**
08	भौम	10	28	10	39	मूल	13	45	11	57	वरी.	59	47	कौल.	10	28	06	28	18	29	30	02	28	24	धनु	08	21	अन्वष्टकाश्राद्ध, बुढवामंगल (काशी)
09	बुध	15	03	12	27	पू.षा.	19	35	14	16	परि.	58	59	गर	15	03	06	27	18	29	30	06	28	05	मक 20:42	09	22	भद्रा 25:03से,
10	गुरु	18	01	13	38	उ.षा.	23	53	15	59	शिव	58	49	विष्टि	18	01	06	26	18	30	30	11	27	46	मकर	10	23	भद्रा 13:38तक,
11	शुक्र	19	09	14	04	श्रवण	26	24	16	58	सिद्ध	55	59	बाल.	19	09	06	24	18	31	30	15	27	27	कुंभ 29:04	11	24	पंचकप्रारम्भ 29:04 से,पापमोचिनी **C**
12	शनि	18	16	13	41	धनि.	26	58	17	10	साध्य	51	30	तैति.	18	16	06	23	18	31	30	19	27	08	कुम्भ	12	25	शनिप्रदोषव्रत
13	रवि	15	33	12	35	शत.	25	43	16	39	शुभ	45	35	वणि.	15	33	06	22	18	32	30	24	26	49	कुम्भ	13	26	भद्रा12:35से 23:42 तक, **D**
14	सोम	11	09	10	48	पू.भा.	22	51	15	29	शुक्ल	38	22	शकु.	11	09	06	21	18	32	30	28	26	30	मीन 09:46	14	27	श्राद्धादि अमावस्या
30 01	भौम	05 58	23 40	08 29	29 48	उ.भा.	18	38	13	47	ब्रह्म	30	09	नाग	05	23	06	20	18	33	30	32	26	11	मीन	15	28	चैत्री-भौमवती अमावस स्नानदानादि, विक्रमसंवत 2073सम्पूर्ण, मन्वादि।

A संक्रान्ति पुण्यकाल दिन में 11:06 से दिनभर, संत तुकाराम जयन्ती, **B** सायन सूर्य मेष में 16:15 बजे, केसरिया मेला(राजस्थान)। **C** एकादशी व्रत (समस्त)। **D** मासशिवरात्रिव्रत। **होलिका भस्मधारणमन्त्रः**-वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभिः। अतस्त्वं पाहि नो भीतेर्भूषिता भूतिदा भव।।

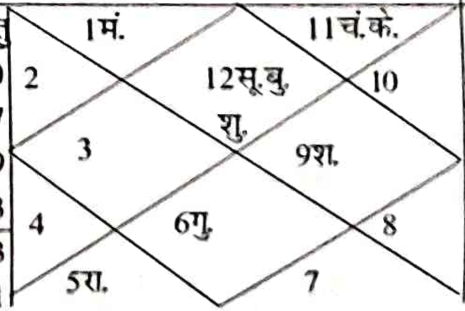
चैत्र कृष्ण 07,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 19.03.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	07	00	11	05	11	08	04	10
अं.	04	16	12	16	26	14	03	08	08
क.	31	48	25	01	29	42	22	02	02
वि.	19	02	39	27	58	23	42	07	07
गति	59 41	711 43	42 59	115 51	व6 36	व32 54	01 50	व3 11	व3 11



चैत्र कृष्ण 13,रविवार, औदयिक स्पष्ट ग्रह, दि. 26.03.2017

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	10	00	11	05	11	08	04	10
अं.	11	14	17	28	25	10	03	07	07
क.	27	14	25	28	41	23	32	39	39
वि.	47	01	05	30	09	24	47	53	53
गति	59 26	806 55	42 41	96 54	व7 15	व38 26	01 09	व3 11	व3 11



औदयिक स्पष्ट ग्रह, 2016 - 2017

स्पष्टग्रहप्रयोजन - यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
स्यात् प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या।। -सिद्धान्तशिरोमणि गणि. स्प.श्लोक 01

ग्रहस्पष्टीकरणप्रशंसा - तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः। प्रयान्ति तत् प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्।।-सू.सि.स्प.श्लो. 14

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अप्रैल 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
08	11	24	31	56	00	02	22	14	07	14	18	14	00	09	46	54	04	20	33	41	11	08	46	47	07	22	08	13	04	26	19	07
09	11	25	30	51	00	17	33	19	07	14	24	29	00	11	33	13	04	20	28	19	11	10	00	49	07	22	06	50	04	26	15	56
10	11	26	29	44	01	02	33	34	07	14	30	06	00	13	15	53	04	20	23	07	11	11	14	50	07	22	05	21	04	26	12	45
11	11	27	28	34	01	17	14	33	07	14	35	02	00	14	54	34	04	20	18	04	11	12	28	52	07	22	03	47	04	26	09	35
12	11	28	27	23	02	01	30	28	07	14	39	18	00	16	28	57	04	20	13	10	11	13	42	53	07	22	02	06	04	26	06	24
13	11	29	26	10	02	15	18	37	07	14	42	51	00	17	58	47	04	20	08	25	11	14	56	53	07	22	00	21	04	26	03	13
14	00	00	24	54	02	28	39	20	07	14	45	44	00	19	23	47	04	20	03	50	11	16	10	54	07	21	58	29	04	26	00	03
15	00	01	23	37	03	11	34	45	07	14	47	55	00	20	43	48	04	19	59	24	11	17	24	53	07	21	56	33	04	25	56	52
16	00	02	22	18	03	24	08	44	07	14	49	21	00	21	58	38	04	19	55	08	11	18	38	52	07	21	54	31	04	25	53	42
17	00	03	20	57	04	06	25	50	07	14	50	05	00	23	08	07	04	19	51	03	11	19	52	51	07	21	52	24	04	25	50	31
18	00	04	19	34	04	18	30	21	07	14	50	05	00	24	12	08	04	19	47	06	11	21	06	50	07	21	50	12	04	25	47	20
19	00	05	18	09	05	00	26	39	07	14	49	21	00	25	10	34	04	19	43	20	11	22	20	48	07	21	47	55	04	25	44	10
20	00	06	16	42	05	12	18	18	07	14	47	53	00	26	03	16	04	19	39	45	11	23	34	46	07	21	45	33	04	25	40	59
21	00	07	15	13	05	24	07	57	07	14	45	39	00	26	50	10	04	19	36	19	11	24	48	43	07	21	43	05	04	25	37	48
22	00	08	13	43	06	05	57	46	07	14	42	39	00	27	31	13	04	19	33	04	11	26	02	40	07	21	40	33	04	25	34	38
23	00	09	12	10	06	17	49	16	07	14	38	55	00	28	06	20	04	19	30	00	11	27	16	36	07	21	37	56	04	25	31	27
24	00	10	10	36	06	29	43	54	07	14	34	24	00	28	35	31	04	19	27	06	11	28	30	33	07	21	35	14	04	25	28	16
25	00	11	09	00	07	11	43	24	07	14	29	07	00	28	58	46	04	19	24	23	11	29	44	29	07	21	32	27	04	25	25	06
26	00	12	07	22	07	23	49	51	07	14	23	05	00	29	16	07	04	19	21	50	00	00	58	25	07	21	29	36	04	25	21	55
27	00	13	05	43	08	06	05	56	07	14	16	18	00	29	27	39	04	19	19	28	00	02	12	19	07	21	26	40	04	25	18	44
28	00	14	04	01	08	18	34	09	07	14	08	43	00	29	33	29	04	19	17	17	00	03	26	14	07	21	23	40	04	25	15	34
29	00	15	02	18	09	01	17	51	07	14	00	23	00	29	33	47	04	19	15	17	00	04	40	07	07	21	20	36	04	25	12	23
30	00	16	00	33	09	14	20	02	07	13	51	19	00	29	28	44	04	19	13	28	00	05	54	02	07	21	17	27	04	25	09	12

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मई 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	00	16	58	46	09	27	43	31	07	13	41	31	00	29	18	35	04	19	11	49	00	07	07	55	07	21	14	13	04	25	06	02
02	00	17	56	57	10	11	30	18	07	13	30	56	00	29	03	43	04	19	10	22	00	08	21	48	07	21	10	57	04	25	02	51
03	00	18	55	07	10	25	41	26	07	13	19	38	00	28	44	26	04	19	09	06	00	09	35	40	07	21	07	36	04	24	59	40
04	00	19	53	15	11	10	16	08	07	13	07	39	00	28	21	03	04	19	08	00	00	10	49	32	07	21	04	11	04	24	56	30
05	00	20	51	21	11	25	10	41	07	12	54	55	00	27	54	09	04	19	07	05	00	12	03	24	07	21	00	42	04	24	53	19
06	00	21	49	26	00	10	18	45	07	12	41	32	00	27	24	10	04	19	06	23	00	13	17	16	07	20	57	10	04	24	50	08
07	00	22	47	30	00	25	31	11	07	12	27	27	00	26	51	45	04	19	05	50	00	14	31	06	07	20	53	34	04	24	46	58
08	00	23	45	31	01	10	37	26	07	12	12	43	00	26	17	20	04	19	05	29	00	15	44	56	07	20	49	55	04	24	43	47
09	00	24	43	31	01	25	27	25	07	11	57	21	00	25	41	37	04	19	05	19	00	16	58	46	07	20	46	12	04	24	40	36
10	00	25	41	29	02	09	53	30	07	11	41	23	00	25	05	07	04	19	05	19	00	18	12	35	07	20	42	26	04	24	37	26
11	00	26	39	26	02	23	51	11	07	11	24	47	00	24	28	34	04	19	05	31	00	19	26	24	07	20	38	36	04	24	34	15
12	00	27	37	21	03	07	19	02	07	11	07	40	00	23	52	29	04	19	05	54	00	20	40	14	07	20	34	44	04	24	31	04
13	00	28	35	15	03	20	18	54	07	10	50	02	00	23	17	32	04	19	06	27	00	21	54	03	07	20	30	49	04	24	27	54
14	00	29	33	08	04	02	54	39	07	10	31	53	00	22	44	16	04	19	07	11	00	23	07	51	07	20	26	52	04	24	24	43
15	01	00	30	59	04	15	10	55	07	10	13	15	00	22	13	06	04	19	08	07	00	24	21	39	07	20	22	51	04	24	21	32
16	01	01	28	48	04	27	12	48	07	09	54	15	00	21	44	39	04	19	09	13	00	25	35	26	07	20	18	48	04	24	18	22
17	01	02	26	37	05	09	05	50	07	09	34	49	00	21	19	19	04	19	10	30	00	26	49	13	07	20	14	43	04	24	15	11
18	01	03	24	23	05	20	54	36	07	09	15	02	00	20	57	27	04	19	11	58	00	28	03	00	07	20	10	35	04	24	12	00
19	01	04	22	08	06	02	42	58	07	08	54	54	00	20	39	24	04	19	13	36	00	29	16	46	07	20	06	25	04	24	08	49
20	01	05	19	53	06	14	34	04	07	08	34	31	00	20	25	26	04	19	15	25	01	00	30	34	07	20	02	13	04	24	05	39
21	01	06	17	35	06	26	30	17	07	08	13	55	00	20	15	44	04	19	17	24	01	01	44	19	07	19	57	59	04	24	02	28
22	01	07	15	16	07	08	32	58	07	07	53	08	00	20	10	25	04	19	19	34	01	02	58	04	07	19	53	43	04	23	59	17
23	01	08	12	57	07	20	43	05	07	07	32	11	00	20	09	36	04	19	21	54	01	04	11	50	07	19	49	25	04	23	56	07
24	01	09	10	35	08	03	01	56	07	07	11	10	00	20	13	18	04	19	24	25	01	05	25	35	07	19	45	08	04	23	52	56
25	01	10	08	13	08	15	30	28	07	06	50	05	00	20	21	36	04	19	27	07	01	06	39	21	07	19	40	47	04	23	49	45
26	01	11	05	50	08	28	09	55	07	06	28	58	00	20	34	22	04	19	29	58	01	07	53	05	07	19	36	25	04	23	46	34
27	01	12	03	25	09	11	01	52	07	06	07	54	00	20	51	37	04	19	33	00	01	09	06	50	07	19	32	03	04	23	43	24
28	01	13	00	59	09	24	08	18	07	05	46	57	00	21	13	15	04	19	36	11	01	10	20	33	07	19	27	39	04	23	40	13
29	01	13	58	33	10	07	30	44	07	05	26	06	00	21	39	11	04	19	39	33	01	11	34	19	07	19	23	15	04	23	37	02
30	01	14	56	04	10	21	11	22	07	05	05	26	00	22	09	18	04	19	43	05	01	12	48	03	07	19	18	50	04	23	33	51
31	01	15	53	35	11	05	11	22	07	04	44	59	00	22	43	34	04	19	46	46	01	14	01	47	07	19	14	24	04	23	30	41

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जून 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.
01	01	16	51	06	11	19	31	02	07	04	24	48	00	23	21	50	04	19	50	38	01	15	15	31	07	19	09	57	04	23	27	30
02	01	17	48	36	00	04	08	37	07	04	04	56	00	24	04	01	04	19	54	39	01	16	29	15	07	19	05	30	04	23	24	19
03	01	18	46	03	00	18	59	55	07	03	45	25	00	24	50	03	04	19	58	50	01	17	42	58	07	19	01	05	04	23	21	08
04	01	19	43	31	01	03	57	45	07	03	26	16	00	25	39	50	04	20	03	11	01	18	56	43	07	18	56	38	04	23	17	58
05	01	20	40	57	01	18	53	08	07	03	07	36	00	26	33	18	04	20	07	41	01	20	10	26	07	18	52	12	04	23	14	47
06	01	21	38	22	02	03	36	41	07	02	49	23	00	27	30	23	04	20	12	20	01	21	24	10	07	18	47	45	04	23	11	36
07	01	22	35	46	02	18	00	36	07	02	31	42	00	28	31	02	04	20	17	09	01	22	37	53	07	18	43	19	04	23	08	25
08	01	23	33	10	03	01	59	14	07	02	14	31	00	29	35	11	04	20	22	07	01	23	51	37	07	18	38	54	04	23	05	15
09	01	24	30	33	03	15	30	17	07	01	57	56	01	00	42	47	04	20	27	14	01	25	05	20	07	18	34	29	04	23	02	04
10	01	25	27	56	03	28	34	14	07	01	41	57	01	01	53	48	04	20	32	29	01	26	19	03	07	18	30	04	04	22	58	53
11	01	26	25	17	04	11	13	39	07	01	26	35	01	03	08	09	04	20	37	55	01	27	32	46	07	18	25	41	04	22	55	42
12	01	27	22	38	04	23	32	48	07	01	11	53	01	04	25	49	04	20	43	29	01	28	46	31	07	18	21	19	04	22	52	32
13	01	28	19	58	05	05	36	28	07	00	57	54	01	05	46	45	04	20	49	11	02	00	00	14	07	18	16	59	04	22	49	21
14	01	29	17	17	05	17	30	15	07	00	44	37	01	07	10	52	04	20	55	02	02	01	13	58	07	18	12	39	04	22	46	10
15	02	00	14	36	05	29	19	28	07	00	32	04	01	08	38	10	04	21	01	02	02	02	27	42	07	18	08	20	04	22	42	59
16	02	01	11	54	06	11	09	01	07	00	20	15	01	10	08	33	04	21	07	10	02	03	41	26	07	18	04	04	04	22	39	48
17	02	02	09	12	06	23	03	21	07	00	09	13	01	11	41	59	04	21	13	27	02	04	55	10	07	17	59	49	04	22	36	38
18	02	03	06	29	07	05	05	22	06	29	58	57	01	13	18	22	04	21	19	52	02	06	08	54	07	17	55	36	04	22	33	27
19	02	04	03	47	07	17	17	25	06	29	49	27	01	14	57	42	04	21	26	25	02	07	22	39	07	17	51	24	04	22	30	16
20	02	05	01	03	07	29	40	44	06	29	40	47	01	16	39	50	04	21	33	06	02	08	36	23	07	17	47	15	04	22	27	05
21	02	05	58	18	08	12	15	25	06	29	32	58	01	18	24	44	04	21	39	56	02	09	50	08	07	17	43	07	04	22	23	55
22	02	06	55	34	08	25	01	45	06	29	25	56	01	20	12	21	04	21	46	53	02	11	03	53	07	17	39	03	04	22	20	44
23	02	07	52	49	09	07	59	25	06	29	19	44	01	22	02	32	04	21	53	59	02	12	17	37	07	17	35	01	04	22	17	33
24	02	08	50	04	09	21	08	31	06	29	14	22	01	23	55	18	04	22	01	11	02	13	31	24	07	17	31	01	04	22	14	22
25	02	09	47	18	10	04	28	50	06	29	09	53	01	25	50	29	04	22	08	32	02	14	45	09	07	17	27	04	04	22	11	11
26	02	10	44	32	10	18	01	01	06	29	06	12	01	27	48	00	04	22	15	59	02	15	58	54	07	17	23	10	04	22	08	00
27	02	11	41	46	11	01	45	41	06	29	03	21	01	29	47	44	04	22	23	34	02	17	12	40	07	17	19	19	04	22	04	50
28	02	12	39	00	11	15	43	10	06	29	01	21	02	01	49	32	04	22	31	18	02	18	26	25	07	17	15	31	04	22	01	39
29	02	13	36	14	00	00	06	00	06	29	00	10	02	03	53	17	04	22	39	08	02	19	40	11	07	17	11	45	04	21	58	28
30	02	14	33	27	00	14	15	44	06	28	59	51	02	05	58	42	04	22	47	05	02	20	53	58	07	17	08	03	04	21	55	17

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जुलाई 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	02	15	30	40	00	28	46	41	06	29	00	21	02	08	05	40
02	02	16	27	53	01	13	21	35	06	29	01	41	02	10	13	53
03	02	17	25	06	01	27	54	00	06	29	03	48	02	12	23	09
04	02	18	22	19	02	12	17	17	06	29	06	46	02	14	33	07
05	02	19	19	32	02	26	24	50	06	29	10	30	02	16	43	34
06	02	20	16	45	03	10	12	10	06	29	15	03	02	18	54	11
07	02	21	13	59	03	23	36	56	06	29	20	22	02	21	04	42
08	02	22	11	12	04	06	38	24	06	29	26	29	02	23	14	47
09	02	23	08	26	04	19	18	10	06	29	33	22	02	25	24	15
10	02	24	05	39	05	01	38	51	06	29	41	01	02	27	32	49
11	02	25	02	54	05	13	44	49	06	29	49	25	02	29	40	18
12	02	26	00	07	05	25	40	26	06	29	58	33	03	01	46	32
13	02	26	57	21	06	07	31	02	07	00	08	25	03	03	51	22
14	02	27	54	36	06	19	22	22	07	00	18	58	03	05	54	41
15	02	28	51	50	07	01	19	11	07	00	30	15	03	07	56	22
16	02	29	49	05	07	13	25	25	07	00	42	14	03	09	56	24
17	03	00	46	21	07	25	45	44	07	00	54	54	03	11	54	40
18	03	01	43	38	08	08	20	34	07	01	08	13	03	13	51	11
19	03	02	40	54	08	21	10	57	07	01	22	13	03	15	45	52
20	03	03	38	10	09	04	16	36	07	01	36	52	03	17	38	42
21	03	04	35	27	09	17	36	25	07	01	52	08	03	19	29	42
22	03	05	32	45	10	01	08	26	07	02	08	01	03	21	18	49
23	03	06	30	04	10	14	51	12	07	02	24	32	03	23	06	06
24	03	07	27	23	10	28	42	57	07	02	41	40	03	24	51	30
25	03	08	24	42	11	12	42	20	07	02	59	23	03	26	35	04
26	03	09	22	04	11	26	47	58	07	03	17	40	03	28	16	49
27	03	10	19	25	00	10	58	48	07	03	36	31	03	29	56	45
28	03	11	16	46	00	25	12	52	07	03	55	57	04	01	34	52
29	03	12	14	09	01	09	27	35	07	04	15	55	04	03	11	14
30	03	13	11	32	01	23	39	46	07	04	36	25	04	04	45	51
31	03	14	08	56	02	07	45	42	07	04	57	28	04	06	18	43

ग्रह	गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	04	22	55	09	02	22	07	44	07	17	04	25	04	21	52	06
02	04	23	03	20	02	23	21	31	07	17	00	50	04	21	48	56
03	04	23	11	38	02	24	35	18	07	16	57	18	04	21	45	45
04	04	23	20	03	02	25	49	04	07	16	53	50	04	21	42	34
05	04	23	28	35	02	27	02	51	07	16	50	26	04	21	39	23
06	04	23	37	13	02	28	16	39	07	16	47	06	04	21	36	12
07	04	23	45	58	02	29	30	26	07	16	43	50	04	31	33	01
08	04	23	54	49	03	00	44	14	07	16	40	37	04	21	29	51
09	04	24	03	46	03	01	58	02	07	16	37	29	04	21	26	40
10	04	24	12	50	03	03	11	50	07	16	34	25	04	21	23	29
11	04	24	22	00	03	04	25	37	07	16	31	26	04	21	20	18
12	04	24	31	16	03	05	39	26	07	16	28	31	04	21	17	07
13	04	24	40	38	03	06	53	14	07	16	25	40	04	21	13	56
14	04	24	50	05	03	08	07	02	07	16	22	53	04	21	10	46
15	04	24	59	39	03	09	20	50	07	16	20	12	04	21	07	35
16	04	25	09	18	03	10	34	38	07	16	17	35	04	21	04	24
17	04	25	19	03	03	11	48	27	07	16	15	03	04	21	01	13
18	04	25	28	53	03	13	02	17	07	16	12	35	04	20	58	02
19	04	25	38	48	03	14	16	05	07	16	10	12	04	20	54	51
20	04	25	48	49	03	15	29	53	07	16	07	55	04	20	51	41
21	04	25	58	56	03	16	43	41	07	16	05	42	04	20	48	30
22	04	26	09	07	03	17	57	29	07	16	03	35	04	20	45	19
23	04	26	19	23	03	19	11	18	07	16	01	33	04	20	42	08
24	04	26	29	45	03	20	25	06	07	15	59	36	04	20	38	57
25	04	26	40	10	03	21	38	55	07	15	57	45	04	20	35	46
26	04	26	50	42	03	22	52	43	07	15	55	58	04	20	32	35
27	04	27	01	18	03	24	06	30	07	15	54	17	04	20	29	25
28	04	27	11	59	03	25	20	19	07	15	52	40	04	20	26	14
29	04	27	22	44	03	26	34	06	07	15	51	10	04	20	23	03
30	04	27	33	33	03	27	47	53	07	15	49	45	04	20	19	52
31	04	27	44	27	03	29	01	41	07	15	48	26	04	20	16	41

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अगस्त 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.
01	03	15	06	21	02	21	41	26	07	05	19	00	04	07	49	54	04	27	55	25	04	00	15	28	07	15	47	13	04	20	13	30
02	03	16	03	46	03	05	23	47	07	05	41	05	04	09	19	20	04	28	06	29	04	01	29	14	07	15	46	05	04	20	10	20
03	03	17	01	12	03	18	50	04	07	06	03	38	04	10	47	03	04	28	17	35	04	02	43	00	07	15	45	02	04	20	07	09
04	03	17	58	40	04	01	58	52	07	06	26	40	04	12	13	04	04	28	28	45	04	03	56	46	07	15	44	05	04	20	03	58
05	03	18	56	08	04	14	49	47	07	06	50	12	04	13	37	19	04	28	40	01	04	05	10	31	07	15	43	14	04	20	00	47
06	03	19	53	37	04	27	23	39	07	07	14	12	04	14	59	49	04	28	51	19	04	06	24	17	07	15	42	28	04	19	57	36
07	03	20	51	08	05	09	42	04	07	07	38	37	04	16	20	30	04	29	02	41	04	07	38	02	07	15	41	48	04	19	54	25
08	03	21	48	39	05	21	47	31	07	08	03	31	04	17	39	20	04	29	14	08	04	08	51	47	07	15	41	14	04	19	51	14
09	03	22	46	11	06	03	43	41	07	08	28	51	04	18	56	17	04	29	25	38	04	10	05	31	07	15	40	46	04	19	48	04
10	03	23	43	45	06	15	35	05	07	08	54	38	04	20	11	15	04	29	37	11	04	11	19	15	07	15	40	23	04	19	44	53
11	03	24	41	19	06	27	26	39	07	09	20	50	04	21	24	11	04	29	48	48	04	12	32	57	07	15	40	07	04	19	41	42
12	03	25	38	55	07	09	23	59	07	09	47	26	04	22	35	00	05	00	00	29	04	13	46	41	07	15	39	56	04	19	38	31
13	03	26	36	32	07	21	31	59	07	10	14	27	04	23	43	35	05	00	12	12	04	15	00	23	07	15	39	51	04	19	35	20
14	03	27	34	10	08	03	54	57	07	10	41	53	04	24	49	52	05	00	23	59	04	16	14	06	07	15	39	51	04	19	32	09
15	03	28	31	50	08	16	35	52	07	11	09	40	04	25	53	42	05	00	35	50	04	17	27	47	07	15	39	58	04	19	28	59
16	03	29	29	30	08	29	36	33	07	11	37	51	04	26	54	58	05	00	47	44	04	18	41	27	07	15	40	10	04	19	25	48
17	04	00	27	11	09	12	57	21	07	12	06	26	04	27	53	33	05	00	59	40	04	19	55	08	07	15	40	28	04	19	22	37
18	04	01	24	55	09	26	36	50	07	12	35	22	04	28	49	19	05	01	11	40	04	21	08	48	07	15	40	52	04	19	19	26
19	04	02	22	39	10	10	32	42	07	13	04	39	04	29	42	05	05	01	23	42	04	22	22	26	07	15	41	21	04	19	16	15
20	04	03	20	25	10	24	41	49	07	13	34	19	05	00	31	44	05	01	35	47	04	23	36	05	07	15	41	58	04	19	13	04
21	04	04	18	11	11	08	59	59	07	14	04	18	05	01	18	03	05	01	47	55	04	24	49	42	07	15	42	39	04	19	09	53
22	04	05	16	00	11	23	23	14	07	14	34	38	05	02	00	52	05	02	00	06	04	26	03	19	07	15	43	27	04	19	06	43
23	04	06	13	49	00	07	47	24	07	15	05	19	05	02	39	57	05	02	12	19	04	27	16	55	07	15	44	19	04	19	03	32
24	04	07	11	41	00	22	09	02	07	15	36	18	05	03	15	07	05	02	24	35	04	28	30	32	07	15	45	19	04	19	00	21
25	04	08	09	33	01	06	24	38	07	16	07	38	05	03	46	08	05	02	36	53	04	29	44	07	07	15	46	24	04	18	57	10
26	04	09	07	28	01	20	31	26	07	16	39	15	05	04	12	43	05	02	49	14	05	00	57	42	07	15	47	34	04	18	53	59
27	04	10	05	24	02	04	27	21	07	17	11	12	05	04	34	38	05	03	01	37	05	02	11	16	07	15	48	49	04	18	50	48
28	04	11	03	21	02	18	10	42	07	17	43	26	05	04	51	38	05	03	14	02	05	03	24	49	07	15	50	11	04	18	47	38
29	04	12	01	19	03	01	40	26	07	18	15	59	05	05	03	15	05	03	26	30	05	04	38	21	07	15	51	40	04	18	44	27
30	04	12	59	20	03	14	56	13	07	18	48	49	05	05	09	25	05	03	38	59	05	05	51	53	07	15	53	13	04	18	41	16
31	04	13	57	22	03	27	57	52	07	19	21	55	05	05	09	47	05	03	51	31	05	07	05	25	07	15	54	52	04	18	38	05

औदयिक स्पष्ट ग्रह, सितम्बर 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	04	14	55	26	04	10	45	55	07	19	55	19	05	05	04	03	05	04	04	04	05	08	18	55	07	15	56	37	04	18	34	54
02	04	15	53	31	04	23	20	58	07	20	29	00	05	04	52	00	05	04	16	39	05	09	32	24	07	15	58	28	04	18	31	43
03	04	16	51	38	05	05	43	55	07	21	02	56	05	04	33	35	05	04	29	16	05	10	45	53	07	16	00	24	04	18	28	33
04	04	17	49	46	05	17	55	37	07	21	37	08	05	04	08	34	05	04	41	55	05	11	59	21	07	16	02	25	04	18	25	22
05	04	18	47	57	05	29	57	38	07	22	11	37	05	03	37	06	05	04	54	36	05	13	12	49	07	16	04	32	04	18	22	11
06	04	19	46	08	06	11	52	37	07	22	46	20	05	02	59	15	05	05	07	17	05	14	26	14	07	16	06	45	04	18	19	00
07	04	20	44	22	06	23	43	30	07	23	21	18	05	02	15	24	05	05	20	01	05	15	39	41	07	16	09	03	04	18	15	49
08	04	21	42	38	07	05	34	32	07	23	56	30	05	01	26	01	05	05	32	46	05	16	53	06	07	16	11	27	04	18	12	38
09	04	22	40	54	07	17	30	28	07	24	31	58	05	00	31	51	05	05	45	32	05	18	06	29	07	16	13	56	04	18	09	27
10	04	23	39	13	07	29	36	38	07	25	07	39	04	29	33	48	05	05	58	20	05	19	19	53	07	16	16	31	04	18	06	17
11	04	24	37	34	08	11	57	35	07	25	43	33	04	28	32	59	05	06	11	09	05	20	33	16	07	16	19	11	04	18	03	06
12	04	25	35	57	08	24	37	30	07	26	19	43	04	27	30	40	05	06	23	59	05	21	46	37	07	16	21	57	04	17	59	55
13	04	26	34	21	09	07	39	57	07	26	56	05	04	26	28	15	05	06	36	50	05	22	59	58	07	16	24	47	04	17	56	44
14	04	27	32	48	09	21	06	02	07	27	32	40	04	25	27	17	05	06	49	42	05	24	13	19	07	16	27	43	04	17	53	33
15	04	28	31	16	10	04	56	17	07	28	09	29	04	24	29	07	05	07	02	35	05	25	26	38	07	16	30	44	04	17	50	22
16	04	29	29	45	10	19	08	56	07	28	46	28	04	23	35	18	05	07	15	29	05	26	39	57	07	16	33	50	04	17	47	12
17	05	00	28	17	11	03	40	11	07	29	23	42	04	22	47	01	05	07	28	24	05	27	53	14	07	16	37	02	04	17	44	01
18	05	01	26	52	11	18	24	38	08	00	01	07	04	22	05	34	05	07	41	20	05	29	06	32	07	16	40	19	04	17	40	50
19	05	02	25	28	00	03	15	24	08	00	38	44	04	21	31	51	05	07	54	16	06	00	19	49	07	16	43	41	04	17	37	39
20	05	03	24	05	00	18	05	10	08	01	16	33	04	21	06	37	05	08	07	12	06	01	33	04	07	16	47	07	04	17	34	28
21	05	04	22	45	01	02	46	37	08	01	54	34	04	20	50	30	05	08	20	10	06	02	46	18	07	16	50	39	04	17	31	17
22	05	05	21	27	01	17	14	05	08	02	32	46	04	20	43	52	05	08	33	07	06	03	59	32	07	16	54	16	04	17	28	07
23	05	06	20	10	02	01	23	42	08	03	11	08	04	20	46	53	05	08	46	05	06	05	12	44	07	16	57	57	04	17	24	56
24	05	07	18	55	02	15	13	31	08	03	49	42	04	20	59	36	05	08	59	03	06	06	25	57	07	17	01	44	04	17	21	45
25	05	08	17	43	02	28	43	28	08	04	28	26	04	21	21	54	05	09	12	02	06	07	39	08	07	17	05	35	04	17	18	34
26	05	09	16	33	03	11	54	45	08	05	07	20	04	21	53	30	05	09	25	01	06	08	52	18	07	17	09	31	04	17	15	23
27	05	10	15	24	03	24	49	38	08	05	46	25	04	22	34	02	05	09	37	59	06	10	05	28	07	17	13	32	04	17	12	12
28	05	11	14	18	04	07	30	02	08	06	25	41	04	23	23	00	05	09	50	58	06	11	18	37	07	17	17	37	04	17	09	02
29	05	12	13	13	04	19	58	23	08	07	05	05	04	24	19	53	05	10	03	57	06	12	31	43	07	17	21	47	04	17	05	51
30	05	13	12	10	05	02	17	01	08	07	44	40	04	25	24	02	05	10	16	55	06	13	44	51	07	17	26	01	04	17	02	40

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अक्टूबर 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.
01	05	14	11	10	05	14	27	05	08	08	24	24	04	26	34	50	05	10	29	53	06	14	57	57	07	17	30	21	04	16	59	29
02	05	15	10	12	05	26	30	14	08	09	04	18	04	27	51	35	05	10	42	51	06	16	11	02	07	17	34	44	04	16	56	18
03	05	16	09	16	06	08	27	40	08	09	44	20	04	29	13	36	05	10	55	48	06	17	24	05	07	17	39	12	04	16	53	07
04	05	17	08	22	06	20	20	34	08	10	24	31	05	00	40	12	05	11	08	46	06	18	37	08	07	17	43	44	04	16	49	57
05	05	18	07	29	07	02	11	01	08	11	04	51	05	02	10	44	05	11	21	42	06	19	50	10	07	17	48	21	04	16	46	46
06	05	19	06	41	07	14	02	06	08	11	45	20	05	03	44	38	05	11	34	38	06	21	03	13	07	17	53	02	04	16	43	35
07	05	20	05	52	07	25	57	29	08	12	25	58	05	05	21	13	05	11	47	33	06	22	16	12	07	17	57	47	04	16	40	24
08	05	21	05	07	08	08	01	19	08	13	06	44	05	07	00	06	05	12	00	28	06	23	29	11	07	18	02	36	04	16	37	13
09	05	22	04	22	08	20	18	14	08	13	47	37	05	08	40	44	05	12	13	22	06	24	42	09	07	18	07	30	04	16	34	02
10	05	23	03	41	09	02	52	53	08	14	28	39	05	10	22	46	05	12	26	14	06	25	55	05	07	18	12	27	04	16	30	51
11	05	24	03	01	09	15	49	21	08	15	09	48	05	12	05	49	05	12	39	06	06	27	08	01	07	18	17	28	04	16	27	41
12	05	25	02	23	09	29	10	52	08	15	51	05	05	13	49	39	05	12	51	57	06	28	20	56	07	18	22	23	04	16	24	30
13	05	26	01	47	10	12	59	47	08	16	32	30	05	15	33	57	05	13	04	47	06	29	33	49	07	18	27	42	04	16	21	19
14	05	27	01	14	10	27	15	39	08	17	14	03	05	17	18	34	05	13	17	35	07	00	46	42	07	18	32	55	04	16	18	08
15	05	28	00	42	11	11	56	34	08	17	55	41	05	19	03	14	05	13	30	22	07	01	59	32	07	18	38	11	04	16	14	57
16	05	29	00	13	11	26	56	55	08	18	37	28	05	20	47	54	05	13	43	08	07	03	12	21	07	18	43	32	04	16	11	46
17	05	29	59	46	00	12	08	46	08	19	19	21	05	22	32	23	05	13	55	52	07	04	25	09	07	18	48	56	04	16	08	36
18	06	00	59	20	00	27	21	50	08	20	01	21	05	24	16	34	05	14	08	35	07	05	37	57	07	18	54	23	04	16	05	25
19	06	01	58	57	01	12	25	39	08	20	43	28	05	26	00	23	05	14	21	16	07	06	50	43	07	18	57	54	04	16	02	14
20	06	02	58	36	01	27	44	43	08	21	25	40	05	27	43	48	05	14	33	55	07	08	03	26	07	19	05	29	04	15	59	03
21	06	03	58	16	02	11	33	20	08	22	08	00	05	29	26	42	05	14	46	33	07	09	16	08	07	19	11	07	04	15	55	52
22	06	04	57	59	02	25	28	05	08	22	50	25	06	01	09	07	05	14	59	09	07	10	28	50	07	19	16	48	04	15	52	41
23	06	05	57	44	03	08	56	20	08	23	32	57	06	02	50	59	05	15	11	42	07	11	41	29	07	19	22	32	04	15	49	30
24	06	06	57	31	03	22	00	30	08	24	15	35	06	04	32	18	05	15	24	14	07	12	54	07	07	19	28	20	04	15	46	20
25	06	07	57	20	04	04	43	56	08	24	58	18	06	06	13	02	05	15	36	44	07	14	06	44	07	19	34	11	04	15	43	09
26	06	08	57	12	04	17	11	07	08	25	41	08	06	07	53	15	05	15	49	12	07	15	19	18	07	19	40	04	04	15	39	58
27	06	09	57	05	04	29	25	48	08	26	24	02	06	09	32	51	05	16	01	37	07	16	31	50	07	19	46	01	04	15	36	47
28	06	10	56	59	05	11	31	26	08	27	07	02	06	11	11	58	05	16	14	00	07	17	44	21	07	19	52	01	04	15	33	36
29	06	11	56	56	05	23	30	57	08	27	50	08	06	12	50	30	05	16	26	20	07	18	56	49	07	19	58	05	04	15	30	25
30	06	12	56	55	06	05	26	32	08	28	33	18	06	14	28	34	05	16	38	38	07	20	09	16	07	20	04	10	04	15	27	14
31	06	13	56	55	06	17	19	47	08	29	16	34	06	16	06	07	05	16	50	54	07	21	21	40	07	20	10	18	04	15	24	03

औदयिक स्पष्ट ग्रह, नवम्बर 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	06	14	56	58	06	29	11	56	08	29	59	55	06	17	43	11	05	17	03	06	07	22	34	02	07	20	16	29	04	15	20	53
02	06	15	57	02	07	11	04	10	09	00	43	20	06	19	19	47	05	17	15	16	07	23	46	22	07	20	22	42	04	15	17	42
03	06	16	57	09	07	22	58	22	09	01	26	51	06	20	55	57	05	17	27	22	07	24	58	39	07	20	28	59	04	15	14	31
04	06	17	57	17	08	04	56	34	09	02	10	24	06	22	31	41	05	17	39	26	07	26	10	55	07	20	35	18	04	15	11	20
05	06	18	57	26	08	17	01	54	09	02	54	04	06	24	07	02	05	17	51	28	07	27	23	07	07	20	41	39	04	15	08	09
06	06	19	57	38	08	29	17	57	09	03	37	47	06	25	41	59	05	18	03	25	07	28	35	17	07	20	48	03	04	15	04	58
07	06	20	57	52	09	11	48	33	09	04	21	35	06	27	16	33	05	18	15	20	07	29	47	25	07	20	54	29	04	15	01	47
08	06	21	58	07	09	24	38	07	09	05	05	27	06	28	50	47	05	18	27	11	08	00	59	28	07	21	00	57	04	14	58	36
09	06	22	58	24	10	07	50	30	09	05	49	23	07	00	24	39	05	18	38	58	08	02	11	30	07	21	07	28	04	14	55	26
10	06	23	58	44	10	21	29	20	09	06	33	23	07	01	58	15	05	18	50	43	08	03	23	29	07	21	14	00	04	14	52	15
11	06	24	59	05	11	05	36	14	09	07	17	26	07	03	31	30	05	19	02	23	08	04	35	24	07	21	20	35	04	14	49	04
12	06	25	59	28	11	20	11	07	09	08	01	34	07	05	04	28	05	19	14	01	08	05	47	17	07	21	27	12	04	14	45	53
13	06	26	59	53	00	05	10	21	09	08	45	45	07	06	37	07	05	19	25	34	08	06	59	06	07	21	33	50	04	14	42	42
14	06	28	00	18	00	20	26	20	09	09	29	59	07	08	09	29	05	19	37	03	08	08	10	51	07	21	40	30	04	14	39	31
15	06	29	00	45	01	05	49	05	09	10	14	17	07	09	41	33	05	19	48	29	08	09	22	32	07	21	47	12	04	14	36	20
16	07	00	01	14	01	21	06	22	09	10	58	38	07	11	13	21	05	19	59	50	08	10	34	11	07	21	53	57	04	14	33	09
17	07	01	01	45	02	06	07	05	09	11	43	02	07	12	44	54	05	20	11	07	08	11	45	45	07	22	00	43	04	14	29	59
18	07	02	02	17	02	20	42	46	09	12	27	30	07	14	16	08	05	20	22	19	08	12	57	15	07	22	07	30	04	14	26	48
19	07	03	02	51	03	04	48	40	09	13	12	00	07	15	47	07	05	20	33	28	08	14	08	41	07	22	14	19	04	14	23	37
20	07	04	03	27	03	18	24	24	09	13	56	33	07	17	17	50	05	20	44	32	08	15	20	03	07	22	21	09	04	14	20	26
21	07	05	04	04	04	01	31	35	09	14	41	10	07	18	48	17	05	20	55	31	08	16	31	21	07	22	28	00	04	14	17	15
22	07	06	04	42	04	14	14	27	09	15	25	48	07	20	18	25	05	21	06	26	08	17	42	34	07	22	34	53	04	14	14	04
23	07	07	05	22	04	26	37	54	09	16	10	29	07	21	48	14	05	21	17	16	08	18	53	41	07	22	41	48	04	14	10	53
24	07	08	06	03	05	08	46	39	09	16	55	13	07	23	17	43	05	21	28	02	08	20	04	45	07	22	48	43	04	14	07	42
25	07	09	06	45	05	20	45	30	09	17	39	59	07	24	46	48	05	21	38	42	08	21	15	43	07	22	55	39	04	14	04	32
26	07	10	07	29	06	02	38	50	09	18	24	47	07	26	15	28	05	21	49	17	08	22	26	37	07	23	02	37	04	14	01	21
27	07	11	08	14	06	14	29	52	09	19	09	38	07	27	43	37	05	21	59	47	08	23	37	25	07	23	09	36	04	13	58	10
28	07	12	09	00	06	26	21	13	09	19	54	30	07	29	11	12	05	22	10	12	08	24	48	06	07	23	16	35	04	13	54	59
29	07	13	09	48	07	08	14	38	09	20	39	25	08	00	38	06	05	22	20	31	08	25	58	43	07	23	23	36	04	13	51	48
30	07	14	10	39	07	20	11	37	09	21	24	23	08	02	04	17	05	22	30	45	08	27	09	15	07	23	30	37	04	13	48	37

औदयिक स्पष्ट ग्रह, दिसम्बर 2016

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.
01	07	15	11	29	08	02	12	45	09	22	09	22	08	03	29	34	05	22	40	54	08	28	19	40	07	23	37	39	04	13	45	26
02	07	16	12	20	08	14	19	10	09	22	54	22	08	04	53	48	05	22	50	56	08	29	29	58	07	23	44	41	04	13	42	15
03	07	17	13	12	08	26	32	51	09	23	39	24	08	06	16	50	05	23	00	53	09	00	40	10	07	23	51	44	04	13	39	05
04	07	18	14	06	09	08	55	14	09	24	24	28	08	07	38	28	05	23	10	44	09	01	50	15	07	23	58	48	04	13	35	54
05	07	19	15	01	09	21	29	25	09	25	09	33	08	08	58	28	05	23	20	29	09	03	00	13	07	24	05	52	04	13	32	43
06	07	20	15	56	10	04	18	33	09	25	54	39	08	10	16	34	05	23	30	09	09	04	10	05	07	24	12	56	04	13	29	32
07	07	21	16	52	10	17	26	10	09	26	39	47	08	11	32	30	05	23	39	41	09	05	19	49	07	24	20	02	04	13	26	21
08	07	22	17	50	11	00	55	36	09	27	24	57	08	12	45	54	05	23	49	07	09	06	29	25	07	24	27	07	04	13	23	10
09	07	23	18	49	11	14	49	34	09	28	10	07	08	13	56	23	05	23	58	27	09	07	38	53	07	24	34	12	04	13	19	59
10	07	24	19	48	11	29	09	03	09	28	55	19	08	15	03	34	05	24	07	42	09	08	48	14	07	24	41	17	04	13	16	48
11	07	25	20	49	00	13	52	18	09	29	40	32	08	16	06	57	05	24	16	48	09	09	57	26	07	24	48	22	04	13	13	38
12	07	26	21	49	00	28	54	19	10	00	25	45	08	17	06	00	05	24	25	49	09	11	06	30	07	24	55	27	04	13	10	27
13	07	27	22	52	01	14	06	44	10	01	11	00	08	18	00	09	05	24	34	42	09	12	15	25	07	25	02	32	04	13	07	16
14	07	28	23	54	01	29	18	35	10	01	56	15	08	18	48	42	05	24	43	28	09	13	24	10	07	25	09	37	04	13	04	05
15	07	29	24	58	02	14	19	00	10	02	41	31	08	19	31	00	05	24	52	08	09	14	32	47	07	25	16	42	04	13	00	54
16	08	00	26	02	02	28	58	48	10	03	26	48	08	20	06	13	05	25	00	40	09	15	41	14	07	25	23	46	04	12	57	43
17	08	01	27	07	03	13	11	53	10	04	12	05	08	20	33	35	05	25	09	05	09	16	49	31	07	25	30	51	04	12	54	32
18	08	02	28	12	03	26	55	30	10	04	57	23	08	20	52	11	05	25	17	23	09	17	57	38	07	25	37	54	04	12	51	22
19	08	03	29	19	04	10	10	27	10	05	42	42	08	21	01	14	05	25	25	33	09	19	05	34	07	25	44	57	04	12	48	11
20	08	04	30	25	04	22	59	22	10	06	28	01	08	20	59	53	05	25	33	36	09	20	13	19	07	25	51	59	04	12	45	00
21	08	05	31	31	05	05	26	23	10	07	13	19	08	20	47	29	05	25	41	30	09	21	20	53	07	25	59	01	04	12	41	49
22	08	06	32	40	05	17	36	29	10	07	58	39	08	20	23	34	05	25	49	17	09	22	28	16	07	26	06	02	04	12	38	38
23	08	07	33	47	05	29	34	40	10	08	43	58	08	19	47	54	05	25	56	56	09	23	35	25	07	26	13	02	04	12	35	27
24	08	08	34	55	06	11	26	23	10	09	29	17	08	19	00	49	05	26	04	27	09	24	42	23	07	26	20	01	04	12	32	17
25	08	09	36	03	06	23	15	56	10	10	14	37	08	18	03	00	05	26	11	50	09	25	49	09	07	26	26	59	04	12	29	06
26	08	10	37	12	07	05	07	18	10	10	59	57	08	16	55	41	05	26	19	05	09	26	55	41	07	26	33	57	04	12	25	55
27	08	11	38	21	07	17	03	33	10	11	45	16	08	15	40	41	05	26	26	11	09	28	01	59	07	26	40	53	04	12	22	44
28	08	12	39	30	07	29	06	26	10	12	30	36	08	14	20	25	05	26	33	09	09	29	08	04	07	26	47	48	04	12	19	33
29	08	13	40	39	08	11	17	09	10	13	15	55	08	12	57	25	05	26	39	58	10	00	13	53	07	26	54	42	04	12	16	22
30	08	14	41	49	08	23	36	34	10	14	01	13	08	11	34	36	05	26	46	39	10	01	19	28	07	27	01	34	04	12	13	12
31	08	15	42	59	09	06	04	32	10	14	46	32	08	10	14	42	05	26	53	11	10	02	24	48	07	27	08	25	04	12	10	01

औदयिक स्पष्ट ग्रह जनवरी 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	08	16	44	08	09	18	42	09	10	15	31	50	08	09	00	07
02	08	17	45	18	10	01	30	10	10	16	17	08	08	07	52	59
03	08	18	46	28	10	14	30	29	10	17	02	25	08	06	54	42
04	08	19	47	37	10	27	44	30	10	17	47	42	08	06	06	17
05	08	20	48	48	11	11	14	30	10	18	32	58	08	05	28	14
06	08	21	49	58	11	25	02	23	10	19	18	13	08	05	00	40
07	08	22	51	07	00	09	08	30	10	20	03	28	08	04	43	16
08	08	23	52	16	00	23	32	19	10	20	48	42	08	04	35	43
09	08	24	53	25	01	08	10	36	10	21	33	55	08	04	37	23
10	08	25	54	34	01	22	57	29	10	22	19	08	08	04	47	34
11	08	26	55	41	02	07	45	48	10	23	04	18	08	05	05	36
12	08	27	56	50	02	22	27	16	10	23	49	29	08	05	30	49
13	08	28	57	57	03	06	54	22	10	24	34	39	08	06	02	31
14	08	29	59	04	03	21	00	57	10	25	19	47	08	06	40	02
15	09	01	00	10	04	04	43	55	10	26	04	54	08	07	22	48
16	09	02	01	17	04	18	02	04	10	26	50	00	08	08	10	17
17	09	03	02	22	05	00	56	11	10	27	35	05	08	09	01	57
18	09	04	03	27	05	13	28	46	10	28	20	08	08	09	57	22
19	09	05	04	31	05	25	43	25	10	29	05	10	08	10	56	09
20	09	06	05	35	06	07	44	49	10	29	50	11	08	11	57	55
21	09	07	06	38	06	19	37	49	11	00	35	11	08	13	02	23
22	09	08	07	41	07	01	27	45	11	01	20	10	08	14	09	15
23	09	09	08	42	07	13	19	53	11	02	05	06	08	15	18	16
24	09	10	09	44	07	25	18	04	11	02	50	01	08	16	29	17
25	09	11	10	44	08	07	25	51	11	03	34	55	08	17	42	04
26	09	12	11	43	08	19	45	19	11	04	19	47	08	18	56	27
27	09	13	12	41	09	02	17	24	11	05	04	38	08	20	12	21
28	09	14	13	38	09	15	02	31	11	05	49	27	08	21	29	37
29	09	15	14	34	09	28	02	22	11	06	34	13	08	22	48	09
30	09	16	15	30	10	11	10	46	11	07	18	59	08	24	07	56
31	09	17	16	24	10	24	32	59	11	08	03	43	08	25	28	50

ग्रह	गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	05	26	59	34	10	03	29	52	07	27	15	15	04	12	06	50
02	05	27	05	48	10	04	34	39	07	27	22	04	04	12	03	39
03	05	27	11	53	10	05	39	10	07	27	28	50	04	12	00	28
04	05	27	17	49	10	06	43	22	07	27	35	35	04	11	57	18
05	05	27	23	35	10	07	47	18	07	27	42	18	04	11	54	07
06	05	27	29	12	10	08	50	54	07	27	49	00	04	11	50	56
07	05	27	34	40	10	09	54	10	07	27	55	40	04	11	47	45
08	05	27	39	58	10	10	57	08	07	28	02	18	04	11	44	34
09	05	27	45	06	10	11	59	44	07	28	08	53	04	11	41	24
10	05	27	50	05	10	13	01	58	07	28	15	27	04	11	38	13
11	05	27	54	54	10	14	03	50	07	28	21	58	04	11	35	02
12	05	27	59	32	10	15	05	20	07	28	28	28	04	11	31	51
13	05	28	04	01	10	16	06	26	07	28	34	55	04	11	28	41
14	05	28	08	20	10	17	07	07	07	28	41	19	04	11	25	30
15	05	28	12	29	10	18	07	23	07	28	47	42	04	11	22	19
16	05	28	16	27	10	19	07	13	07	28	54	02	04	11	19	22
17	05	28	20	14	10	20	06	35	07	29	00	19	04	11	15	58
18	05	28	23	51	10	21	05	29	07	29	06	34	04	11	12	47
19	05	28	27	18	10	22	03	54	07	29	12	46	04	11	09	36
20	05	28	30	35	10	23	01	48	07	29	18	55	04	11	06	25
21	05	28	33	40	10	23	59	12	07	29	25	02	04	11	03	15
22	05	28	36	34	10	24	56	02	07	29	31	06	04	11	00	04
23	05	28	39	18	10	25	52	18	07	29	37	06	04	10	56	53
24	05	28	41	51	10	26	48	01	07	29	43	04	04	10	53	42
25	05	28	44	13	10	27	43	05	07	29	48	59	04	10	50	32
26	05	28	46	25	10	28	37	31	07	29	54	51	04	10	47	21
27	05	28	48	24	10	29	31	20	08	00	00	38	04	10	44	10
28	05	28	50	12	11	00	24	25	08	00	06	23	04	10	41	00
29	05	28	51	50	11	01	16	49	08	00	12	05	04	10	37	49
30	05	28	53	16	11	02	08	29	08	00	17	43	04	10	34	38
31	05	28	54	31	11	02	59	22	08	00	23	18	04	10	31	27

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
01	09	18	17	17	11	08	06	42	11	08	48	25	08	26	50	50	05	28	55	35	11	03	49	28	08	00	28	50	04	10	28	17
02	09	19	18	09	11	21	51	43	11	09	33	05	08	28	13	52	05	28	56	28	11	04	38	45	08	00	34	17	04	10	25	06
03	09	20	19	01	00	05	47	01	11	10	17	43	08	29	37	56	05	28	57	09	11	05	27	09	08	00	39	41	04	10	21	55
04	09	21	19	50	00	19	51	47	11	11	02	19	09	01	02	58	05	28	57	39	11	06	14	40	08	00	45	02	04	10	18	45
05	09	22	20	38	01	04	04	16	11	11	46	54	09	02	28	57	05	28	57	57	11	07	01	14	08	00	50	19	04	10	15	34
06	09	23	21	26	01	18	22	15	11	12	31	27	09	03	55	54	05	28	58	03	11	07	46	51	08	00	55	31	04	10	12	23
07	09	24	22	12	02	02	42	01	11	13	15	58	09	05	23	45	05	28	58	00	11	08	31	26	08	01	00	39	04	10	09	13
08	09	25	22	57	02	16	59	43	11	14	00	26	09	06	52	33	05	28	57	44	11	09	15	01	08	01	05	45	04	10	06	02
09	09	26	23	40	03	01	10	56	11	14	44	53	09	08	22	12	05	28	57	17	11	09	57	27	08	01	10	45	04	10	02	51
10	09	27	24	23	03	15	11	26	11	15	29	17	09	09	52	44	05	28	56	38	11	10	38	46	08	01	15	42	04	09	59	40
11	09	28	25	05	03	28	57	34	11	16	13	40	09	11	24	10	05	28	55	47	11	11	18	54	08	01	20	35	04	09	56	30
12	09	29	25	44	04	12	26	51	11	16	58	01	09	12	56	27	05	28	54	46	11	11	57	48	08	01	25	23	04	09	53	19
13	10	00	26	22	04	25	37	33	11	17	42	19	09	14	29	38	05	28	53	33	11	12	35	26	08	01	30	07	04	09	50	08
14	10	01	26	59	05	08	29	28	11	18	26	35	09	16	03	38	05	28	52	09	11	12	11	42	08	01	34	48	04	09	46	58
15	10	02	27	34	05	21	03	04	11	19	10	50	09	17	38	31	05	28	50	35	11	13	46	35	08	01	39	23	04	09	43	47
16	10	03	28	08	06	03	20	32	11	19	55	02	09	19	14	18	05	28	48	47	11	14	20	02	08	01	43	54	04	09	40	37
17	10	04	28	40	06	15	24	42	11	20	39	11	09	20	50	56	05	28	46	49	11	14	51	59	08	01	48	20	04	09	37	26
18	10	05	29	11	06	27	19	49	11	21	23	19	09	22	28	29	05	28	44	41	11	15	22	21	08	01	52	42	04	09	34	15
19	10	06	29	39	07	09	10	51	11	22	07	23	09	24	06	55	05	28	42	20	11	15	51	05	08	01	56	59	04	09	31	05
20	10	07	30	07	07	21	02	46	11	22	51	27	09	25	46	17	05	28	39	49	11	16	18	11	08	02	01	12	04	09	27	54
21	10	08	30	32	08	03	01	00	11	23	35	27	09	27	26	34	05	28	37	08	11	16	43	30	08	02	05	20	04	09	24	43
22	10	09	30	57	08	15	10	05	11	24	19	26	09	29	07	51	05	28	34	15	11	17	07	02	08	02	09	23	04	09	21	33
23	10	10	31	20	08	27	33	24	11	25	03	22	10	00	50	04	05	28	31	11	11	17	28	39	08	02	13	22	04	09	18	22
24	10	11	31	41	09	10	13	30	11	25	47	16	10	02	33	16	05	28	27	57	11	17	48	19	08	02	17	16	04	09	15	11
25	10	12	31	59	09	23	11	36	11	26	31	07	10	04	17	28	05	28	24	32	11	18	05	59	08	02	21	04	04	09	12	01
26	10	13	32	17	10	06	27	59	11	27	14	56	10	06	02	42	05	28	20	57	11	18	21	33	08	02	24	48	04	09	08	50
27	10	14	32	33	10	20	01	46	11	27	58	43	10	07	48	56	05	28	17	11	11	18	35	03	08	02	28	27	04	09	05	39
28	10	15	32	47	11	03	51	00	11	28	42	27	10	09	36	16	05	28	13	16	11	18	46	19	08	02	32	01	04	09	02	29

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2017

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.
01	10	16	33	00	11	17	53	00	11	29	26	09	10	11	24	37	05	28	09	10	11	18	55	19	08	02	35	29	04	08	59	18
02	10	17	33	11	00	02	04	08	00	00	09	49	10	13	14	01	05	28	04	53	11	19	01	59	08	02	38	52	04	08	56	07
03	10	18	33	19	00	16	20	40	00	00	53	26	10	15	04	28	05	28	00	29	11	19	06	13	08	02	42	11	04	08	52	57
04	10	19	33	26	01	00	38	27	00	01	37	00	10	16	55	56	05	27	55	53	11	19	08	04	08	02	45	23	04	08	49	46
05	10	20	33	31	01	14	54	08	00	02	20	32	10	18	48	24	05	27	51	08	11	19	07	26	08	02	48	31	04	08	46	36
06	10	21	33	33	01	29	04	18	00	03	04	02	10	20	41	48	05	27	46	15	11	19	04	20	08	02	51	34	04	08	43	25
07	10	22	33	35	02	13	06	49	00	03	47	29	10	22	36	08	05	27	41	12	11	18	58	42	08	02	54	31	04	08	40	14
08	10	23	33	34	02	27	00	00	00	04	30	53	10	24	31	18	05	27	36	00	11	18	50	26	08	02	57	22	04	08	37	04
09	10	24	33	32	03	10	42	28	00	05	14	16	10	26	27	15	05	27	30	39	11	18	39	44	08	03	00	08	04	08	33	53
10	10	25	33	27	03	24	13	43	00	05	57	35	10	28	23	53	05	27	25	09	11	18	26	27	08	03	02	49	04	08	30	42
11	10	26	33	21	04	07	33	09	00	06	40	53	11	00	21	06	05	27	19	32	11	18	10	41	08	03	05	23	04	08	27	32
12	10	27	33	12	04	20	39	58	00	07	24	07	11	02	18	48	05	27	13	47	11	17	52	20	08	03	07	53	04	08	24	21
13	10	28	33	02	05	03	33	55	00	08	07	19	11	04	16	51	05	27	07	53	11	17	31	45	08	03	10	17	04	08	21	11
14	10	29	32	49	05	16	14	37	00	08	50	29	11	06	15	04	05	27	01	52	11	17	08	34	08	03	12	35	04	08	18	00
15	11	00	32	35	05	28	42	11	00	09	33	36	11	08	13	17	05	26	55	43	11	16	43	18	08	03	14	49	04	08	14	49
16	11	01	32	19	06	10	57	10	00	10	16	40	11	10	11	19	05	26	49	27	11	16	15	56	08	03	16	56	04	08	11	39
17	11	02	32	01	06	23	01	10	00	10	59	43	11	12	08	53	05	26	43	04	11	15	46	31	08	03	18	57	04	08	08	28
18	11	03	31	41	07	04	56	55	00	11	42	42	11	14	05	41	05	26	36	35	11	15	15	16	08	03	20	52	04	08	05	17
19	11	04	31	19	07	16	48	02	00	12	25	39	11	16	01	27	05	26	29	58	11	14	42	23	08	03	22	42	04	08	02	07
20	11	05	30	55	07	28	39	15	00	13	08	33	11	17	55	48	05	26	23	16	11	14	07	54	08	03	24	26	04	07	58	56
21	11	06	30	29	08	10	35	39	00	13	51	25	11	19	48	20	05	26	16	29	11	13	32	13	08	03	26	04	04	07	55	46
22	11	07	30	00	08	22	42	28	00	14	34	14	11	21	38	38	05	26	09	34	11	12	55	36	08	03	27	36	04	07	52	35
23	11	08	29	30	09	05	04	18	00	15	17	00	11	23	26	16	05	26	02	36	11	12	18	03	08	03	29	03	04	07	49	24
24	11	09	28	58	09	17	44	57	00	15	59	45	11	25	10	46	05	25	55	32	11	11	40	02	08	03	30	23	04	07	46	14
25	11	10	28	24	10	00	47	49	00	16	42	26	11	26	51	40	05	25	48	24	11	11	01	48	08	03	31	38	04	07	43	03
26	11	11	27	47	10	14	14	01	00	17	25	05	11	28	28	30	05	25	41	09	11	10	23	24	08	03	32	47	04	07	39	53
27	11	12	27	08	10	28	03	42	00	18	07	41	00	00	00	48	05	25	33	53	11	09	45	17	08	03	33	50	04	07	36	42
28	11	13	26	29	11	12	15	11	00	18	50	15	00	01	28	11	05	25	26	31	11	09	07	45	08	03	34	47	04	07	33	31
29	11	14	25	46	11	26	43	57	00	19	32	46	00	02	50	15	05	25	19	06	11	08	30	51	08	03	35	38	04	07	30	21
30	11	15	25	01	00	11	24	09	00	20	15	14	00	04	06	36	05	25	11	39	11	07	55	00	08	03	36	23	04	07	27	10
31	11	16	24	19	00	26	05	08	00	20	57	45	00	05	22	59	05	25	04	12	11	07	19	07	08	03	37	08	04	07	23	59

ग्रहों का उदयास्त विचार

मंगलग्रह का उदयास्त

मंगल वर्ष भर उदित रहेगा।

बुध ग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
30:04:2016	शनि	15:40	पूर्व में अस्त
18:05:2016	बुध	15:59	पश्चिम में उदय
25:06:2016	शनि	28:07	पूर्व में अस्त
18:07:2016	सौम	27:34	पश्चिम में उदय
06:09:2016	भौम	09:12	पश्चिम में अस्त
20:09:2016	भौम	19:52	पूर्व में उदय
09:10:2016	रवि	19:40	पूर्व में अस्त
19:11:2016	शनि	19:24	पश्चिम में उदय
22:12:2016	गुरु	19:49	पश्चिम में अस्त
03:01:2017	भौम	22:17	पूर्व में उदय
18:02:2017	शनि	07:26	पूर्व में अस्त
20:03:2017	सोम	22:23	पश्चिम में उदय

गुरुग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
12:09:2016	सोम	19:10	पश्चिम में अस्त
09:10:2016	रवि	07:10	पूर्व में उदय

शुक्रग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
29:04:2016	शुक्र	17:01	पूर्व में अस्त
08:07:2016	शुक्र	19:25	पश्चिम में उदय
23:03:2017	गुरु	28:03	पश्चिम में अस्त
27:03:2017	सोम	21:05	पूर्व में उदय

शनिग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
23:11:2016	बुध	23:11	पश्चिम में अस्त
27:12:2016	भौम	08:23	पूर्व में उदय

अगस्त्य का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	स्थिति
25:04:2016	सोम	18:22	अस्त
29:08:2016	सोम	15:00	उदय

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

मंगलग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
17:04:2016	रवि	29:15	वक्री
30:06:2016	गुरु	13:43	मार्गी

बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
24:04:2016	रवि	16:32	वक्री
23:05:2016	सौम	08:53	मार्गी
31:08:2016	बुध	07:06	वक्री
22:09:2016	गुरु	22:26	मार्गी
19:12:2016	सोम	28:50	वक्री
08:01:2017	रवि	28:14	मागी

ग्रहों का मार्गत्व वक्रत्व

गुरुग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
09:05:2016	सोम	26:48	मार्गी
06:02:2017	सोम	23:30	वक्री

शुक्रग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
04:03:2017	शनि	25:03	वक्री

शनिग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
13:08:2016	शनि	26:06	मार्गी

अक्षांश, रेखांश, स्टैंडर्ड अन्तरादि सारणी

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अजमेर	26।27	74।42	-31	उधमपुर(पंजाब)	32।56	74।43	-31
अयोध्या	26।48	82।14	-01	औरंगाबाद, (महाराष्ट्र)	19।53	75।23	-28
अम्बाला	30।21	76।52	-23	औरंगाबाद(बिहार)	24।45	84।25	+08
अमृतसर	31।37	74।55	-31	कटक	20।28	85।54	+14
अहमदपुर	29।17	71।35	-44	कराची(पाकिस्तान)	24।51	67।04	-32
अलमोड़ा	29।37	79।40	-11	कन्नौज	27।03	79।58	-10
अखनूर	32।54	74।35	-32	करनाल	29।42	77।02	-22
अलीगढ	27।54	78।06	-18	कलकत्ता	22।34	88।24	+24
अमेठी	26।07	81।47	-03	कपूरथला	31।23	75।25	-28
अगरतला	23।49	91।17	+35	कल्याण(महाराष्ट्र)	19।17	73।11	-37
अहमदनगर	19।05	74।48	-31	कोयम्बटूर	11।00	77।00	-22

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अहमदाबाद	23।02	72।38	–39	कालका	30।50	76।56	–22
आबू	24।40	72।45	–39	काशी–वाराणसी	25।20	83।00	+02
आगरा	27।10	78।05	–18	काठमांडु,नेपाल	27।42	85।12	+11
आजमगढ	26।03	83।13	+03	कानपुर	26।28	80।24	–08
इटावा	26।47	79।02	–14	कांचीपुरम्,तमि.	12।51	79।53	–11
इन्दौर	22।45	75।50	–27	कांगडा	32।09	76।18	–25
इम्फाल	24।54	93।54	+46	किश्तवाड़ा,जम्मू	33।12	75।48	–27
उदयपुर(राज)	24।37	73।42	–35	कुरूक्षेत्र	29।58	76।48	–23
उज्जैन	23।09	75।43	–27	कन्याकुमारी	08।06	77।34	–20
उन्नाव	26।48	80।43	–07	कोल्हापुर	16।42	74।16	–33
कोटा(राज.)	25।10	75।52	–27	जम्मू	3244	74।54	–30
कोच्चीन	09।58	76।17	–25	जसवन्तनगर	2651	78।55	–14
खम्भात	22।19	72।36	–40	जामनगर	2227	70।07	–50
गुड़गांव	28।27	77।04	–22	जालन्धर	3119	75।18	–29
गुलबर्गा	17।22	76।47	–23	जूनागढ (गुज.)	2131	70।36	–48
गुन्टूर	16।20	80।27	–08	जैसलमेर	2655	70।57	–46
गयाजी	24।49	85।01	+10	जौनपुर	2542	82।44	+01
ग्वालियर	26।14	78।10	–17	जोधपुर	2619	73।04	–38

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
गाजीपुर	25।34	83।35	+04	झांसी	2537	78।37	-16
गिलगिल	35।54	74।22	-33	झालरापाटन	2432	76।12	-25
गोरखपुर	26।45	83।27	+04	ट्रावनकोर	0900	77।00	-22
गोंडा	27।28	82।01	-02	टुण्डला जं	2713	78।13	-17
गोवा	15।30	73।57	-34	टाटानगर	2909	80।10	-09
गोहाटी	26।11	91।45	+37	टोंक (राज.)	2611	75।50	-27
गोकर्ण	14।33	74।18	-33	डलहौजी	3230	75।54	-27
चम्बा	32।34	76।10	-25	डिबरूगढ	2729	94।56	+50
चंडीगढ	30।40	76।52	-22	ढाका(बांग्ला.)	2343	90।26	+32
चिकमंगलूर	13।20	75।46	-27	त्रिचूर	1032	76।14	-25
चित्तौड़गढ	24।54	74।42	-31	त्रिवेन्द्रम्	0830	76।54	-22
चित्रकूट	25।15	80।28	-08	दरभंगा	2610	85।57	+14
चेरापूंजी	25।17	91।47	-37	दाहोद(गुज.)	2250	74।15	-33
छपरा	24।47	84।31	+09	दार्जिलिंग	2706	88।18	+23
छतरपुर	24।54	79।38	-11	द्वारकाधाम	2212	69।01	-54
जलगांव	21।01	75।39	-29	दिल्ली	28।38	77।12	-21
जगन्नाथपुरी	19।46	85।48	+13	देहरादून	30।20	78।04	-18
जमशेदपुर	22।50	86।10	+15	दौलताबाद	19।57	75।12	-29

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
जलपाईगुडी	26।32	88।46	+25	धर्मशाला	32।16	76।23	-24
जबलपुर	23।10	80।01	-10	धारवाड़	15।26	75।00	-30
जयपुर	26।56	75।52	-27	धार (म.प्र)	22।36	75।12	-29
धूलिया	20।58	74।42	-31	फतेहपुर(उ.प्र.)	25।55	80।52	-06
नसीराबाद	26।08	74।46	-31	फतेहपुर(राज.)	27।52	75।02	-30
नड़ियाद,गुज.	22।41	72।55	-38	फिरोजपुर	30।56	74।40	-31
नासिक	20।02	73।50	-35	फैजाबाद	26।47	82।12	-01
नागपुर	21।09	79।09	-13	बड़ौदा (गुज.)	22।16	73।12	-37
नाथद्वारा	24।56	73।52	-35	बद्रीनाथ	30।44	79।32	-12
नीमच	24।27	74।52	-31	बरेली	28।22	79।27	-12
पटियाला	30।22	76।25	-24	बेलगांव	15।54	74।36	-32
पटना(बिहा.)	25।37	85।13	+11	बेलूर-कर्नाटक	13।08	75।51	-27
पठानकोट	32।15	75।42	-27	बांदा(उ.प्र.)	25।28	80।20	-09
प्रयागराज	25।24	81।54	-03	बांसवाड़ा	23।30	74।24	-32
पालीतादाा	21।30	71।40	-43	बिलासपुर(म.प्र.	22।05	82।13	-01
पानीपत	29।23	77।01	-21	बिलासपुर(हि.प्र	31।19	76।50	-23
पांडीचेरी	11।56	79।53	-10	बीजापुर	16।50	75।47	-27
पीलीभीत	28।40	79।50	-11	बीकानेर	28।01	73।22	-37

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
पुरुलिया,बिहा.	23।20	86।25	+16	बूंदी(राज.)	25।27	75।41	-27
पूना	18।19	73।55	-34	बुलन्दशहर	28।24	77।54	-18
पोरबन्दर	21।37	69।49	-51	बंगलौर	12।58	77।38	-19
फरीदकोट	30।40	74।57	-30	भिवानीहरि.	28।48	76।08	-36
फरीदाबाद	28।26	77।19	-21	भिवण्डी	19।15	73।05	-38
फर्रूखाबाद	27।24	79।37	-12	भुसावल	21।02	75।47	-27
भरतपुर	27।15	77।30	-20	रतलाम	23।21	75।07	-30
भटिण्डा	30।11	75।00	-30	रायचूर	16।15	77।20	-21
भड़ोच	21।41	73।00	-38	राजकोट	22।18	70।59	-46
भावनगर	21।46	72।11	-41	रायगढ	21।58	83।26	-04
भागलपुर	25।13	86।59	+18	रायबरेली	26।15	81।16	-05
भुवनेश्वर	20।28	85।54	+14	रामेश्वरम्	09।17	79।22	-13
भूटान	27।30	90।00	+30	रायपुर(छ.ग.)	21।15	81।41	-03
महेन्द्रगढ़ हरि.	28।17	76।09	-25	रांची	23।40	85।34	+12
भोपाल	23।16	77।36	-20	रायपुर(उ.प्र.)	28।48	75।05	-14
मदुराई	09।55	78।07	-18	रीवा	24।32	81।19	-05
मेहसाणा	23।42	72।37	-40	रेवाड़ी-जंक्शन	28।12	76।40	-23
मणीपुरस्टेट	24।44	93।58	+46	रोहतक	28।54	76।38	-23

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
मण्डी(हि.प्र.)	31।40	76।58	-22	रंगून(बर्मा)	16।50	96।13	+55
मद्रास	13।04	80।17	-09	लद्दाख	33।00	78।48	-15
मथुरा	27।28	77।41	-19	लखनऊ	26।55	80।59	-06
मालेगांव	20।31	74।30	-32	ललितपुर	24।22	78।28	-16
मिर्जापुर	25।06	82।37	-00	लातूर	18।24	76।34	-24
मुरादाबाद	28।50	78।49	-15	लुधियाना	30।55	75।54	-26
मुंगेर-बिहार	25।23	86।30	+16	लाहौर(पाकि.)	31।37	74।26	-02
मुर्शिदाबाद	24।10	88।19	+23	वर्धा	20।45	78।39	-15
मुजफ्फरनगर	29।30	77।44	-19	विजयवाड़ा	16।31	80।39	-07
मुजफ्फरपुर	26।12	85।27	+12	विशाखापटनम्	17।42	83।20	+03
मुम्बई	18।57	72।50	-39	शिमला	31।06	77।13	-21
मेरठ	29।00	77।45	-19	शिकोहाबाद	27।06	78।38	-15
मैसूर-कर्नाटक	12।18	75।42	-23	शिलांग-मेघाल.	25।34	91।45	+38
मैनपुरी	27।13	79।04	-14	श्रीगंगानगर	29।50	73।50	-35
मोतीहारी	26।40	84।57	+10	श्रीनगर कश्मीर	34।06	74।51	-31
रत्नागिरि	17।00	73।20	-37	श्रीनगर गढवाल	30।14	78।42	-15
श्रीमाधोपुर	27।25	75।25	-29	हथुना	26।12	84।05	+06
सतारा(महा.)	17।42	74।02	-34	हाजीपुर	25।35	83।11	+03

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
सम्बलपुर	21।28	84।00	+06	हाथरस	27।38	78।06	-18
सहारनपुर	29।59	77।23	-20	हिसार	29।10	75।46	-27
स्यालकोट	32।31	74।36	-02	हैदराबाद	17।18	78।30	-16
सागर(म.प्र.)	23।50	78।45	-15	होशियारपुर	31।32	75।57	-26
सिरसा	29।32	75।04	-30	हौशंगाबाद	22।46	77।45	-19
सिरोही	24।35	73।02	-38	होडल (हरि.)	27।53	77।22	-21
सिकन्दराबाद	17।27	78।33	-16	संथालपरगना	24।30	87।00	+18
सीतामढी	26।35	85।27	+12	संगमनेर	19।35	74।46	-31
सीतापुर	27।32	80।24	-08	हिंगोली	19।43	77।11	-21
सुल्तानपुर	26।16	82।07	-02	हरदोई	27।23	80।10	-09
सूरत-गुजरात	21।11	72।52	-39	हजारीबाग	23।59	85।25	+12
सेलम-तमिल	11।39	78।15	-17	हरिद्वार	29।56	78।13	-17
सोमनाथ	21।01	70।26	-48	हांसी	29।06	76।00	-26
सोलापुर	17।40	75।48	-27	तिरुपति	13।39	79।25	-12
सोनीपत	28।59	77।01	-22	पौड़ी	30।09	78।47	-15
सोजत,मारवाड	25।56	73।42	-35	पंचकूला	30।42	76।52	-22
सोनपुर,उड़ीसा	20।51	83।55	+06	पटियाला	30।20	76।25	-24
सोलन, हि.प्र.	30।57	77।09	-22	पुरी	19।48	85।52	+13

क्रान्ति सारिणी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
01.	-23:00:45	-17:06:31	-07:35:28	04:38:10	15:09:28	22:05:50	23:06:04	17:57:40	08:11:40	-03:16:46	-14:30:31	-21:50:47
02.	-22:55:35	-16:49:17	-07:12:36	05:01:16	1:27:26	22:13:42	23:01:44	17:42:21	07:49:49	-03:40:02	-14:49:34	-21:59:49
03.	-22:49:57	-16:31:46	-06:49:39	05:24:17	15:45:10	22:21:10	22:57:00	17:26:44	07:27:50	-04:03:14	-15:08:23	-22:08:25
04.	-22:43:52	-16:13:57	-06:26:35	05:47:12	16:02:37	22:28:15	22:51:51	17:10:51	07:05:43	-04:26:24	-15:26:57	-22:16:36
05.	-22:37:20	-15:55:52	-06:03:26	06:10:02	16:19:49	22:34:57	22:46:19	16:54:40	06:43:30	-04:49:30	-15:45:16	-22:24:21
06.	-22:30:21	-15:37:30	-05:40:12	06:32:44	16:36:44	22:41:14	22:40:23	16:38:14	06:21:11	-05:12:34	-16:03:19	-22:31:40
07.	-22:22:55	-15:18:53	-05:16:53	06:55:21	16:53:22	22:47:08	22:34:03	16:21:31	05:58:44	-05:35:33	-16:21:06	-22:38:32
08.	-22:15:03	-14:59:59	-04:53:30	07:17:50	17:09:44	22:52:38	22:27:21	16:04:32	05:36:12	-05:58:28	-16:38:37	-22:44:58
09.	-22:06:45	-14:40:50	-04:30:03	07:40:12	17:25:49	22:57:44	22:20:14	15:47:18	05:13:35	-06:21:18	-16:55:50	-22:50:57
10.	-21:58:01	-14:21:27	-04:06:32	08:02:25	17:41:36	23:02:25	22:12:45	15:29:49	04:50:52	-06:44:03	-17:12:47	-22:56:29
11.	-21:48:51	-14:01:49	-03:42:59	08:24:31	17:57:05	23:06:43	22:04:53	15:12:05	04:28:04	-07:06:42	-17:29:26	-23:01:34
12.	-21:39:16	-13:41:57	-03:19:23	08:46:29	18:12:16	23:10:35	21:56:38	14:54:06	04:05:11	-07:29:16	-17:45:47	-23:06:11
13.	-21:29:15	-13:21:52	-02:55:45	09:08:17	18:27:09	23:14:04	21:48:00	14:35:53	03:42:15	-07:51:44	-18:01:49	-23:10:21
14.	-21:18:50	-13:01:34	-02:32:05	09:29:57	18:41:43	23:17:07	21:39:00	14:17:26	03:19:13	-08:14:05	-18:17:33	-23:14:04
15.	-21:08:00	-12:41:03	-02:08:23	09:51:26	18:55:58	23:19:46	21:29:38	13:58:46	02:56:09	-08:36:19	-18:32:57	-23:17:18
16.	-20:56:46	-12:20:20	-01:44:40	10:12:47	19:09:54	23:22:00	21:19:54	13:39:52	02:33:01	-08:58:27	-18:48:02	-23:20:05
17.	-20:45:07	-12:59:25	-01:20:56	10:33:57	19:23:31	23:23:50	21:09:48	13:20:46	02:09:50	-09:20:26	-19:02:46	-23:22:24
18.	-20:33:05	-11:38:18	-00:57:12	10:54:56	19:36:48	23:25:15	20:59:21	13:01:26	01:46:37	-09:42:17	-19:17:11	-23:24:15
19.	-20:20:40	-11:17:01	-00:33:27	11:15:45	19:49:44	23:26:15	20:48:33	12:41:54	01:23:21	-10:04:00	-19:31:14	-23:25:37
20.	-20:07:52	-10:55:32	-00:09:43	11:36:20	20:02:21	23:26:50	20:37:23	12:22:10	01:00:03	-10:25:34	-19:44:57	-23:26:32
21.	-19:54:41	-10:33:54	00:14:02	11:56:49	20:14:37	23:27:00	20:25:53	12:02:15	00:36:43	-10:46:59	-19:58:17	-23:26:58
22.	-19:41:08	-10:12:06	00:37:44	12:17:03	20:26:32	23:26:46	20:14:02	11:42:08	00:13:22	-11:08:14	-20:11:16	-23:26:56
23.	-19:27:13	-09:50:08	01:01:25	12:37:05	20:38:06	23:26:06	20:01:51	11:21:50	-00:09:58	-11:29:19	-20:23:53	-23:26:25
24.	-19:12:56	-09:28:02	01:25:05	12:56:55	20:49:19	23:25:02	19:49:20	11:01:21	-00:33:21	-11:50:14	-20:36:07	-23:25:26
25.	-18:58:18	-09:05:47	01:48:42	13:16:32	21:00:10	23:23:33	19:36:29	10:40:42	-00:56:43	-12:10:59	-20:47:59	-23:24:00
26.	-18:43:19	-08:43:24	02:12:16	13:35:56	21:10:40	23:21:40	19:23:18	10:19:52	-01:20:06	-12:31:31	-20:59:27	-23:22:04
27.	-18:28:00	-08:20:52	02:35:48	13:55:07	21:20:47	23:19:22	19:09:48	09:58:53	-01:43:28	-12:51:53	-21:10:31	-23:19:41
28.	-18:12:21	-07:58:14	02:59:17	14:14:04	21:30:33	23:16:39	18:55:59	09:37:44	-02:06:50	-13:12:02	-21:21:11	-23:16:50
29.	-17:56:22	-	03:22:42	14:32:46	21:39:56	23:13:32	18:41:52	09:16:26	-02:30:10	-13:31:59	-21:31:28	-23:13:30
30.	-17:40:03	-	03:46:03	14:51:15	21:48:57	23:10:00	18:27:26	08:54:59	-02:53:29	-13:51:43	-21:41:20	-23:09:43
31.	-17:23:26	-	04:09:20	-	21:57:35	-	18:12:42	08:33:24	-	-14:11:14	-	-23:05:28

(+) उत्तरा क्रान्ति (-) दक्षिणा क्रान्ति

मार्च मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ
1	07:27:05	08:50:56	10:26:52	12:21:19	14:38:13	16:57:50	19:15:36	21:34:15	23:49:49	2:10:51	4:17:38	5:59:03
2	07:23:08	08:46:59	10:22:55	12:17:22	14:34:16	16:53:53	19:11:39	21:30:18	23:45:52	2:06:54	4:13:42	5:55:06
3	07:19:11	08:43:03	10:18:59	12:13:26	14:30:19	16:49:57	19:07:43	21:26:22	23:41:55	2:02:58	4:09:45	5:51:09
4	07:15:15	08:39:06	10:15:02	12:09:29	14:26:23	16:46:00	19:03:46	21:22:25	23:37:59	1:59:01	4:05:48	5:47:13
5	07:11:18	08:35:09	10:11:05	12:05:32	14:22:26	16:42:03	18:59:49	21:18:28	23:34:02	1:55:04	4:01:51	5:43:16
6	07:07:21	08:31:13	10:07:09	12:01:36	14:18:29	16:38:06	18:55:52	21:14:31	23:30:05	1:51:07	3:57:55	5:39:19
7	07:03:24	08:27:16	10:03:12	11:57:39	14:14:33	16:34:10	18:51:56	21:10:35	23:26:08	1:47:11	3:53:58	5:35:23
8	06:59:28	08:23:19	9:59:15	11:53:42	14:10:36	16:30:13	18:47:59	21:06:38	23:22:12	1:43:14	3:50:01	5:31:26
9	06:55:31	08:19:22	9:55:18	11:49:45	14:06:39	16:26:16	18:44:02	21:02:41	23:18:15	1:39:17	3:46:05	5:27:29
10	06:51:34	08:15:26	9:51:22	11:45:49	14:02:42	16:22:20	18:40:06	20:58:45	23:14:18	1:35:21	3:42:08	5:23:33
11	06:47:38	08:11:29	9:47:25	11:41:52	13:58:46	16:18:23	18:36:09	20:54:48	23:10:22	1:31:24	3:38:11	5:19:36
12	06:43:41	08:07:32	9:43:28	11:37:55	13:54:49	16:14:26	18:32:12	20:50:51	23:06:25	1:27:27	3:34:14	5:15:39
13	06:39:44	08:03:36	9:39:32	11:33:59	13:50:52	16:10:29	18:28:15	20:46:54	23:02:28	1:23:30	3:30:18	5:11:42
14	06:35:47	07:59:39	9:35:35	11:30:02	13:46:56	16:06:33	18:24:19	20:42:58	22:58:31	1:19:34	3:26:21	5:07:46
15	06:31:50	07:55:42	9:31:38	11:26:05	13:42:59	16:02:36	18:20:22	20:39:01	22:54:35	1:15:37	3:22:24	5:03:49
16	06:27:54	07:51:45	9:27:41	11:22:08	13:39:02	15:58:39	18:16:25	20:35:04	22:50:38	1:11:40	3:18:28	4:59:52
17	06:23:57	07:47:49	9:23:45	11:18:12	13:35:06	15:54:43	18:12:29	20:31:08	22:46:41	1:07:44	3:14:31	4:55:56
18	06:20:00	07:43:52	9:19:48	11:14:15	13:31:09	15:50:46	18:08:32	20:27:11	22:42:45	1:03:47	3:10:34	4:51:59
19	06:16:03	07:39:55	9:15:51	11:10:18	13:27:12	15:46:49	18:04:35	20:23:14	22:38:48	0:59:50	3:06:37	4:48:02
20	06:12:07	07:35:59	9:11:55	11:06:22	13:23:15	15:42:52	18:00:38	20:19:18	22:34:51	0:55:53	3:02:41	4:44:05
21	06:08:10	07:32:02	9:07:58	11:02:25	13:19:19	15:38:56	17:56:42	20:15:21	22:30:54	0:51:57	2:58:44	4:40:09
22	06:04:13	07:28:05	9:04:01	10:58:28	13:15:22	15:34:59	17:52:45	20:11:24	22:26:58	0:48:00	2:54:47	4:36:12
23	06:00:17	07:24:08	9:00:04	10:54:31	13:11:25	15:31:02	17:48:48	20:07:27	22:23:01	0:44:03	2:50:51	4:32:15
24	05:56:20	07:20:12	8:56:08	10:50:35	13:07:29	15:27:06	17:44:52	20:03:31	22:19:04	0:40:07	2:46:54	4:28:19
25	05:52:23	07:16:15	8:52:11	10:46:38	13:03:32	15:23:09	17:40:55	19:59:34	22:15:08	0:36:10	2:42:57	4:24:22
26	05:48:26	07:12:18	8:48:14	10:42:41	12:59:35	15:19:12	17:36:58	19:55:37	22:11:11	0:32:13	2:39:01	4:20:25
27	05:44:30	07:08:22	8:44:18	10:38:45	12:55:38	15:15:15	17:33:01	19:51:41	22:07:14	0:28:16	2:35:04	4:16:28
28	05:40:33	07:04:25	8:40:21	10:34:48	12:51:42	15:11:19	17:29:05	19:47:44	22:03:17	0:24:20	2:31:07	4:12:32
29	05:36:36	07:00:28	8:36:24	10:30:51	12:47:45	15:07:22	17:25:08	19:43:47	21:59:21	0:20:23	2:27:10	4:08:35
30	05:32:40	06:56:31	8:32:27	10:26:55	12:43:48	15:03:25	17:21:11	19:39:50	21:55:24	0:16:26	2:23:14	4:04:38
31	05:28:43	06:52:35	8:28:31	10:22:58	12:39:52	14:59:29	17:17:15	19:35:54	21:51:27	0:12:30	2:19:17	4:00:42

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अप्रैल मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	06:48:38	8:24:34	10:19:01	12:35:55	14:55:32	17:13:18	19:31:57	21:47:31	0:08:33	2:15:20	3:56:45	05:24:46
2	06:44:41	8:20:37	10:15:04	12:31:58	14:51:35	17:09:21	19:28:00	21:43:34	0:04:36	2:11:24	3:52:48	05:20:49
3	06:40:45	8:16:41	10:11:08	12:28:01	14:47:38	17:05:25	19:24:04	21:39:37	0:00:40	2:07:27	3:48:51	05:16:53
4	06:36:48	8:12:44	10:07:11	12:24:05	14:43:42	17:01:28	19:20:07	21:35:40	23:56:43	2:03:30	3:44:55	05:12:56
5	06:32:51	8:08:47	10:03:14	12:20:08	14:39:45	16:57:31	19:16:10	21:31:44	23:52:46	1:59:33	3:40:58	05:08:59
6	06:28:54	8:04:51	9:59:18	12:16:11	14:35:48	16:53:34	19:12:13	21:27:47	23:48:49	1:55:37	3:37:01	05:05:03
7	06:24:58	8:00:54	9:55:21	12:12:15	14:31:52	16:49:38	19:08:17	21:23:50	23:44:53	1:51:40	3:33:05	05:01:06
8	06:21:01	7:56:57	9:51:24	12:08:18	14:27:55	16:45:41	19:04:20	21:19:54	23:40:56	1:47:43	3:29:08	04:57:09
9	06:17:04	7:53:00	9:47:27	12:04:21	14:23:58	16:41:44	19:00:23	21:15:57	23:36:59	1:43:47	3:25:11	04:53:13
10	06:13:08	7:49:04	9:43:31	12:00:24	14:20:01	16:37:48	18:56:27	21:12:00	23:33:03	1:39:50	3:21:14	04:49:16
11	06:09:11	7:45:07	9:39:34	11:56:28	14:16:05	16:33:51	18:52:30	21:08:03	23:29:06	1:35:53	3:17:18	04:45:19
12	06:05:14	7:41:10	9:35:37	11:52:31	14:12:08	16:29:54	18:48:33	21:04:07	23:25:09	1:31:56	3:13:21	04:41:22
13	06:01:17	7:37:14	9:31:41	11:48:34	14:08:11	16:25:57	18:44:36	21:00:10	23:21:12	1:28:00	3:09:24	04:37:26
14	05:57:20	7:33:17	9:27:44	11:44:38	14:04:15	16:22:01	18:40:40	20:56:13	23:17:16	1:24:03	3:05:28	04:33:29
15	05:53:24	7:29:20	9:23:47	11:40:41	14:00:18	16:18:04	18:36:43	20:52:17	23:13:19	1:20:06	3:01:31	04:29:32
16	05:49:27	7:25:23	9:19:50	11:36:44	13:56:21	16:14:07	18:32:46	20:48:20	23:09:22	1:16:10	2:57:34	04:25:36
17	05:45:30	7:21:27	9:15:54	11:32:47	13:52:25	16:10:11	18:28:50	20:44:23	23:05:26	1:12:13	2:53:37	04:21:39
18	05:41:33	7:17:30	9:11:57	11:28:51	13:48:28	16:06:14	18:24:53	20:40:27	23:01:29	1:08:16	2:49:41	04:17:42
19	05:37:37	7:13:33	9:08:00	11:24:54	13:44:31	16:02:17	18:20:56	20:36:30	22:57:32	1:04:19	2:45:44	04:13:45
20	05:33:40	7:09:37	9:04:04	11:20:57	13:40:34	15:58:20	18:16:59	20:32:33	22:53:35	1:00:23	2:41:47	04:09:49
21	05:29:43	7:05:40	9:00:07	11:17:01	13:36:38	15:54:24	18:13:03	20:28:36	22:49:39	0:56:26	2:37:51	04:05:52
22	05:25:47	7:01:43	8:56:10	11:13:04	13:32:41	15:50:27	18:09:06	20:24:40	22:45:42	0:52:29	2:33:54	04:01:55
23	05:21:50	6:57:46	8:52:13	11:09:07	13:28:44	15:46:30	18:05:09	20:20:43	22:41:45	0:48:33	2:29:57	03:57:59
24	05:17:53	6:53:50	8:48:17	11:05:10	13:24:48	15:42:34	18:01:13	20:16:46	22:37:49	0:44:36	2:26:01	03:54:02
25	05:13:56	6:49:53	8:44:20	11:01:14	13:20:51	15:38:37	17:57:16	20:12:50	22:33:52	0:40:39	2:22:04	03:50:05
26	05:10:00	6:45:56	8:40:23	10:57:17	13:16:54	15:34:40	17:53:19	20:08:53	22:29:55	0:36:42	2:18:07	03:46:08
27	05:06:03	6:42:00	8:36:27	10:53:20	13:12:57	15:30:43	17:49:22	20:04:56	22:25:58	0:32:46	2:14:10	03:42:12
28	05:02:06	6:38:03	8:32:30	10:49:24	13:09:01	15:26:47	17:45:26	20:00:59	22:22:02	0:28:49	2:10:14	03:38:15
29	04:58:10	6:34:06	8:28:33	10:45:27	13:05:04	15:22:50	17:41:29	19:57:03	22:18:05	0:24:52	2:06:17	03:34:18
30	04:54:13	6:30:09	8:24:36	10:41:30	13:01:07	15:18:53	17:37:32	19:53:06	22:14:08	0:20:56	2:02:20	03:30:22

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
1	6:26:13	8:20:40	10:37:34	12:57:11	15:14:57	17:33:36	19:49:09	22:10:12	0:16:59	1:58:24	03:26:25	04:50:16
2	6:22:16	8:16:43	10:33:37	12:53:14	15:11:00	17:29:39	19:45:13	22:06:15	0:13:02	1:54:27	03:22:28	04:46:19
3	6:18:19	8:12:46	10:29:40	12:49:17	15:07:03	17:25:42	19:41:16	22:02:18	0:09:06	1:50:30	03:18:31	04:42:23
4	6:14:23	8:08:50	10:25:43	12:45:20	15:03:06	17:21:46	19:37:19	21:58:21	0:05:09	1:46:33	03:14:35	04:38:26
5	6:10:26	8:04:53	10:21:47	12:41:24	14:59:10	17:17:49	19:33:22	21:54:25	0:01:12	1:42:37	03:10:38	04:34:29
6	6:06:29	8:00:56	10:17:50	12:37:27	14:55:13	17:13:52	19:29:26	21:50:28	23:57:15	1:38:40	03:06:41	04:30:33
7	6:02:32	7:57:00	10:13:53	12:33:30	14:51:16	17:09:55	19:25:29	21:46:31	23:53:19	1:34:43	03:02:45	04:26:36
8	5:58:36	7:53:03	10:09:57	12:29:34	14:47:20	17:05:59	19:21:32	21:42:35	23:49:22	1:30:47	02:58:48	04:22:39
9	5:54:39	7:49:06	10:06:00	12:25:37	14:43:23	17:02:02	19:17:36	21:38:38	23:45:25	1:26:50	02:54:51	04:18:43
10	5:50:42	7:45:09	10:02:03	12:21:40	14:39:26	16:58:05	19:13:39	21:34:41	23:41:29	1:22:53	02:50:54	04:14:46
11	5:46:46	7:41:13	9:58:06	12:17:43	14:35:29	16:54:09	19:09:42	21:30:44	23:37:32	1:18:56	02:46:58	04:10:49
12	5:42:49	7:37:16	9:54:10	12:13:47	14:31:33	16:50:12	19:05:45	21:26:48	23:33:35	1:15:00	02:43:01	04:06:52
13	5:38:52	7:33:19	9:50:13	12:09:50	14:27:36	16:46:15	19:01:49	21:22:51	23:29:38	1:11:03	02:39:04	04:02:56
14	5:34:55	7:29:23	9:46:16	12:05:53	14:23:39	16:42:18	18:57:52	21:18:54	23:25:42	1:07:06	02:35:08	03:58:59
15	5:30:58	7:25:26	9:42:20	12:01:57	14:19:43	16:38:22	18:53:55	21:14:58	23:21:45	1:03:10	02:31:11	03:55:02
16	5:27:02	7:21:29	9:38:23	11:58:00	14:15:46	16:34:25	18:49:59	21:11:01	23:17:48	0:59:13	02:27:14	03:51:06
17	5:23:05	7:17:32	9:34:26	11:54:03	14:11:49	16:30:28	18:46:02	21:07:04	23:13:52	0:55:16	02:23:17	03:47:09
18	5:19:08	7:13:36	9:30:29	11:50:06	14:07:53	16:26:32	18:42:05	21:03:08	23:09:55	0:51:19	02:19:21	03:43:12
19	5:15:11	7:09:39	9:26:33	11:46:10	14:03:56	16:22:35	18:38:08	20:59:11	23:05:58	0:47:23	02:15:24	03:39:15
20	5:11:15	7:05:42	9:22:36	11:42:13	13:59:59	16:18:38	18:34:12	20:55:14	23:02:01	0:43:26	02:11:27	03:35:19
21	5:07:18	7:01:46	9:18:39	11:38:16	13:56:02	16:14:41	18:30:15	20:51:17	22:58:05	0:39:29	02:07:31	03:31:22
22	5:03:21	6:57:49	9:14:43	11:34:20	13:52:06	16:10:45	18:26:18	20:47:21	22:54:08	0:35:33	02:03:34	03:27:25
23	4:59:25	6:53:52	9:10:46	11:30:23	13:48:09	16:06:48	18:22:22	20:43:24	22:50:11	0:31:36	01:59:37	03:23:29
24	4:55:28	6:49:55	9:06:49	11:26:26	13:44:12	16:02:51	18:18:25	20:39:27	22:46:15	0:27:39	01:55:41	03:19:32
25	4:51:31	6:45:59	9:02:52	11:22:29	13:40:16	15:58:55	18:14:28	20:35:31	22:42:18	0:23:42	01:51:44	03:15:35
26	4:47:34	6:42:02	8:58:56	11:18:33	13:36:19	15:54:58	18:10:31	20:31:34	22:38:21	0:19:46	01:47:47	03:11:38
27	4:43:38	6:38:05	8:54:59	11:14:36	13:32:22	15:51:01	18:06:35	20:27:37	22:34:24	0:15:49	01:43:50	03:07:42
28	4:39:41	6:34:09	8:51:02	11:10:39	13:28:25	15:47:04	18:02:38	20:23:40	22:30:28	0:11:52	01:39:54	03:03:45
29	4:35:44	6:30:12	8:47:06	11:06:43	13:24:29	15:43:08	17:58:41	20:19:44	22:26:31	0:07:56	01:35:57	02:59:48
30	4:31:48	6:26:15	8:43:09	11:02:46	13:20:32	15:39:11	17:54:45	20:15:47	22:22:34	0:03:59	01:32:00	02:55:52
31	4:27:51	6:22:18	8:39:12	10:58:49	13:16:35	15:35:14	17:50:48	20:11:50	22:18:38	0:00:02	01:28:04	02:51:55

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जून मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
1	6:18:22	8:35:15	10:54:53	13:12:39	15:31:18	17:46:51	20:07:54	22:14:41	23:56:06	01:24:07	02:47:58	4:23:54
2	6:14:25	8:31:19	10:50:56	13:08:42	15:27:21	17:42:55	20:03:57	22:10:44	23:52:09	01:20:10	02:44:01	4:19:57
3	6:10:28	8:27:22	10:46:59	13:04:45	15:23:24	17:38:58	20:00:00	22:06:47	23:48:12	01:16:13	02:40:05	4:16:01
4	6:06:32	8:23:25	10:43:02	13:00:48	15:19:27	17:35:01	19:56:03	22:02:51	23:44:15	01:12:17	02:36:08	4:12:04
5	6:02:35	8:19:29	10:39:06	12:56:52	15:15:31	17:31:04	19:52:07	21:58:54	23:40:19	01:08:20	02:32:11	4:08:07
6	5:58:38	8:15:32	10:35:09	12:52:55	15:11:34	17:27:08	19:48:10	21:54:57	23:36:22	01:04:23	02:28:15	4:04:11
7	5:54:41	8:11:35	10:31:12	12:48:58	15:07:37	17:23:11	19:44:13	21:51:01	23:32:25	01:00:27	02:24:18	4:00:14
8	5:50:45	8:07:39	10:27:16	12:45:02	15:03:41	17:19:14	19:40:17	21:47:04	23:28:29	00:56:30	02:20:21	3:56:17
9	5:46:48	8:03:42	10:23:19	12:41:05	14:59:44	17:15:18	19:36:20	21:43:07	23:24:32	00:52:33	02:16:24	3:52:21
10	5:42:51	7:59:45	10:19:22	12:37:08	14:55:47	17:11:21	19:32:23	21:39:10	23:20:35	00:48:36	02:12:28	3:48:24
11	5:38:55	7:55:48	10:15:25	12:33:11	14:51:50	17:07:24	19:28:26	21:35:14	23:16:38	00:44:40	02:08:31	3:44:27
12	5:34:58	7:51:52	10:11:29	12:29:15	14:47:54	17:03:27	19:24:30	21:31:17	23:12:42	00:40:43	02:04:34	3:40:30
13	5:31:01	7:47:55	10:07:32	12:25:18	14:43:57	16:59:31	19:20:33	21:27:20	23:08:45	00:36:46	02:00:38	3:36:34
14	5:27:04	7:43:58	10:03:35	12:21:21	14:40:00	16:55:34	19:16:36	21:23:24	23:04:48	00:32:50	01:56:41	3:32:37
15	5:23:07	7:40:02	9:59:39	12:17:25	14:36:04	16:51:37	19:12:40	21:19:27	23:00:52	00:28:53	01:52:44	3:28:40
16	5:19:11	7:36:05	9:55:42	12:13:28	14:32:07	16:47:41	19:08:43	21:15:30	22:56:55	00:24:56	01:48:47	3:24:44
17	5:15:14	7:32:08	9:51:45	12:09:31	14:28:10	16:43:44	19:04:46	21:11:34	22:52:58	00:20:59	01:44:51	3:20:47
18	5:11:17	7:28:11	9:47:48	12:05:34	14:24:14	16:39:47	19:00:49	21:07:37	22:49:01	00:17:03	01:40:54	3:16:50
19	5:07:20	7:24:15	9:43:52	12:01:38	14:20:17	16:35:50	18:56:53	21:03:40	22:45:05	00:13:06	01:36:57	3:12:53
20	5:03:24	7:20:18	9:39:55	11:57:41	14:16:20	16:31:54	18:52:56	20:59:43	22:41:08	00:09:09	01:33:01	3:08:57
21	4:59:27	7:16:21	9:35:58	11:53:44	14:12:23	16:27:57	18:48:59	20:55:47	22:37:11	00:05:13	01:29:04	3:05:00
22	4:55:30	7:12:25	9:32:02	11:49:48	14:08:27	16:24:00	18:45:03	20:51:50	22:33:15	00:01:16	01:25:07	3:01:03
23	4:51:34	7:08:28	9:28:05	11:45:51	14:04:30	16:20:04	18:41:06	20:47:53	22:29:18	23:57:19	01:21:11	2:57:07
24	4:47:37	7:04:31	9:24:08	11:41:54	14:00:33	16:16:07	18:37:09	20:43:57	22:25:21	23:53:22	01:17:14	2:53:10
25	4:43:40	7:00:34	9:20:11	11:37:57	13:56:37	16:12:10	18:33:12	20:40:00	22:21:24	23:49:26	01:13:17	2:49:13
26	4:39:43	6:56:38	9:16:15	11:34:01	13:52:40	16:08:13	18:29:16	20:36:03	22:17:28	23:45:29	01:09:20	2:45:16
27	4:35:47	6:52:41	9:12:18	11:30:04	13:48:43	16:04:17	18:25:19	20:32:06	22:13:31	23:41:32	01:05:24	2:41:20
28	4:31:50	6:48:44	9:08:21	11:26:07	13:44:46	16:00:20	18:21:22	20:28:10	22:09:34	23:37:36	01:01:27	2:37:23
29	4:27:53	6:44:48	9:04:25	11:22:11	13:40:50	15:56:23	18:17:26	20:24:13	22:05:38	23:33:39	00:57:30	2:33:26
30	4:23:57	6:40:51	9:00:28	11:18:14	13:36:53	15:52:27	18:13:29	20:20:16	22:01:41	23:29:42	00:53:34	2:29:30

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जुलाई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
1	6:36:54	8:56:31	11:14:17	13:32:56	15:48:30	18:09:32	20:16:20	21:57:44	23:25:46	00:49:37	2:25:33	4:20:00
2	6:32:57	8:52:34	11:10:21	13:29:00	15:44:33	18:05:36	20:12:23	21:53:47	23:21:49	00:45:40	2:21:36	4:16:03
3	6:29:01	8:48:38	11:06:24	13:25:03	15:40:36	18:01:39	20:08:26	21:49:51	23:17:52	00:41:43	2:17:39	4:12:06
4	6:25:04	8:44:41	11:02:27	13:21:06	15:36:40	17:57:42	20:04:29	21:45:54	23:13:55	00:37:47	2:13:43	4:08:10
5	6:21:07	8:40:44	10:58:30	13:17:09	15:32:43	17:53:45	20:00:33	21:41:57	23:09:59	00:33:50	2:09:46	4:04:13
6	6:17:11	8:36:48	10:54:34	13:13:13	15:28:46	17:49:49	19:56:36	21:38:01	23:06:02	00:29:53	2:05:49	4:00:16
7	6:13:14	8:32:51	10:50:37	13:09:16	15:24:50	17:45:52	19:52:39	21:34:04	23:02:05	00:25:57	2:01:53	3:56:20
8	6:09:17	8:28:54	10:46:40	13:05:19	15:20:53	17:41:55	19:48:43	21:30:07	22:58:09	00:22:00	1:57:56	3:52:23
9	6:05:20	8:24:58	10:42:44	13:01:23	15:16:56	17:37:59	19:44:46	21:26:10	22:54:12	00:18:03	1:53:59	3:48:26
10	6:01:24	8:21:01	10:38:47	12:57:26	15:12:59	17:34:02	19:40:49	21:22:14	22:50:15	00:14:06	1:50:02	3:44:30
11	5:57:27	8:17:04	10:34:50	12:53:29	15:09:03	17:30:05	19:36:52	21:18:17	22:46:18	00:10:10	1:46:06	3:40:33
12	5:53:30	8:13:07	10:30:53	12:49:32	15:05:06	17:26:08	19:32:56	21:14:20	22:42:22	00:06:13	1:42:09	3:36:36
13	5:49:34	8:09:11	10:26:57	12:45:36	15:01:09	17:22:12	19:28:59	21:10:24	22:38:25	00:02:16	1:38:12	3:32:39
14	5:45:37	8:05:14	10:23:00	12:41:39	14:57:13	17:18:15	19:25:02	21:06:27	22:34:28	23:58:20	1:34:16	3:28:43
15	5:41:40	8:01:17	10:19:03	12:37:42	14:53:16	17:14:18	19:21:06	21:02:30	22:30:32	23:54:23	1:30:19	3:24:46
16	5:37:43	7:57:21	10:15:07	12:33:46	14:49:19	17:10:22	19:17:09	20:58:34	22:26:35	23:50:26	1:26:22	3:20:49
17	5:33:46	7:53:24	10:11:10	12:29:49	14:45:23	17:06:25	19:13:12	20:54:37	22:22:38	23:46:29	1:22:25	3:16:53
18	5:29:50	7:49:27	10:07:13	12:25:52	14:41:26	17:02:28	19:09:15	20:50:40	22:18:41	23:42:33	1:18:29	3:12:56
19	5:25:53	7:45:30	10:03:16	12:21:55	14:37:29	16:58:31	19:05:19	20:46:43	22:14:45	23:38:36	1:14:32	3:08:59
20	5:21:56	7:41:34	9:59:20	12:17:59	14:33:32	16:54:35	19:01:22	20:42:47	22:10:48	23:34:39	1:10:35	3:05:02
21	5:17:59	7:37:37	9:55:23	12:14:02	14:29:36	16:50:38	18:57:25	20:38:50	22:06:51	23:30:43	1:06:39	3:01:06
22	5:14:03	7:33:40	9:51:26	12:10:05	14:25:39	16:46:41	18:53:29	20:34:53	22:02:55	23:26:46	1:02:42	2:57:09
23	5:10:06	7:29:44	9:47:30	12:06:09	14:21:42	16:42:45	18:49:32	20:30:57	21:58:58	23:22:49	0:58:45	2:53:12
24	5:06:09	7:25:47	9:43:33	12:02:12	14:17:46	16:38:48	18:45:35	20:27:00	21:55:01	23:18:52	0:54:49	2:49:16
25	5:02:13	7:21:50	9:39:36	11:58:15	14:13:49	16:34:51	18:41:38	20:23:03	21:51:04	23:14:56	0:50:52	2:45:19
26	4:58:16	7:17:53	9:35:39	11:54:18	14:09:52	16:30:54	18:37:42	20:19:06	21:47:08	23:10:59	0:46:55	2:41:22
27	4:54:19	7:13:57	9:31:43	11:50:22	14:05:55	16:26:58	18:33:45	20:15:10	21:43:11	23:07:02	0:42:58	2:37:25
28	4:50:22	7:10:00	9:27:46	11:46:25	14:01:59	16:23:01	18:29:48	20:11:13	21:39:14	23:03:06	0:39:02	2:33:29
29	4:46:26	7:06:03	9:23:49	11:42:28	13:58:02	16:19:04	18:25:52	20:07:16	21:35:18	22:59:09	0:35:05	2:29:32
30	4:42:29	7:02:07	9:19:53	11:38:32	13:54:05	16:15:08	18:21:55	20:03:20	21:31:21	22:55:12	0:31:08	2:25:35
31	4:38:32	6:58:10	9:15:56	11:34:35	13:50:09	16:11:11	18:17:58	19:59:23	21:27:24	22:51:16	0:27:12	2:21:39

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अगस्त मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
1	6:54:13	9:11:59	11:30:38	13:46:12	16:07:14	18:14:02	19:55:26	21:23:27	22:47:19	0:23:15	2:17:42	4:34:36
2	6:50:16	9:08:02	11:26:42	13:42:15	16:03:17	18:10:05	19:51:29	21:19:31	22:43:22	0:19:18	2:13:45	4:30:39
3	6:46:20	9:04:06	11:22:45	13:38:18	15:59:21	18:06:08	19:47:33	21:15:34	22:39:25	0:15:21	2:09:48	4:26:42
4	6:42:23	9:00:09	11:18:48	13:34:22	15:55:24	18:02:11	19:43:36	21:11:37	22:35:29	0:11:25	2:05:52	4:22:45
5	6:38:26	8:56:12	11:14:51	13:30:25	15:51:27	17:58:15	19:39:39	21:07:41	22:31:32	0:07:28	2:01:55	4:18:49
6	6:34:30	8:52:16	11:10:55	13:26:28	15:47:31	17:54:18	19:35:43	21:03:44	22:27:35	0:03:31	1:57:58	4:14:52
7	6:30:33	8:48:19	11:06:58	13:22:32	15:43:34	17:50:21	19:31:46	20:59:47	22:23:39	23:59:35	1:54:02	4:10:55
8	6:26:36	8:44:22	11:03:01	13:18:35	15:39:37	17:46:25	19:27:49	20:55:50	22:19:42	23:55:38	1:50:05	4:06:59
9	6:22:39	8:40:26	10:59:05	13:14:38	15:35:40	17:42:28	19:23:52	20:51:54	22:15:45	23:51:41	1:46:08	4:03:02
10	6:18:43	8:36:29	10:55:08	13:10:41	15:31:44	17:38:31	19:19:56	20:47:57	22:11:48	23:47:44	1:42:11	3:59:05
11	6:14:46	8:32:32	10:51:11	13:06:45	15:27:47	17:34:34	19:15:59	20:44:00	22:07:52	23:43:48	1:38:15	3:55:09
12	6:10:49	8:28:35	10:47:14	13:02:48	15:23:50	17:30:38	19:12:02	20:40:04	22:03:55	23:39:51	1:34:18	3:51:12
13	6:06:53	8:24:39	10:43:18	12:58:51	15:19:54	17:26:41	19:08:06	20:36:07	21:59:58	23:35:54	1:30:21	3:47:15
14	6:02:56	8:20:42	10:39:21	12:54:55	15:15:57	17:22:44	19:04:09	20:32:10	21:56:02	23:31:58	1:26:25	3:43:18
15	5:58:59	8:16:45	10:35:24	12:50:58	15:12:00	17:18:48	19:00:12	20:28:14	21:52:05	23:28:01	1:22:28	3:39:22
16	5:55:02	8:12:49	10:31:28	12:47:01	15:08:04	17:14:51	18:56:15	20:24:17	21:48:08	23:24:04	1:18:31	3:35:25
17	5:51:05	8:08:52	10:27:31	12:43:04	15:04:07	17:10:54	18:52:19	20:20:20	21:44:11	23:20:07	1:14:34	3:31:28
18	5:47:09	8:04:55	10:23:34	12:39:08	15:00:10	17:06:57	18:48:22	20:16:23	21:40:15	23:16:11	1:10:38	3:27:32
19	5:43:12	8:00:58	10:19:37	12:35:11	14:56:13	17:03:01	18:44:25	20:12:27	21:36:18	23:12:14	1:06:41	3:23:35
20	5:39:15	7:57:02	10:15:41	12:31:14	14:52:17	16:59:04	18:40:29	20:08:30	21:32:21	23:08:17	1:02:44	3:19:38
21	5:35:18	7:53:05	10:11:44	12:27:18	14:48:20	16:55:07	18:36:32	20:04:33	21:28:25	23:04:21	0:58:48	3:15:41
22	5:31:22	7:49:08	10:07:47	12:23:21	14:44:23	16:51:11	18:32:35	20:00:37	21:24:28	23:00:24	0:54:51	3:11:45
23	5:27:25	7:45:12	10:03:51	12:19:24	14:40:27	16:47:14	18:28:38	19:56:40	21:20:31	22:56:27	0:50:54	3:07:48
24	5:23:28	7:41:15	9:59:54	12:15:27	14:36:30	16:43:17	18:24:42	19:52:43	21:16:34	22:52:30	0:46:58	3:03:51
25	5:19:32	7:37:18	9:55:57	12:11:31	14:32:33	16:39:20	18:20:45	19:48:46	21:12:38	22:48:34	0:43:01	2:59:55
26	5:15:35	7:33:21	9:52:00	12:07:34	14:28:36	16:35:24	18:16:48	19:44:50	21:08:41	22:44:37	0:39:04	2:55:58
27	5:11:38	7:29:25	9:48:04	12:03:37	14:24:40	16:31:27	18:12:52	19:40:53	21:04:44	22:40:40	0:35:07	2:52:01
28	5:07:41	7:25:28	9:44:07	11:59:41	14:20:43	16:27:30	18:08:55	19:36:56	21:00:48	22:36:44	0:31:11	2:48:04
29	5:03:45	7:21:31	9:40:10	11:55:44	14:16:46	16:23:34	18:04:58	19:33:00	20:56:51	22:32:47	0:27:14	2:44:08
30	4:59:48	7:17:35	9:36:14	11:51:47	14:12:50	16:19:37	18:01:02	19:29:03	20:52:54	22:28:50	0:23:17	2:40:11
31	4:55:51	7:13:38	9:32:17	11:47:51	14:08:53	16:15:40	17:57:05	19:25:06	20:48:57	22:24:54	0:19:21	2:36:14

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

सितम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
1	7:09:41	9:28:20	11:43:54	14:04:56	16:11:43	17:53:08	19:21:09	20:45:01	22:20:57	0:15:24	2:32:18	4:51:55
2	7:05:44	9:24:23	11:39:57	14:00:59	16:07:47	17:49:11	19:17:13	20:41:04	22:17:00	0:11:27	2:28:21	4:47:58
3	7:01:48	9:20:27	11:36:00	13:57:03	16:03:50	17:45:15	19:13:16	20:37:07	22:13:03	0:07:30	2:24:24	4:44:01
4	6:57:51	9:16:30	11:32:04	13:53:06	15:59:53	17:41:18	19:09:19	20:33:11	22:09:07	0:03:34	2:20:27	4:40:04
5	6:53:54	9:12:33	11:28:07	13:49:09	15:55:57	17:37:21	19:05:23	20:29:14	22:05:10	23:59:37	2:16:31	4:36:08
6	6:49:58	9:08:37	11:24:10	13:45:13	15:52:00	17:33:25	19:01:26	20:25:17	22:01:13	23:55:40	2:12:34	4:32:11
7	6:46:01	9:04:40	11:20:14	13:41:16	15:48:03	17:29:28	18:57:29	20:21:20	21:57:17	23:51:44	2:08:37	4:28:14
8	6:42:04	9:00:43	11:16:17	13:37:19	15:44:06	17:25:31	18:53:32	20:17:24	21:53:20	23:47:47	2:04:41	4:24:18
9	6:38:07	8:56:47	11:12:20	13:33:22	15:40:10	17:21:34	18:49:36	20:13:27	21:49:23	23:43:50	2:00:44	4:20:21
10	6:34:11	8:52:50	11:08:23	13:29:26	15:36:13	17:17:38	18:45:39	20:09:30	21:45:26	23:39:53	1:56:47	4:16:24
11	6:30:14	8:48:53	11:04:27	13:25:29	15:32:16	17:13:41	18:41:42	20:05:34	21:41:30	23:35:57	1:52:50	4:12:28
12	6:26:17	8:44:56	11:00:30	13:21:32	15:28:20	17:09:44	18:37:46	20:01:37	21:37:33	23:32:00	1:48:54	4:08:31
13	6:22:21	8:41:00	10:56:33	13:17:36	15:24:23	17:05:48	18:33:49	19:57:40	21:33:36	23:28:03	1:44:57	4:04:34
14	6:18:24	8:37:03	10:52:37	13:13:39	15:20:26	17:01:51	18:29:52	19:53:44	21:29:40	23:24:07	1:41:00	4:00:37
15	6:14:27	8:33:06	10:48:40	13:09:42	15:16:30	16:57:54	18:25:55	19:49:47	21:25:43	23:20:10	1:37:04	3:56:41
16	6:10:30	8:29:10	10:44:43	13:05:45	15:12:33	16:53:57	18:21:59	19:45:50	21:21:46	23:16:13	1:33:07	3:52:44
17	6:06:33	8:25:13	10:40:46	13:01:49	15:08:36	16:50:01	18:18:02	19:41:53	21:17:49	23:12:16	1:29:10	3:48:47
18	6:02:37	8:21:16	10:36:50	12:57:52	15:04:39	16:46:04	18:14:05	19:37:57	21:13:53	23:08:20	1:25:13	3:44:51
19	5:58:40	8:17:19	10:32:53	12:53:55	15:00:43	16:42:07	18:10:09	19:34:00	21:09:56	23:04:23	1:21:17	3:40:54
20	5:54:43	8:13:23	10:28:56	12:49:59	14:56:46	16:38:11	18:06:12	19:30:03	21:05:59	23:00:26	1:17:20	3:36:57
21	5:50:46	8:09:26	10:25:00	12:46:02	14:52:49	16:34:14	18:02:15	19:26:07	21:02:03	22:56:30	1:13:23	3:33:00
22	5:46:50	8:05:29	10:21:03	12:42:05	14:48:53	16:30:17	17:58:18	19:22:10	20:58:06	22:52:33	1:09:27	3:29:04
23	5:42:53	8:01:33	10:17:06	12:38:08	14:44:56	16:26:20	17:54:22	19:18:13	20:54:09	22:48:36	1:05:30	3:25:07
24	5:38:56	7:57:36	10:13:09	12:34:12	14:40:59	16:22:24	17:50:25	19:14:16	20:50:12	22:44:39	1:01:33	3:21:10
25	5:35:00	7:53:39	10:09:13	12:30:15	14:37:02	16:18:27	17:46:28	19:10:20	20:46:16	22:40:43	0:57:37	3:17:14
26	5:31:03	7:49:42	10:05:16	12:26:18	14:33:06	16:14:30	17:42:32	19:06:23	20:42:19	22:36:46	0:53:40	3:13:17
27	5:27:06	7:45:46	10:01:19	12:22:22	14:29:09	16:10:34	17:38:35	19:02:26	20:38:22	22:32:49	0:49:43	3:09:20
28	5:23:09	7:41:49	9:57:23	12:18:25	14:25:12	16:06:37	17:34:38	18:58:30	20:34:26	22:28:53	0:45:46	3:05:23
29	5:19:13	7:37:52	9:53:26	12:14:28	14:21:16	16:02:40	17:30:42	18:54:33	20:30:29	22:24:56	0:41:50	3:01:27
30	5:15:16	7:33:56	9:49:29	12:10:32	14:17:19	15:58:43	17:26:45	18:50:36	20:26:32	22:20:59	0:37:53	2:57:30

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अक्टूबर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
1	7:29:59	9:45:32	12:06:35	14:13:22	15:54:47	17:22:48	18:46:39	20:22:35	22:17:03	0:33:56	2:53:33	5:11:19
2	7:26:02	9:41:36	12:02:38	14:09:25	15:50:50	17:18:51	18:42:43	20:18:39	22:13:06	0:30:00	2:49:37	5:07:23
3	7:22:05	9:37:39	11:58:41	14:05:29	15:46:53	17:14:55	18:38:46	20:14:42	22:09:09	0:26:03	2:45:40	5:03:26
4	7:18:09	9:33:42	11:54:45	14:01:32	15:42:57	17:10:58	18:34:49	20:10:45	22:05:12	0:22:06	2:41:43	4:59:29
5	7:14:12	9:29:46	11:50:48	13:57:35	15:39:00	17:07:01	18:30:53	20:06:49	22:01:16	0:18:09	2:37:46	4:55:32
6	7:10:15	9:25:49	11:46:51	13:53:39	15:35:03	17:03:05	18:26:56	20:02:52	21:57:19	0:14:13	2:33:50	4:51:36
7	7:06:19	9:21:52	11:42:55	13:49:42	15:31:06	16:59:08	18:22:59	19:58:55	21:53:22	0:10:16	2:29:53	4:47:39
8	7:02:22	9:17:56	11:38:58	13:45:45	15:27:10	16:55:11	18:19:02	19:54:58	21:49:26	0:06:19	2:25:56	4:43:42
9	6:58:25	9:13:59	11:35:01	13:41:48	15:23:13	16:51:14	18:15:06	19:51:02	21:45:29	0:02:23	2:22:00	4:39:46
10	6:54:28	9:10:02	11:31:04	13:37:52	15:19:16	16:47:18	18:11:09	19:47:05	21:41:32	23:58:26	2:18:03	4:35:49
11	6:50:32	9:06:05	11:27:08	13:33:55	15:15:20	16:43:21	18:07:12	19:43:08	21:37:35	23:54:29	2:14:06	4:31:52
12	6:46:35	9:02:09	11:23:11	13:29:58	15:11:23	16:39:24	18:03:16	19:39:12	21:33:39	23:50:32	2:10:09	4:27:56
13	6:42:38	8:58:12	11:19:14	13:26:02	15:07:26	16:35:28	17:59:19	19:35:15	21:29:42	23:46:36	2:06:13	4:23:59
14	6:38:42	8:54:15	11:15:18	13:22:05	15:03:30	16:31:31	17:55:22	19:31:18	21:25:45	23:42:39	2:02:16	4:20:02
15	6:34:45	8:50:19	11:11:21	13:18:08	14:59:33	16:27:34	17:51:25	19:27:22	21:21:49	23:38:42	1:58:19	4:16:05
16	6:30:48	8:46:22	11:07:24	13:14:11	14:55:36	16:23:37	17:47:29	19:23:25	21:17:52	23:34:46	1:54:23	4:12:09
17	6:26:51	8:42:25	11:03:27	13:10:15	14:51:39	16:19:41	17:43:32	19:19:28	21:13:55	23:30:49	1:50:26	4:08:12
18	6:22:54	8:38:28	10:59:31	13:06:18	14:47:43	16:15:44	17:39:35	19:15:31	21:09:58	23:26:52	1:46:29	4:04:15
19	6:18:58	8:34:32	10:55:34	13:02:21	14:43:46	16:11:47	17:35:39	19:11:35	21:06:02	23:22:55	1:42:32	4:00:19
20	6:15:01	8:30:35	10:51:37	12:58:25	14:39:49	16:07:51	17:31:42	19:07:38	21:02:05	23:18:59	1:38:36	3:56:22
21	6:11:04	8:26:38	10:47:41	12:54:28	14:35:53	16:03:54	17:27:45	19:03:41	20:58:08	23:15:02	1:34:39	3:52:25
22	6:07:07	8:22:42	10:43:44	12:50:31	14:31:56	15:59:57	17:23:48	18:59:45	20:54:12	23:11:05	1:30:42	3:48:28
23	6:03:11	8:18:45	10:39:47	12:46:34	14:27:59	15:56:00	17:19:52	18:55:48	20:50:15	23:07:09	1:26:46	3:44:32
24	5:59:14	8:14:48	10:35:50	12:42:38	14:24:02	15:52:04	17:15:55	18:51:51	20:46:18	23:03:12	1:22:49	3:40:35
25	5:55:17	8:10:51	10:31:54	12:38:41	14:20:06	15:48:07	17:11:58	18:47:54	20:42:21	22:59:15	1:18:52	3:36:38
26	5:51:21	8:06:55	10:27:57	12:34:44	14:16:09	15:44:10	17:08:02	18:43:58	20:38:25	22:55:18	1:14:56	3:32:42
27	5:47:24	8:02:58	10:24:00	12:30:48	14:12:12	15:40:14	17:04:05	18:40:01	20:34:28	22:51:22	1:10:59	3:28:45
28	5:43:27	7:59:01	10:20:04	12:26:51	14:08:16	15:36:17	17:00:08	18:36:04	20:30:31	22:47:25	1:07:02	3:24:48
29	5:39:30	7:55:05	10:16:07	12:22:54	14:04:19	15:32:20	16:56:12	18:32:08	20:26:35	22:43:28	1:03:05	3:20:51
30	5:35:34	7:51:08	10:12:10	12:18:58	14:00:22	15:28:23	16:52:15	18:28:11	20:22:38	22:39:32	0:59:09	3:16:55
31	5:31:37	7:47:11	10:08:13	12:15:01	13:56:25	15:24:27	16:48:18	18:24:14	20:18:41	22:35:35	0:55:12	3:12:58

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

नवम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
1	7:43:14	10:04:17	12:11:04	13:52:29	15:20:30	16:44:21	18:20:17	20:14:44	22:31:38	0:51:15	3:09:01	5:27:40
2	7:39:18	10:00:20	12:07:07	13:48:32	15:16:33	16:40:25	18:16:21	20:10:48	22:27:42	0:47:19	3:05:05	5:23:44
3	7:35:21	9:56:23	12:03:11	13:44:35	15:12:37	16:36:28	18:12:24	20:06:51	22:23:45	0:43:22	3:01:08	5:19:47
4	7:31:24	9:52:27	11:59:14	13:40:39	15:08:40	16:32:31	18:08:27	20:02:54	22:19:48	0:39:25	2:57:11	5:15:50
5	7:27:28	9:48:30	11:55:17	13:36:42	15:04:43	16:28:35	18:04:31	19:58:58	22:15:51	0:35:28	2:53:14	5:11:53
6	7:23:31	9:44:33	11:51:21	13:32:45	15:00:46	16:24:38	18:00:34	19:55:01	22:11:55	0:31:32	2:49:18	5:07:57
7	7:19:34	9:40:37	11:47:24	13:28:48	14:56:50	16:20:41	17:56:37	19:51:04	22:07:58	0:27:35	2:45:21	5:04:00
8	7:15:37	9:36:40	11:43:27	13:24:52	14:52:53	16:16:44	17:52:40	19:47:07	22:04:01	0:23:38	2:41:24	5:00:03
9	7:11:41	9:32:43	11:39:30	13:20:55	14:48:56	16:12:48	17:48:44	19:43:11	22:00:05	0:19:42	2:37:28	4:56:07
10	7:07:44	9:28:46	11:35:34	13:16:58	14:45:00	16:08:51	17:44:47	19:39:14	21:56:08	0:15:45	2:33:31	4:52:10
11	7:03:47	9:24:50	11:31:37	13:13:02	14:41:03	16:04:54	17:40:50	19:35:17	21:52:11	0:11:48	2:29:34	4:48:13
12	6:59:51	9:20:53	11:27:40	13:09:05	14:37:06	16:00:58	17:36:54	19:31:21	21:48:14	0:07:51	2:25:37	4:44:17
13	6:55:54	9:16:56	11:23:44	13:05:08	14:33:10	15:57:01	17:32:57	19:27:24	21:44:18	0:03:55	2:21:41	4:40:20
14	6:51:57	9:13:00	11:19:47	13:01:11	14:29:13	15:53:04	17:29:00	19:23:27	21:40:21	23:59:58	2:17:44	4:36:23
15	6:48:00	9:09:03	11:15:50	12:57:15	14:25:16	15:49:07	17:25:03	19:19:31	21:36:24	23:56:01	2:13:47	4:32:26
16	6:44:03	9:05:06	11:11:53	12:53:18	14:21:19	15:45:11	17:21:07	19:15:34	21:32:28	23:52:05	2:09:51	4:28:30
17	6:40:07	9:01:09	11:07:57	12:49:21	14:17:23	15:41:14	17:17:10	19:11:37	21:28:31	23:48:08	2:05:54	4:24:33
18	6:36:10	8:57:13	11:04:00	12:45:25	14:13:26	15:37:17	17:13:13	19:07:40	21:24:34	23:44:11	2:01:57	4:20:36
19	6:32:13	8:53:16	11:00:03	12:41:28	14:09:29	15:33:21	17:09:17	19:03:44	21:20:37	23:40:14	1:58:00	4:16:40
20	6:28:16	8:49:19	10:56:07	12:37:31	14:05:33	15:29:24	17:05:20	18:59:47	21:16:41	23:36:18	1:54:04	4:12:43
21	6:24:20	8:45:23	10:52:10	12:33:34	14:01:36	15:25:27	17:01:23	18:55:50	21:12:44	23:32:21	1:50:07	4:08:46
22	6:20:23	8:41:26	10:48:13	12:29:38	13:57:39	15:21:30	16:57:26	18:51:54	21:08:47	23:28:24	1:46:10	4:04:49
23	6:16:26	8:37:29	10:44:16	12:25:41	13:53:42	15:17:34	16:53:30	18:47:57	21:04:51	23:24:28	1:42:14	4:00:53
24	6:12:30	8:33:32	10:40:20	12:21:44	13:49:46	15:13:37	16:49:33	18:44:00	21:00:54	23:20:31	1:38:17	3:56:56
25	6:08:33	8:29:36	10:36:23	12:17:48	13:45:49	15:09:40	16:45:36	18:40:03	20:56:57	23:16:34	1:34:20	3:52:59
26	6:04:36	8:25:39	10:32:26	12:13:51	13:41:52	15:05:44	16:41:40	18:36:07	20:53:00	23:12:37	1:30:24	3:49:03
27	6:00:39	8:21:42	10:28:30	12:09:54	13:37:56	15:01:47	16:37:43	18:32:10	20:49:04	23:08:41	1:26:27	3:45:06
28	5:56:43	8:17:46	10:24:33	12:05:58	13:33:59	14:57:50	16:33:46	18:28:13	20:45:07	23:04:44	1:22:30	3:41:09
29	5:52:46	8:13:49	10:20:36	12:02:01	13:30:02	14:53:53	16:29:50	18:24:17	20:41:10	23:00:47	1:18:33	3:37:12
30	5:48:49	8:09:52	10:16:39	11:58:04	13:26:05	14:49:57	16:25:53	18:20:20	20:37:14	22:56:51	1:14:37	3:33:16

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

दिसम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
1	8:05:55	10:12:43	11:54:07	13:22:09	14:46:00	16:21:56	18:16:23	20:33:17	22:52:54	1:10:40	3:29:19	5:44:53
2	8:01:59	10:08:46	11:50:11	13:18:12	14:42:03	16:17:59	18:12:26	20:29:20	22:48:57	1:06:43	3:25:22	5:40:56
3	7:58:02	10:04:49	11:46:14	13:14:15	14:38:07	16:14:03	18:08:30	20:25:23	22:45:01	1:02:47	3:21:26	5:36:59
4	7:54:05	10:00:53	11:42:17	13:10:19	14:34:10	16:10:06	18:04:33	20:21:27	22:41:04	0:58:50	3:17:29	5:33:02
5	7:50:09	9:56:56	11:38:21	13:06:22	14:30:13	16:06:09	18:00:36	20:17:30	22:37:07	0:54:53	3:13:32	5:29:06
6	7:46:12	9:52:59	11:34:24	13:02:25	14:26:16	16:02:13	17:56:40	20:13:33	22:33:10	0:50:56	3:09:35	5:25:09
7	7:42:15	9:49:03	11:30:27	12:58:28	14:22:20	15:58:16	17:52:43	20:09:37	22:29:14	0:47:00	3:05:39	5:21:12
8	7:38:18	9:45:06	11:26:30	12:54:32	14:18:23	15:54:19	17:48:46	20:05:40	22:25:17	0:43:03	3:01:42	5:17:16
9	7:34:22	9:41:09	11:22:34	12:50:35	14:14:26	15:50:22	17:44:49	20:01:43	22:21:20	0:39:06	2:57:45	5:13:19
10	7:30:25	9:37:12	11:18:37	12:46:38	14:10:30	15:46:26	17:40:53	19:57:46	22:17:24	0:35:10	2:53:49	5:09:22
11	7:26:28	9:33:16	11:14:40	12:42:42	14:06:33	15:42:29	17:36:56	19:53:50	22:13:27	0:31:13	2:49:52	5:05:26
12	7:22:32	9:29:19	11:10:44	12:38:45	14:02:36	15:38:32	17:32:59	19:49:53	22:09:30	0:27:16	2:45:55	5:01:29
13	7:18:35	9:25:22	11:06:47	12:34:48	13:58:40	15:34:36	17:29:03	19:45:56	22:05:33	0:23:19	2:41:58	4:57:32
14	7:14:38	9:21:26	11:02:50	12:30:51	13:54:43	15:30:39	17:25:06	19:42:00	22:01:37	0:19:23	2:38:02	4:53:35
15	7:10:41	9:17:29	10:58:53	12:26:55	13:50:46	15:26:42	17:21:09	19:38:03	21:57:40	0:15:26	2:34:05	4:49:39
16	7:06:44	9:13:32	10:54:57	12:22:58	13:46:49	15:22:45	17:17:12	19:34:06	21:53:43	0:11:29	2:30:08	4:45:42
17	7:02:48	9:09:35	10:51:00	12:19:01	13:42:53	15:18:49	17:13:16	19:30:10	21:49:47	0:07:33	2:26:12	4:41:45
18	6:58:51	9:05:39	10:47:03	12:15:05	13:38:56	15:14:52	17:09:19	19:26:13	21:45:50	0:03:36	2:22:15	4:37:49
19	6:54:54	9:01:42	10:43:07	12:11:08	13:34:59	15:10:55	17:05:22	19:22:16	21:41:53	23:59:39	2:18:18	4:33:52
20	6:50:57	8:57:45	10:39:10	12:07:11	13:31:03	15:06:59	17:01:26	19:18:19	21:37:56	23:55:42	2:14:21	4:29:55
21	6:47:01	8:53:49	10:35:13	12:03:14	13:27:06	15:03:02	16:57:29	19:14:23	21:34:00	23:51:46	2:10:25	4:25:58
22	6:43:04	8:49:52	10:31:16	11:59:18	13:23:09	14:59:05	16:53:32	19:10:26	21:30:03	23:47:49	2:06:28	4:22:02
23	6:39:07	8:45:55	10:27:20	11:55:21	13:19:12	14:55:08	16:49:35	19:06:29	21:26:06	23:43:52	2:02:31	4:18:05
24	6:35:11	8:41:58	10:23:23	11:51:24	13:15:16	14:51:12	16:45:39	19:02:33	21:22:10	23:39:56	1:58:35	4:14:08
25	6:31:14	8:38:02	10:19:26	11:47:28	13:11:19	14:47:15	16:41:42	18:58:36	21:18:13	23:35:59	1:54:38	4:10:12
26	6:27:17	8:34:05	10:15:30	11:43:31	13:07:22	14:43:18	16:37:45	18:54:39	21:14:16	23:32:02	1:50:41	4:06:15
27	6:23:20	8:30:08	10:11:33	11:39:34	13:03:26	14:39:22	16:33:49	18:50:42	21:10:19	23:28:05	1:46:45	4:02:18
28	6:19:24	8:26:12	10:07:36	11:35:38	12:59:29	14:35:25	16:29:52	18:46:46	21:06:23	23:24:09	1:42:48	3:58:21
29	6:15:27	8:22:15	10:03:39	11:31:41	12:55:32	14:31:28	16:25:55	18:42:49	21:02:26	23:20:12	1:38:51	3:54:25
30	6:11:30	8:18:18	9:59:43	11:27:44	12:51:35	14:27:31	16:21:59	18:38:52	20:58:29	23:16:15	1:34:54	3:50:28
31	6:07:34	8:14:21	9:55:46	11:23:47	12:47:39	14:23:35	16:18:02	18:34:56	20:54:33	23:12:19	1:30:58	3:46:31

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जनवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
1	8:10:25	9:51:49	11:19:51	12:43:42	14:19:38	16:14:05	18:30:59	20:50:36	23:08:22	1:27:01	3:42:35	6:03:37
2	8:06:28	9:47:53	11:15:54	12:39:45	14:15:41	16:10:08	18:27:02	20:46:39	23:04:25	1:23:04	3:38:38	5:59:40
3	8:02:31	9:43:56	11:11:57	12:35:49	14:11:45	16:06:12	18:23:05	20:42:42	23:00:29	1:19:08	3:34:41	5:55:43
4	7:58:35	9:39:59	11:08:01	12:31:52	14:07:48	16:02:15	18:19:09	20:38:46	22:56:32	1:15:11	3:30:44	5:51:47
5	7:54:38	9:36:03	11:04:04	12:27:55	14:03:51	15:58:18	18:15:12	20:34:49	22:52:35	1:11:14	3:26:48	5:47:50
6	7:50:41	9:32:06	11:00:07	12:23:58	13:59:54	15:54:22	18:11:15	20:30:52	22:48:38	1:07:17	3:22:51	5:43:53
7	7:46:44	9:28:09	10:56:10	12:20:02	13:55:58	15:50:25	18:07:19	20:26:56	22:44:42	1:03:21	3:18:54	5:39:57
8	7:42:48	9:24:12	10:52:14	12:16:05	13:52:01	15:46:28	18:03:22	20:22:59	22:40:45	0:59:24	3:14:58	5:36:00
9	7:38:51	9:20:16	10:48:17	12:12:08	13:48:04	15:42:31	17:59:25	20:19:02	22:36:48	0:55:27	3:11:01	5:32:03
10	7:34:54	9:16:19	10:44:20	12:08:12	13:44:08	15:38:35	17:55:28	20:15:05	22:32:52	0:51:31	3:07:04	5:28:07
11	7:30:58	9:12:22	10:40:24	12:04:15	13:40:11	15:34:38	17:51:32	20:11:09	22:28:55	0:47:34	3:03:07	5:24:10
12	7:27:01	9:08:26	10:36:27	12:00:18	13:36:14	15:30:41	17:47:35	20:07:12	22:24:58	0:43:37	2:59:11	5:20:13
13	7:23:04	9:04:29	10:32:30	11:56:21	13:32:18	15:26:45	17:43:38	20:03:15	22:21:01	0:39:40	2:55:14	5:16:16
14	7:19:07	9:00:32	10:28:33	11:52:25	13:28:21	15:22:48	17:39:42	19:59:19	22:17:05	0:35:44	2:51:17	5:12:20
15	7:15:10	8:56:35	10:24:37	11:48:28	13:24:24	15:18:51	17:35:45	19:55:22	22:13:08	0:31:47	2:47:21	5:08:23
16	7:11:14	8:52:39	10:20:40	11:44:31	13:20:27	15:14:54	17:31:48	19:51:25	22:09:11	0:27:50	2:43:24	5:04:26
17	7:07:17	8:48:42	10:16:43	11:40:35	13:16:31	15:10:58	17:27:51	19:47:29	22:05:15	0:23:54	2:39:27	5:00:30
18	7:03:20	8:44:45	10:12:47	11:36:38	13:12:34	15:07:01	17:23:55	19:43:32	22:01:18	0:19:57	2:35:30	4:56:33
19	6:59:23	8:40:49	10:08:50	11:32:41	13:08:37	15:03:04	17:19:58	19:39:35	21:57:21	0:16:00	2:31:34	4:52:36
20	6:55:27	8:36:52	10:04:53	11:28:44	13:04:41	14:59:08	17:16:01	19:35:38	21:53:24	0:12:03	2:27:37	4:48:39
21	6:51:30	8:32:55	10:00:56	11:24:48	13:00:44	14:55:11	17:12:05	19:31:42	21:49:28	0:08:07	2:23:40	4:44:43
22	6:47:33	8:28:58	09:57:00	11:20:51	12:56:47	14:51:14	17:08:08	19:27:45	21:45:31	0:04:10	2:19:44	4:40:46
23	6:43:37	8:25:02	09:53:03	11:16:54	12:52:50	14:47:17	17:04:11	19:23:48	21:41:34	0:00:13	2:15:47	4:36:49
24	6:39:40	8:21:05	09:49:06	11:12:58	12:48:54	14:43:21	17:00:14	19:19:52	21:37:38	23:56:17	2:11:50	4:32:53
25	6:35:43	8:17:08	09:45:10	11:09:01	12:44:57	14:39:24	16:56:18	19:15:55	21:33:41	23:52:20	2:07:54	4:28:56
26	6:31:46	8:13:12	09:41:13	11:05:04	12:41:00	14:35:27	16:52:21	19:11:58	21:29:44	23:48:23	2:03:57	4:24:59
27	6:27:50	8:09:15	09:37:16	11:01:08	12:37:04	14:31:31	16:48:24	19:08:01	21:25:47	23:44:26	2:00:00	4:21:02
28	6:23:53	8:05:18	09:33:19	10:57:11	12:33:07	14:27:34	16:44:28	19:04:05	21:21:51	23:40:30	1:56:03	4:17:06
29	6:19:56	8:01:21	09:29:23	10:53:14	12:29:10	14:23:37	16:40:31	19:00:08	21:17:54	23:36:33	1:52:07	4:13:09
30	6:16:00	7:57:25	09:25:26	10:49:17	12:25:13	14:19:40	16:36:34	18:56:11	21:13:57	23:32:36	1:48:10	4:09:12
31	6:12:03	7:53:28	09:21:29	10:45:21	12:21:17	14:15:44	16:32:38	18:52:15	21:10:01	23:28:40	1:44:13	4:05:16

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

फरवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
1	7:49:31	09:17:33	10:41:24	12:17:20	14:11:47	16:28:41	18:48:18	21:06:04	23:24:43	1:40:17	4:01:19	6:08:06
2	7:45:35	09:13:36	10:37:27	12:13:23	14:07:50	16:24:44	18:44:21	21:02:07	23:20:46	1:36:20	3:57:22	6:04:09
3	7:41:38	09:09:39	10:33:31	12:09:27	14:03:54	16:20:47	18:40:24	20:58:10	23:16:50	1:32:23	3:53:25	6:00:13
4	7:37:41	09:05:43	10:29:34	12:05:30	13:59:57	16:16:51	18:36:28	20:54:14	23:12:53	1:28:26	3:49:29	5:56:16
5	7:33:44	09:01:46	10:25:37	12:01:33	13:56:00	16:12:54	18:32:31	20:50:17	23:08:56	1:24:30	3:45:32	5:52:19
6	7:29:48	08:57:49	10:21:40	11:57:36	13:52:03	16:08:57	18:28:34	20:46:20	23:04:59	1:20:33	3:41:35	5:48:23
7	7:25:51	08:53:52	10:17:44	11:53:40	13:48:07	16:05:01	18:24:38	20:42:24	23:01:03	1:16:36	3:37:39	5:44:26
8	7:21:54	08:49:56	10:13:47	11:49:43	13:44:10	16:01:04	18:20:41	20:38:27	22:57:06	1:12:40	3:33:42	5:40:29
9	7:17:58	08:45:59	10:09:50	11:45:46	13:40:13	15:57:07	18:16:44	20:34:30	22:53:09	1:08:43	3:29:45	5:36:33
10	7:14:01	08:42:02	10:05:54	11:41:50	13:36:17	15:53:10	18:12:47	20:30:33	22:49:13	1:04:46	3:25:48	5:32:36
11	7:10:04	08:38:06	10:01:57	11:37:53	13:32:20	15:49:14	18:08:51	20:26:37	22:45:16	1:00:49	3:21:52	5:28:39
12	7:06:07	08:34:09	09:58:00	11:33:56	13:28:23	15:45:17	18:04:54	20:22:40	22:41:19	0:56:53	3:17:55	5:24:42
13	7:02:10	08:30:12	09:54:03	11:29:59	13:24:27	15:41:20	18:00:57	20:18:43	22:37:22	0:52:56	3:13:58	5:20:46
14	6:58:14	08:26:15	09:50:07	11:26:03	13:20:30	15:37:24	17:57:01	20:14:47	22:33:26	0:48:59	3:10:02	5:16:49
15	6:54:17	08:22:19	09:46:10	11:22:06	13:16:33	15:33:27	17:53:04	20:10:50	22:29:29	0:45:03	3:06:05	5:12:52
16	6:50:20	08:18:22	09:42:13	11:18:09	13:12:36	15:29:30	17:49:07	20:06:53	22:25:32	0:41:06	3:02:08	5:08:56
17	6:46:23	08:14:25	09:38:17	11:14:13	13:08:40	15:25:33	17:45:10	20:02:57	22:21:36	0:37:09	2:58:11	5:04:59
18	6:42:27	08:10:29	09:34:20	11:10:16	13:04:43	15:21:37	17:41:14	19:59:00	22:17:39	0:33:12	2:54:15	5:01:02
19	6:38:30	08:06:32	09:30:23	11:06:19	13:00:46	15:17:40	17:37:17	19:55:03	22:13:42	0:29:16	2:50:18	4:57:05
20	6:34:33	08:02:35	09:26:26	11:02:22	12:56:50	15:13:43	17:33:20	19:51:06	22:09:45	0:25:19	2:46:21	4:53:09
21	6:30:37	07:58:38	09:22:30	10:58:26	12:52:53	15:09:47	17:29:24	19:47:10	22:05:49	0:21:22	2:42:25	4:49:12
22	6:26:40	07:54:42	09:18:33	10:54:29	12:48:56	15:05:50	17:25:27	19:43:13	22:01:52	0:17:26	2:38:28	4:45:15
23	6:22:43	07:50:45	09:14:36	10:50:32	12:44:59	15:01:53	17:21:30	19:39:16	21:57:55	0:13:29	2:34:31	4:41:19
24	6:18:46	07:46:48	09:10:40	10:46:36	12:41:03	14:57:56	17:17:33	19:35:20	21:53:59	0:09:32	2:30:35	4:37:22
25	6:14:50	07:42:52	09:06:43	10:42:39	12:37:06	14:54:00	17:13:37	19:31:23	21:50:02	0:05:35	2:26:38	4:33:25
26	6:10:53	07:38:55	09:02:46	10:38:42	12:33:09	14:50:03	17:09:40	19:27:26	21:46:05	0:01:39	2:22:41	4:29:28
27	6:06:56	07:34:58	08:58:49	10:34:46	12:29:13	14:46:06	17:05:43	19:23:29	21:42:08	23:57:42	2:18:44	4:25:32
28	6:03:00	07:31:01	08:54:53	10:30:49	12:25:16	14:42:10	17:01:47	19:19:33	21:38:12	23:53:45	2:14:48	4:21:35

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

विक्रम संवत् 2073 (ई.सन् 2016-17) के मुहूर्त हेतु काल विवरण

विवाहादि मांगलिक कार्यो के लिये चैत्र मास, पौष मास, अधिमास, श्राद्ध-पक्ष, भीष्मपंचक, होलिकाष्टक एवं गुरु-शुक्र के अस्तकाल वर्जित कहे गये हैं । उपनयन संस्कार चैत्रमास में तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किये जा सकते हैं।

मीन संक्रान्ति- संवत् 2073 चैत्र शुक्ल 1 शुक्रवार दिनाङ्क-08/04/2016 से प्रारम्भ तथा संवत् 2073 चैत्र शुक्ल 7 बुधवार दिनाङ्क- 13/04/2016 तक।

शुक्र अस्तोदय- वैशाख कृष्ण 10 सोमवार दिनाङ्क- 02/05/2016 से आषाढ़ शुक्ल 2 बुधवार दिनाङ्क 06/07/2016 को उदित।

श्रीहरि-देवशयन-काल- आषाढ़ शुक्ल 11 शुक्रवार दिनाङ्क-15/07/2016 से कार्तिक शुक्ल10 गुरुवार दिनाङ्क 10/11/2016 तक।

गुरु अस्तोदय- भाद्रपद शुक्ल 9 रविवार दिनाङ्क 11/09/2016 से आश्विन शुक्ल 5 गुरुवार दिनाङ्क 06/10/2016 को उदित।

महालय (श्राद्धपक्ष)-भाद्रपद शुक्ल 15 शुक्रवार दिनाङ्क-16/09/2016 से आश्विन कृष्ण 30 शुक्रवार दिनाङ्क 30/09/2016 तक रहेगा।

धनु-संक्रान्ति- पौष कृष्ण 2 गुरुवार दिनाङ्क 15/12/2016 से माघ कृष्ण 2 शनिवार दिनाङ्क 14/01/2017 तक रहेगी।

होलाष्टक- फाल्गुन शुक्ल 8 रविवार दिनाङ्क 05/03/2017 से फाल्गुन शुक्ल 15 रविवार दिनाङ्क 12/03/2017 तक रहेगा।

मीन संक्रान्ति- चैत्र कृष्ण 2 मंगलवार दिनाङ्क 14/03/2017 से अग्रिम संवत् 2073 चैत्र कृष्ण 30 मंगलवार दिनाङ्क 28/03/2017 तक।

शुक्र अस्तोदय- चैत्र कृष्ण 8 मंगलवार दिनाङ्क- 21/03/2017 से चैत्र कृष्ण 12 शनिवार दिनाङ्क 25/03/2017 को उदित।

सिंहस्थगुरु दोष विचार

इस वर्ष विक्रम 2073 के अन्तर्गत चैत्र शुक्ल 1 शुक्रवार 08 अप्रैल 2016 से संवत् 2073 श्रावण शुक्ल 8 गुरुवार 11 अगस्त 2016 तक गुरु सिंह राशि में रहेगा।

मुहूर्त्त शास्त्रीय नियामक से सिंहस्थगुरु के अन्तर्गत **'मघादिपञ्चपादेषु'** तथा **'सिंहे गुरौ सिंह लवे'** के अनुसार विवाह आदि एवं अन्य मांगलिक विविध मुहूर्त्तों हेतु गुरु का सिंहस्थ दोष मान्य नहीं है। मुहूर्त्त शास्त्र के नियमानुसार सिंहस्थ गुरु के परिहार वचन-समाधान हेतु मुहूर्त्त ग्रन्थों में उपलब्ध है। तदनुसार ही भावी सिंहस्थ गुरुदोष का मुहूर्त्त में परिशोधन करना चाहिए।

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2073 (ई.सन् 2016-17)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
16/04/2016	चैत्र	शुक्ल	10	शनि	मघा	07	मेष	सिंह	सिंह	ल.10, 12
17/04/2016	चैत्र	शुक्ल	11	रवि	मघा	08	मेष	सिंह	सिंह	ल. 3, 4
18/04/2016	चैत्र	शुक्ल	12	सोम	उ.फा.	06	मेष	सिंह	सिंह	ल. 9 (शनिदान)
19/04/2016	चैत्र	शुक्ल	13	मंगल	उ.फा	06	मेष	सिंह	कन्या	ल. गोधूलि, 9
20/04/2016	चैत्र	शुक्ल	14	बुध	हस्त	08	मेष	सिंह	कन्या	ल. 3,4, गोधूलि, 9
22/04/2016	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	स्वाति	06	मेष	सिंह	तुला	ल. 3, 4, 9(शनि दान)
23/04/2016	वैशाख	कृष्ण	1	शनि	स्वाति	08	मेष	सिंह	तुला	ल. 3
26/04/2016	वैशाख	कृष्ण	4	मंगल	मूल	08	मेष	सिंह	धनु	ल. गोधूलि
27/04/2016	वैशाख	कृष्ण	5	बुध	मूल	07	मेष	सिंह	धनु	ल.4 (चन्द्र पूज्य), गोधूलि
10/07/2016	आषाढ	शुक्ल	6	रवि	उ.फा.	09	मिथुन	सिंह	कन्या	ल. 4, गोधूलि
11/07/2016	आषाढ	शुक्ल	7	सोम	हस्त	08	मिथुन	सिंह	कन्या	ल. 4
13/07/2016	आषाढ	शुक्ल	9	बुध	स्वाति	09	मिथुन	सिंह	तुला	ल. 4, 6, गोधूलि
16/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	2	बुध	मृगशिरा	09	वृश्चिक	कन्या	वृष	ल.12 गुरुदान, 1 मंगलदान
23/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	बुध	उ.फा.	07	वृश्चिक	कन्या	सिंह/कन्या	ल. 9 शनिदान
24/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	गुरु	हस्त	07	वृश्चिक	कन्या	कन्या	ल. 9 (शनि दान)
25/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	हस्त	08	वृश्चिक	कन्या	कन्या	ल. 9 (शनि दान)
30/11/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	1	बुध	मूल	07	वृश्चिक	कन्या	धनु	ल. 6, 7 (शुक्र दान)

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2073 (ई.सन् 2016-17)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
01/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	2	गुरु	मूल	06	वृश्चिक	कन्या	धनु	ल12 गुरुदान, 1 मंगलदान,06
03/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	4	शनि	उ.षा.	07	वृश्चिक	कन्या	मकर	ल. 06(भद्रोपरान्त), 07
08/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	9	गुरु	उ.भा.	09	वृश्चिक	कन्या	मीन	ल. 01, गोधूलि
09/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	शुक्र	रेवती	07	वृश्चिक	कन्या	मीन	ल. 06 (चन्द्रदान)
12/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	13	सोम	रोहिणी	09	वृश्चिक	कन्या	वृष	ल. 06, 07
16/01/2017	माघ	कृष्ण	4	सोम	उ.फा.	07	मकर	कन्या	सिंह	ल. 07, 09
17/01/2017	माघ	कृष्ण	5	मंगल	उ.फा.	08	मकर	कन्या	कन्या	ल. 12 (चन्द्र-गुरुदान)
17/01/2017	माघ	कृष्ण	5	मंगल	हस्त	08	मकर	कन्या	कन्या	ल. 7, 9(शुक्र-शनिदान)
18/01/2017	माघ	कृष्ण	6	बुध	हस्त	07	मकर	कन्या	कन्या	ल. 11 (गुरुदान)
22/01/2017	माघ	कृष्ण	10	रवि	अनुराधा	09	मकर	कन्या	वृश्चिक	ल. 7, 9(शुक्र-शनिदान)
05/02/2017	माघ	शुक्ल	9	रवि	रोहिणी	08	मकर	कन्या	वृष	ल. 08 (चन्द्रदान)
06/02/2017	माघ	शुक्ल	10	सोम	रोहिणी	09	मकर	कन्या	वृष	ल. 01
18/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	7	शनि	अनुराधा	07	कुम्भ	कन्या	वृश्चिक	ल. 10(शुक्र-शनि दान)
19/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	8	रवि	अनुराधा	07	कुम्भ	कन्या	वृश्चिक	ल. 1 चन्द्रदान, 2 चन्द्रदान
27/02/2017	फाल्गुन	शुक्ल	1	सोम	उ.भा.	07	कुम्भ	कन्या	मीन	ल.10 (29:59 के बाद)
28/02/2017	फाल्गुन	शुक्ल	2	मंगल	उ.भा.	07	कुम्भ	कन्या	मीन	ल.02 (राहुदान)
04/03/2017	फाल्गुन	शुक्ल	6	शनि	रोहिणी	07	कुम्भ	कन्या	वृष	ल.10

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2073 (ई.सन् 2016-17)

(जम्मू-कश्मीर, पंजाब एवं हिमाचल आदि त्रिगर्तस्थ प्रदेशों के लिए)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
19/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	15	मंगल	उ.षा	08	कर्क	सिंह	धनु	ल. गोधूलि
20/07/2016	श्रावण	कृष्ण	01	बुध	उ.षा	08	कर्क	सिंह	मकर	ल. 6, 7, 9
21/07/2016	श्रावण	कृष्ण	02	गुरु	श्रवण	07	कर्क	सिंह	मकर	ल. 6, 7
21/07/2016	श्रावण	कृष्ण	02	गुरु	धनिष्ठा	08	कर्क	सिंह	मकर	ल. 9(शुक्रदान), 3
22/07/2016	श्रावण	कृष्ण	03	शुक्र	धनिष्ठा	08	कर्क	सिंह	कुम्भ	ल. 7
24/07/2016	श्रावण	कृष्ण	05	रवि	उ.भा	08	कर्क	सिंह	मीन	ल.9शनि-शुक्रदान,3
25/07/2016	श्रावण	कृष्ण	06	सोम	रेवती	06	कर्क	सिंह	मीन	ल.9 (शनि-शुक्रदान)
29/07/2016	श्रावण	कृष्ण	10	शुक्र	रोहिणी	07	कर्क	सिंह	वृष	ल. 6 (भद्रोपरान्त), 3
30/07/2016	श्रावण	कृष्ण	11	शनि	मृगशिरा	06	कर्क	सिंह	वृष-मिथुन	ल. 6, 3
03/08/2016	श्रावण	शुक्ल	1	बुध	मघा	08	कर्क	सिंह	सिंह	ल. 3 (शुक्रदान)
04/08/2016	श्रावण	शुक्ल	2	गुरु	मघा	09	कर्क	सिंह	सिंह	ल. 6,7,9(शनिदान)
06/08/2016	श्रावण	शुक्ल	4	शनि	उ.फा.	08	कर्क	सिंह	सिंह-कन्या	ल. 6, 7
07/08/2016	श्रावण	शुक्ल	5	रवि	हस्त	09	कर्क	सिंह	कन्या	ल.7, 9(शुक्रदान),3
08/08/2016	श्रावण	शुक्ल	6	सोम	चित्रा	07	कर्क	सिंह	कन्या	ल. 9
09/08/2016	श्रावण	शुक्ल	6	मंगल	चित्रा	08	कर्क	सिंह	तुला	ल. 6

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2073 (ई.सन् 2016-17)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
21/08/2016	भाद्रपद	कृष्ण	3	रवि	उ.भा	08	सिंह	कन्या	मीन	ल. 6, 9, 10
25/08/2016	भाद्रपद	कृष्ण	8	गुरु	रोहिणी	06	सिंह	कन्या	वृष	ल. 10, 3, 4
26/08/2016	भाद्रपद	कृष्ण	9	शुक्र	रोहिणी	08	सिंह	कन्या	वृष	ल. 6
26/08/2016	भाद्रपद	कृष्ण	9	शुक्र	मृगशिरा	07	सिंह	कन्या	वृष	ल. 10, 3, 4
02/09/2016	भाद्रपद	शुक्ल	1	शुक्र	उ.फा.	08	सिंह	कन्या	सिंह-कन्या	ल.9श.दा. 3,4 शु.दा.
03/09/2016	भाद्रपद	शुक्ल	2	शनि	उ.फा.	08	सिंह	कन्या	कन्या	ल.7
03/09/2016	भाद्रपद	शुक्ल	2	शनि	हस्त	08	सिंह	कन्या	कन्या	ल. 9, 10, 3, 4
04/09/2016	भाद्रपद	शुक्ल	3	रवि	हस्त	08	सिंह	कन्या	कन्या	ल. 7, 9
04/09/2016	भाद्रपद	शुक्ल	3	रवि	चित्रा	10	सिंह	कन्या	कन्या	ल.10, 3, 4
09/10/2016	आश्विन	शुक्ल	8	रवि	उ.षा.	09	कन्या	कन्या	धनु-मकर	ल. 4
10/10/2016	आश्विन	शुक्ल	9	सोम	उ.षा.	10	कन्या	कन्या	मकर	ल. 7
10/10/2016	आश्विन	शुक्ल	9	सोम	श्रवण	09	कन्या	कन्या	मकर	ल. 4 (चन्द्रदान)
11/10/2016	आश्विन	शुक्ल	10	मंगल	श्रवण	08	कन्या	कन्या	मकर	ल. 7
19/10/2016	कार्तिक	कृष्ण	4	बुध	रोहिणी	06	तुला	कन्या	वृष	ल10,12(मंगलदान)
19/10/2016	कार्तिक	कृष्ण	4	बुध	मृगशिरा	07	तुला	कन्या	वृष	ल. 4, 6(शुक्रदान)
20/10/2016	कार्तिक	कृष्ण	5	गुरु	मृगशिरा	08	तुला	कन्या	मिथुन	ल. 12
01/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	2	मंगल	अनुराधा	09	तुला	कन्या	वृश्चिक	ल.12 (गुरुदान), 6

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लग्नादि विवरण
02/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	3	बुध	अनुराधा	10	तुला	कन्या	वृश्चिक	ल. 9श.दा, 12गु.दा.
04/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	4	शुक्र	मूल	08	तुला	कन्या	धनु	ल.12(गु.दा),गोधूलि
07/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	7	सोम	श्रवण	09	तुला	कन्या	मकर	ल. 9
07/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	7	सोम	धनिष्ठा	08	तुला	कन्या	मकर	ल. 6
11/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	11	शुक्र	उ.भा.	07	तुला	कन्या	मीन	ल. 9
11/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	11	शुक्र	रेवती	06	तुला	कन्या	मीन	ल. 6
12/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	13	शनि	रेवती	06	तुला	कन्या	मीन	ल.9(श.दा.),गोधूलि

गोधूलि प्रशंसा

ऋषि मुनियों ने गोधूलि वेला सभी प्रकार के विवाहादि मंगल कार्यों में शुभ कही गयी है। गोधूलि वेला में पञ्चांग शुद्धि एवं लग्न शुद्धि विचार नहीं करना चाहिए। यथा -

नास्यामृक्षं न तिथि-करणं नैव लग्नस्य चिंता
नो वा वारो न च लवविधिर्नो मुहूर्तस्य चर्चा।
नो वा योगो न मृतिभवनं नैव जामित्रदोषो
गोधूलिः सा मुनिभिरुदिता सर्वकार्येषु शस्ता॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 100)

विशेष - प्रशस्त गोधूलि लग्न का आवश्यक होने पर मुहूर्ताभाव में उपयोग करना चाहिये। अन्यथा शुद्धि देखते हुये विवाह करना प्रशस्त होता है। नारद के मतानुसार कुछ विशिष्ट स्थानों पर गोधूलि का उपयोग करना चाहिये। यथा-

प्राच्यानां च कलिंगानां मुख्यं गोधूलिकं स्मृतं।
गान्धर्वादिविवाहेषु वैश्योद्वाहे च योजयेत्॥

गोधूलि लक्षणं

हेमन्तऋतु अर्थात् मार्गशीर्ष पौष माघ फाल्गुन मासों में जब सूर्य बिम्ब निस्तेज गोलक के समान हो जाता है उस समय गोधूलि लग्न होती है। ग्रीष्मऋतु अर्थात् चैत्र वैशाख ज्येष्ठ आषाढ़ मासों में सूर्य बिम्ब का आधा भाग अस्त होने पर तथा वर्षाऋतु अर्थात् श्रावण भाद्रपद आश्विन कार्तिक मासों में सम्पूर्ण बिम्ब के अस्त होने पर गोधूलि लग्न होती है। इस प्रकार ऋतु भेद से तीन प्रकार की गोधूलि लग्न कही गयी है। इसका सभी प्रकार के शुभ कार्यों में उपयोग करना शुभकारक होता है। यथा -

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्ततौं स्यादर्घास्ते तपसमये गोधूलिः।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 101)

गोधूलि में त्याज्य

गुरुवार के दिन सूर्यास्त के बाद एवं शनिवार के दिन सूर्यास्त से पूर्व गोधूलि वेला शुभ कही गयी है। गोधूलि काल में विवाह लग्न से अष्टम षष्ठ और लग्न में यदि चन्द्रमा हो तो कन्या के लिये कष्टप्रद होता है। लग्न सप्तं और अष्टं भाव में मंगल हो तो वर के लिये कष्टप्रद होता है। एकादश द्वितीय एवं तृतीय भाव में स्थित चन्द्रमा सुख कारक होता है। यथा-

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।
कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 102)

गृह निर्माण मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
29/04/2016	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.	अभिजित
11/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	07	सोम	हस्त	ल.06/अभि.
16/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	12	शनि	अनुराधा	ल.विचारणीय
20/07/2016	श्रावण	कृष्ण	01	बुध	उ.षा.	ल.06
25/07/2016	श्रावण	कृष्ण	06	सोम	उ.भा./रेवती	ल.06/अभि.
29/07/2016	श्रावण	कृष्ण	10	शुक्र	रोहिणी	अभिजित
30/07/2016	श्रावण	कृष्ण	11	शनि	मृगशिरा	ल.06/अभि.
08/08/2016	श्रावण	शुक्ल	06	सोम	हस्त/चित्रा	ल.06/अभि.
18/08/2016	श्रावण	शुक्ल	15	गुरु	धनिष्ठा	ल.06/अभि.
22/08/2016	भाद्रपद	कृष्ण	05	सोम	रेवती	ल.06/अभि.
03/09/2016	भाद्रपद	शुक्ल	02	शनि	उ.फा.	ल.06/अभि.
06/10/2016	आश्विन	शुक्ल	05	गुरु	अनुराधा	विचारणीय
12/10/2016	आश्विन	शुक्ल	11	बुध	धनिष्ठा	विचारणीय
27/10/2016	कार्तिक	कृष्ण	12	गुरु	उ.फा.	अभिजित
02/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनुराधा	ल.09
11/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	11	शुक्र	उ.भा.	विचारणीय
12/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	13	शनि	रेवती	ल.09/अभि.
16/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	बुध	मृगशिरा	विचारणीय
23/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	बुध	उ.फा.	ल.09
24/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	गुरु	उ.फा.हस्त	ल.9/अभि.
25/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	हस्त/चित्रा	ल.09/अभि.
26/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	शनि	चित्रा	ल.09/अभि.
18/01/2017	माघ	कृष्ण	06	बुध	हस्त	ल.12
02/02/2017	माघ	शुक्ल	06	गुरु	रेवती	अभिजित
06/02/2017	माघ	शुक्ल	10	सोम	रोहिणी	अभिजित
15/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	बुध	हस्त	विचारणीय
16/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	चित्रा	ल.02/अभि.
01/03/2017	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	रेवती	ल.02

गृह प्रवेश मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
22/04/2016	चैत्र	शुक्ल	15	शुक्र	स्वाति	अभिजित
23/04/2016	वैशाख	कृष्ण	01	शनि	स्वाति	विचारणीय
29/04/2016	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.	ल.03/अभि.
13/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	09	बुध	स्वाति	ल.06
16/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	12	शनि	अनुराधा	विचारणीय
20/07/2016	श्रावण	कृष्ण	01	बुध	उ.षा.	ल.06

25/07/2016	श्रावण	कृष्ण	06	सोम	उ.भा/रेवती	ल.06/अभि.
29/07/2016	श्रावण	कृष्ण	10	शुक्र	रोहिणी	अभिजित
30/07/2016	श्रावण	कृष्ण	11	शनि	अनुराधा	विचारणीय
08/08/2016	श्रावण	शुक्ल	06	सोम	चित्रा	ल.06/अभि.
18/08/2016	श्रावण	शुक्ल	15	गुरु	धनिष्ठा	ल.06/अभि.
19/08/2016	भाद्रपद	कृष्ण	01	शुक्र	शतभिषा	ल.06/अभि.
22/08/2016	भाद्रपद	कृष्ण	05	सोम	रेवती	ल.06/अभि.
03/09/2016	भाद्रपद	शुक्ल	02	शनि	उ.फा.	ल.06/अभि.
12/10/2016	आश्विन	शुक्ल	11	बुध	धनिष्ठा	विचारणीय
13/10/2016	आश्विन	शुक्ल	12	गुरु	शतभिषा	अभिजित
27/10/2016	कार्तिक	कृष्ण	12	गुरु	उ.भा.	अभिजित
02/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	03	बुध	अनुराधा	ल.09
11/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	11	शुक्र	उ.भा.	विचारणीय
12/11/2016	कार्तिक	शुक्ल	13	शनि	रेवती	ल.09/अभि.
23/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	बुध	उ.फा.	ल.09
24/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	गुरु	उ.फा.	विचारणीय
25/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	चित्रा	अभिजित
26/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	शनि	चित्रा	ल.09/अभि.
23/01/2017	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनुराधा	ल.12/अभि.
30/01/2017	माघ	शुक्ल	03	सोम	शतभिषा	विचारणीय
01/02/2017	माघ	शुक्ल	05	बुध	उ.भा.	विचारणीय
02/02/2017	माघ	शुक्ल	06	गुरु	रेवती	अभिजित
06/02/2017	माघ	शुक्ल	10	सोम	रोहिणी	अभिजित
15/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	बुध	चित्रा	ल.02
16/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	चित्रा	ल.02/अभि.
01/03/2017	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	रेवती	ल.02

सौम्य देव प्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
14/04/2016	चैत्र	शुक्ल	08	गुरु	पुनर्वसु	अभिजित
29/04/2016	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.	अभिजित
18/01/2017	माघ	कृष्ण	06	बुध	हस्त	ल.12
23/01/2017	माघ	कृष्ण	11	सोम	अनुराधा	अभिजित
30/01/2017	माघ	शुक्ल	03	सोम	शतभिषा	विचारणीय
01/02/2017	माघ	शुक्ल	05	बुध	उ.भा.	ल.02
02/02/2017	माघ	शुक्ल	06	गुरु	रेवती	अभिजित
03/02/2017	माघ	शुक्ल	07	शुक्र	अश्विनी	अभिजित
06/02/2017	माघ	शुक्ल	10	सोम	रोहिणी	अभिजित
15/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	बुध	हस्त/चित्रा	ल.02
16/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	गुरु	चित्रा	ल.02/अभि.

19/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	08	रवि	अनुराधा	ल.02/अभि.
24/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	श्रवण	ल.02/अभि.
01/03/2017	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	रेवती	ल.02

उग्र देवप्रतिष्ठा मुहूर्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
10/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	06	रवि	उ.फा.	ल.06/अभि.
11/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	07	सोम	हस्त	ल.06/अभि.
13/07/2016	आषाढ़	शुक्ल	09	बुध	स्वाति	ल.06
18/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	शुक्र	पुनर्वसु	ल.09/अभि.
23/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	बुध	उ.फा.	ल.09
24/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	गुरु	उ.फा.हस्त	ल.9/अभि.
25/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	हस्त/चित्रा	ल.09/अभि.
26/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	शनि	चित्रा	ल.09/अभि.
27/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	रवि	स्वाति	ल.09
04/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	रवि	उ.षा./श्रवण	ल.09/अभि.
05/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	सोम	श्रव./धनिष्ठा	ल.09/अभि.
10/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	11	शनि	रेव./अश्विनी	विचारणीय

क्षौरकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
03/02/2017	माघ	शुक्ल	07	शुक्र	अश्विनी	विचारणीय
09/02/2017	माघ	शुक्ल	13	गुरु	पुनर्वसु	मीन
15/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	बुध	हस्त	11:31 तक
15/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	बुध	चित्रा	मेष, वृष
20/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	09	सोम	ज्येष्ठा	कर्क
24/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	श्रवण	विचारणीय
01/03/2017	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	रेवती	मिथुन

उपनयन (यज्ञोपवीत) मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
11/04/2016	चैत्र	शुक्ल	05	सोम	रोहिणी	मिथुन/अभि.
01/02/2017	माघ	शुक्ल	05	बुध	उ.भा.	विचारणीय
06/02/2017	माघ	शुक्ल	10	सोम	रोहिणी	अभिजित
08/02/2017	माघ	शुक्ल	12	बुध	आर्द्रा	12:11 तक
12/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	02	रवि	पू.फा.	वृष
15/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	बुध	हस्त	वृष
01/03/2017	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	रेवती	वृष

विद्यारम्भ मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
18/01/2017	माघ	कृष्ण	06	बुध	हस्त	12:40
29/01/2017	माघ	शुक्ल	02	रवि	धनिष्ठा	मिथुन

02/02/2017	माघ	शुक्ल	06	गुरु	रेवती	विचारणीय
08/02/2017	माघ	शुक्ल	12	बुध	आर्द्रा	11:27 तक

द्विरागमन मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न/भा.स्टे.टा
14/04/2016	चैत्र	शुक्ल	08	गुरु	पुनर्वसु	अभिजित
27/04/2016	वैशाख	कृष्ण	05	बुध	मूल	मिथुन
29/04/2016	वैशाख	कृष्ण	07	शुक्र	उ.षा.	अभिजित
16/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	02	बुध	मृगशिरा	विचारणीय
18/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	05	शुक्र	पुनर्वसु	धनु/अभिजित
23/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10	बुध	उ.फा.	धनु
24/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	गुरु	उ.फा./हस्त	धनु/अभिजित
25/11/2016	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	शुक्र	हस्त/चित्रा	धनु/अभिजित
01/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	02	गुरु	मूल	धनु/अभिजित
05/12/2016	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	सोम	श्रवण/धनि.	धनु/अभिजित
13/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	03	सोम	उ.फा.	वृष/अभिजित
15/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	05	बुध	चित्रा	वृष
24/02/2017	फाल्गुन	कृष्ण	13	शुक्र	श्रवण	वृष/अभिजित
01/03/2017	फाल्गुन	शुक्ल	03	बुध	रेवती	वृष

विविध मुहूर्तों का विचार

गर्भाधान मुहूर्त

यह षोडश संस्कारों में प्रथम संस्कार हैं, क्योंकि जीवन का प्रारम्भ इसी से होता है।

निषिक्तो यत्प्रयोगेण गर्भ संधार्यते स्त्रिया।

तद्गर्भालम्भनं नामकर्म प्रोक्तं मनीषिभिः॥

रजोदर्शन प्रारम्भ से 4 रात्रि उपरान्त सम रात्रियों में रोहिणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर इन लग्नों मे तथा लग्न से 3-6-11वें स्थान पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल, और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो (स्त्री का विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

श्रेष्ठ नक्षत्र - रोहणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा

मध्यम नक्षत्र - पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा

लग्न - मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर व लग्न से 3,6,11 वें पापग्रह

नवांश - 1, 3, 5, 7, 9, 11

रात्रियां रजोदर्शन से - 6, 8, 10, 12, 14, 16 वीं

पुंसवन तथा सीमन्तोनयन मुहूर्त

गर्भधारण का निश्चय हो जाने के पश्चात् शिशु को पुंसवन नामक संस्कार के द्वारा अभिषिक्त किया जाता है। इसका अभिप्राय पुमान् (पुरुष) का सवन (जन्म) हो।

पुमान् प्रसूयते येन कर्मणा तत् पुंसवनमीरितम्।

गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र मे, तारा शुद्धि मे रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर, शुक्लपक्ष की 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन के पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवांश लग्न में होने पर तथा लग्न से 1, 4, 5, 7, 9, 10 स्थानों पर शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की 1,6,8,12वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ हैं।

मास - गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

तिथि - शुक्लपक्ष की 1,2,3,4,5,7,10,11,13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त

नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर

लग्न - 1,3,5,7,11

वार - रवि, मंगल, बुध, गुरु, मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र

स्तनपान मुहूर्त

जन्म से पांचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, 4,9,14 तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुनर्वसु. पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान कराना शुभ हैं।

तिथि - 2,3,5,8,10,11,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती

त्याज्य - भद्रा, व्यतिपात, वैधृति 4, 9, 14 तिथि

जलपूजन मुहूर्त

जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र, वारों में 4,9,14,30 तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृगशिरा,पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार एक मास के बाद ही करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - बुध-गुरु-चन्द्र

नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमावस्य तिथि

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त

जीवन में व्यवहार का सम्पूर्ण आधार नाम पर ही निर्भर होता है।

नामाखिलस्य जगतः व्यवहार हेतुः शुभावहं कर्मसु भाग्यहेतुः।
नाम्नैव कीर्तिं लभते मनुष्यस्ततः प्रशस्तं खलु नाम कर्म।।

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण 11वें दिन, क्षत्रिय 13वें दिन, शूद्र 21वें दिन, कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के करण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन नामकरण संस्कार विना विचारें कर लें। 12 दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता 1,2,3,5,6,7,10,11,12,13 इन

तिथियों में शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में लग्न नवांश के बल का विचार कर नामकरण करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती

त्याज्य - जन्म से 10 दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन

निष्क्रमण मुहूर्त

बालक को प्रथम बार घर से बाहर निकलनें को ही निष्क्रमण कहते हैं। जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्र का पूजन कर सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पाये तब 3 मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमावस्य आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में, अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

तिथि - पञ्चमास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम-बुध-गुरु-शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता तिथि, अमावस्या., विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेशन मुहूर्त्त

जन्म से पञ्चम मास में रिक्ता, अमावस्य रहित तिथि, शुभवार, अश्विनी. , रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य हस्त अनुराधा ज्येष्ठा अभिजित तीनों उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथ्वी और वराह का पूजन कर "पृथ्वी" पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएं रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिये।

तिथि - पंचम मास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी. रोहिणी., मृगशिरा. पुष्य, हस्त, अनुराधा. ज्येष्ठा, तीनों उत्तरा

लग्न - 2, 5, 8, 11

अन्नप्राशन मुहूर्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद 6,8,10,12वें मास में पुत्र को और 5,7,9 वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित 1,3,5,7,10,13,15 तिथियों में शुभवार अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त चित्रा स्वाति. अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में 1,3,4,5,7,9 स्थानों मे शुभ ग्रह हो जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न को त्यागकर पाप-शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

मास - 6,8,10,12वें मास में पुत्र 5,7,9 वें मास मे कन्या

तिथि - 1,3,5,7,10,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा, रेवती

लग्न - 1,3,4,5,6,7,9,10,11

त्याज्य - जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न, पाप-शुद्ध दशम भाव

कर्णवेध मुहूर्त

कर्ण वेध के महत्व के सन्दर्भ मे सुश्रुत ने कहा है कि कर्णवेध करने से अन्त्रवृद्धि, अण्डकोष वृद्धि आदि का निरोध होता है।

शंङ्खोपरि च कर्णान्ते त्यक्त्वा यत्नेन् सेवनीयम्।

व्यत्यासाद्वा शिरां विध्येद् अन्त्रवृद्धि निवृत्तये।।

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6, 7, 8वें मास में या विषम वर्षो में शुभवार, अश्विनि, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

वर्षादि - विषम वर्ष, 6,7,8 वें मास, जन्म से 12वें या 16वें दिन

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती

लग्न - 2,7,9,12

त्याज्य - समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व जन्म तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता।

चूडाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौलकर्म विषमवर्ष या उत्तरायण में 2,3,5,10,11,13 तिथियों, शुभवारों में अश्विनी, मृगशिरा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों मे करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिये। ज्येष्ठ, चैत्र मास मे न करें। बालक की माता को पांच मास की गर्भ स्थिति होने पर 5 वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

सूनोर्मातरि गर्भिण्यां चूडाकर्म न कारयेत्।

पञ्चाब्दात्प्रागथेर्ध्व तु गर्भिण्यामपि कारयेत्।।

वर्षादि - विषमवर्ष या उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,7,10,11,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

त्याज्य - लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्र मास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का मुहूर्त्त

शुक्लपक्ष की रिक्ता व अमावस्या रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि. मृग. पुन. पुष्य, हस्त, चि., अनु., श्रव, ध नि, रेव, तीनों उत्तरा, स्वाती, शत, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

पक्ष - शुक्लपक्ष

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

प्रहर - प्रथम

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, तीनों उत्तरा, स्वाती, शतभिषा

अक्षरारम्भ मुहूर्त

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो जन्म से 5,7 वें वर्ष में 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12 तिथि, शुभवार, अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को छोड़कर, अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी, तथा अपने देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

अयन - उत्तरायण

वर्ष - 5, 7

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

तिथि - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12

लग्न - 1,3,5,6,8,9,11,12

नक्षत्र - अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती

विद्यारम्भ मुहूर्त

अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान को बढाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या(विशेषतः संस्कृत भाषस्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में, रवि, बुध,गुरु शुक्र वारों में और अश्विनी आश्लेषा, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ हैं। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिये रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्येष्ठा. आश्लेषा, मघा, 3पूर्वा, भरणी, कृतिका., विशाखा, आर्द्रा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, इन नक्षत्रों मे शुभ है।

अयन - उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में

विद्यारम्भ त्याज्य - फाल्गुन मास रिक्ता, अमावस्या तिथियां

वार - रवि, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आश्लेषा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती

उपनयन मुहूर्त

उपनयनसंस्कार बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण का 8 वें, क्षत्रिय का 11 वें, वैश्य का 12 वें वर्ष में करना श्रेयस्कर है। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण 16 वें वर्ष, क्षत्रिय 22 वें वर्ष वैश्य 24 वें वर्ष तक उपनयन संस्कार करा सकते हैं।-

विप्राणां व्रतबन्धनं निगदितं गर्भाज्जनेर्वाष्टमे।

वर्षे वाप्यथ पञ्चमे क्षितिभुजां षष्ठे तथैकादशे।

वैश्यानां पुनरष्टमेऽप्यथ पुनः स्याद् द्वादशे वत्सरे।

कालेऽथ द्विगुणे गते निगदिते गौणं तदाहुर्बुधाः॥

बालक(बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचार करें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य मे, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5 तिथियों में अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर, पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त में, यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र व मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ होता है। तथा भौम

बल विचार भी आवश्यक होता है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, ज्ये. शुक्ल 2, तथा आषाढ़ शुक्ल 10, पौष शुक्ल 11, माघ शुक्ल 12, संक्रांति दिन, रोगबाण, रवि के 8, 12, 26 गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ हैं। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

वर्ष - ब्राह्मण-(8या16),क्षत्रिय-(11या 22), वैश्य-(12या 24)

अयन - देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण में।

वार - रवि, चन्द्र, बुध, गुरु एवं शुक्र

तिथि - शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5

नक्षत्र - अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा,, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा

गुरु - 5,11,9,2,7 श्रेष्ठ, 10,6,3,1 पूज्य, 4,8,12 निन्दित

अन्य ग्राह्य पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त(सामवेदियों का भौमबल व मंगलवार भी)

त्याज्य - गुरु शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस रोगबाण तथा लग्नेश ,चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ

विवाह संस्कार मुहूर्त्त

भारतीय मनीषियों नें मानव जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम की मुख्याधारा विवाह है। यह संस्कार ही वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति का आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देव-ऋषि एवं पितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः विवाह संस्कार के समय का निर्णय हमारे ऋषिमुनियों ने बड़ी सूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रों में अष्टविध विवाह में विशेषरूप से आज कल गन्धर्व विवाह पद्धति (जिसको प्रेम विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। "ब्राह्म विवाह" विधि मे मुख्य रूप से वर कन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशील युक्ता।

शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।

तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि।

तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष 25 वर्षोपरान्त विषम वर्षों में कन्या 16 वर्षों के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यवरण का भी विचार कर लें। इन सब में नाम राशि तथा जन्मराशि में से जन्मराशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे ।

जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत्॥1॥

कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।

सर्वाण्यन्यपि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥2॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नाम की राशि से मेलापकादि कार्य किये जा सकते है। परन्तु महत्व जन्मराशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।

सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः।

विवाह वृन्दावनम्

किसी का मत है कि यदि प्रसिद्ध नामराशि से ही मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्मनाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें। दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें। क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।

व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका में मेलापक विचार - वर-कन्या की कुन्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट, तथा नाड़ी इन आठ बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का 1, वश्य के 2, तारा के 3, योनि के 4, ग्रहमैत्री के 5, गणमैत्री के 6, भकूट के 7, तथा नाड़ी के 8 गुण उत्तरोत्तर ग्रहण किये जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग 36 होता है। यथा-

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।

गणमैत्रं भकूटञ्च नाड़ी चेते गुणाधिका:॥

गुण संख्या ग्रहण करने का विचार - वर कन्या की कुन्डली का विचार करने पर 16 गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य, 20 से कम मिलने पर मध्यम तथा 20 गुण से अधिक मिलने पर उत्तम कहा गया है।

गुणा: षोडशभि: न्यूना निन्द्या मध्यस्तु विंशति:।

श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणा: प्रोक्ता: परतस्तूत्तमोत्तमा:॥

दुष्ट भकूट, गणकूट का परिहार - यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर कन्या के राशि के स्वामी एक हो अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडाष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस मे मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट के दोषों का नाश करता है। तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-

ऽथोराशीश्वरसौहृदऽपि गदितो नाड्र्क्षशुद्धिर्यदि।

अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्र्क्षशुद्धौ तथा-

ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधै:॥

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-द्वन्ददस्याऽपि स्याद् गणानां न दोष:।

खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।

नाड़ी दोष तथा गणदोष का परिहार - वर-कन्या की राशि एक हो तथा नक्षत्र भिन्न हो अथवा नक्षत्र एक हो और राशि भिन्न हो तो नाड़ि दोष तथा गण दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नही होता।

राश्यैक्ये चेद् भिन्नमश्क्षं द्वयो: स्यान्। नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।

नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो। नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥

एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।

अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्वशोभना॥

वर-वरण मुहूर्त

विवाह संस्कार से पूर्व शुभलग्न, शुभवार, शुभतिथि, शुभ नवांश में कुयोग रहित दिन मे कृ, रो, 3 पूर्वा 3 उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण वा कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र, यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, श्रीफल, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे अर्थात् तिलक लगावें।

कन्या-वरण मुहूर्त

वर की माता या स्वयं वर अथवा वर के कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, 3पूर्वा, स्वाती, अनु., उ.षा., श्र. धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, मृगशिरा, मघा, हस्त) में शुभ समय (लग्न) में वस्त्र भूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

त्रिबल शुद्धि विचार

सूर्य, गुरु एवं चन्द्र शोधन का विचार त्रिबल शुद्धि कहलाता है। त्रिबल शुद्धि के अन्तर्गत वर की राशि से सूर्य व चन्द्र का विचार तथा कन्या की राशि से गुरु व चन्द्र का विचार करना चाहिये। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार कन्या के जन्म से 6 वर्ष की आयु के बाद रजोदर्शन से पूर्व गुरु की शुद्धि तथा वर की राशि से सूर्य की शुद्धि से विषम वर्षों में एवं दोनों की राशि से चन्द्र शुद्धि अनिवार्य है।

स्त्रीणां गुरुबलं श्रेष्ठं पुरुषाणां रवेर्बलम्।

तयोश्चन्द्रबलं श्रेष्ठमिति गर्गेण निश्चितम्।।

फल	सूर्य (वर)	गुरु (कन्या)	चन्द्र (वर-कन्या)
श्रेष्ठ	3, 6, 10, 11	2, 5, 7, 9, 11	1, 2, 3, 5, 6 7, 9 10, 11
पूज्य	1, 2, 5, 7, 9	1, 3, 6, 10	0
नेष्ट	4, 8, 12	4, 8, 12	4, 8, 12

गोचरे वा विलग्ने वा ये ग्रहारिष्टसूचकाः।

पूजयेत्तान प्रयत्नेन पूजिता स्युः शुभप्रदाः।।

ज्येष्ठ विचार

ज्येष्ठ विचार के अन्तर्गत त्रि ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या व ज्येष्ठ मास) नेष्ट और द्वि ज्येष्ठ (वर, कन्या व मास में से कोइ भी दो) मध्यम होता है। मुहूर्तचिन्तामणि के अनुसार-

ज्येष्ठद्वन्द्वं मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेनैव युक्तं कदापि।

केचित्सूर्यं वह्निगं प्रोज्झ्य चाऽऽहुर्नैवान्योऽन्यं ज्येष्ठयोः स्याद्विवाहः।।

वर-कन्या तेलबान-दिन संख्या

जन्म राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
तैल संख्या	7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

विवाह लग्न शोधन

व्यये शनिः खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ताः।

लग्नेट् कविग्लौश्च रिपौ मृतौ ग्लौर्लग्नेट् शुभाराश्च मदे च सर्वे।।

विवाह लग्न से 12वें शनि, 10वें भौम, 3रे शुक्र, लग्न में चन्द्र व पापग्रह (सू. भौ. श. रा. के.) शुभ नहीं होते हैं। 6वें स्थान पर लग्नेश, शुक्र और चन्द्र, 8वें स्थान में चन्द्र, भौम, लग्नेश व सभी शुभग्रह तथा सातवें स्थान पर सभी ग्रह त्याज्य हैं।

गोधूलि विचार - गोधूलि समय में यदि 6वें, 8वें व लग्न में चन्द्र हो तो कन्या के लिये अशुभ कारक तथा लग्न, 7वें एवं 8वें भाव में भौम हो तो वर के लिये अनिष्ट कारक होगा। गोधूलि वेला में यदि चन्द्र 2रे, 3रे और 11वें भाव में हो तो उपरोक्त दोनों दोषों का शमन कर शुभफल प्रदान करता है।

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।

कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
त्याज्य	पाप चन्द्र	0	शु.	रा.	0	चं. शु. लग्नेश	सभी	चं.,भौ. शुभग्रह लग्नेश	0	भौ.	0	श.
गोधू. त्याज्य	भौम चन्द्र	-	-	-	-	चन्द्र	भौम	चन्द्र भौम	-	-	-	-

वधू-प्रवेश मुहूर्त

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से 16 दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किये भी स्थिर लग्न मे वधू प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे पाञ्चवें वर्ष में भी शुभ हैं। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त (तिथ्यादि का) विचार कभी भी हो सकता है। वधू प्रवेश में रेवती, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा इन नक्षत्रों में शुभ वारों में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15 तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम भाव शुद्ध होने पर शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू प्रवेश वर्जित है।

दिन - विवाह से 16 दिन के अन्दर अथवा 7,5,9 वें दिनों में।

मास एवं वर्ष - विषम मास, विषम वर्ष।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

नक्षत्र - रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा।

वार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र।

लग्न - स्थिर लग्नों में चतुर्थ एवं अष्टम भाव शुद्ध हो।

त्याज्य - व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति व रिक्ता तिथि।

वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।

दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्रिविधः प्रवेशः॥

द्विरागमन-मुहूर्त

वधुप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह 1,2,5 इन विषम वर्षों में 1,8,11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार 1,2,3,6,7,12 लग्नों में हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष - विषम (5 वर्ष तक)

मास - 1 8 11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,15

वार - सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र

लग्न - 1,2,3,6,7,12

नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा

त्याज्य - सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। (सामान्य अवस्था में त्याज्य)

यात्रा मुहूर्त्त

शुभतिथि	शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13, 15
	कृष्णपक्ष 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13
शुभवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र श्रेष्ठ
शुभनक्षत्र	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., श्रव., धनि., रेव.

यात्रा काल में सूर्य विचार

सूर्य स्थिति	यात्रा फल
मेष, सिंह, धनु	प्रशस्त
वृष, मिथुन, तुला, मकर कुम्भ मीन	मध्यम
कर्क, वृश्चिक, मीन	अधम

यात्रा काल में चन्द्रविचार

दिशा	चन्द्र की राशि में स्थिति
पूर्व	मेष, सिंह, धनु
दक्षिण	वृष, कन्या, मकर
पश्चिम	मिथुन, तुला, कुम्भ
उत्तर	कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्र स्थिति वश फल

चन्द्र स्थिति	यात्रा फल
सन्मुख	अर्थलाभ
दक्षिण भाग	सुख-सम्पत्ति
पृष्ठ भाग	प्राण हानि
वाम भाग	धन नाश

यात्रा मे दिशाशूल विचार

दिशा	त्याज्य वार
पूर्व	शनि, चन्द्र
दक्षिण	गुरु
पश्चिम	शुक्र, रवि
उत्तर	बुध, मंगल

दिशाशूल परिहार वाक्य

न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः॥

सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा
गुड़मंगारकेवारे बुधवारे तिलान्यपि।

गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि

माषान्भुक्त्वा शनेर्वारे गच्छञ्छूले न दोषभाक्॥

गृह-निर्माण मुहूर्त

भूमि परीक्षण - इष्ट भूमि पर जहां मकान का निर्माण होना है एक हाथ गहरा एक हाथ लम्बा एक हाथ चौडा गढ्ढा बनावें। उसको पानी से पूर्ण कर दें। प्रातः वेला में उसे देखें। यदि जल युक्त पूर्ण हो तो शुभ निर्जल मध्यम तथा निर्जल छिन्न भिन्न हो तो अशुभ भूमि।

शुभ मास - वैशाख,श्रावण, मर्गशीर्ष, माघ फाल्गुन, एवं मेष, वृष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ सूर्य रहते गृहाराम्भ शुभ तथा भाद्रपद-कार्तिक मास भी समान्यतया मान्य है।

शुभतिथि - 2, 3, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा।

शुभवार - चन्द्र,बुध,गुरु,श्शुक्र,श्शनि।

शुभनक्षत्र - राहि., मृग., चित्रा, हस्त, स्वा., अनु., उत्तरा 3, धनि, श्शत, रेवती तथा पुष्य।

शुभ लग्न -मेष मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक कुम्भ मीन तथा लग्न बल हेतु केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा 3 6 11 में पाप ग्रह एवं अज्टम स्थान शुद्ध होने पर नवीन भवन निर्माण शुभद रहता है।

भूशयन गणना क्रम -सूर्य जिस नक्षत्र में रहें उससे 5, 7, 9, 12, 19, 26 इन दिन नक्षत्रों में पृथ्वी शयन शील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमशः 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी कालांश मात्र में भूशयन शेष घटियों में सुप्त नही इनमें कूप, तडाग, बीज वपन, हल चलाना, खननेज्ट है।

भूशयने मतान्तरम् - इष्ट सूर्य संक्रान्ति से 5, 7, 11, 9, 15, 20, 22 23, 28 इन दिनों में धरती शयन दोष कतिपय विद्वान 5, 7, 9, 15, 21, 24 दिन मात्र में ही भूशयन मानते है।

गृहारम्भे वृषभ वत्स गणना - सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 7 तक अशुभ, तदग्रे 11 तक शुभ तदग्रे 10 गणना तक अशुभ, अभिजित सहित गणना करना चाहिएं।

भूमि क्रय विक्रय मुहूर्त - दानो पक्ष की 5, 6, 10, 11, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। गुरु तथा शुक्रवार एवं मृग., पुन., आश्ले., मघा, विशा., अनु., 3पूर्वा, मूल, रेव. आदि नक्षत्रो में भूमि खरीदना व बेचना शुभ फल देता है।

अग्निवास विशेषता - नित्य नैमित्तिक कार्य, जन्म समय, दूर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहणरोग, पीड़ा तथा दुर्भिक्ष श्शान्ति यज्ञ विवाह याज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

विवाहयात्राव्रतगोचरेषु चूड़ोपनीतिग्रहणे यंक्तगादौः।

दुर्गा विधाने च सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिंतनीयम्॥

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास विशेष शुभ तथा कार्तिक मार्गशीर्ष मास सामान्यतया मान्य हैं

तिथि - चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी रहित सभी तिथि मान्य

शुभ लग्न -वृष, सिंह, वृश्चिक, कुम्भ लग्नों में सामान्यतः 3 6 9 12 लग्नों में भी मान्यता। लग्न से 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 इन स्थानों शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 भावों में पाप ग्रह रहे तथा चन्द्रमा 1, 4, 6, 8, 12 स्थानों में नहीं होवें तथा चतुर्थ अष्टम भाव शुद्ध हो। जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न न हो तथा कलश

चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गाय, कन्या , जलपूर्ण कलश पुज्पमाला, श्रीफल सहित वेदध्वनि मार्गलिक गायन वाद्य के साथ नवगृह प्रवेश शुभ है।

शुभ वार - चन्द्र बुध, गुरु, शुक्र, शनि

शुभ नक्षत्र -रोहि., मृग., चि., अनु., उत्तरा 3 तथा रेवती विशेष शुभ एवं जीर्ण गृह में पुष्य स्वाति धनिष्ठा शतभिषा भी मान्य है।

कलशचक्र गणना - अभिजित नक्षत्र रहित करे सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 5 तक अशुभ, अग्रिम 8 तक शुभ, तदग्रे 8 तक अशुभ एवं आगे 6 तक शुभ शुद्धि गणना समझे।

खात विचार

देवालय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चिक,धनु	मकर,कुम्भ,मीन
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

गृह निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	सिंह,कन्या,तुला	वृश्चिक,धनु,मकर	कुम्भ,मीन,मेष	वृष,मिथुन,कर्क
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

जलाशय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार				
सूर्य राशि	मकर,कुम्भ,मीन	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चि.,धनु
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	अग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

काकिणी विचार

स्ववर्ग द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् अष्टभिः हरेद् भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्॥

गांव के नाम वर्ग संख्या एवं गृहस्वामी के नाम वर्ग को संख्या अलग-अलग दुगुना करके परस्पर एक दूसरे की वर्ग संख्या में जोड़कर आठ से भाग देनेपर शेष में जो भी अधिक हो उसे हानि होगी। तात्पर्य यह है कि गृहस्वामी की संख्या यदि स्थान के नाम की संख्या से अधिक है तो वहां निवास करने से उस व्यक्ति विशेष को हानि होगी। निम्नलिखित आधार पर वर्गो की संख्या एवं वर्णो को तथा सारणी द्वारा निवास के लिए शुभाशुभ फल को जानना चाहिए -

अवर्ग = 1 - सभी स्वर　कवर्ग = 2 - क,ख,ग,घ,ङ　चवर्ग = 3 - च,छ,ज,झ,ञ
टवर्ग = 4 - ट,ठ,ड,ढ,ण　तवर्ग = 5 - त,थ,द,ध,न　पवर्ग = 6 - प,फ,ब,भ,म
यवर्ग = 7 - य,र,ल,व　शवर्ग = 8 - श,ष,स,ह

स्थान	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

स्थान	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

स्थान	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

तिथि एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग	-	-	3, 8, 13	2, 7, 12	5, 10, 15	1, 6, 11	4, 9, 14
मृत्यु योग	1, 6, 11	2, 7, 12	1, 6, 11	3, 8, 13	4, 9, 14	2, 7, 12	5, 10, 15
विष योग	4	6	7	2	8	9	7
हुताशन योग	12	6	7	8	9	10	11
क्रकच योग	12	11	10	9	8	7	6

नक्षत्र एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दग्ध योग	भरणी	चित्रा	उत्तराषाढ़ा	धनिष्ठा	उत्तराफाल्गुनी	ज्येष्ठा	रेवती
यमघंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
सर्वार्थसिद्धि योग	अश्वि. पुष्य हस्त मूल उत्तरा-3	श्रवण रोहिणी मृग. पुष्य अनुराधा	अश्वि. उ.भा. कृत्ति. आश्ले.	रोहिणी अनु. हस्त कृत्ति. मृग.	रेवती अनु. अश्वि. पुन. पुष्य	रेवती अनु. अश्वि. पुन. श्रवण	श्रवण रोहिणी स्वाती

नन्दा च भद्रा च जया च रिक्ता ....सितज्ञभौमार्किगुरौ च सिद्धाः । मु. चि., 1.4
नन्दा भद्रा नन्दिकाख्या .... रवेर्दग्धभं स्यात् । मु. चि., 1.5

षष्ठयादितिथियो ....रदधावने । मु. चि., 1.6
सूर्येश..................त्वश्यम् । मु. चि., 1.8,9
सूर्येऽर्कमूलोत्तरपुष्यदास्रं .... सर्वाथसिद्ध्यै कथितानि पूर्वैः । मु. चि., 1.28,29

गण्डमूल नक्षत्र-घटी बोधक चक्र

अश्विनी, मघा, मूल की आरम्भिक 3, 4, 9 घटी एवं रेवती, आश्लेषा, ज्येष्ठा की अंतिम 12, 11, 6 घटी गण्डमूल संज्ञक होती हैं।

नक्षत्र	अश्विनी	मघा	मूल	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
घटी	3	4	9	12	11	6
स्थिति	आरम्भिक	आरम्भिक	आरम्भिक	अंतिम	अंतिम	अंतिम

षोडश कक्ष व्यवस्था

ईशान — पूर्व — आग्नेय

मन्दिर	भण्डार कक्ष	स्नानगृह	दधिमन्थनकक्ष	रसोईघर
औषधि कक्ष				घी/तेल कक्ष
कोषागार				शयन कक्ष
रतिकक्ष				शौचालय
धान्य/पशुशाला	रोदन कक्ष	भोजनगृह	अध्ययनकक्ष	शस्त्र/भण्डार

उत्तर (बाएँ) — दक्षिण (दाएँ)

वायव्य — पश्चिम — नैऋत्य

विंशोत्तरी महादशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

सूर्य 6 वर्ष कृ.,उ.फा.,उ.षा.				चन्द्र 10 वर्ष रोहि.,हस्त,श्रव.				मंगल 7 वर्ष मृग.,चित्रा,धनि.				राहु 18 वर्ष आ.,स्वा.,शत.				गुरु 16 वर्ष पुन.,विशा.,पू.भा.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	00	03	18	चं.	00	10	00	मं.	00	04	27	रा.	02	08	12	बृ.	02	01	18
चं.	00	06	00	मं.	00	07	00	रा.	01	00	18	बृ.	02	04	24	श.	02	06	12
मं.	00	04	06	रा.	01	06	00	बृ.	00	11	06	श.	02	10	06	बु.	02	03	06
रा.	00	10	24	बृ.	01	04	00	श.	01	01	09	बु.	02	06	18	के.	00	11	06
बृ.	00	09	18	श.	01	07	00	बु.	00	11	27	के.	01	00	18	शु.	02	08	00
श.	00	11	12	बु.	01	05	00	के.	00	04	27	शु.	03	00	00	सू.	00	09	18
बु.	00	10	06	के.	00	07	00	शु.	01	02	00	सू.	00	10	24	चं.	01	04	00
के.	00	04	06	शु.	01	08	00	सू.	00	04	06	चं.	01	06	00	मं.	00	11	06
शु.	01	00	00	सू.	00	06	00	चं.	00	07	00	मं.	01	00	18	रा.	02	04	24

शनि 19 वर्ष पुष्य,अनु.,उ.भा.				बुध 17 वर्ष आश्ले.,ज्ये.,रेव.				केतु 7 वर्ष मघा,मूल,अश्वि.				शुक्र 20 वर्ष पू.फा.,पू.षा.,भर.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
श.	03	00	03	बु.	02	04	27	के.	00	04	27	शु.	03	04	00
बु.	02	08	09	के.	00	11	27	शु.	01	02	00	सू.	01	00	00
के.	01	01	09	शु.	02	10	00	सू.	00	04	06	चं.	01	08	00
शु.	03	02	00	सू.	00	10	06	चं.	00	07	00	मं.	01	02	00
सू.	00	11	12	चं.	01	05	00	मं.	00	04	27	रा.	03	00	00
चं.	01	07	00	मं.	00	11	27	रा.	01	00	18	बृ.	02	08	00
मं.	01	01	09	रा.	02	06	18	बृ.	00	11	06	श.	03	02	00
रा.	02	10	06	बृ.	02	03	06	श.	01	01	09	बु.	02	10	00
बृ.	02	06	12	श.	02	08	09	बु.	00	11	27	के.	01	02	00

योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

मंगला 1 वर्ष श्रव.,आर्द्रा चित्रा			पिंगला 2 वर्ष धनि.,पुन. स्वाती			धान्या 3 वर्ष शत.,पुष्य विशा.			भ्रामरी 4 वर्ष अश्वि.,आश्ले. अनु.,पू.भा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
मं.	00	10	पिं.	01	10	धा.	03	00	भ्रा.	05	10
पिं.	00	20	धा.	02	00	भ्रा.	04	00	भ.	06	20
धा.	01	00	भ्रा.	02	20	भ.	05	00	उ.	08	00
भ्रा.	01	10	भ.	03	10	उ.	06	00	सि.	09	10
भ.	01	20	उ.	04	00	सि.	07	00	सं.	10	20
उ.	02	00	सि.	04	20	सं.	08	00	मं.	01	10
सि.	02	10	सं.	05	10	मं.	01	00	पिं.	02	20
सं.	02	20	मं.	00	20	पिं.	02	00	धा.	04	00

भद्रिका 5 वर्ष भर.,मघा ज्ये.,उ.भा.			उल्का 6 वर्ष कृत्ति.,पू.फा. मूल,रेवती			सिद्धा 7 वर्ष रो.,उ.फा. पू.षा.			संकटा 8 वर्ष मृग.,हस्त उ.षा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
भ.	08	10	उ.	12	00	सि.	16	10	सं.	21	10
उ.	10	00	सि.	14	00	सं.	18	20	मं.	02	20
सि.	11	20	सं.	16	00	मं.	02	10	पिं.	05	10
सं.	13	10	मं.	02	00	पिं.	04	20	धा.	08	00
मं.	01	20	पिं.	04	00	धा.	07	00	भ्रा.	10	20
पिं.	03	10	धा.	06	00	भ्रा.	09	10	भ.	13	10
धा.	05	00	भ्रा.	08	00	भ.	11	20	उ.	16	00
भ्रा.	06	20	भ.	10	00	उ.	14	00	सि.	18	20

नैसर्गिकमैत्री एवं उच्च नीच चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	चं.,मं. गु.	सू.,बु.	सू.,चं. गु.	सू.,शु.	सू.,चं. मं.	बु.,श.	बु.,शु.
सम	बु.	मं.,गु. शु.,श.	शु.,श.	मं.,गु. श.	श.	मं.,गु.	गु.
शत्रु	शु.,श.		बु.	चं.	बु.,शु.	सू.,चं.	सू.,चं. मं.
उच्च	मे.10	वृष.03	म.28	कं.15	क.05	मी.27	तु.20
नीच	तु.10	वृ.03	क.28	मी.15	म.05	कं.27	मे.20

पुरुष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	अंगपीड़ा	धनहानि	आरोग्य	दुःख	सन्तानहानि	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	अल्पायु	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुष्टस्वभाव
चन्द्र	कान्तियुक्त	सम्पत्तियुक्त	कीर्तिवान्	सुखी	धन,पुत्रयुक्त	अल्पायु	सुशीलापत्नी	योगी	धर्मात्मा	तेजवान	धनवान	कामी
मंगल	रक्तविकार	ऋणी	पराक्रमी	दुःख	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	स्त्रीक्षय	शरीरकष्ट	पापबुद्धि	तेजवान	धनवान	दुष्टपत्नी
बुध	सुखी	धन,गुणयुक्त	शत्रुक्षय	सुखी	अल्पपुत्र	रोगयुक्त	धर्मज्ञ	गुणवान	सुखी	कीर्तिमान	धनवान	दरिद्र
बृहस्पति	विद्वान	धनागम	पापरत	सुखी	प्रतापवान	कामी	सुशीलापत्नी	नीचस्वभाव	धर्मरत	सम्पत्तियुक्त	लाभ	दुष्ट
शुक्र	सुखी	धनयुक्त	पापरत	सुखी	बुद्धिमान	रोगयुक्त	कामी	नीचस्वभाव	तपस्वी	सम्पत्तियुक्त	सुमति	रोगी
शनि	दुःखी	धनहानी	पराक्रमी	दुःखी	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	नेत्रविकार	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुःखी
राहु	रोगी	निर्धन	पराक्रमी	मातृकष्ट	दुर्बुद्धि	बलयुक्त	पत्नीकष्ट	रोगी	दीन	मानसम्मान	सुविख्यात	पतित
केतु	कामी	दुष्ट	पराक्रमी	दुःखी	मन्दबुद्धि	बलवान	पत्नीहानी	क्लेश	पापी	पिताकीहानी	धनवान	दुर्जन

स्त्री कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	क्रोधी	दरिद्रा	सुपुत्रयुक्ता	पीड़ा	विपुत्रा	सुखिनी	दुःखकष्ट	वैधव्य	धर्मज्ञा	सुकर्मयुक्ता	लाभयुक्ता	रोगिणी
चन्द्र	अल्पायु	बहुधनयुक्ता	सुखिनी	सुभगा	सुपुत्रयुक्ता	रोगिणी	पतिप्रिया	रोगिणी	सुखिनी	धर्मज्ञा	गुणवती	हीनांगी
मंगल	वैधव्य	वन्ध्या	विसहजा	दुःखकष्ट	विपुत्रा	आरोग्या	वैधव्य	नेत्ररोग	दुःखी	कुपुत्रा	लाभयुक्ता	दुष्टा
बुध	सुभगा	धनयुक्ता	पुत्रवती	सुगृहा	बुद्धितेजयुक्ता	क्रोधी	पतिव्रता	कृतघ्ना	सुभोगा	सत्कर्मा	पतिव्रता	कृशांगी
बृहस्पति	सती	धनयुक्ता	सुसहजा	सुखी	गुणवती	विपत्ति	कीर्तियुक्ता	रोगिणी	पुत्रवती	साधवी	सुपुत्रा	सुव्यया
शुक्र	सुखी	सुभगा	धनवती	सुखी	पुत्रवती	दरिद्रा	पतिप्रिया	विसुखा	धर्मरता	धनवती	सुपुत्रा	सुव्यया
शनि	वन्ध्या	दुःखी	सुदक्षा	हृदयरोगी	विपुत्रा	गुणवती	वैधव्य	दुःखी	वन्ध्या	पापी	लाभयुक्ता	मुर्खा
राहु	अपुत्रा	दरिद्रा	धनयुक्ता	रोगकष्ट	विपुत्रा	धनयुक्ता	दुःखिता	वैधव्य	वन्ध्या	दुष्कर्मा	आरोग्या	दुष्टा
केतु	दुःखी	दुःखकष्ट	रोगयुक्ता	मातृहानि	अपुत्रा	धनयुक्ता	वैधव्य	दुःखी	शोकयुक्ता	पापरता	सुभगा	रोगयुक्ता

द्वादश भावों में स्थित गोचर ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	स्थानहानि	भय	धनलाभ	मानहानि	दीनता	विजय	यात्रा	कष्ट	पुण्यक्षय	सिद्धि	धनलाभ	धननाश
चन्द्र	अन्नलाभ	धननाश	सुख	रोग	कार्यहानि	धनलाभ	स्त्रीसुख	रोग	धर्मलाभ	सुख	धनलाभ	धननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	धननाश	शत्रुभय	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	धननाश
बुध	बन्धन	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुख	स्थानलाभ	कष्ट	धनलाभ	कष्ट	सुख	धनलाभ	धननाश
बृहस्पति	भय	धननाश	क्लेश	धननाश	सुख	शोक	राजसम्मान	पीड़ा	सुख	दीनता	धनलाभ	कष्ट
शुक्र	शत्रुक्षय	धनलाभ	सुख	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुःख	धनलाभ	धननाश
शनि	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	मनमुटाव	धनलाभ	धननाश
राहु	हानि	धननाश	धनलाभ	शत्रुता	शोक	धनप्राप्ति	क्लेश	मृत्यु	दुःख	शत्रुता	सुख	शोक
केतु	रोग	शत्रुता	सुख	भय	सुख	धनलाभ	क्लेश	रोग	पाप	शोक	कीर्ति	शत्रुभय

वर्ष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	परिवारविरोध	भ्रातृकष्ट	कृषिपशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुक्षय	पत्नीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धन सम्मान	धनीविलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफपीड़ा	कुटुम्ब प्रभाव	धनीभ्रातृसुख	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वादविवाद	खांसीवातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	शत्रुक्षयधनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
मंगल	नेत्ररोग	धनहानि	वाहनसुख	व्रण,अग्निभय	पुत्रकष्ट	शत्रुक्षय	स्त्रीरोग	शत्रुपीड़ा	भाग्ययशवृद्धि	धनलाभ	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	पत्नीसुख	वाहनसुख	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	पत्नीकष्ट	विलासी	ज्वर,कफ	पुत्र,धनलाभ	पुत्र,धनलाभ	धन,यशलाभ	शत्रुभय
बृहस्पति	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्तानसुख	पत्नी,शत्रुकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरपीड़ा	धनलाभ	राज्यलाभ	विजय	रोग,शत्रुभय
शुक्र	यशस्वी	धन,मानलाभ	भ्रातृसुख	वाहनकृषिसुख	सन्तानलाभ	उदरपीड़ा	पत्नीसुख	शरीरपीड़ा	धर्म,शील	व्यापारी,धनी	सन्तानलाभ	नेत्र,चर्मरोग
शनि	वातरोग	भ्रातृहानि	पराक्रमी	अग्निभय	पुत्रहानि	कीर्तिलाभ	पत्नीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिलाभ	विशेषव्यय
राहु	पत्नीकष्ट	बन्धुविवाद	धन,यशलाभ	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुक्षय	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुक्षय	स्थानच्युत
केतु	चिंता,व्रण	परिवारकलह	यशलाभ	वाहनकष्ट	दुर्बुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यहानि	धनलाभ	विविधलाभ	दुष्टसंगति

शतपदचक्र

नक्षत्र	अश्वि. IIII	भर. IIII	कृत्ति. IIII	रोहि. IIII	मृग. IIII	आर्द्रा IIII	पुन. IIII	पुष्य IIII	आश्ले IIII	मघा IIII	पू.फा. IIII	उ.फा. IIII	हस्त IIII	चित्रा IIII
अक्षर	चू,चे चो,ला	ली,लृ ले,लो	अ,इ उ,ए	ओ,वा वी,वू	वे,वो का,की	कू,घ ङ,छ	के,को ह,ही	हू,हे हो,डा	डी,डृ डे,डो	मा,मी मू,मे	मो,टा टी,टू	टे,टो पा,पी	पू,ष ण,ठ	पे,पो रा,री
राशि	मेष	मेष	मेष। वृष॥।	वृष	वृष॥ मि.॥	मि.	मि.॥। कर्क।	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह। क.॥।	कन्या	क.॥ तुला॥
स्वामी	मंगल	मंगल	मंगल। शुक्र॥।	शुक्र	शुक्र। बुध॥	बुध	बुध॥। चन्द।	चन्द	चन्द्र	सूर्य	सूर्य	सूर्य। बुध॥।	बुध	बुध॥ शुक्र॥
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.॥।	वै.	वै.॥ शूद्र॥	शूद्र	शूद्र॥। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.॥।	वै.	वै.॥ शूद्र॥
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.। चतु.॥।	चतु.	चतु.॥ मनु.॥	मनु.	मनु.॥। जल.।	जल.	जल.	चतु.	चतु.	चतु.। मनु.॥।	मनु.	मनु.॥ मनु.॥
योनी	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मुषक	गौ	महिष	व्याघ्र
गण	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य

नक्षत्र	स्वाती IIII	विशा. IIII	अनु. IIII	ज्येष्ठा IIII	मूल IIII	पूषा. IIII	उषा. IIII	श्रवण IIII	धनि. IIII	शत. IIII	पू.भा. IIII	उ.भा IIII	रेवती IIII
अक्षर	रू,रे रो,ता	ती,तू ते,तो	ना,नी नू,ने	नो,या यी,यू	ये,यो भा,भी	भू,ध फ,ढ़	भे,भो जा,जी	खी,खू खे,खो	गा,गी गू,गे	गो,सा सी,सू	से,सो दा,दी	दू,थ झ,ञ	दे,दो च,ची
राशि	तुला	तु.॥। वृ.।	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	धनु। म.॥।	मकर	म.॥ कुं.॥	कुम्भ	कुं.॥। मीन।	मीन	मीन
स्वामी	शुक्र	शुक्र॥। मंगल।	मंगल	मंगल	गुरु	गुरु	गुरु। म.॥।	शनि	शनि॥ शनि॥	शनि	शनि॥। गुरु।	गुरु	गुरु
वर्ण	शूद्र	शूद्र॥। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.॥।	वै.	वै.॥ शूद्र॥	शूद्र	शूद्र॥। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	मनु.	मनु.॥। कीट।	कीट	कीट	मनु.	मनु०.५ चतु३.५	चतु.	चतु१.५ जल२.५	जल.॥ मनु.॥	मनु.	मनु.॥। जल.।	जल.	जल.
योनी	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

मेलापक विमर्श

वर्ण विचार (1)

वर / कन्या	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
विप्र	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

वश्य विचार (2)

वर / कन्या	चतु.	मानव	जल.	वन.	कीट
चतु.	2	1	1	0	1
मानव	1	2	0.5	0	1
जल.	1	0.5	2	1	1
वन.	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

तारा विचार (3)

वर / कन्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	3	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

गण विचार (6)

व / क	देव	मानव	राक्षस
देव	6	5	0
मानव	5	6	0
राक्षस	0	0	6

नाड़ी विचार (8)

व / क	आद्य	मध्य	अन्त्य
आद्य	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

योनी विचार (4)

व / क	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ	म.	व्या	मृ.	वा.	न.	सि.
अ.	4	2	3	2	2	3	3	3	1	1	3	2	2	1
ग.	2	4	3	2	2	3	3	3	3	2	2	2	2	0
मे.	3	3	4	3	2	3	3	3	3	1	3	0	3	0
स.	2	2	3	4	2	2	1	1	2	2	2	2	2	0
श्वा	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मा.	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मू.	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	2	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
म.	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्या	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
मृ.	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	3
वा.	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
न.	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	4	4	2
सि.	1	0	1	2	1	2	2	2	3	2	2	2	2	4

ग्रहमैत्री विचार (5)

वर / कन्या	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
भौम	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	0.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

भकूट विचार (7)

व / क	मेष	वृष	मि.	क.	सिंह	कं.	तु.	वृ.	धनु	म.	कुं.	मीन
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	7
वृष	0	7	0	7	7	7	0	7	0	0	7	7
मि.	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कं.	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तु.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
वृ.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
म.	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुं.	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

मेलापक सारणी (खण्ड - 1)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
मेष	अश्वि. 4	28 8	33	28-5 3	18-5 173	21-5 173	22-5 173	26 135	17 1835	19 1835	23-5 83	31.5 3	28 6	21 276	25 27	15-5 2783	11 27835	9 134578	13 2735
	भर. 4	34	28 8	29 6	19 167	21.5 163	14.5 1738	18 8135	26 135	27 135	31.5 3	23.5 83	25.5 63	20 672	18 278	26 27	21.5 175	20 1753	4 176835
	कृत्ति. 1	27.5 63	29 6	28 8	18 178	10 6187	16.5 6173	20 613	20 613	21 6135	25.5 63	26.5 63	23.5 83	16.5 2783	20 627	20 627	15.5 627	15.5 627	18 173
वृष	कृत्ति. 3	18.5 673	20 67	19 78	28 8	20 68	26.5 63	17.5 6173	17.5 6173	18.5 6173	22 635	23 635	20 835	18.5 8235	22 256	22 256	21 67	21 67	23.5 73
	रोहि. 4	23.5 73	23.5 73	11 678	20 68	28 8	36	27.5 17	23.5 173	22.5 1734	26 345	27 35	12 68354	10.5 234568	24.5 2345	27 52	26 7	26 7	20 67
	मृग. 2	23.5 73	14.5 783	18.5 673	27.5 36	35	28 8	19 178	24 17	22.5 1347	26 345	19 358	21 3546	19.5 65234	15.5 52834	24.5 257	23.5 73	26 7	13 786
मिथुन	मृग. 2	27 35	18 358	22 356	19.5 763	27 7	20 78	28 8	33	31.5 34	19 72345	12 87235	14 723465	23.5 2346	19.5 2834	28.5 23	31.5 3	34	21 86
	आर्द्रा 4	19 358	27 35	21 356	18.5 673	24.5 73	26 7	34	28 8	25 84	12.5 68345	20 7235	13 765234	23.5 632	29.5 23	21.5 238	24.5 38	24.5 38	27 46
	पुन. 3	20 358	27 35	23 35	20.5 763	22.5 37	23.5 347	31.5 34	24 84	28 8	15.5 2578	22.5 257	17 23567	22.5 4236	26.5 423	21.5 823	24.5 -38	25.5 38	27.5 36
कर्क	पुन. 1	22.5 138	29.5 13	25.5 136	22 1356	24 1345	25 1345	18 172345	10.5 124578	14.5 13578	28 8	35	29.5 36	16.5 13467	20.5 1347	15.5 1378	18 3578	19 12358	21 16235
	पुष्य 4	30.5 13	21.5 138	26.5 136	23 1356	25 135	18 1358	11 123578	18 12357	21.5 1257	35	28 8	30 6	19.5 1367	15.5 1378	23.5 137	26 1235	27 1235	12 1234568
	आश्ले. 4	26 16	24.5 136	22.5 138	19 1358	11 134568	19 13456	12 1234567	12 123567	15 123567	28.5 63	29 6	28 8	15 1478	15.5 13467	18.5 2367	21 12356	21 12356	26 1235
सिंह	मघा 4	20 267	20 267	16.5 2783	17.5 12583	9.5 1236584	17.5 123564	21.5 12364	22.5 1236	20.5 12643	16.5 6743	19.5 673	16 874	28 8	30 6	27.5 63	16.5 21673	16.5 21673	21.5 1273
	पू.फा. 4	26 27	18 278	20 267	21 1256	23.5 12534	15.5 218534	19.5 21834	28.5 213	26.6 2134	22.5 473	17.5 783	16.5 6743	30 6	28 8	35	24 217	22.5 2173	7.5 213687
	उ.फा. 1	16.5 2738	26 27	20 267	21 2165	26 215	24.5 2153	28.5 213	20.5 2138	21.5 2138	17.5 783	25.5 73	19.5 673	27.5 36	35	28 8	17 2178	16 2178	13.5 214367
कन्या	उ.फा. 3	13 7835	22.5 75	16.5 675	21 67	26 7	24.5 73	31.5 13	23.5 138	24.5 813	20 8235	28 235	22 6235	17.5 6273	25 72	18 278	28 8	27 8	24.5 463
	हस्त 4	10 47835	20 735	17.5 752	22 76	25 7	26 7	33 1	22.5 318	24.5 138	20 8235	28 235	23 2356	18.5 2736	22.5 273	16 278	26 8	28 8	28 46
	चित्रा 2	13 36745	5 378645	19 7345	23.5 734	20 67	12 678	19 618	26 164	25.5 136	21 6234	12 682345	27 235	22.5 273	8.5 62783	14.5 24673	24.5 643	27 64	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 2)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
मेष	अश्वि. 4	22.5 1436	26.5 134	22.5 3146	18.5 6734	25.5 73	14 786	13.5 768	25 7	23.5 73	25 135	26 135	20 13456	20 13456	15 18356	16 18345	14.5 8734	24.5 73	26 7
	भर. 4	13.5 16834	29.5 13	21.5 6134	17.5 6734	17.5 873	19.5 673	20 67	18 87	26 7	27.5 15	26 135	10 146835	10 146835	20 6135	24 1435	22.5 374	17.5 873	26.5 73
	कृत्ति. 1	27.5 134	15.5 1683	19.5 1834	15.5 7834	19.5 673	25.5 73	24.5 73	18 674	12 678	13.5 1685	11.5 14568	25 1345	25 1345	27 135	19 16345	17.5 6734	19.5 673	11.5 6738
वृष	कृत्ति. 3	22.5 1734	10.5 61783	14.5 17384	20.5 834	24.5 63	30.5 3	20 735	13.5 4675	7.5 6785	12 678	10 4678	23.5 734	29.5 134	31.5 13	23.5 6134	20 6345	22 635	14 6835
	रोहि. 4	19 761	15.5 1783	9.5 31687	15.5 683	29.5 3	23.5 63	14 6735	19 5734	11.5 4785	16 748	17 874	20 67	26.5 61	24.5 613	30.5 13	27 35	27 35	19 583
	मृग. 2	12 7186	25 17	18.5 1736	24.5 36	21.5 83	24.5 36	15 7356	10 87345	17 4735	21.5 743	25 74	13 876	19 168	27 16	29.5 13	26 35	18 835	27 35
मिथुन	मृग. 2	14 876	27 7	20.5 736	14 72356	11 72835	14 72356	23 356	18 8345	25 435	20 7423	23.5 724	11.5 8726	13 876	21 76	23.5 73	25.5 325	17.5 8235	26.5 235
	आर्द्रा 4	20 674	27 7	20 674	13.5 56274	17 37245	3 4362785	16 6835	28 35	28 35	23 723	23 723	17.5 6724	19 674	12 768	17 874	19 8524	26.5 235	26.5 235
	पुन. 3	20.5 736	28 7	22 76	15.5 2756	21.5 275	7 562783	14 45386	27 35	27 35	22 237	23 237	17 23746	18.5 7634	14 876	16 874	18 5842	28 52	27.5 235
कर्क	पुन. 1	20.5 1356	28 251	22 2516	20 67	26 7	11.5 3678	8 2317684	21 1723	21 1723	26 135	27 135	21 16345	12.5 1723465	8 172865	10 175824	16 874	20 7	25.5 73
	पुष्य 4	11.5 6812345	26.6 1235	21 51624	19 746	18 78	21 76	17 61723	11 417382	21 1723	26 135	25 1435	13 6183457	4.5 1642835	14.5 123567	18 12745	24 74	18 87	27 7
	आश्ले. 4	25.5 1235	12.5 612358	17.5 81235	15.5 873	20 67	26 7	22.5 1724	16 61273	8 612783	13 61583	13 16385	26 1345	17.5 172345	19.5 17235	11.5 6172345	17.5 6734	21 67	13 678
सिंह	मघा 4	24.5 2135	11.5 123568	16.5 12358	22.5 823	25.6 623	33 2	25 72	19 627	8.5 267834	3.5 1534678	4.6 153678	18.5 1537	24.5 1235	25.5 1235	18.5 12563	18.5 673	19.5 673	13 678
	पू.फा. 4	10.5 213568	25.5 1235	18.5 12563	24.5 623	23.6 823	25.5 623	19 627	17 728	24 728	17 1574	18.5 137	4.5 153678	10.5 123568	19.5 12563	24.5 1253	24.5 73	17.5 873	25.5 73
	उ.फा. 1	16.5 123465	25.5 1235	16.5 124635	22.5 4263	31.5 23	17.5 6238	9.5 62873	25 72	25 72	20 157	20 157	11.5 153674	17.5 123564	11.5 123685	15.5 123854	15.5 8734	26.5 73	25.5 73
कन्या	उ.फा. 3	16.5 61473	25.5 173	16.5 61473	18 42365	27 235	13 62385	14 6835	29.5 5	29.5 5	24.5 72	24.5 72	16 67234	16.5 61734	10.5 61873	14.5 17834	17.5 38245	28.5 235	27.5 235
	हस्त 4	20 1746	26.5 173	18.5 17346	20 26345	26 235	13 82356	15 8356	27 35	28.5 5	23.5 72	24.5 72	18.5 7624	19 1736	8.5 147836	13.5 17835	16.5 28345	26.5 235	27.5 235
	चित्रा 2	20 178	19 6174	26.5 173	28 235	11 628345	25 2345	27 345	14 6835	22 635	17 673	18.5 672	15.5 7284	16 1478	24 174	16.5 61374	19.5 62345	10.5 642835	19.5 26345

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 3)

वर / कन्या		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
तुला	चित्रा 2	22.5 634	14.5 3468	28.5 34	23.5 734	20 67	12 678	13 678	21 67	19.5 673	20.5 6523	11.5 684253	26.5 235	25.5 235	11.5 25683	17.5 24635	17.5 4673	20 674	21 78
	स्वाती 4	27.5 43	29.5 3	17.5 38	12.5 783	15.5 783	26 7	27 7	26 7	28 7	29 25	27.5 235	14.5 8235	13.5 2368	25.5 235	25.5 235	25.5 73	27.5 73	21 746
	विशा. 3	22.5 346	22.5 346	20.5 348	15.5 3784	10.5 6738	18.5 673	19.5 673	20 674	21 67	22 625	21 635	18.5 8235	17.5 2538	19.5 2536	17.5 24536	17.5 4673	18.5 6734	27.5 73
वृश्चिक	विशा. 1	16.5 61743	16.5 16743	14.5 17843	19.5 1843	14.5 1683	22.5 163	12 125673	12.5 124675	13.5 12675	19 67	18 674	15.5 783	21.5 1283	23.5 1263	21.5 12643	17 312645	18 126345	27 1235
	अनु. 4	24.5 713	15.5 1783	19.5 1763	24.5 136	27.5 13	20.5 183	10 123875	15.5 312574	20.5 1275	26 7	18 78	21 76	24.5 1236	20.5 1238	29.5 123	25 1235	26 123	11 125834
	ज्येष्ठा 4	12 1678	18.5 1637	24.5 173	29.5 13	22.5 163	22.5 163	12 312675	2 3214678	5 53125678	10.5 3678	20 67	26 7	31 21	23.5 1263	16.5 31268	12 312685	12 312685	24 12345
धनु	मूल 4	12 678	20 67	24.5 73	19 1753	13 16375	13 51637	21 1635	15 16835	12 516384	8 467283	17 6723	23.5 724	25 27	19 267	9.5 32678	13 35168	13 35168	26 5134
	पूषा. 4	26 7	18 78	18 674	12.5 14675	18 17345	10 517348	18 18345	27 135	27 135	23 723	13 47823	17 6723	19 267	17 278	25 27	28.5 15	27 135	13 31685
	उषा. 1	24.5 37	26 7	12 678	6.5 51478	10.5 14578	17 14375	25 1435	27 135	27 135	23 723	23 723	9 67283	8,5 362478	24 274	25 27	28.5 15	28.5 15	21 6135
मकर	उषा. 3	27 35	28.5 5	14.5 685	12 678	16 784	22.5 473	20 1437	22 173	22 1723	28 35	28 35	14 6835	4.5 345678	20 574	21 57	24.5 73	24.5 27	17 6723
	श्रवण 4	27 35	26 35	13.5 485	11 4768	16 784	25 74	22.5 1724	21 1723	22 1723	28 3	26 435	15 835	6.5 36578	18.5 573	20 75	23.5 72	24.5 72	19.5 72
	धनि. 2	20 6345	11 46835	26 345	23.5 734	20 67	12 678	9.5 21678	16.5 24167	16 26137	22 635	13 56834	28 35	19.5 573	5.5 36578	12.5 34567	16 67234	17.5 672	15.5 7824
कुम्भ	धनि. 2	20 6345	11 46385	26 345	30.5 34	27 6	19 68	12 678	19 674	18.5 673	13.5 67235	4.5 3456782	19.5 7235	25.5 235	11.5 23568	18.5 25634	17.5 6734	19 674	17 478
	शत. 4	15 6835	21 635	28 35	32.5 3	25.5 63	27 6	20 67	12 678	13 678	8 67285	14.5 67235	20.5 2735	26.5 253	20.5 2563	12.5 25368	11.5 3687	8.5 34687	25 74
	पू.भा. 3	18 8345	25 435	20 6534	24.5 634	31.5 3	31.5 3	24.5 73	17 784	18 78	13 782	20 7524	13.5 67235	19.5 2536	25.5 253	16.5 25483	15.5 783	15.5 7834	17.5 6734
मीन	पू.भा. 1	14.5 17384	21.5 1437	16.5 61374	19 61345	26 135	26 135	25.5 1235	18 18245	19 8125	18 87	25 74	18.5 673	17.5 1637	23.5 173	14.5 17384	16.5 518234	16.5 518234	18.5 516234
	उ.भा. 4	24.5 173	16.5 1738	18.5 6137	21 6135	26 135	18 8135	17.5 81235	25.5 1523	28 125	27 7	19 78	21 67	18.5 6137	16.5 178	25.5 173	27.5 1235	26.5 1235	9.5 1352468
	रेवती 4	25 17	24.5 173	11.5 36178	14 61835	17 2835	26 135	25.5 1352	24.5 5123	26.5 5123	25.5 73	27 7	14 786	13 1768	23.5 173	23.5 173	25.5 1523	26.5 1523	19.5 145236

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 4)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
तुला	चित्रा 2	28 8	27 64	34.5 3	23.5 723	6.5 462387	20.5 7234	27 345	14 6735	22 635	25 632	26.5 62	23.5 824	18 874	26 74	18.5 6734	12.5 672345	3.5 2346785	12.5 456723
	स्वाती 4	28 46	28 8	20 846	9 72486	21.5 723	16.5 7236	23 356	27 356	19 385	22 823	23 823	26.5 246	21 467	20 647	25 47	19 2745	19.5 2375	12.5 23785
	विशा. 3	34.5 3	19 684	28 8	17 728	16 6274	20.5 7234	27 345	22 635	14 6358	17 6823	17 6823	30 234	24.5 734	26 74	20 674	14 67245	13 64735	4.5 6728345
वृश्चिक	विशा. 1	22.5 1273	7 126874	16 1287	28 8	27 64	31.5 34	21.5 12347	16.5 12673	8.5 126873	12 61835	12 61835	25 1345	24 12345	25.5 1245	19.5 12645	19 674	18 647	9.5 67834
	अनु. 4	6.5 1234678	21.5 1273	16 12746	28 46	28 8	31 6	15.5 123467	13.5 31287	21.5 1237	25 135	26 135	12 341856	11 3412856	21 12356	24.5 1245	24 74	18 87	27 7
	ज्येष्ठा 4	19.5 12734	15.5 31267	19.5 12734	31.5 34	30 6	28 8	14 12874	16.5 12367	16.5 12367	20 6235	20 6135	25 1345	24 12345	18 12853	10 3124685	9.5 67384	21 67	21 67
धनु	मूल 4	26 3145	21 6135	26 3145	22.5 7234	15.5 62734	15 4287	28 8	28 6	26.5 63	15 61723	15 61723	20 17234	28.5 124	21.5 183	14.5 68134	16 68234	25 623	26 72
	पूषा. 4	13 61385	27 135	21 6135	17.5 6273	15.5 7283	17.5 6273	28 6	28 8	34	22.5 172	23 1723	6 6172834	14.5 61384	23.5 613	28.5 134	30 234	23 823	31 23
	उषा. 1	21 6135	19 8135	13 61835	9.5 62783	23.5 723	17.5 6273	26.5 63	34	28 8	16.5 1728	14.5 1728	15 61273	23.5 613	23.5 613	29.5 13	31 23	31 23	23 823
मकर	उषा. 3	24 613	22 8123	16 6183	13 6835	27 35	21 635	16 6723	23.5 72	17.5 872	28 8	26 8	26.5 63	17 62713	17 62713	23 1723	30.5 3	30.5 3	22.5 83
	श्रवण 4	26.5 126	22 8123	17 81623	14 835	27 35	22 35	17 7236	23 723	14.5 872	25 8	28 8	28 46	18.5 17246	18 17235	21 17234	28.5 34	29.5 3	22.5 83
	धनि. 2	22.5 8124	24.5 6124	29 1234	26 345	12 68345	26 345	21 7234	7 674283	16 6723	26.5 63	27 64	28 8	18.5 1782	23.5 1724	19 61237	26.5 63	15.5 6834	22.5 643
कुम्भ	धनि. 2	18 874	20 674	24.5 734	25 3245	11 624385	25 3245	29 34	15.5 6384	24.5 36	18 6723	18.5 6724	19.5 728	28 8	33 4	28.5 63	18 6723	7 367284	14 64273
	शत. 4	26 74	19 746	26 74	26.5 425	21 6235	19 8235	22.5 83	24.5 63	24.5 63	18 6723	18 6723	24.5 724	33 4	28 8	19 684	8.5 67284	17 6723	16 6723
	पू.भो. 3	18.5 6734	26 74	20 674	20.5 6245	26.5 245	11 623485	15.5 8634	29.5 34	30.5 3	24 723	23 7234	20 7623	28.5 63	19 864	28 8	17.5 872	22.5 724	20 7243
मीन	पू.भा. 1	11.5 612734	19 517245	13 612745	19 674	25 74	9.5 67834	15 62384	29 1234	30 123	29.5 13	28.5 134	25.5 613	17 6173	7.5 614738	16.5 1738	28 8	33 4	30.5 34
	उ.भा. 4	2.5 123456	19.5 7872135	12 625741	18 647	19 87	21 67	24 6123	22 8123	30 123	29.5 13	29.5 13	14.5 61384	6 6128734	16 61273	21.5 1734	33 4	28 8	35
	रेवती 4	12.5 172345	11.5 173285	4.5 1234567	10.5 87346	27 7	22 76	26.5 162	29 123	21 8123	20.5 813	21.5 813	22.5 1346	14 124736	16 17236	18 14723	29.5 43	34	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट सम्वत् में से जन्म सम्वत् घटाने पर जो शेष बचे, वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से प्राचीन मतानुसार वर्षप्रवेश सारणी के नीचे दिये गये वार घटी पल आदि फल लेकर उसमें जन्म के वार इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकालज्ञात होता है। पल घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हे सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय(समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष लग्न कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है। यह प्रति वर्ष एक-एक राशि बढती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोडकर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य चन्द्र मंगल राहु वृहस्पति शनि बुध केतु शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिनादि पंचाग में दिये गये चक्र से जान सकते हैं।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुन्डली में स्थानवल, स्वोच्चवल, पुरुपस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं। वर्ष कुण्डली में हर्षबल का सर्वाधिक महत्व होता है क्योंकि हर्षवल के द्वारा ही वर्षेशादि का निर्णय होता है।

स्थानबल-

वर्ष लग्न से 9वें स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षबली होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 हर्षबली होते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5, चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित अर्थात् हर्ष बली होतें हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1,2,3,7,8,9 स्थानों मे तथा पुरुष ग्रह (सू. मं. गु.) 4,5,6,10,11,12 स्थानों में हर्ष बली होते हैं। हर्ष बली ग्रह के 5 बल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह बली होते हैं। यहां यह ध्यान देना चाहिये जहां बल प्राप्त हो वहां 5 तथा जहां बलप्राप्त न हो वहां शून्य (0) रखना चाहिये। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश निर्णय-

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि का वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्शेष होता है। बलवान होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो, वर्षेश नही होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्प बली हो तो, मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे अधिक बलवान् होगा वही वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाला करें, वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाला न करे तो चन्द्र जिस राशि मे बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुन्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान को गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्षमित्र दृष्टि सभी कार्यो में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रुदृष्टि कार्यो को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

॥ वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्ष प्रवेशसारिणी ॥

गताब्द	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	23	16	39
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटि	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1
घटि	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15

गताब्द	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
वार	3	4	5	6	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	6	1	2
घटि	13	29	44	59	15	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	29	44	59	15	30
पल	46	9	32	55	18	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	4	27	50	13	36
विपल	12	9	6	3	0	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	12	9	6	3	00

॥ प्राचीनमानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी॥

गताब्द	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	00	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	00	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	28	30
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
वार	5	4	0	2	3	4	00	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटि	26	10	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	43	3	18	34	49	5	21
पल	21	30	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	37	29	22	454	25	57	28	00
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	21	30	30	00	30	00	30	0

गताब्द	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटि	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	00	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	10	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	00	00	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटि	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	00
विपल	30	00	30	0	30	0	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

॥ विंशोत्तरी मुद्दादशाचक्र ॥

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	0	1	0	1	1	1	1	0	2
दिन	18	0	21	24	18	27	21	21	0

॥ योगिनी मुद्दादशाचक्र ॥

योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	0	0	1	1	1	2	2	2
दिन	10	20	0	10	20	0	10	20

॥ त्रिराशिपतिचक्र ॥

लग्नम्	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
दि.पति	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृष	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृश्चि.	ध.	म.	कु.	मी.
रा. पति	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

अथ बृहद् गोदान विधि

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्री स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्त लक्षणं सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्येहं अमुकगोत्रोऽमुक-राशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुति-स्मृति- पुराणोक्त फलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतद् श्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थ ब्राह्मणवरणम् -

तत्प्रतिग्रहणार्थ ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थ अमुकगोत्रामुकवेदाध्यायिनः अमुकशर्मणः ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्य मातरम् ।
यस्या स्मरण मात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥1॥
त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासी वसुन्धरा।
गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ॥
तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।
भूतप्रेत पिशाचांश्च पितृदेवतामानुषान् ॥
सर्वास्तारयते देवी नरकात्पापसंङ्कटात् ॥

इत्यावाह्यपूजयेत्।।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमोविश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्यः एव च।
लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहणीभ्यो नमो नमः॥
गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः॥
देहस्था या च रूद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

गोरास्यानमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वहा या च विभावसोः।
चन्द्रार्क शक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे॥
गोः शृंगाभ्यां नमः॥ गोकर्णाभ्यां नमः॥
चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्य्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।
लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनुवरदास्तु मे।

गोः पृष्ठाय नमः॥

स्वधा त्वं पितृमुख्यानां स्वाहा यज्ञभुजां तथा।
सर्वपाप हरा धेनु तस्माच्छान्ति प्रयच्छ मे॥

गो पुच्छाय नमः॥

यस्याः श्रृंगाग्रयोरिन्द्र उरसि स्कन्ध एव च।
तत्रास्ते शिरसि ब्रह्मा ललाटे वृषभध्वजः॥
कर्णयोरष्विश्वनो देवौ चक्षुषोः शशिभास्करौ।
दंतेषु मरुतो देवा जिह्वायां च सरस्वती॥
अपाने सर्वतीर्थानि लांगूले सर्वमङ्गला।
ऋषयोः रोमकूपेषु पृष्ठे वैवस्वतो यमः॥
वरुणो धनदश्चैव दक्षिणां कुक्षिमाश्रितः।
वामपार्श्वे महायज्ञो महोजास्तु महाबलः॥
खुरमध्ये तु गन्धर्वाः खुराग्रे पन्नगास्तथा।
खुराणां पश्चिमे पार्श्वे गणा अप्सरसामपि॥
गोमये वसते लक्ष्मीर्गोमूत्रे जाह्नवी जलम्।
हुंकारे निखिला वेदा रम्भाशब्दे प्रजापतिः॥

चत्वारः सागराः पूर्णा धेनूनां स्तनमण्डले।
अमृतं स्रवते नित्यं पिबन्ति सुरमानवाः॥
न धेनु तुल्यं धनमस्ति किञ्चिद्धरत्यघं गुह्यबहिर्भवं च।
तृणानि भुक्ताप्यमशतं स्रवंती विप्राय दत्ता पितृमोक्षदा सा॥
एककालं द्विकालं वा यो ददाति गवाह्निकम्।
पञ्चचामरपूर्णाङ्गविमानमधिरोहति॥
उभे संध्ये च यो नित्यं गोसावित्रिं सदा पठेत्।
गोसहस्रफलं सोऽपि लभते वांछितं फलम्॥
गवामङ्गेषु तिष्ठन्ति भुवनानि चतुर्दश।
यस्मातस्माच्छिवं मे स्यादिह लोके परत्र च॥

वस्त्रम्-

आच्छादन मया दत्तं सम्यक् शुद्धं सुनिर्मलम्।
सुरभिर्वस्त्र दानेन प्रीयतां परमेश्वरा।

गन्धम्-

सर्वदेव प्रियन्देवि चन्दनं कुङ्कुमान्वितम्।
कर्पूरादि समायुक्त गोगन्धं प्रति गृह्यताम्॥

अक्षताः -

अक्षताश्च शुभ्राश्च कुंकुमाक्ताः सुशोभनाः।

मयानीताः प्रियार्थतान् गृहाणत्वं गवेश्वरी॥

धूपम् -

आनन्दकृतसर्वलोके देवानाञ्च सदाप्रिये।

गौस्त्वं पाहि जगन्माता धूपोऽयं प्रति गृह्यताम्।

दीपम् -

साज्यं सद्वर्ति संयुक्तं वह्निनां योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेशि सर्वतस्तिमिरापहम्।

गोः ग्रासः -

सुरभिस्त्वं जगन्माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता।

गो ग्रासं च मया दत्तं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।

भूषणार्थ द्रव्यं - घंटाचामरञ्च समर्प्य, ततो गो देहतीर्थान् पूजयेत्।

देहे देवतीर्थान् पूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पैः

श्रृङ्मूले ब्रह्माविष्णुभ्यो नमः॥ सर्वतीर्थेभ्यो नमः॥ शिरोमध्ये महादेवाय नमः॥ ललाटे गौर्ये नमः॥ नासारन्ध्रेषणमुखाय नमः॥ नासापुटयाः कम्बलाश्वतराभ्यां नमः॥ दन्तेषु वायवे नमः॥ जिह्वायां वरुणाय नमः॥ हूंकारे सरस्वत्यै नमः॥ गण्डयोः मासपक्षाभ्यां नमः॥ ओष्ठयोः सन्ध्याद्वाभ्यां नमः॥ ग्रीवायां रक्षेभ्यो नमः॥ कुक्षौ साध्ये नमः॥ जंघासु धर्म्माय नमः॥ खुरमध्ये गन्धर्वेभ्यो नमः॥ खुराग्रे कुलपर्वतेभ्यो नमः॥ खुरपश्चिमाग्रेषु अप्सरोगणेभ्यो नमः॥ पृष्ठे एकादशरुद्रेभ्यो नमः॥ सर्वसन्धिषु वसुभ्यो नमः॥ श्रोण्यौ पितृगणेभ्यो नमः॥ पुच्छे सोमाय नमः॥ पुच्छकेशेषु सूर्य-रशिमिभ्यो नमः॥ गोमूत्रे गङ्गायै नमः॥ गोमये यमुनायै नमः॥ क्षीरे सरस्वत्यै नमः॥ दध्नि नर्मदायै नमः॥ घृते वन्हये नमः॥ रोमेषु कोटिदेवेभ्यो नमः॥ उदरे पृथिव्यै नमः॥ स्तनेषु चतुः सागरेभ्यो नमः॥ एते यस्याः स्तनो देवा सा ध नुर्वरदो मम्॥

स्वर्ण-श्रृङ्गी-रौप्य-खुरां-ताम्र-पृष्टां मुक्ताफलसमर्पितं लांगूलवती कांस्य गो देविकां विधाय प्रार्थयेत्।

नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।

नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।

गोपुच्छतर्पणविधिः-

सकुशाक्षतयवं गोपुच्छं च गृहीत्वा प्राङ्मुखी यजमानौ देवतीर्थेन देवास्तर्पयेत्।

ॐ या नन्दनी सुशीलाद्या कामदाश्चैव धेनवः।

ताः सर्वा पुच्छतोयेन तर्पितास्तर्पयन्तुमाम्॥

ब्रह्मा विष्णुमहादेवः कार्तिकेयो गणाधिपः।
पुष्पचापो महेन्द्रश्च भगवानच्युताग्रजः॥
देवा समस्ताः सगणाः सवाहन परिच्छदाः।
सववोऽष्टौ द्वादशार्का रुद्रा एकादशेवतु॥
विश्वैदेवाश्च साध्याश्चाष्टौ नमतो मातरस्तथा।
गन्धर्वा गुह्यकाश्चैव सागरासरितस्तथा॥
राक्षसा यक्ष वेतालाः पूतनाः पर्वताद्रुमा।
तीर्थान्यापसरश्चैव पशवः पन्नगः खगाः॥
ऋक्षाणि राशयः योगाः मासवर्षर्तुवासराः।
अयने च युगाः कल्पास्तथा मन्वन्तराणि च॥
भुवनानि दिशाकाश्च तथा सर्वेन्द्रियाणि च।
ॐकारश्चैव गायत्री छन्दत्वङ्गानि चैव हि॥
वेदाश्व स्मृतश्चैव पुराणानि तथैव च।
आयुर्वेदोधनुर्वेदो गन्धर्वो मन्त्र गहवः॥
औषध्यो वनसम्भूता ग्राम्याश्चैव सुप्पिपलाः।
सनुगा देवताश्चैव मुनयः सगणस्तथा॥

ऋषयः ऋषिपत्यश्च सिद्धाश्च सगणस्तथा।
प्रजा प्रजापतिश्चैव येऽन्ये विघ्नविनायकः॥
विद्याधराश्च दैत्यश्च आचार्यगुरवस्तथा।
डाकिन्यः क्षेत्रपालश्च भैरवाचाष्ट संख्यकाः॥
स्थावरा जङ्गाश्चैव भूतग्रामचतुर्विधः।
अक्षयेनाऽमृते चैव मङ्गलेन सुवारिणा॥
गोपुच्छाग्रच्युतमेह मद्दतेन हितेऽखिला।
शाश्वतीं तृप्तिमायान्तु दात्यै युक्तवरप्रदाः॥
सूर्यः सोमः कुजः सौम्यौ गुरुः शुक्रः शनैश्चरः।
ग्रहाश्च तृप्तिमायान्तु राहु केतु समन्विताः॥
इन्द्रोर्यमो रक्षः पाशो वायुर्धनाधिपः।
ईशोऽनन्तस्तथा ब्रह्मा सर्वे ते तर्पिता मया॥
सावित्र्या सह लोकेशः सलक्ष्मीकश्चतुर्भुजः।
महेशाश्वोमया साद्धौ तृप्तियान्तु शाश्वतीम्॥
अत्रिर्वशिष्ठो भृगु गौतमौ च।
मरीचि दक्षो पुलहः पुलस्त्यः॥

प्रस्चेतसः काश्यप विश्वमित्रो भारद्वाजसंज्ञो जमदग्निरेवः।

अन्ये च सर्वे मुनि पुंगवाश्च गृहान्तु दत्तं जलमद्य तुष्टाः॥

(जीवितिपितृकस्यतर्पणे निषेधोऽतस्तेन तन्नकार्य्यम्) ततो यज्ञोपवीतं कण्ठावरोहणं कृत्वा साक्षतकुशैः मनुष्य तीर्थेन मनुष्यांस्तर्पयेत् -

सनकः सनन्दनश्चैव सनातनस्तथैव च। कपिलश्चासुरैश्चैव वोढुपञ्चशिखस्तथा। ते तृप्तिमखिलायान्तु गोपुच्छोदक तर्पणैः॥

ततो अपसव्य विधाय द्विगुणित कुशतिलजलैः पितृन् तर्पयेत् -

कव्यवाडनलः सोमो यमश्चैवावर्य्यमा तथा।

अग्निष्वाताः सोमपाश्व तथा बर्हिषदृश्व ये।
तर्पितास्तृप्तिमायान्तु गो पुच्छोदक तर्पणैः।

यमाय धर्मराजाय मृत्यवे चान्तकाय च। वैवस्वताय कालाय सर्वभूतक्षयाय च। औदुम्बराय दध्नाय नीलाय परमेष्ठिने। वृकोदरश्च चित्रश्च चित्रगुप्तस्तथैव च। ते सर्वे तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितापितामहश्चैव तथैव प्रपितामहः।

माता पितामही चैव तथैव प्रपितामही।

मातामहः प्रमातामहः प्रमातामहोपरः।

मातामही प्रमातामही प्रमातामही परा।

तृप्तिमायान्तु सकलाः गोपुच्छोदक तर्पणैः।

पितृवंशे मृते ये च मातृवंशेऽपि ये मृताः।

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः क्रियालोपगतस्तथा।

आब्रह्मस्तंबपर्य्यन्तं देवर्षि पितृमानवाः।

तृप्यन्तु सर्वदा सर्वे गोपुच्छोदकतर्पणैः।

ब्राह्मणपूजनम् -

गन्धाक्षतपुष्पमालादिभिः विप्रमर्चयित्वा, अनन्तरं वस्त्रद्रव्यरत्नादिभिः च अलङ्करणं कुर्यात्। प्रार्थयेत्-

ॐनमोस्त्वनन्ताय सहस्त्र मूर्तये, सहस्त्र पादाक्षिशिरोरुबाहवे।

सहस्त्रनाम्नेपुरुषाय शाश्वते सहस्त्रकोटियुगधारिणे नमः॥

आपध्वनन्ताया सहस्त्रभानवेः समीहितार्थार्पणकामधेनवः।

अपारसंसारसमुद्रसेतवः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः॥

ॐभूमिमेवाग्रजन्मासि विप्र त्वं पुरुषोत्तमः।

प्रत्यक्षो यज्ञपुरुषः पूजा मे प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ अश्वं शुनाते अ श्वं शुः पृच्यतां परुषापरुः गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।

उदङ्मुखस्तु विप्रः स्यात्पात्रलक्षणलक्षितः।

आज्यपात्रं करे कृत्वा सुवर्णेन समन्वितम्॥

निक्षिप्य पुच्छं तस्मिंस्तु घृतदुग्धं प्रगृह्य च।

सतिलं विप्रवर्य्याय धेनुं दद्यात्पयस्विनीम्॥

प्राङ्मुखी गाम् उदङ्मुखी विप्रः पुच्छदेशे स्वयं स्थित्वा आज्यपात्रं सतिलं कनकेन(सुवर्णेन) अन्वितं (युक्तं) प्रगृह्य गोपुच्छ तत्पात्रे निधाय दान संकल्पं कुर्यात्॥

अद्येत्यादि अमुकोऽहं ममामुष्मिनकर्मणि श्रुतिस्मृति-पुराणोक्त फलवाप्तये गोरोमसंख्यकदिव्यवत्सरावच्छिन्न स्वर्गलोकस्थिति कामांश्च पितृणां निरतिशयानन्दब्रह्मलोकप्राप्तये च परमेश्वरप्रीतये इमां सुपूजितां सालंकारां सवत्सां गां रुद्रदेवताममुकगोत्राय अमुकशर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

दानवाक्यम् -

यज्ञ साधन भूतायाः विश्वस्याद्य विनाशिनी।

विश्वरूप धरोदेवः प्रीयतामनवा गवा॥

ततो ब्राह्मणः स्वस्तीति वदेत्-

अद्यकृतैतद्गोदानकर्मणः सांगतासिद्धये इदं हिरण्यमयं अग्निदैवतममुकगोत्रायामुकशर्म्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

कोदादिति ब्राह्मणप्रतिवचनम्। ततो ब्राह्मणगवोः प्रदक्षिणा चतुष्टयं कुर्य्यात्॥

नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च।

जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः॥

मया जन्म सहस्त्रेषु ह्यार्जितं पापसंचयम्।

तत् सर्वं नाशय क्षिप्रं प्रदक्षिणा पदे-पदे॥

ब्राह्मणः गोपुच्छोदकेनाभिषेकं कुर्यात्। मन्त्राशीषं च दद्यात्। ततो यजमानः ब्राह्मणेन समन्वितां गावः नमस्कारप्रदक्षिणाञ्च कुर्यात्।

नमस्कारः-

नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।

नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः॥

यया सर्वमिदं व्याप्तं जगतस्थावर जङ्गमम्।

तां धेनुं शिरसा वन्दे भूतभव्यस्य मातरम्॥

पञ्चगावः समुत्पन्न मथ्यमाने महोदधौ।

तासां मध्ये तु या नन्दा तस्यै देव्यै नमो नमः॥

सर्वकामदुधे देवी सर्वतीर्थाभिषेचिनि।

पावनि सुरभिश्रेष्ठे देवि तुभ्यं नमो नमः॥

प्रदक्षिणा –

पापानि सर्वाणि पदे पदे या हरत्यहो तत्क्षणमेव नृण्णाम्।

प्रदक्षिणातां परभक्तिभावात्समाचरे धेनुवरे प्रसीद॥

गवां दृष्ट्वा नमस्कृत्य कुर्याच्चैव प्रदक्षिणाम्।

प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तद्वीपा वसुन्धरा॥

मातरः सर्वभूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः।

वृद्धिमाकाङ्क्षता पुंसा नित्यं कार्या प्रदक्षिणा॥

इति चतुःसंख्यकप्रदक्षिणां विधाय प्रार्थयेत्

या लक्ष्मीर्लोकपालानां या च धेनुः सरस्वती।

धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

ततो ब्राह्मणः गोपुच्छान्वितजलेन यजमानशिरसि निषिच्य तिलकमन्त्रपाठादीनि दद्यात्।

व्यतीपाते च संक्रान्तौ ग्रहणे ग्रहदौष्ट्यके।

असूतक्रमे विवाहे च रात्रौ गोदानमिष्यते॥

ततोदक्षिणां भूयसी च दद्यात्। तथा यथोपन्नेनान्नेन ब्राह्मणैश्च भोजयिष्ये।

इति गोदानविधिः

यज्ञोपवीत धारण प्रयोग

किसी भी अवस्था में यदि यज्ञोपवीत अशुद्ध हो जाये, अथवा धागा टूट जाय, या फिर शौचादि के समय कान में डालना भूल जायें तो अपवित्र हो जाता है तब नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। इसी प्रकार जननाशौच, मरणाशौच, श्राद्ध, यज्ञ आदि में तथा सूर्य–चन्द्रग्रहण के उपरान्त नवीन यज्ञोपवीत धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत धारण करने से पहले उसे संस्कारित करके प्रत्येक तन्तु में देवताओं का आवाहन व प्रतिष्ठापन कर सिद्ध (अभिमन्त्रित) करना आवश्यक होता है। अतः सर्व प्रथम संङ्कल्प करें।

ॐविष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य....... मम श्रोतस्मार्तकर्मानुष्ठान सिद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वरः प्रीत्यर्थ नूतनयज्ञोपवीतं धारणमहं करिष्ये।

इस प्रकार सङ्कल्प कर यज्ञोपवीत **आपोहिष्ठेति** मन्त्र से प्रक्षालन करें, हाथों के सम्पुट में यज्ञोपवीत रखकर गायत्री का दश बार आवेष्टित जप करें। तदुपरान्त किसी पात्र में यज्ञोपवीत रखकर पुष्पाक्षत से प्रत्येक सूत्र में देवताओं का आवाहन करें।

प्रथमतन्तौ ॐकारायनमः, ॐकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐअग्नये नमः, अग्निमावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐसर्पदेवताभ्यो नमः, सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोमाय नमः, सोममावहयामि।

पञ्चमतन्तौ ॐपितृभ्यो नमः, पितृनावाहयामि। सप्तमतन्तौ ॐअनिलेभ्यो नमः, अनिलमावाहयामि। अष्टम तन्तौ ॐयमाय नमः, यममावाहयामि। नवम तन्तौ ॐविश्वेदेवेभ्यो नमः। ॐविश्वान् देवानावाहयामि।

अथ ग्रन्थिदेवतानामावाहनम्

ग्रन्थिममध्ये ॐब्रह्मणे नमः, ॐ ब्रह्मणमावाहयामि। ॐ विष्णवे नमः ॐविष्णुमावाहयामि। ॐरुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि। ॐप्रणवाद्यावाहित देवताभ्यो नमः। प्रणवाद्यावाहितदेवताः यथा स्थानमहं प्रतिष्ठापयामि।

इन मन्त्रों से यज्ञोपवीत की गन्धाक्षत से प्रतिष्ठा करें तथा यज्ञोपवीत का मानसोपचार से पूजन करें।

ध्यानम्

ॐ प्रजापतेर्यत्सहजं पवित्रं कार्पाससूत्रोद्भव ब्रह्मसूत्रम्।

ब्रह्मत्व च सिद्धयै च यशः प्रकाशं जपस्य सिद्धिं कुरु ब्रह्मसूत्रम्॥

तदनन्तर

ॐ आकृष्णेनरजसावर्तमानोनिवेषयन्नमृतंमर्त्यञ्च।

हिरण्ययेन सवितारथेन देवो याति भुवनानि पश्यन्न।

मन्त्र से सूर्यनारायण को यज्ञोपवीत दिखाना चाहिये।

अथ यज्ञोपवीतधारणम्

यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः लिङ्गोक्तदेवता त्रिष्टुिप्छन्दो यज्ञोपवीत धारणे विनियोगः।

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्।

आयुष्यमग्रयं प्रतिमुञ्चशुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥

यज्ञोपवीतमसियज्ञस्यत्वायज्ञोपवीतेनोपनह्यामि॥

इस प्रकार मंत्र पढ़कर पहले दाहिनी भुजा में यज्ञोपवीत डालकर तब कण्ठ में धारण करें। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारण के बाद आचमन करें।

जीर्णसूत्र त्याग

निम्नमन्त्र को पढ़कर जीर्ण यज्ञोपवीत अर्थात् पुराने जनेऊ को पहले सिर की ओर से निकालें। और यथा शक्ति गायत्री मन्त्र को जपकर उसे जल में प्रवाहित करें।

एतावद्दिन पर्यन्तं ब्रह्मत्वं धारितं मया।

जीर्णत्वाच्च परित्यागो गच्छसूत्रं यथासुखम्॥

अर्पणम्

अनेन नव यज्ञोपवीतधारणार्थ कृतेन यथाशक्ति गायत्री जपकर्मणा सविता देवता प्रीयतां न मम। ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

इति यज्ञोपवीत धारण विधि

षोडशोपचार पूजन विधि

पूजा में जो वस्तु विद्यामान न हो उसके लिये 'मनसा परिकल्प्य सर्मपयामि' कहें। वैदिक एवं लौकिक मन्त्रों के साथ षोडशोपचार पूजन की विधि ।

हाथ में अक्षत लेकर ध्यान करे-

भगवान गणेश जी का ध्यान-

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्॥

भगवती गौरी जी का ध्यान करे-

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्॥

श्रीगणेशाम्बिकाभ्यां नमः ध्यानं सर्मपयामि।

ध्यान के बाद भगवान गणेश जी का आवाहन करे-

ॐ गणानां त्वा गणपति ग्वं हवामहे प्रियाणां त्वा प्रियपति ग्वं हवामहे निधीनां त्वा निधिपति ग्वं हवामहे वसो मम। आहमजानि गर्भध मात्वमजासि गर्भधम्॥

एह्येहि हेरम्ब महेशपुत्र समस्तविघ्नौघविनाशदक्ष।
माङ्गल्यपूजाप्रथमप्रधान गृहाण पूजां भगवन् नमस्ते॥

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहिताय गणपतये नमः गणपतिमावाह्यामि, स्थापयामि, पूजयामि च।

हाथ के अक्षत गणेश जी पर चढ़ा दे। फिर अक्षत लेकर गणेश जी की दाहिनी ओर गौरी जी का आवाहन करे।

भगवती गौरी का आवाहन-

ॐ अम्बे अम्बिकेऽम्बालिके न मा नयति कश्चन। ससस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्॥

हेमाद्रितनयां देवीं वरदां शङ्करप्रियाम्।

लम्बोदरस्य जननीं गौरीमावाह्याम्यहम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गौर्यै नमः गौरीमावाह्यामि स्थापयामि पूजयामि च।

उपरोक्त मन्त्र केवल गौरी गणेश जी के लिये विहित है अन्यथा जिस देवता का पूजन करना हो उनके लिये जो मन्त्र विहति हो उस मन्त्र से ध्यान आवाहन करे। तदनन्तर अधोलिखित मन्त्र प्रायः सभी देव के लियेषोडशोपचार में प्रयोग कर सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा-

ॐ मनो जूतिर्जुज्ञतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टंजज्ञ ग्वं समिमं दधातु। विश्वे देवास इह मादयन्तामोउम्प्रतिष्ठ॥

अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।

अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन॥

गणेशाम्बिके! सुप्रतिष्ठिते वरदे भवेताम्। प्रतिष्ठापूर्वकम् आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः (आसन के लिये अक्षत छोड़ें)

पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, स्नानीय, पुनराचमनीय।

ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पुष्णो हस्ताभ्याम्॥

एतानि पाद्यार्घ्याचमनीयस्नानीयपुनराचमनीयानि सर्मपयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (इस मन्त्र से जल चढा दे)

दुग्धस्नान-

ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयो धाः।

पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्॥

कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।

पावनं यज्ञहेतुश्च पयः स्नानार्थमर्पितम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पयः स्नानं समर्पयामि। (दूध से स्नान करायें)

दधिस्नान–

ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरश्वस्य वाजिनः।

सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयु ꣳ षि तारिषत्॥

पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।

दध्यानीतं मया देवं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दधि स्नानं समर्पयामि। (दही से स्नान करायें)

घृतस्नान–

ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्वस्य धाम।

अनुष्वधमा वह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्॥

नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।

घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः घृतस्नानं समर्पयामि। (घी से स्नान कराये)

मधुस्नान–

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥ मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ग्वं रजः। मधु द्यौरस्तु नः पिता॥

पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।

तेजः पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मधु स्नानं समर्पयामि। (मधु से स्नान करायें)

शर्करास्नान–

ॐ अपा ग्वं रसमुद्वयस ꣳ सूर्ये सन्त ꣳ समाहितम्। अपा ꣳ रसस्य यो रसस्तं वो गृह्णम्युत्तममुपयागृहीतोऽसीन्द्राय त्वा जुष्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्॥

इक्षुरससमुद्भूतां शर्करा पुष्टिदां शुभाम्।

मलापहारिकां दिव्यां स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शर्करा स्नानं समर्पयामि। (शर्करा से स्नान करायें)

पञ्चामृतस्नान–

ॐ पञ्च नद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्त्रोतसः। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्॥

पञ्चामृतं मयानीतं पयो दधि घृतं मधु।

शर्करया समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि। (पञ्चामृत से स्नान करायें)

गन्धोदकस्नानं–

ॐ अ ꣳ शुना ते अ ꣳ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः गन्धोदक स्नानं समर्पयामि। (गन्धोदक से स्नान कराये)

शुद्धोदकस्नान-

ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्त आश्विनः। श्येतः श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्जन्याः॥

गङ्गा च यमुना चैव गोदावरि सरस्वती ।

नर्मदा सिन्धुकावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शुद्धोदक स्नानं समर्पयामि। (शुद्ध जल से स्नान करायें) शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

वस्त्र-

ॐ युवा सुवासा परिवीत आगात् स उश्रेयान भवति जायमानः।

तं धीरासः कवय उन्नयन्ति स्वाध्यो३ मनसा देवयन्तः॥

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जाया रक्षणं परम्।
देहालंङ्करणं वस्त्रमतः शान्ति प्रयच्छ मे ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, वस्त्रं समर्पयामि। (वस्त्र समर्पित करें)

आचमन-

वस्त्रान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

उपवस्त्र-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरुथमाऽसदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूप ᳪ सं व्ययस्व विभावसो॥

यस्याभावेन शास्त्रोक्तं कर्म किञ्चन्न सिध्यति।

उपवस्त्रं प्रयच्छामि सर्वकर्मोपकारकम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, उपवस्त्रं (उपवस्त्राभावे रक्तसूत्रं समर्पयामि उपवस्त्र समर्पित करें)

यज्ञोपवीत-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम।

उपवीतं मया दत्तं गृहाणपरमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, यज्ञोपवीतं सर्मपयामि (यज्ञोपवीत समर्पित करें) आचमन- यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। आचमन के लिये जल दें।

चन्दन-

त्वां गन्धर्वा अखनँस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान् यक्ष्मादमुच्यत॥

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम।

विलेपनं सुरश्रेष्ठ! चन्दनं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, चन्दनानुलेपनं समर्पयामि। चन्दन अर्पित करें

अक्षत-

ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी॥

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुङ्कुमाक्ताः सुशोभिताः।

मयानिवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, अक्षतान् सर्मपयामि। अक्षत चढायें।

पुष्पमाला-

ॐ ओषधीः प्रति मोदध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः॥

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।

मयाहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पमालां समर्पयामि (पुष्पमाला समर्पित करें)

दूर्वा-

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्र तनु सहस्त्रेण शतेन च ॥

दुर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान् ।

आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण गणनायक॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि।(दूर्वा चढायें)

सिन्दुरम् -

सिन्धोरिव प्राध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः॥

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।

शुभदं कामदं चैव सिन्दुरं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, सिन्दूरं समर्पयामि (सिन्दूर अर्पित करें)

अबीर- गुलालादि द्रव्याणि

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ग्वं सं परिपातु विश्वतः॥

अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्।

नाना परिमल द्रव्यं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि। अबीर आदि चढायें।

सुगन्धिद्रव्यम् -

ॐ अहिरिव भोगः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ग्वं सं परिपातु विश्वतः॥

दिव्यगन्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्।

गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं वै परिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः सुगन्धिद्रव्यं समपयामि (सुगन्धित द्रव्य अर्पण करें)

धूपम् -

ॐ धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान् धूर्वति तं धूर्व यं वयन्धूर्वामः। देवानामसि वह्नितम ॐ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्॥

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढयो गन्ध उत्तमः।

आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः धूपमाघ्रापयामि। (धूप दिखाये)

दीपम् -

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा॥ ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा॥

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरापहम्॥

भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।

त्राहि मां निरयाद् घोराद् दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते॥

ॐ भूर्भूवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि। (दीप दिखायें)

हस्तप्रक्षालनम् -

ॐ हृषीकेशाय नमः। कहकर हाथ धो लें।

नैवेद्यम्-

नैवेद्य को प्रोक्षित कर गन्ध पुष्प से आच्छादित करें। तदन्तर जल से चतुष्कोण घेरा लगााकर भगवान के आगे रखें।

ॐ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ग्वं शीर्ष्णोद्यौः समवर्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ2 अकल्पयन॥

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा। ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ व्यानाय स्वाहा । ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।

आहारं भक्ष्यभोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नैवेद्यं निवेदयामि। नैवेद्य निवेदित करें।

नैवेद्यान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि । जल समर्पित करें।

ऋतुफलम् -

ॐ याः फलिनीर्या अफला अपुष्पा याश्च पुष्पिणीः। बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्व ग्वं हसः॥

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, ऋतुफलानि समर्पयामि। (ऋतुफल अर्पित करें)

फलान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। (आचमनीय जल अर्पित करें)

उत्तरापोऽशनम् -

उत्तरापोऽशनार्थे जलं समर्पयामि।

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (जल दें)

करोद्वर्तन-

ॐ अ ग्वं शुना ते अ ग्वं शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादिसमन्वितम्।

करोद्वर्तनकं देवं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, करोद्वर्तनं चन्दनं समर्पयामि। (मलयचन्दन समर्पित करें)

ताम्बूलम् -

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत। वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥

पूगीफलं महद्दिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम्।

एलादिचूर्णसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मुखवासार्थम् एलालवंगपूगीफलसहितं ताम्बूलं समर्पयामि। (इलायची , लौंग-सुपारी के साथ ताम्बूल अर्पित करें)

दक्षिणा द्रव्यम् -

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्। स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।

अनन्तपुण्यफलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, कृतायाः पूजायाः साद्गुण्यार्थे द्रव्यदक्षिणां समर्पयामि। (द्रव्य दक्षिणा समर्पित करें)

आरार्तिकं -

ॐ इद ँ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीर ँ सर्वगण ँ स्वस्तये। आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजां बहुलां मे करोत्वन्नं पयो रेतो अस्मासु धत्त॥

ॐ आ रात्रि पार्थिव ँ रजः पितुरप्रायि धामभिः। दिवः सदा ँसि बृहती वि तिष्ठस आ त्वेषं वर्तते तमः॥

कदलीगर्भसम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।

आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, आरार्तिकं समर्पयामि। (कर्पूर की आरती करें आरती के बाद जल गिरा दें)

पुष्पाञ्जलिम्-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥

श्रद्धया सिक्तया भक्त्या हार्दप्रेम्णा समर्पितः।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिश्चायं कृपया प्रतिगृह्यताम्॥

नानासुगन्धिपुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि (पुष्पाञ्जलि अर्पित करें)

प्रदक्षिणाम्-

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।

तेषा ग्वं सहस्रयोजनेऽवधन्वानि तन्मसि॥

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रदक्षिणां समर्पयामि (प्रदक्षिणा करें)

विशेषार्घ्य -

ताम्रपात्र में जल, चन्दन, अक्षत, फल,फूल,दूर्वा और, दक्षिणा रखकर अर्घ्यपात्र को हाथ में लेकर निम्नलिखित मन्त्र पढ़ें। **यहाँ तक सभी पूजन में उपर्युक्त मन्त्रों का उपयोग कर सकते हैं**

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।

भक्तानामभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्॥

द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।

वरदस्त्वं वरं देहि वाञ्छितं वाञ्छितार्थद॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, विशेषार्घ्यं समर्पयामि। (विशेषार्घ्य दें)

प्रार्थना-

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय
लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय
गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया ।
सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रार्थनापूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि। (साष्टाङ्ग नमस्कार करें)

गणेशपूजने कर्म यन्न्यूनमधिकं कृतम्।
तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्नोऽस्तु सदा मम ॥
अनया पूजया गणेशाम्बिके प्रीयेताम् न मम।

ऐसा कहकर समस्त पूजनकर्म भगवान को समर्पित कर दें । उसके बाद पुनः नमस्कार करे।

शमिति

तर्पण प्रयोग विधि

गायत्री मन्त्र से शिखा बाँधकर तिलक लगाकर प्रथम दाहिनी अनामिका में और बायीं अनामिका में पवित्री धारण करें। फिर हाथ में त्रिकुश, यव, अक्षत और जल लेकर सङ्कल्प पढें ।।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्विपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशान्तरगते ... . पुण्यप्रदेशे ...... नगरे .... ग्रामे ....क्षेत्रे .... संवत्सरे. ......अयने.......ऋतौ.........मासे.......पक्षे..........तिथौ............ वासरे. ....गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्ता/दासोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणेक्त-फलप्राप्त्यर्थं देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणं करिष्ये।

आवाहनम् -

ब्रह्मादयः सुराः सर्वे ऋषयः सनकादयः।
आगच्छन्तु महाभागा ब्रह्माण्डोरवर्तिनः॥

देवतर्पणम्

देव तथा ऋषि तर्पण में पूर्व दिशा की ओर मुख करें, जनेउ को सव्य रखें, दाहिना घुटना जमीन पर लगाकर बैठें । अर्घ्यपात्र में चावल छोड़ कर त्रिकुश को पूर्व की ओर अग्रभाग कर रखें। जल की अञ्जलि एक-एक हो। देवतीर्थ से अर्थात् दायें हाथ की अङ्गुलियों के अग्रभाग से जल दें। जलाञ्जलि को सोना,चाँदी, ताँबा अथवा काँसे के पात्र में डालें वा सामर्थ्यानुसार उपलब्ध पात्र में डालें। यदि नदी में तर्पण किया जाय तो दोनों हाथों को मिलाकर जल से भरकर गौ के सींग जितना ऊँचा उठाकर जल में अञ्जलि डालें। निम्नलिखित प्रत्येक नाम मन्त्र के बाद **'तृप्यताम्'** कहकर एक-एक अञ्जलि जल दें।

ॐ ब्रह्मा तृप्यताम्। ॐ विष्णुस्तृप्यताम्। ॐ रुद्रस्तृप्यताम्। ॐ प्रजापतिस्तृप्यताम्। ॐ देवास्तृप्यन्ताम्। ॐ छन्दांसि

तृप्यन्ताम्। ॐ वेदास्तृप्यन्ताम्। ॐ ऋषयस्तृप्यन्ताम्। ॐ पुराणाचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ गन्धर्वास्तृप्यन्ताम्। ॐ इतराचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ संवत्सरः सावयवस्तृप्यताम्। ॐ देव्यस्तृप्यन्ताम्। ॐ अप्सरसस्तृप्यन्ताम्। ॐ देवानुगास्तृप्यन्ताम्। ॐ नागास्तृप्यन्ताम्। ॐ सागरास्तृप्यन्ताम्। ॐ पर्वतास्तृप्यन्ताम्। ॐ सरितस्तृप्यन्ताम्। ॐ मनुष्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ यक्षास्तृप्यन्ताम्। ॐ रक्षांसितृप्यन्ताम्। ॐ पिशाचास्तृप्यन्ताम्। ॐ सुपर्णास्तृप्यन्ताम्। ॐ भूतानितृप्यन्ताम्। ॐ पशवस्तृप्यन्ताम्। ॐ वनस्पतयस्तृप्यन्ताम्। ॐ ओषधयस्तृप्यन्ताम्। ॐ भूतग्रामश्चर्तुविधस्तृप्यताम्।

ऋषितर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित मन्त्रों वाक्यों से मरीचि आदि ऋषियों को भी एक-एक अञ्जलि दें।

ॐ मरीचिस्तृप्यताम्। ॐ अत्रिस्तृप्यताम्। ॐ अङ्गिरास्तृप्यताम्। ॐ पुलस्त्यस्तृप्यताम् । ॐ पुलहस्तृप्यताम् । ॐ क्रतुस्तृप्यताम्। ॐ वशिष्ठस्तृप्यताम्। ॐ प्रचेतास्तृप्ताम्। ॐ भृगुस्तृप्यताम्। ॐ नारदस्तृप्यताम्।

दिव्यमनुष्यतर्पणम्

दिव्य मनुष्य तर्पण में उत्तर दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ कंठी की तरह कर लें, गमछे को भी कंठी की तरह कर लें, सीधा बैठें। कोई घुटना भूमी पर न लगाएं। अर्घ्यपात्र में जौ छोड़ें। त्रिकुश को उत्तराग्र रखें। प्रजापत्य (काय) तीर्थ से अर्थात् कुशों को दाहिने हाथ की कनिष्ठिका के मूल भाग में रखकर यहीं से दो-दो अञ्जलियाँ जल दें।

ॐ सनकस्तृप्यताम्। ॐ सनन्दनस्तृप्यताम्। ॐ सनातनस्तृप्यताम्। ॐ कपिलस्तृप्यताम्। ॐ आसुरिस्तृप्यताम्। ॐ वोढुस्तृप्यताम्। ॐ पञ्चशिखस्तृप्यताम्।

दिव्यपितृतर्पणम्

पितृ तर्पण में दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपसव्य हो जाएं अर्थात् जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बायें हाथ के नीचे ले जाएं गमछे को भी दाहिने कंधे पर रखें। बायां घुटना भूमी पर लगाकर बैठें, अर्घ्य पात्र में कृष्ण तिल छोड़ें, कुशा को बीच से मोड़कर उनकी जड़ और अग्रभाग को दाहिने हाथ के तर्जनी और अँगूठे के बीच में रखें, पितृ तीर्थ से अर्थात् अँगूठे और तर्जनी के मध्यभाग से प्रत्येक मन्त्र पर तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें। जल में गंगाजल प्रयोग करना सर्वाधिक श्रेयस्कर है। अभाव में गंगाजल मिश्रित जल प्रयुक्त करें। गंगाजल के अभाव में किसी पवित्र नदी-स्रोत-तड़ागादि का जल भी ग्रहण किया जा सकता है।

ॐ कव्यवाडनलस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः (3)। ॐ सोमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः (3)। ॐ यमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधानमः (3)। ॐ अर्यमा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः (3)। ॐ अग्निष्वात्ताः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा नमः (3)। ॐ सोमपाः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा नमः (3)। ॐ बर्हिषदः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा नमः(3)।

यमतर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित प्रत्येक नाम से यमराज को पितृतीर्थ से ही दक्षिणाभिमुखि हो तीन-तीन अञ्जलियाँ दे-

ॐ यमाय नमः (3)। ॐ धर्मराजाय नमः (3)। ॐ मृत्यवे नमः (3)। ॐ अन्तकाय नमः (3)। ॐ वैवस्वताय नमः (3)। ॐ कालाय नमः (3)। ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः (3)। ॐ औदुम्बराय नमः (3)। ॐ दध्नाय नमः (3)। ॐ नीलाय नमः (3)। ॐ परमेष्ठिने नमः (3)। ॐ वृकोदराय नमः (3)। ॐ चित्राय नमः (3)। ॐ चित्रगुप्ताय नमः (3)।

पितरों का तर्पण करने के पूर्व निम्नाङ्कित मन्त्रों से हाथ जोड़कर सर्वप्रथम उनका आवाहन करें -

ॐ उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्तः समिधीमहि।
उशन्नुशत आ वह पितृन् हविषे अत्तवे ॥
आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः।
अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥
ॐ आगच्छन्तु मे पितर इमं गृह्णन्तु जलाञ्जलिम्।

इसी तरह नीचे लिखे मन्त्रों का उच्चारण कर तिल के साथ तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें

अमुक गोत्र अस्मत्पिता अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा नमः (3)।

अमुकगोत्र अस्मत्पितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा नमः (3)।

अमुकगोत्र अस्मत्प्रपितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) आदित्यरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा नमः (3)।

अमुकगोत्राया अस्मन्माता अमुकी देवी वसुरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा नमः (3)।

अमुकगोत्राया अस्मत्पितामही अमुकी देवी रुद्ररूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा नमः (3)।

अमुकगोत्राया अस्मत्प्रपितामही अमुकी देवी आदित्यरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा नमः(3)।

इसके बाद निम्नाङ्कित नौ मन्त्रों को पढते हुए पितृतीर्थ से जल गिराते रहें-

ॐ उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः। असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नोऽवन्तु पितरो हवेषु॥1॥

अङ्गिरसो नः पितरो नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः। तेषां वय ৺ सुमतौ यज्ञियानामपि भद्रे सौमनसे स्याम॥2॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः। अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥3॥

ऊर्जं वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतम्। स्वधा स्थ तर्पयत मे पितृन्॥4॥

पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यः स्वाधायिभ्यः स्वधा नमः।

अक्षन्पितरोऽमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्त पितरः पितरः शुन्धध्वम्॥5॥

ये चेह पितरो ये च नेह याँश्च विद्म याँ उ च न प्रविद्म। त्वं वेत्थ यति ते जातवेदः स्वाधाभिर्यज्ञः सुकृतं जुषस्व॥6॥

मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्तोषधीः॥7॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ँ रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता॥8॥

मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ अस्तु सूर्यः। माध्वीर्गावो भवन्तु नः॥9॥

ॐ मधु। मधु। मधु। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्॥

फिर नीचे लिखे मन्त्र का पाठ करें–

ॐ नमो वः पितरो रसाय नमो वः पितरः शोषाय नमो वः पितरो जीवाय नमो वः पितरः स्वधायै नमो वः पितरो घोराय नमो वः पितरो मन्यवे नमो वः पितरः पितरो नमो वो गृहान्नः पितरो दत्त सतो वः पितरो देष्मैतद्वः पितरो वास आधत्त॥

द्वितीयगोत्रतर्पणम्

इसके बाद द्वितीय गोत्रवाले (ननिहाल के) मातामह (नाना) आदि का तर्पण करें। यहाँ भी पहले की भाँति निम्नलिखित वाक्यों को तीन–तीन बार पढकर तिल सहित जल की तीन–तीन अञ्जिलियाँ पितृतीर्थ से दें –

अमुकगोत्रः अस्मन्मातामहः (नाना) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा नमः (3)। अमुकगोत्रः अस्मत्प्रमातामहः (परनाना) अमुकः रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा नमः (3)। अमुकगोत्रः अस्मत्वृद्धप्रमातामहः (वृद्ध परनाना) अमुकः आदित्यस्वरूपः तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा नमः (3)।

अमुकगोत्रा अस्मन्मातामही (नानी) अमुकी देवी वसुरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा नमः(3)। अमुकगोत्रा अस्मत्प्रमातामही (परनानी) अमुकी देवी रुद्ररूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा नमः (3)। अमुकगोत्रा अस्मद् वृद्धप्रमातामही (वृद्ध परनानी) अमुकी देवी आदित्यरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा नमः (3)।

पत्न्यादितर्पणम्

इसके आगे पत्नी से लेकर आप्तपर्यन्त जो भी सम्बन्धी मृत हो गये हो, उनके गोत्र ओर नाम लेकर एक–एक अञ्जलि जल दें –

अमुकगोत्रा अस्मत्पत्नी अमुकी देवी दा वसुरूपा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मत्सुतः (बेटा) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः । अमुकगोत्रा अस्मत्कन्या (बेटी) अमुकीदेवी दा वसुरूपा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मपितृव्यः (पिता के भाई) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मातुलः (मामा) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वाधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मत्भ्राता/अस्मत्सापत्नभ्राता (सौतेला भाई)

अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः। अमुकगोत्रा अस्मत्पितृभगिनी बूआ अमुकी देवी दा वसुरूपा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा नमः। अमुकगोत्रा अस्मन्मातृभगिनी (मौसी) अमुकी देवी दा वसुरूपा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा नमः। अमुकगोत्रा अस्मदात्मभगिनी (अपनी बहन) अमुकी देवी दा वसुरूपा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा नमः। अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नभगिनी (सौतेली बहन) अमुकी देवी दा वसुरूपा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मच्छ्वशुरः (श्वशुर) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मद्गुरुः अमुकः वसुरुपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मदाचार्य पत्नी अमुकी देवी दा वसुरूपातृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मच्छिष्यः अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मत्सखा अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः। अमुकगोत्रः अस्मदात्मपुरुषः अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा नमः।

इसके बाद सव्य होकर पूर्वाभिमुख हो सीधे बैठ जाय । त्रिकुश को सीधा कर उनके अग्रभाग को पूर्व की ओर कर लें। फिर नीचे लिखे श्लोकों को पढ़ते हुए देवतीर्थ से जल गिरायें –

देवासुरास्तथा यक्षा नागा गन्धर्वराक्षसाः।

पिशाचा गुह्यकाः सिद्धाः कुष्माण्डास्तरवः खगाः॥

जलेचरा भूनिलया वाय्वाधाराश्च जन्तवः।

तृप्तिमेते प्रयान्त्वाशु मद्दत्तेनाम्बुनाखिलाः॥

इसके बाद अपसव्य होकर जनेऊ और अंगोछे को भी दाहिने कंधे पर रखकर दक्षिणाभिमुख हो जाए। त्रिकुश को बीच से मोड़कर इनकी जड़ और अग्रभाग को मिलाकर पितृतीर्थ से जल गिरायें-

नरकेषु समस्तेषु यातनासु च ये स्थिताः।

तेषामाप्यायनायैतद्दीयते सलिलं मया॥1॥

येऽबान्धवा बान्धवाश्च येऽन्यजन्मनि बान्धवाः।

ते तृप्तिमखिला यान्तु यश्चास्मत्तोऽभिवाञ्छति॥2॥

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः पुत्रदारविवर्जिताः।

तेषां हि दत्तमक्ष्य्यमिदमस्तु तिलोदकम्॥3॥

आब्रह्मस्तम्बपर्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु पितरः सर्वे मातृमातामाहादयः॥4॥

अतीतकुलकोटिनां सप्तद्विपनिवासिनाम्।

आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम्॥5॥

वस्त्रनिष्पीडनम्

इस प्रकार सब पितरों का तर्पण हो जाने के बाद अँगोछे की चार तह कर उसमे तिल तथा जल छोड़कर नीचे लिखे मन्त्र को पढ़कर जल के बाहर बायीं ओर पृथ्वी पर निचोड़ें-

ये के चास्मात्कुले जाता अपुत्रा गोत्रिणो मृताः।

ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम्॥

भीष्मतर्पणम्

इसके बाद भीष्मपीतामह को पितृतीर्थ और त्रिकुशों से जल दें।

भीष्मः शान्तनवो वीरः सत्यवादी जितेन्द्रियः।

आभिरद्भिरवाप्नोतु पुत्रपौत्रोचितां क्रियाम्॥

सूर्य को अर्घ्यदान

इसके पश्चात् पात्र को जल तथा मिट्टी से स्वच्छ कर लें। उसके बाद पूर्वोक्त रीति से आचचमन और प्रणायाम कर सव्य हो जाय अर्थात् जनेऊ को बायें कंधे पर कर लें। अर्घ्य में फूल चन्दन लेकर निम्नलिखित मन्त्र से सूर्य को अर्घ्य दें-

ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन्! भास्वते विष्णुतेजसे।

जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे कर्मदायिने॥

एष अर्घ्यः श्री सूर्याय नमः॥

सूर्यार्घ्य देकर प्रदक्षिणा करें । इसके बाद दिशाओं एवं उनके अधिष्ठातृ देवताओं का वन्दन करें -

ॐ प्राच्यै नमः, ॐ इन्द्राय नमः, ॐ आग्नेय्यै नमः, ॐ अग्नये नमः, ॐ दक्षिणाय नमः, ॐ यमाय नमः, ॐ नैर्ऋत्यै नमः, ॐ निर्ऋतये नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः, ॐ वरुणाय नमः, ॐ वायव्यै नमः, ॐ वायवे नमः, ॐ उदीच्यै नमः, ॐ कुबेराय नमः, ॐ ऐशान्यै नमः, ॐ ईशानाय नमः, ॐ ऊर्ध्वायै नमः, ॐ ब्रह्मणे नमः, ॐ अधरायै नमः, ॐ अनन्ताय नमः, ॥

इस प्रकार दिशाओं और देवताओं को नमस्कार कर आसन पर बैठाकर के नीचे लिखे मन्त्र पढकर एक-एक जलाञ्जलि दें।

ॐ ब्रह्मणे नमः। ॐ अग्नये नमः। ॐ पृथिव्यै नमः। ॐ ओषधिभ्यो नमः। ॐ वाचे नमः। ॐ वाचस्पते नमः। ॐ महद्भ्यो नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ अद्भ्यो नमः। ॐ अपाम्पतये नमः। ॐ वरुणाय नमः।

निम्नाङ्कित वाक्य पढ़कर यह तर्पण कर्म भगवान् को समर्पित करे-

अनेन यथाशक्तिकृतेन देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणाख्येन कर्मणा भगवान् पितृस्वरूपी जनार्दनवासुदेवः प्रीयतां न मम्।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु।

तदन्तर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करते हुए पाठ करें

प्रमादात कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।

स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः॥

यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिषु।

न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥

यत्पादपङ्कजस्मरणत् यस्य नामजपादपि।

न्यूनं कर्म भवेत् पूर्णं तं वन्दे साम्बमीश्वरम्॥

ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः,॥

इति तर्पणप्रयोगः

श्रीसूक्तम्

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्त्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥1॥

तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम्॥2॥

अश्वपूर्वां रथमध्यां हस्तिनाद-प्रमोदिनीम्।
श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम्॥3॥

कां सोऽस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्।
पद्मे स्थितां पद्मवर्णां तामिहोपह्वये श्रियम्॥4॥

चन्द्रां प्रभासां यशसा ज्वलन्तीं श्रियं लोके देवजुष्टामुदाराम्।
तां पद्मनेमिं शरणं प्रपद्ये अलक्ष्मीर्मे नश्यतां त्वां वृणे॥5॥

आदित्यवर्णे तपसोऽधिजातो वनस्पतिस्तव वृक्षोऽथ बिल्वः।
तस्य फलानि तपसा नुदन्तु मायान्तरा याश्च बाह्या
अलक्ष्मीः॥6॥

उपैतु मां देवसखः कीर्तिश्च मणिना सह।
प्रादुर्भूतो सुराष्ट्रेऽस्मिन् कीर्तिमृद्धिं ददातु मे॥7॥

क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम्।
अभूतिमसमृद्धिं च सर्वां निर्णुद मे गृहात्॥8॥

गन्धद्वारां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम्।
ईश्वरीं सर्वभूतानां तामिहोपह्वये श्रियम्॥9॥

मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि।
पशूनां रूपमन्नस्य मयि श्रीः श्रयतां यशः॥10॥

कर्दमेन प्रजा भूता मयि सम्भव कर्दम।
श्रियं वासय मे कुले मातरं पद्ममालिनीम्॥11॥

आपः सृजन्तु स्निग्धानि चिक्लीत वस मे गृहे।
नि च देवीं मातरं श्रियं वासय मे कुले॥12॥

आर्द्रां पुष्करणीं पुष्टिं पिङ्गलां पद्ममालिनीम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥13॥

आर्द्रां यः करणीं यष्टिं सुवर्णां हेममालिनीम्।
सूर्यां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥14॥

तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं प्रभूतिं गावो दास्योऽश्वान्विन्देयं
पुरुषानहम्॥15॥

यः शुचिः प्रयतो भूत्वा जुहुयादाज्यमन्वहम्।
सूक्तं पञ्चदशर्चञ्च श्रीकामः सततं जपेत्॥16॥

इति श्रीसूक्तम्

अथ रूद्रसूक्तम्

हरिः ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः।

बाहुब्भामुत ते नमः॥1॥

या ते रुद्र शिवा तनूरघोराऽपापकाशिनी।

तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि॥2॥

यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे।

शिवां गिरित्र तां कुरु मा हिꣳसीः पुरुषं जगत्॥3॥

शिवेन वचसा त्वा गिरिशाच्छा वदामसि।

यथा नः सर्वमिज्जगदयक्ष्मꣳ सुमना असत्॥4॥

अध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्।

अहींश्च सर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वाश्च यातुधान्योऽधराचीः परा सुव॥5॥

असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रुः सुमङ्गलः।

ये चैनꣳरुद्रा अभितो दिक्षु श्रिताः सहस्रशोऽवैषाꣳ हेड ईमहे॥6॥

असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहितः।

उतैनं गोपा अदृश्रन्नदृश्रन्नुदहार्यः स दृष्टो मृडयाति नः॥7॥

नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय मीढुषे।

अथो ये अस्य सत्वानोऽहं तेभ्योऽकरं नमः॥8॥

प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरार्त्न्योर्ज्याम्।

याश्च ते हस्त इषवः परा ता भगवो वप॥9॥

विज्यं धनुः कपर्दिनो विशल्यो बाणवॉर उत।

अनशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधिः॥10॥

या ते हेतिर्मीढुष्टम हस्ते बभूव ते धनुः।

तयास्मान्विश्वतस्त्वमयक्ष्मया परिभुज॥11॥

परि ते धन्वनो हेतिरस्मान्वृणक्तु विश्वतः।

अथो य इषुधिस्तवारे अस्मन्नि धेहि तम्॥12॥

अवतत्य धनुष्ट्वꣳ सहस्राक्ष शतेषुधे।

निशीर्य शल्यानां मुख शिवो नः सुमना भव॥13॥

नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे।

उभाभ्यामुत ते नमो बाहुब्भ्यां तव धन्वने॥14॥

मा नो महन्तमुत मा नो अर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्।

मा नो वधीः पितरं मोत मातरं मा नः प्रियास्तन्वो रूद्र रीरिषः॥15॥

मा नस्त्वोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु मा नो अश्वेषु रीरिषः।

मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्तः सदमित् त्वा हवामहे॥16॥

इति रूद्रसूक्तम्

पुरुषसूक्तम्

हरिः ॐ सहस्त्रशीर्षा पुरुषः सहस्त्राक्षः सहस्त्रपात्।

स भूमि ᳪ सर्वतस्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्॥1॥

पुरुष एवेद ᳪ सर्वं यद् भूतं यच्च भाव्यम्।

उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति॥2॥

एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः।

पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि॥3॥

त्रिपादूर्ध्व उदैत्पुरुषः पादोऽस्येहाभवत्पुनः।

ततो विष्वङ् व्यक्रामत्साशनानशने अभि॥4॥

ततो विराडजायत विराजो अधि पूरुषः।

स जाातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः॥5॥

तस्माद्यज्ञात् सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्।

पशूँस्ताँश्चक्रे वायव्यानारण्या ग्राम्याश्च ये॥6॥

तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे।

छन्दा ᳪ सि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मादजायत॥7॥

तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः।

गावो ह जज्ञिरे तस्मात्तस्माजाता अजावयः॥8॥

तं यज्ञं बर्हिषि प्रौक्षन् पुरुषं जातमग्रतः।

तेन देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये॥9

यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन्।

मुखङ्किमस्यासीत् किम्बाहू किमूरू पादा उच्येते॥10

ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः।

ऊरू तदस्य यद् वैश्यः पद्भ्या ᳪ शूद्रो अजायत॥11

चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत।

श्रोत्राद् वायुश्च प्राणश्च मुखादग्निरजायत॥12

नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ᳪ शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तत।

पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ २ अकल्पयन्॥13

यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यां ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥14

सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः।

देवा यद्यज्ञन्तन्वाना अबध्नन् पुरुषम्पशुम्॥15

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्॥

ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥16

इति पुरुषसूक्तम्

चौघड़िया मुहूर्त्त

रविवार		चन्द्रवार		भौमवार		बुधवार		गुरुवार		शुक्रवार		शनिवार	
दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

गण्डमूल नक्षत्रों के चरण फल

चरण \ नक्षत्र	अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम चरण	पितृ कष्ट	सुख	मातृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	पितृ कष्ट	लाभप्रद
द्वितीय चरण	सुख	धन हानि	पितृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	मातृ कष्ट	सुखद
तृतीय चरण	सुयोग	मातृ कष्ट	सुखद	मातृ कष्ट	धन हानि	शुभ
चतुर्थ चरण	सुखद	पितृ कष्ट	शुभ	शरीर कष्ट	सौख्यम्	कष्ट

शिव वास

वर्तमान तिथि गुणा 2 को 5 से जोड़कर 7 से भाग देने पर प्राप्त शेष एकादि होने पर क्रमशः शिव का वास निम्नानुसार जानें।

शेष	शिव वास	फल
1	कैलाश	श्रेष्ठ
2	गौरी सह	श्रेष्ठ
3	वृषभ पर	श्रेष्ठ
4	सभा में	सामान्य
5	ज्ञान वेला	श्रेष्ठ
6	क्रीड़ा में	नेष्ट
0	श्मशान में	मृत्यु

अग्निवास विचार

शुक्ल प्रतिपदा से इष्ट तिथि पर्यन्त जो संख्या आये उसमें सूर्यादि वार संख्या मिलाकर 1 जोड़ें फिर प्राप्त संख्या में 4 से भाग देनें पर शेष 3 व 0 हो तो अग्निवास भूमि पर शुभ होता है तथा 1 शेष बचे तो स्वर्ग में प्राण नाशक और शेष 2 रहने पर अग्निवास पाताल धन नाशक होता है, ऐसा जानना चाहिए।

नवग्रह शान्ति उपाय

सूर्य

वैदिक मन्त्र ॐ आकृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतम्मर्त्यञ्च हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।

सूर्य गायत्री आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नो सूर्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ घृणि: सूर्याय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:।।

जप संख्या 7000 (सप्तसहस्राणि)

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकलक्षणकारक:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे रवि:।।

चन्द्र

वैदिक मन्त्र ॐ इमन्देवाऽअसपत्नं सुवध्वं - महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय। इमममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएष वोऽमी राजा सोऽमोस्माकं ब्रह्मणानां राजा।।

चन्द्र गायत्री ॐ अमृताङ्गाय विद्महे कलरूपाय धीमहि तन्नो सोम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ सोम सोमाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं क्लीं सोमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।।

जप संख्या 11000 एकादशसहस्राणि

रोहिणीश: सुधामूर्ति: सुधागात्रो सुधाशन:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे विधु:।।

भौम

वैदिक मन्त्र ॐ अग्निर्मूर्द्धादिव: ककुत्पति: पृथिव्याऽअयम्। अपां रेतां सि जिन्वति।।

भौम गायत्री ॐ अङ्गारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ अं अङ्गारकाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ हूँ श्रीं भौमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:।।

जप संख्या 10000 (दशसहस्राणि)

भूमिपुत्रो महातेजा जगतो भयकृत्सदा।
वृष्टिकृद्-वृष्टिहर्ता च पीड़ां दहतु मे कुज:।।

बुध

वैदिक मन्त्र ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्ते स ठं सृजेथामयं च अस्मिन्त्सध स्थेऽअध्युत्तरस्मिन् विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।

बुध गायत्री ॐ सौम्यरूपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बुं बुधाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:।।

जप संख्या 9000 (नवसहस्राणि)

उत्पातरूपी जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युति:।
सूर्यप्रियकरो विद्वान पीड़ां दहतु मे बुध:।।

गुरु

वैदिक मन्त्र ॐ बृहस्पतेऽअतियदर्योऽ अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु यद्दीदयच्छ वसऽऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।

गुरु गायत्री ॐ आङ्गिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीव: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बृं बृहस्पतये नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं क्लीं हूँ बृहस्पतये नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।।

जप संख्या 19000 एकोनविंशतिसहस्राणि

देवमन्त्री विशालाक्ष: सदालोकहितेरत:।
अनेकशिष्यै: सम्पूर्ण: पीड़ां दहतु मे गुरु:।।

शुक्र

वैदिक मन्त्र ॐ अन्नात् परिस्रुतो रसं ब्रह्मणा व्यपिबत्क्षत्रम्पय: सोमं प्रजापति:। ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपान ठं शुक्रमंधसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतम्मधु।।

शुक्र गायत्री ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्र: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शुं शुक्राय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:।।

जप संख्या 16000 (षोडशसहस्राणि)

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्चमहाद्युति:।
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीड़ां दहतु मे भृगु:।।

शनि

वैदिक मन्त्र ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु न:।।

शनि गायत्री ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युपुरुषाय धीमहि तन्नो शनि: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शं शनैश्चराय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:।।

जप संख्या 23000 (त्रयोविंशतिसहस्राणि)

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्ष: शिवप्रिय:।
मन्दचार: प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु मे शनि:।।

राहु

वैदिक मन्त्र ॐ कयानश्चित्रऽआभुवदूती सदावृध: सखा कया सचिष्ठया व्वृता।।

राहु गायत्री ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ रां राहवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं राहवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

महाशीर्षो महावक्त्रो महाद्रंष्टो महायशा:।
अतनुश्चोर्ध्व केशश्च पीड़ां दहतु मे तम:।।

केतु

वैदिक मन्त्र ॐ केतुं कृण्वन्न केतवे पेशो मर्य्याअपेशसे समुषद्भिरजायथा:।।

केतु गायत्री ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ कें केतवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ऐं केतवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

अनेकरूपवर्णश्च शतशोऽथ सहस्रश:।
उत्पात रूपी घोरश्च पीड़ां दहतु मे शिखो।।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली - 110 016, वास्तुशास्त्र विभाग



1. वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्र (प्रवेशिका) : यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम स्थापत्य वेद एवं वेदोत्तरवर्ती वास्तुशास्त्र की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।
2. एकवर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा : यह एकवर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का जन-जीवन में प्रयोग एवं उपयोग पर आधारित है। संस्कृत भाषा का भी प्राथमिक ज्ञान इस पाठ्यक्रम में दिया जायेगा।
3. द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा : यह द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों की विशिष्टता व लोकोपयोगिता पर आधारित है। इसमें संस्कृत भाषा का भी प्राथमिक ज्ञान दिया जायेगा।
4. शास्त्री : यह त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जिसमें वास्तुशास्त्र का वैदिक परम्परा पर आधारित वास्तुशास्त्रीय मूलभूत संस्कृत भाषा में निबद्ध मानक ग्रन्थो के द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
5. आचार्य : यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है जिसमें वास्तुशास्त्र के प्रमुख प्राचीन आधारभूत मानक ग्रन्थो का विस्तृत और गम्भीर विषयों का प्रायोगिक अध्ययन किया जाता है।
6. पी.एच.डी. : वास्तुशास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान के माध्यम से नवीन तथ्यों की अन्वेषण एवं लोककल्याण के लिये यह गवेषणात्मक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।
7. वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लौमा : विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा मान्यता प्राप्त नवीकरण कार्यक्रम (इन्नोवेटिव प्रोग्राम) के तहत 2004 से द्विवर्षीय स्नातकोत्तरवास्तुशास्त्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) पाठ्यक्रम चल रहा है।

नोट- विद्यापीठ द्वारा संचालित उक्त सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया जून-जुलाई में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। सत्र 2016-17 के षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय, एकवर्षीय एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं। शेष पाठ्यक्रम सोमवार- शुक्रवार को विद्यापीठ के कार्य दिवसों में सम्पन्न किये जाते हैं।